राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

ओपनिंग टेस्ट में रोहित पास, जमाया शतक
>> 14

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 115

मूल्य ₹6 .00, नई दिल्ली, गुरुवार, 3 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

बंदियों के हुनर ने अगरबत्ती की राख को दिया आकार

ग्रेटर नोएडा : स्टार्टअप के तहत दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर)

के 100 से ज्यादा मंदिरों से हर महीने 800 किलो अगरबत्ती की राख एकत्र की जा रही है। जिससे देश की राजधानी से सटे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर की जिला जेल में बंदी सुंदर मूर्तियां गढ़ रहे हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

गोबर और गोमूत्र से भी उड़ सकेगा रॉकेट!

जमशेदपुर : गोमूत्र व गोबर के मिश्रण से हाइड्रोजन गैस बनती है। परिष्करण कर

इसका इस्तेमाल रॉकेट के प्रोपेलर में ईंधन के रूप में भी किया जा सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआइटी) आदित्यपुर में इस पर शोध चल रहा है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

आर्म्स एक्ट को संशोधित कर और सख्त बनाएगी सरकार

नई दिल्ली : भारत में सीमा पार से अवैध हथियारों की आमद रोकने को केंद्र सरकार आर्म्स एक्ट को और कड़ा बनाएगी। सूत्रों के अनुसार, चीन से हथियारों की तस्करी करके भारत लाया जाता है, जिनका इस्तेमाल पूर्वोत्तर में नक्सली संगठन करते हैं। पाकिस्तान से भी हथियारों की तस्करी होती है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

सुरक्षा परिषद में भारत का न होना यूएन की साख पर सवाल

वाशिंगटन : भारत ने मंगलवार को कहा कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। इसके लिए भारत का पक्ष मजबूत है। भारत के बिना सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन में अमेरिकी थिंक टैंक 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' में विदेश नीति पर भाषण देने के बाद लोगों से यह बात कही।

स्पोर्ट्स ▶ पृष्ठ 14

कपिल देव ने सीएसी प्रमुख के पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली : कपिल देव ने हितों के टकराव के मुद्दे पर तीन सदस्यीय एडहॉक क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल इस समिति के प्रमुख थे। बीसीसीआइ से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'हां, कपिल देव ने सीएसी प्रमुख के पद से अपना इस्तीफा भेज दिया है।

आजकल ▶ पृष्ठ 16

ट्विटर और ट्वीटडेक हुए ठप, हजारों यूजर प्रभावित

वाशिंगटन : माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर बुधवार को एक बार फिर ठप हो गई। जिसके चलते पूरी दुनिया के यूजर्स डैशबोर्ड मैनेजमेंट प्लेटफार्म ट्वीटडेक या ट्विटर इस्तेमाल नहीं कर सके। हालांकि मोबाइल एप के साथ यह समस्या नहीं है। बता दें कि ट्वीटडेक सिंगल स्क्रीन पर ट्विटर फीड्स को मॉनीटर और मैनेज करने के लिए एक वेब और डेस्कटॉप सॉल्यूशन है।

निजाम के धन पर पाक का दावा खारिज, ब्रिटिश कोर्ट का भारत के पक्ष में फैसला

- सातवें निजाम की ब्रिटेन में जमा 3.5 करोड़ पाउंड की रकम का मामला
- निजाम ने 1948 में तत्कालीन पाक उच्चायुक्त के खाते में जमा कराई थी राशि

सातवें निजाम उस्मान अली खान (काले कोट में)। फाइल फोटो

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटिश हाई कोर्ट से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। विभाजन के बाद हैदराबाद के तत्कालीन सातवें निजाम के धन को लेकर पाकिस्तान के साथ चल रही दशकों पुरानी कानूनी लड़ाई में कोर्ट ने बुधवार को भारत और निजाम के उत्तराधिकारियों के पक्ष में फैसला सुनाया। उस समय यह रकम करीब 10,07,940 पाउंड और नौ शिलिंग की थी जो अब बढ़कर करीब 3.5 करोड़ पाउंड (300 करोड़ रुपये) हो गई है। यह रकम लंदन स्थित नैटवेस्ट बैंक पीएलसी में जमा है।

हैदराबाद के तत्कालीन सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान ने 1948 में उक्त रकम ब्रिटेन में पाकिस्तान के तत्कालीन उच्चायुक्त हबीब इब्राहिम रहीमटूला को हस्तांतरित की थी। तभी से यह रकम नैटवेस्ट बैंक पीएलसी के उनके खाते में जमा है।

पाक की दलीलें : पाकिस्तान इस रकम पर दो दलीलों के आधार पर अपना दावा कर रहा था। पहली, सातवें निजाम ने यह रकम हथियार और पाकिस्तान की मदद हासिल करने के एवज में हस्तांतरित की थी। दूसरी, यह रकम भारत के हाथ में न चली जाए इसलिए हस्तांतरित की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने दो और दलीलें दी थीं। पहली, यह गैरन्यायिक मामला है क्योंकि रकम का हस्तांतरण दो सरकारों के बीच था। दूसरी, 1948 में हैदराबाद का भारत में विलय गैरकानूनी था, इसलिए इस रकम पर भारत और आठवें निजाम का दावा नहीं बनता।

निजाम ने भी किया था दावा : हैदराबाद रियासत के भारत में विलय के बाद 1950 में सातवें निजाम ने इस रकम पर अपना दावा किया था। लेकिन हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने उनका दावा खारिज कर दिया था। पाकिस्तान के सॉव्रिन इम्यूनिटी का दावा करने से केस की प्रक्रिया रुक गई थी, लेकिन 2013 में पाकिस्तान ने रकम पर दावा करके सॉव्रिन इम्यूनिटी खत्म कर दी थी। जिसके बाद मामले की कानूनी प्रक्रिया फिर शुरू हुई थी। पाकिस्तान सरकार के खिलाफ कानूनी लड़ाई में सातवें निजाम के वंशजों और हैदराबाद के आठवें निजाम प्रिंस मुकर्रम जाह तथा उनके छोटे भाई मुफ्फखम जाह ने भारत सरकार से हाथ मिला लिया था।

ऐसे खारिज हुई पाक की दलीलें : लंदन की रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस के जज जस्टिस मार्कस स्मिथ ने बुधवार को अपने फैसले में कहा, 'धन पर सातवें निजाम का अधिकार था और अब सातवें निजाम के उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाले जाह भाइयों तथा भारत का धन पर अधिकार है।' अदालत ने पाकिस्तान द्वारा हैदराबाद को हथियारों की आपूर्ति की बात तो स्वीकार की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उक्त रकम के हस्तांतरण और हथियारों की आपूर्ति में संबंध का कोई साक्ष्य नहीं है। अदालत ने पाकिस्तान की यह दलील भी मानी कि भारत के हाथों में जाने से रोकने के लिए यह रकम स्थानांतरित की गई होगी, लेकिन उन्होंने यह स्वीकार करने से इन्कार कर दिया कि रकम ट्रस्ट के लिए नहीं बल्कि सिर्फ पाकिस्तान के लिए थी। कोर्ट ने पाकिस्तान के दूसरे देश से जुड़ी गतिविधि के सिद्धांत और गैरकानूनी होने के आधार पर प्रभावी नहीं होने के तर्क को भी खारिज कर दिया।

जीवनकाल में निपटारे पर खुशी : आठवें निजाम की ओर से केस लड़ रहे 'विदर्स एलएलपी' के पार्टनर पॉल हेविट ने कहा कि जब विवाद उठा था तो हमारे मुवक्किल बच्चे थे। अब वह 80 साल से अधिक उम्र के हैं। यह राहत की बात है कि इस विवाद का निपटारा उनके जीवनकाल में ही हो गया। बता दें कि प्रिंस मुकर्रम जाह इस समय इस्तांबुल में रह रहे हैं, जबकि मुफ्फखम जाह लंदन में रहते हैं।

पाक ने हथियार आपूर्ति की बात स्वीकारी : भारत सरकार की कानूनी टीम में शामिल वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि इतिहासकारों को पाकिस्तान की इस खुली स्वीकारोक्ति में रुचि होगी कि वे हथियारों की आपूर्ति कर रहे थे। यह बहुत ही दिलचस्प पहलू है जिसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया गया है।

निजाम के पोते ने की थी पाक से समझौते की कोशिश

सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के हैदराबाद में रहने वाले पोते नवाब नजफ अली ने ब्रिटिश कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए बताया कि उन्होंने 2008 में पाकिस्तान सरकार के साथ कोर्ट से बाहर समझौते की कोशिश की थी, लेकिन पड़ोसी देश ने उनकी पेशकश पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'मैंने भारत में पाकिस्तान के तत्कालीन उच्चायुक्त से बातचीत शुरू की थी। इसके बाद मैं तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिला था। उस समय प्रणब मुखर्जी विदेश मंत्री थे। हम इन सभी लोगों से मिले थे और उस समय हम सभी पाकिस्तान से कोर्ट के बाहर समझौता करना चाहते थे।' प्रिंसेस इस्रा ने भी कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर की है।

खुले में शौच से मुक्त हुआ देश

लक्ष्य पूरा ▶ महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर पीएम ने किया एलान

कहा, जनता ने आगे बढ़कर अभियान को सफल बनाया

जागरण ब्यूरो, अहमदाबाद

पांच साल पहले तक असंभव सा लगने वाला एक लक्ष्य आज पूरा हो चुका है। देश खुले में शौच के अभिशाप से मुक्त हो गया है। आजादी के बाद की इस सबसे बड़ी सामाजिक क्रांति का बिगुल बजाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को किला फतह करने का एलान किया। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर साबरमती पहुंचे मोदी ने रिवरफ्रंट पर आयोजित समारोह में देश विदेश के राजदूतों, विचारकों, गांधीवादियों, राज्यपाल आचार्य देवव्रत, केंद्रीय व गुजरात मंत्रिमंडल के सदस्यों तथा देश के 20 हजार सरपंचों की मौजूदगी में कहा, आज गांधीजी का सपना पूरा हुआ। देश खुले में शौच से मुक्त हो गया है। बीते पांच साल में देश में 10 करोड़ से अधिक शौचालय बने हैं।

मोदी ने कहा, गुजरात चक्रधारी मोहन व चरखाधारी मोहन की धरती है। पांच साल पहले लालकिला से किए गए एक अह्वान को देश के करोड़ों लोगों ने अभियान बना दिया। मोदी ने कहा जीवन में कई बार गांधी आश्रम आना हुआ। यहां आने पर हर बार उन्हें बापू का सानिध्य महसूस हुआ, लेकिन इस बार उन्हें नई ऊर्जा मिली। साबरमती का तट आज देश की स्वच्छता का साक्षी बन गया। लोगों ने स्वयं खुले में शौच जाना बंद कर इसमें भागीदारी निभाई। कहीं पर बेटियों ने शादी के लिए शौचालय की शर्त रखी तो शौचालय को इज्जत घर बना दिया। मोदी ने गांधी जयंती पर एक डाक टिकट व 150 रुपये का चांदी का सिक्का जारी किया।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा, बापू ने गुजरात से दुनिया को स्वच्छता का संदेश दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीजी के सपने को पूरा कर दिखाया। उपमुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल ने कहा कि गांधी जयंती को भारत ने स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया। मोदी ने गांधीजी का स्वच्छता का सपना उनकी 150वीं जयंती पर पूरा कर दिया। मोदी आजादी के बाद एक सामाजिक क्रांति के अगुआ बने। मोदी ने 2014 में पीएम बनने के बाद स्वच्छता अभियान व हर घर शौचालय अभियान का एलान किया था।

इन्हें बताया स्वच्छता का सिपाही : स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण अभियान 2019 में तमिलनाडु सबसे श्रेष्ठ रहा। सर्वेक्षण में सबसे अधिक यूपी से एक करोड़ से अधिक लोगों ने भागीदारी की, जिसके लिए मंत्री भूपेंद्र सिंह को राज्य का अवार्ड प्रदान किया गया। तेलंगाना के पेदापल्ली जिले और महाराष्ट्र के तावसी गांव को श्रेष्ठ स्वच्छता अवार्ड दिया गया। स्वच्छता के लिए अभियान चलाने वाली मेघालय की सरपंच लिंम लिंगती लिंगखोई और बिहार की शर्मिला देवी को श्रेष्ठ सरपंच चुना गया। वहीं निबंध लेखन में पुडुचेरी के एस. विश्वा, गोवा के शेम फर्नांडिस,छत्तीसगढ़ की करीना खातून को सम्मानित किया गया।

150वीं जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को देश ने किया याद पेज>>3

बापू को नमन (विशेष आयोजन) पेज>>5

अहमदाबाद में बुधवार को साबरमती रिवरफ्रंट पर स्वच्छ भारत दिवस कार्यक्रम के दौरान एक बच्चे को दुलारते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। एएनआइ

दुनिया में बढ़ा भारत का सम्मान

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण के लिए पीएम मोदी को सम्मानित करने के लिए गुजरात भाजपा ने कार्यक्रम आयोजित किया था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत की इज्जत और ताकत बढ़ गई है। अमेरिका के ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की इस बढ़ी हुई ताकत को अनुभव किया। आज भारतीय पासपोर्ट का सम्मान और इसकी ताकत बढ़ गई है। इस बदलाव को सब महसूस कर सकते हैं। मोदी ने 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम की सफलता के लिए ह्यूस्टन के मेयर सिल्वेस्टर टर्नर और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार भी जताया।

150वीं जयंती पर देश ने महात्मा गांधी को किया याद

नई दिल्ली : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश ने महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर याद किया। इस मौके पर दिल्ली में बापू की समाधिस्थल राजघाट समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। (पेज-3 भी देखें)

भारत ने ललित मोदी और उनकी पत्नी के स्विस बैंक खातों का ब्योरा मांगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश में जमा कालेधन का पता लगाने के लिए सरकार निरंतर कोशिश कर रही है। भारत सरकार के आग्रह के बाद स्विट्जरलैंड ने आइपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी व उनकी पत्नी मीनल को नोटिस भेज दस दिन में जवाब देने को कहा है। वित्तीय हेराफेरी का पता लगाने के लिए हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत स्विट्जरलैंड के फेडरल टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफटीए) ने ललित और मीनल का नाम दिया है। हाल के महीनों में भारत के अनुरोध पर कई लोगों के बारे में जानकारी मांगी जा चुकी है।

2010 से लंदन में रह रहे ललित के खिलाफ पहले से ही मनी लांड्रिंग की जांच चल रही है हालांकि वह इससे इन्कार करते रहे हैं। एक अक्टूबर को जारी नोटिस में ज्यादा विवरण तो नहीं दिया गया है। इससे पहले भी स्विट्जरलैंड 2016 में ऐसा ही नोटिस जारी कर चुका है। लेकिन यह पता नहीं लगा कि स्विट्जरलैंड ने भारत से ज्यादा जानकारी साझा की थी या नहीं। हालांकि इन दोनों को सुनवाई का अधिकार दिया गया था। हाल ही में एफटीए ने भारत सरकार को कई ऐसे लोगों की जानकारी दी है जिन पर कर संबंधित मामलों की जांच चल रही है।

टैक्स हैवन कहे जाने वाले स्विट्जरलैंड ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में कुछ देशों के साथ जानकारी साझा करने का समझौता किया है। स्विस कानून के मुताबिक, कोई भी जानकारी साझा करने की एक प्रक्रिया है। अब दोनों देशों के बीच ऑटोमैटिक इन्फॉर्मेशन एक्सचेंज मकैनिजम के चलते भारत के पास भारतीयों के स्विस अकाउंट्स की जानकारी है।

पाकिस्तानी आतंकी भारत में हमले की फिराक में : अमेरिका

- सहायक रक्षा सचिव ने कहा, अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध है मुख्य कारण

रैंडल श्राइवर फाइल फोटो

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका ने भारत को आगाह किया है कि पाकिस्तानी आतंकी हमले की फिराक में हैं। वे जम्मू-कश्मीर से जुड़े अनुच्छेद 370 को खत्म किए जाने के कारण भारत में आतंकी हमलों को अंजाम दे सकते हैं। इसके साथ ही अमेरिका ने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकी संगठनों पर शिकंजा कसे तो इन हमलों को रोका जा सकता है।

अमेरिका के हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव रैंडल श्राइवर ने मंगलवार को यहां कहा, 'कश्मीर पर भारत सरकार के नए कदम से कई देशों को आशंका है कि आतंकी संगठन सीमा पार हमलों को अंजाम दे सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि चीन इस तरह का कोई संघर्ष चाहेगा या इसका समर्थन करेगा।' श्राइवर ने कश्मीर मसले पर पाकिस्तान का चीन द्वारा समर्थन किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यह जवाब दिया। भारत ने गत पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त कर दिया था। श्राइवर ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह (कश्मीर मसले पर चीन का पाकिस्तान को समर्थन) बहुत हद तक कूटनीतिक और राजनीतिक समर्थन है। उन्होंने (चीन) पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन किया है। कश्मीर मसले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने या नहीं ले जाने के संबंध में कोई चर्चा हुई तो चीन इसका समर्थन करेगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि चीन इससे ज्यादा कुछ करेगा।'

चीन से स्थिर संबंध चाहता है भारत : अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के शीर्ष अधिकारी श्राइवर ने कहा कि चीन के पाकिस्तान से लंबे समय से संबंध हैं और उनकी भारत के साथ प्रतिद्वंद्विता बढ़ रही है। जबकि भारत अपने पड़ोसी चीन के साथ स्थिर संबंध चाहता है।

पाक की ओर चीन के झुकाव का कारण बताया : भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के मौजूदा अमेरिकी दौरे का जिक्र करते हुए अमेरिका के सहायक रक्षा सचिव श्राइवर ने कहा, 'उनके साथ विचार-विमर्श चल रहा है। हमने चीन के साथ संबंधों के बारे में चर्चा की। वे चीन के साथ स्थायी संबंध चाहते हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि चिंताएं और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। इसलिए मुझे लगता है कि कश्मीर समेत कई मसलों के कारण चीन का झुकाव पाकिस्तान की ओर है।'

कश्मीर पर भारत को मिला सऊदी अरब का साथ

- सऊदी प्रिंस ने कहा, समझते हैं जम्मू-कश्मीर में भारत के कदम की जरूरत
- डोभाल-प्रिंस के बीच दो घंटे चली बैठक, पाक का इस्लामिक कार्ड फेल

अजीत डोभाल प्रिंस सलमान (फाइल)

नई दिल्ली, एएनआइ : जम्मू-कश्मीर के मसले पर पाकिस्तान का इस्लामिक कार्ड फेल हो गया है। प्रमुख इस्लामिक देश सऊदी अरब ने भी इस मसले पर भारत के रुख का समर्थन कर दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ बुधवार को रियाद में दो घंटे तक चली बैठक के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भारत के रुख और उसके उठाए कदमों को वह बखूबी समझते हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि डोभाल और प्रिंस सलमान के बीच बैठक में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मसलों पर विभिन्न पहलुओं से विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने बताया, 'चर्चा के दौरान जम्मू-कश्मीर का मसला भी उठा जिस पर सऊदी प्रिंस ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में भारतीय रुख और कार्रवाई के बारे में समझते हैं।' सऊदी अरब ने यह प्रतिक्रिया ऐसे समय व्यक्त की है जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में हिस्सा लेने जाते समय कश्मीर पर समर्थन जुटाने के मकसद से दो दिन सऊदी अरब में रुके थे। यही नहीं, वह न्यूयॉर्क भी सऊदी प्रिंस के विशेष विमान से ही गए थे। महासभा की बैठक के दौरान भी पाकिस्तान इस मसले पर अन्य देशों का समर्थन जुटाने में विफल रहा था।

सूत्रों ने आगे कहा कि डोभाल की सऊदी अरब की यह महत्वपूर्ण यात्रा आपसी हितों के मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच सर्वोच्च स्तर पर जारी विचार-विमर्श को रेखांकित करती है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे जुड़ाव को और मजबूत करेगी और सहयोग के खास क्षेत्रों की पहचान में मदद करेगी। खासकर तब जबकि क्राउन प्रिंस के विजन 2030 के मुताबिक सऊदी अरब अपनी अर्थव्यवस्था के विस्तार की संभावनाएं तलाश रहा है। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब ने हाल ही में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डोभाल ने सऊदी प्रिंस के अलावा अपने समकक्ष मुसैद अल अल्बान से भी मुलाकात की।

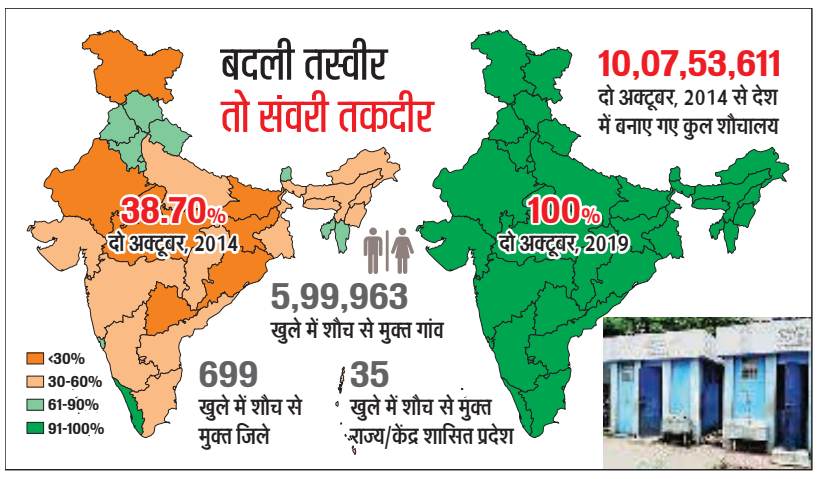

देश के पहले टॉयलेट कॉलेज से 3,200 स्वच्छता कर्मियों ने पाया प्रशिक्षण

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश के पहले टॉयलेट कॉलेज में 3,200 स्वच्छता कर्मियों ने एक साल तक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार मिला है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में अगस्त 2018 में स्थापित हार्पिक वर्ल्ड टॉयलेट कॉलेज स्वच्छता कर्मियों को उनके कौशल को बढ़ाने और कार्य संबंधी खतरों के प्रति जागरूक बनाने में मदद करता है।

रैंकिंग

रेलमंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को जारी की स्टेशन स्वच्छता सर्वे-2019 की रिपोर्ट, उत्तर-पश्चिम रेलवे को मिला सबसे स्वच्छ जोन का दर्जा, उत्तर-मध्य रेलवे जोन स्वच्छता रैंकिंग में सबसे नीचे

जयपुर, जोधपुर सबसे स्वच्छ स्टेशन, प्रयाग, आगरा फिसड्डी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 720 स्टेशनों में राजस्थान के स्टेशन रहे सबसे आगे
- हरियाली की स्कोरिंग के साथ इस बार 109 उपनगरीय स्टेशन भी सर्वे में शामिल

प्रतीकात्मक

स्टेशन स्वच्छता सर्वे-2019 में जहां जयपुर, जोधपुर समेत राजस्थान के तीन रेलवे स्टेशनों को स्वच्छता के लिए सर्वाधिक शानदार कार्य करने वाले स्टेशनों के तौर पर मान्यता मिली है। साथ ही टॉप-10 में छह स्टेशन आने के कारण उत्तर-पश्चिम रेलवे को सबसे स्वच्छ जोन का दर्जा मिला है, वहीं उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जोन के अधिकांश स्टेशनों के घटिया प्रदर्शन के कारण संपूर्ण उत्तर-मध्य रेलवे जोन स्वच्छता रैंकिंग में सबसे नीचे चला गया है।

रेलमंत्री पीयूष गोयल ने गांधी जयंती के अवसर पर तीसरे पक्ष द्वारा कराए गए इस नवीनतम सर्वेक्षण को जारी किया। इस बार का सर्वेक्षण नए मानदंडों के आधार पर किया गया है। लिहाजा पिछले सर्वे से इसकी तुलना नहीं की जा सकती। परंतु इतना बताना जरूरी है कि पिछले वर्ष के सर्वे में भी राजस्थान का जोधपुर स्टेशन ही पहले नंबर पर रहा था, जबकि इस बार जयपुर ने उसका स्थान लेकर उसे दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। इस बार राजस्थान के ही एक अन्य स्टेशन दुर्गापुरा को तीसरे सबसे स्वच्छ स्टेशन के तौर पर सर्वे में जगह मिली है। रेलवे जोन के हिसाब से ये तीनों स्टेशन उत्तर-पश्चिम रेलवे (एनडब्लूआर) में आते हैं।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश से संबंधित उत्तर-मध्य (एनसीआर) रेलवे जोन, जिसका मुख्यालय इलाहाबाद में है, को सबसे अस्वच्छ स्टेशनों वाले जोन के तौर पर फजीहत झेलनी पड़ी है। इनमें प्रयाग स्टेशन को रैंकिंग में 76वां स्थान मिला है। जबकि इलाहाबाद 82वें और वाराणसी 86वें नंबर पर है। कानपुर सेंट्रल को 267वां तथा मडुआडीह को 272वां स्थान मिला है। 349 पर झांसी 385 पर महोबा और 398 पर बांदा स्टेशन की रैंकिंग और भी बुरी है। मिर्जापुर को 404वां तथा फतेहपुर को 417वां तथा मानिकपुर को 424वां स्थान मिला है। धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चित्रकूटधाम कर्वी 495वें, जबकि वैश्विक पर्यटन के लिहाज से सर्वाधिक अहम ताजनगरी से संबंधित आगरा कैंट स्टेशन 503वें पायदान पर है।

स्वच्छता में इस जोन के स्टेशनों की सबसे खराब रैंकिंग इसलिए आश्चर्यजनक है क्योंकि अभी पिछले वर्ष ही प्रयागराज में ऐतिहासिक रूप से सफल महाकुंभ का आयोजन हुआ था और सफाई को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। टॉप-10 स्वच्छ स्टेशनों में उत्तराखंड के सिर्फ हरिद्वार स्टेशन को जगह मिली है। जबकि बाकी में सूरतगढ़, उदयपुर और अजमेर जैसे राजस्थान के ही अन्य स्टेशनों के नाम हैं।

सर्वे में शामिल कुल 720 स्टेशनों में इस बार 109 उपनगरीय स्टेशनों को भी शामिल किया गया है। इनमें तीन उपनगरीय स्टेशनों-अंधेरी, विरार तथा नौगांव को रैंकिंग में सर्वोपरि स्थान मिला है।

यही नहीं, इस बार स्टेशनों की ग्रीन स्कोरिंग भी की गई है। जिसमें 100 के कुल स्कोर पर स्टेशन पर हरियाली के स्कोर को दर्शाया गया है। 50 से अधिक स्कोर वाले हरित स्टेशनों में उत्तर भारत में जालंधर सिटी को 76.4 स्कोर, कटरा स्टेशन को 75.5, हावड़ा 75.1, अजमेर को 73.8 तो प्रयागराज को 59.4 और लखनऊ को 56.7 स्कोर मिला है। जबकि देहरादून को 51.3 अंक प्राप्त हुए हैं। बिहार के छपरा, राजगीर, बक्सर और उप्र के मथुरा ने भी इसमें जगह बनाई है। दक्षिण भारत के तिरुवनंतपुरम, चेन्नई, यशवंतपुर, पुणे, नागपुर जैसे के कई स्टेशनों ने भी 50 फीसद से अधिक स्कोर प्राप्त किया है।

राजस्थान में भी पान मसाले पर पाबंदी

नईदुनिया, जयपुर

- महाराष्ट्र और बिहार सरकारों ने भी हाल ही में लगाया है प्रतिबंध
- कांग्रेस ने घोषणापत्र में ऐसी सामग्री को नियंत्रित करने का किया था वादा

राजस्थान सरकार ने मैग्नेशियम कार्बोनेट, निकोटिन, तंबाकू और मिनरल ऑयल से बने पान मसाले और सुगंधित सुपारी के उत्पादन, भंडारण, वितरण, परिवहन, प्रदर्शन और बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है। यह प्रतिबंध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगाया गया है। महाराष्ट्र और बिहार के बाद यह प्रतिबंध लगाने वाला राजस्थान देश का तीसरा राज्य है। राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गुरुवार से इन उत्पादों के नमूने लेना शुरू करेगा और जांच के बाद जिन उत्पादों में उक्त पदार्थ पाए जाएंगे, उन पर रोक लगा दी जाएगी।

राज्य में तंबाकू से बने गुटखे पर पहले से ही रोक है। कोर्ट के आदेश से लगे प्रतिबंध के बाद पान मसाला कंपनियों ने तंबाकू और पान मसाला अलग-अलग बेचना शुरू कर दिया था। ऐसे में इस प्रतिबंध का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा था। कांग्रेस के घोषणापत्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस बार के बजट भाषण में इसे नियंत्रित करने की कार्ययोजना बनाने की घोषणा हुई थी। इसी के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में मैग्नीशियम कार्बोनेट, निकोटिन, तंबाकू और मिनरल ऑयल से बने पान मसाले और सुगंधित सुपारी पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दो अक्टूबर (गांधी जयंती) को जारी कर दिया।

राज्य के जनस्वास्थ्य निदेशक और खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. केके शर्मा ने बताया कि विभागीय टीमों ने पिछले दिनों पान मसाले और सुपारी के 310 नमूने लिए थे। इनमें से 119 स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित पाए गए थे। इसके बाद सरकार को इन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव भेजा गया था।

इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी के सचिव धर्मवीर कटेवा ने कहा कि सरकार हर वर्ष करीब 1160 करोड़ रुपये तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर खर्च करती है। यह बात सरकार ने खुद विधानसभा में स्वीकार की है। हर रोज तंबाकू जनित रोगों से सैकड़ों लोगों की मौत होती है। ऐसे में सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है।

10 मोहल्ला क्लीनिकों और दो फुट ओवरब्रिज का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया है दक्षिण दिल्ली में। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने जिन कामों की घोषणा और शिलान्यास किया, उनका उद्घाटन भी किया जा रहा है।

पंचम्

स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवें स्वरूप में स्कंद माता की पूजा, साधना-उपासना स्कंद (स्वामी कार्तिकेय) की माता के रूप में की जाती है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बाल रूप में इनकी गोद में बैठे होते हैं। देवी की चार भुजाएं हैं। इनका वर्ण पूर्णतः शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजती हैं। इनका वाहन सिंह है। मान्यता है कि स्कंदमाता की उपासना से समस्त इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं। इसी जन्म में परमशांति तथा सुख की अनुभूति होती है। मान्यता है कि सुंदर संस्कारवान ईश्वरभक्त मेधावी पुत्र इनकी उपासना से जन्म लेता है। एकाग्र भाव से मन को पवित्र रखकर धूप, दीप प्रज्वलित कर पाठ, जप, हवनादि कार्य करना चाहिए।

आज का विचार
हमारे भीतर की संवेदनाएं हमारी शक्ति हैं।

ध्यान मंत्र
सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।

पद्मश्री डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी

एक्शन प्लान ▸ राजधानी में अगले सप्ताह से हवा में प्रदूषण बढ़ने की आशंका

प्रदूषण पर वार के लिए सात अस्त्र तैयार

सीपीसीबी ने प्रदूषण फैलने से रोकने के लिए सघन निगरानी योजना बनाई

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर इस सर्दी में सात अस्त्रों से वार होगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने इस दिशा में सात सूत्रीय एक्शन प्लान तैयार कर उस पर क्रियान्वयन भी शुरू कर दिया है। दिवाली के समय भी एहतियात बरतते हुए प्रदूषण फैलने से रोकने के लिए सघन निगरानी योजना बनाई गई है।

वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान अनुसंधान प्रणाली (सफर इंडिया) तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले सप्ताह से राजधानी की हवा में प्रदूषण बढ़ने लगेगा। फसल अवशेष जलाने का समय भी कमोबेश नजदीक आ गया है। हालांकि सर्दियों के इस प्रदूषण से निपटने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) 15 अक्टूबर से लागू होना है। अलबत्ता, सीपीसीबी अपने एक्शन प्लान पर सक्रिय हो चुकी है।

सीपीसीबी ने अपने एक्शन प्लान को पाक्षिक एक्शन प्लान, जमीनी स्तर पर निरीक्षण और कार्रवाई, सर्वाधिक प्रदूषण वाले क्षेत्रों के लिए माइक्रो लेवल एक्शन प्लान, सोशल मीडिया शिकायत विश्लेषण, सख्ती बरतने वाली एजेंसियों के साथ समन्वय, जन भागीदारी और दिवाली के दौरान निगरानी एवं प्रबंधन इत्यादि श्रेणियों में बांटा है। प्लान को टास्क फोर्स की बैठक में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों तथा स्थानीय निकायों को भी जारी कर इस पर क्रियान्वयन के निर्देश दे दिए गए हैं। सीपीसीबी अधिकारियों के मुताबिक, एक्शन प्लान के अतिरिक्त भी दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए कई उपायों पर काम चल रहा है।

प्रतीकात्मक

सीपीसीबी के सात सूत्रीय एक्शन प्लान

- **पाक्षिक एक्शन प्लान** : 15 अक्टूबर से 15 मार्च तक की अवधि के दौरान बीच-बीच में प्रदूषण बढ़ने की वजहें बदलती रहती हैं। इसीलिए इस बार 15-15 दिन का पाक्षिक एक्शन प्लान बनाकर प्रदूषण पर वार किया जाएगा। जिस पखवाड़े में जिस तरह के उपाय करने की जरूरत होगी, उसी के अनुरूप प्लान तैयार होगा।
- **जमीनी स्तर पर निरीक्षण और कार्रवाई** : सीपीसीबी ने वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए कुछ टीमें बनाई हैं। ये टीमें दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न प्रदूषित स्थानों का निरीक्षण करेंगी और स्थानीय स्तर पर कार्रवाई भी सुनिश्चित कराएंगी।
- **सर्वाधिक प्रदूषित क्षेत्रों के लिए माइक्रो लेवल एक्शन प्लान** : दिल्ली-एनसीआर में 13 हॉट स्पॉट चिह्नित किए गए हैं। इनके लिए माइक्रो लेवल एक्शन प्लान बनाए गए हैं, जिससे वहां प्रदूषण फैलाने वाले छोटे से छोटे कारक पर भी वार किया जा सके।
- **सोशल मीडिया शिकायत विश्लेषण** : सोशल मीडिया का उपयोग सीपीसीबी ने 2018 में भी किया था। इस बार भी सभी प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और स्थानीय निकायों को ट्विटर, फेसबुक एवं वाट्सएप पर सक्रिय हो जाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सभी को स्पष्ट निर्देश है कि सोशल मीडिया पर आने वाली सभी शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। इस गंभीरता पर सीपीसीबी लगातार स्वयं निगाह रखेगा और स्थिति का विश्लेषण करेगा।
- **सख्ती के लिए एजेंसियों के साथ समन्वय** : प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए बोर्डों, स्थानीय निकायों, पुलिस और अन्य एजेंसियों को आपसी समन्वय के लिए कहा गया है।
- **जन भागीदारी** : शुरुआती स्तर पर ही प्रदूषण नहीं फैले, इसके लिए स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों सहित आरडब्ल्यूए संगठनों के साथ संवाद भी स्थापित किया जाएगा और जन जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे।
- **दिवाली में निगरानी एवं प्रबंधन** : इस बार सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनुपालन के मद्देनजर तय किया जाएगा कि केवल ग्रीन पटाखे ही जलाए जाएं और पटाखे जलाने के लिए निर्धारित समयावधि का भी सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

दिल्ली न्यायिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के नौ उत्तर गलत निकले

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट प्रशासन द्वारा आयोजित की गई दिल्ली न्यायिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 की उत्तर पुस्तिका के नौ उत्तरों को दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गलत पाया। पांच याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा में पूछे गए 15 सवालों के जवाबों को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एस मुरलीधर व न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पीठ ने सुनवाई के दौरान माना कि 15 में से नौ प्रश्नों के उत्तर गलत हैं। पीठ ने हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार को निर्देश दिया कि वह दोबारा से परीक्षा परिणाम का आकलन करें और चार अक्टूबर से पहले परीक्षा परिणाम जारी करें। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि 26 सितंबर को घोषित परीक्षा परिणाम में सफल हुए 343 परीक्षार्थियों की स्थिति में परिवर्तन नहीं किया जाएगा और ये चयनित ही माने जाएंगे।

दो सदस्यीय पीठ ने यह भी कहा कि उक्त परीक्षा परिणाम की जानकारी सफल परीक्षार्थियों को एसएमएस या ईमेल के जरिये तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि आगामी 12 एवं 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाली मुख्य परीक्षा में वे भाग ले सकें। याचिकाकर्ता अन्नु कुमार, अचेता सिंधु, अनुष्का सिंह, अशविंदर कौर ने अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा के माध्यम से याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने सवाल उठाया कि 26 सितंबर को जारी किए गए परीक्षा परिणाम के बाद तत्काल उत्तर पुस्तिका जारी कर दी गई। प्रशांत ने दलील दी कि परिणाम जारी होने के बाद परीक्षार्थी प्रश्नों पर आपत्ति दर्ज कराते थे और इसके जांच होने के बाद उत्तर पुस्तिका जारी की जाती थी, लेकिन इस वर्ष आपत्ति दर्ज कराने का मौका नहीं दिया गया। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि जारी की गई उत्तर पुस्तिका में दिए गए नौ उत्तर गलत हैं। पीठ ने इसमें सुधार कर दोबारा से परिणाम निकालने का आदेश दिया। 26 सितंबर को जारी किए गए परीक्षा परिणाम में 122.50 अंक तक मेरिट गई थी। नौ प्रश्नों के उत्तर गलत ठहराए जाने के कारण कई परीक्षार्थी नजदीकी अंकों से असफल घोषित कर दिए गए थे। याचिकाकर्ता अचेता सिंधु को 120.25, अशविंदर कौर को 119.75 और अनुष्का सिंह को 118.25 अंक मिले हैं। अब नौ प्रश्नों में सुधार कर दोबारा से परिणाम घोषित होने पर बड़ी संख्या में ऐसे परीक्षार्थी पास होने वालों की सूची में आ सकते हैं।

पांच याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा में पूछे गए 15 सवालों के जवाबों को दी थी चुनौती

न्यूज गैलरी

दिल्ली में सीएनजी 1.90 रुपये हुई सस्ती

नई दिल्ली : वाहन चालकों के लिए खुशखबरी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आइजीएल) ने सीएनजी के दाम में कटौती की है। दिल्ली में सीएनजी 1.90 रुपये, तो नोएडा, ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद में प्रतिकिलो 2.15 रुपये सस्ती हुई है। अब दिल्ली में सीएनजी 45.20 रुपये प्रतिकिलो तथा नोएडा, ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद में 51.35 रुपये में मिलेगी। यह दाम तीन अक्टूबर की सुबह छह बजे से प्रभावी हो जाएंगे। इस बारे में आइजीएल ने बताया कि घरेलू उत्पादन की लागत कम होने का लाभ ग्राहकों को दिया जा रहा है। मध्यरात्रि 12 बजे से सुबह छह बजे तक सीएनजी में प्रतिकिलो एक रुपये की अतिरिक्त कटौती का लाभ मिलता रहेगा। (जासं)

धूप-छांव के खेल में गर्मी के तेवर ढीले

नई दिल्ली : धूप-छांव के खेल में बुधवार को दिल्ली में गर्मी के तेवर ढीले रहे। अगले दो दिन भी बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं। इससे मौसम सुहावना बना रहेगा। यूं तो बुधवार को तेज धूप खिल गई थी, लेकिन बादलों की आवाजाही के चलते धूप-छांव का खेल चलता रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो इस मौसम का सामान्य तापमान है। न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। हवा में नमी का स्तर 56 से 91 फीसद दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार के बाद मौसम में बदलाव होने के आसार हैं। हल्के बादल तो हो सकते हैं लेकिन बारिश की संभावना नहीं रहेगी। वहीं, दिल्ली की वायु गुणवत्ता अभी अपेक्षाकृत साफ-सुथरी ही बनी हुई है। (जासं)

एयरपोर्ट पर बुजुर्ग कारतूसों के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट पर सीआइएसएफ ने एक बुजुर्ग को कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान ध्यान चंद (68) के रूप में हुई है। सुरक्षाकर्मियों को ध्यान चंद के बैग की जांच के दौरान चार कारतूस मिले। उसके पास उक्त कारतूसों से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं था। सीआइएसएफ ने आरोपित को पुलिस के हवाले कर दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आरोपित ध्यान चंद बुधवार सुबह करीब 4.50 बजे आइजीआइ एयरपोर्ट टर्मिनल-एक पर पहुंचा। उसे फ्लाईट से बेंगलुरू जाना था। टर्मिनल-1 के सुरक्षा जांच क्षेत्र में एक्स-रे मशीन में जब उसके बैगों की जांच की गई तो एक बैग में चार कारतूस मिले। (जासं)

छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के बनाए दो विश्व कीर्तिमान

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली-एनसीआर के स्कूली छात्रों ने बुधवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का संकल्प लेते हुए लगभग दस हजार सोलर लाइट जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में विश्व कीर्तिमान दर्ज कराया है। इसके अलावा चार हजार से अधिक छात्रों ने 'पर्यावरण निरंतरता का सामूहिक सबक सीखने' का विश्व रिकार्ड भी गिनीज बुक में दर्ज कराया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की पहल पर दस हजार से अधिक छात्रों ने गांधी जयंती के अवसर पर पर्यावरण के प्रति अहिंसा का भाव रखने का संकल्प लेते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कीर्तिमान देश के नाम दर्ज कराया।

बयान के अनुसार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह और गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने गिनीज बुक में विश्व रिकार्ड दर्ज कराने की जरूरत के मुताबिक, एक साथ पांच मिनट तक दस हजार सोलर लाइट जलाकर रखीं। खास बात यह रही कि सोलर लाइट छात्रों ने स्वयं तैयार की हैं। इस अवसर पर मौजूद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के भारत में प्रतिनिधि ऋषि कुमार ने बताया कि विश्व कीर्तिमान बनाने की इस मुहिम में शामिल छात्रों ने एक स्थान पर एक साथ सर्वाधिक सोलर लाइट जलाने का विश्व रिकार्ड बनाया है।

इस दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए जावडेकर ने शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली सौर ऊर्जा के अधिकतम इस्तेमाल करने और कम से कम सात पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण करने में सक्रिय मदद करने की शपथ दिलाई। उन्होंने सौर ऊर्जा के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ में स्वच्छ ऊर्जा के रूप में 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा बनाने के लक्ष्य की घोषणा की है।

जावडेकर ने छात्रों से इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्रिय योगदान का आह्वान करते हुए कहा कि अब नया नारा 'हमारा घर हमारी बिजली' होगी। इसमें हर परिवार को बिजली उपभोक्ता बनने के बजाय सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा उत्पादक बनने की परिपाटी शुरू हो गई है। इसके अलावा उन्होंने मुंबई में हर छत पर सोलर पैनल लगा कर सौर ऊर्जा उत्पादन की मुहिम शुरू करने की भी घोषणा की।

तीन तलाक देने वाले की जमानत अर्जी सेशन कोर्ट से भी खारिज

जासं, नई दिल्ली : बच्चे के खर्च के लिए पैसे मांगने पर पत्नी को तीन तलाक देने वाले आरोपित की जमानत अर्जी को सेशन कोर्ट ने भी खारिज कर दिया है। आरोपित ने तीस हजारी मजिस्ट्रेट कोर्ट में अर्जी दायर की थी, जो कोर्ट ने खारिज कर दी थी। इसके बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत अर्जी दायर की गई थी।

आरोपित ने न तो अभी तक महिला और उसके बच्चे के लिए कोई खर्चा तय किया है और न ही दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता हुआ है। ऐसे में कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। शिकायतकर्ता महिला की तरफ से अधिवक्ता परविंदर कौर मल्होत्रा ने बताया कि कमला मार्केट थाने में तौसीफ के खिलाफ हाल ही में लागू हुए मुस्लिम महिला सुरक्षा कानून के तहत गत 11 अगस्त को केस दर्ज हुआ था। आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। आरोप है कि नौ अगस्त को तौसीफ की पत्नी अपने बच्चे के लिए कुछ खरीदारी के लिए पति के दफ्तर में पैसे लेने के लिए गई थी। तौसीफ ने पैसे देने से मना कर दिया और दोनों में झगड़ा हो गया। इस पर महिला की पिटाई की और उसके बाद तीन बार तलाक कह कर उसे तलाक दे दिया। इसके बाद महिला की शिकायत पर कमला मार्केट थाने में केस दर्ज हुआ था।

जीके ने 'जागो' नाम से बनाई पार्टी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली की सिख सियासत में शिरोमणि अकाली दल (शिअद बादल) और शिअद (सरना) को चुनौती देने के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने जागो नाम से पार्टी बनाई है। ग्रेटर कैलाश स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित समागम में गुरबाणी कीर्तन और अरदास के बाद नई पार्टी का एलान किया गया। पार्टी का पूरा नाम 'जग आसरा गुरु ओट' (जत्थेदार संतोख सिंह) होगा। गुरु नानक देव खालसा कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. हरमीत सिंह को पार्टी का संरक्षक बनाया गया है।

जीके पार्टी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की युवा इकाई, महिला इकाई, धर्मप्रचार व बुद्धिजीवी इकाई के अध्यक्षों के नाम जल्द घोषित कर दिए जाएंगे। विद्यार्थी इकाई का अध्यक्ष श्री गुरु तेग बहादर खालसा कॉलेज छात्र संघ की अध्यक्ष तरणप्रीत कौर को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन की दृष्टि से दिल्ली कमेटी के 46 वार्डों को पांच जिलों में बांटा गया है। दिल्ली में दस हजार सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सदस्य बनाए जाएंगे, जिसके लिए सोशल मीडिया पर भी अभियान चलेगा। उन्होंने कहा कि पंथक पार्टी होने के नाते पार्टी का उद्देश्य देश-विदेश में रह रहे सिखों की आवाज बनकर कौम की बेहतरी के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि इस समय दिल्ली की संगत अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी राजनीतिक छवि धूमिल करने के लिए साजिश रची गई थी। जल्द ही साजिश रचने वाले बेनकाब होंगे। पार्टी राजनीतिक गतिविधियों की बजाय सिर्फ पंथक गतिविधियों में शामिल होगी। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगने के बाद इस वर्ष फरवरी में उन्होंने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद उन्हें शिअद बादल से भी बाहर जाना पड़ा था।

नई पंथक पार्टी के बारे में जानकारी देते दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके। उन्होंने कहा कि पार्टी कौम की बेहतरी के लिए काम करेगी। जागरण

नोएडा समेत देश में छह जगह बनेंगे प्लास्टिक वेस्ट के रावण : मिश्रा

कुंदन तिवारी, नोएडा

आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए नोएडा समेत छह जगह प्लास्टिक वेस्ट से रावण को तैयार कराया जाएगा। इसे सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (सीएमए) को सौंप दिया जाएगा। वह इसे सीमेंट फैक्ट्री में दहन करने के लिए देंगे, जो इसका इस्तेमाल ईंधन के रूप में कर लेंगे। सीएमए के साथ 46 सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के मालिकों की एक बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई थी। इसमें 200 लोकल बॉडी से करार किया गया है। यह लोकल बॉडी 200 किलोमीटर की परिधि में प्लास्टिक वेस्ट एकत्र कर सीएमए को सौंपेंगी।

बुधवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर नोएडा प्राधिकरण की ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के लिए सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में आयोजित प्लॉगरन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने की बात कही और 25 अगस्त को मन की बात में उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को पूर्णतः बंद करने का जनता से आह्वान किया। उस समय मैंने तीन करोड़ लोगों को इस अभियान में जोड़ने का लक्ष्य रखा था। मेरे पास 2.2 करोड़ लोग इस अभियान से जुड़ने की जानकारी है, यह आंकड़ा पांच करोड़ तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि 20 वर्ष पहले सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं होता था। लोग अपने अपने घरों से कपड़े का थैला लेकर आते-जाते थे, लेकिन आज सिंगल यूज प्लास्टिक का चलन बढ़ गया है। इससे नाली, नाला, नदी, सागर तक प्रभावित हैं। ताजा सर्वे में जर्मनी के क्षेत्र में प्रशांत महासागर में प्लास्टिक वेस्ट बहुत अधिक जमा हो चुका है। इस बात की पुष्टि की गई है कि यदि इसके इस्तेमाल पर रोक नहीं लगाई गई तो वह समय दूर नहीं, जब समुद्र में मछलियों से अधिक प्लास्टिक की संख्या होगी।

नोएडा स्टेडियम में आयोजित प्लॉगरन कार्यक्रम में मौजूद शहर के निवासियों को प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने व स्वच्छता में सहयोग देने के लिए शपथ दिलाते डीएस मिश्रा। जागरण

आइवीएफ सेंटर मामले में मुख्य आरोपित पुलिस पकड़ से बाहर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

बेटा होने की गारंटी देने वाले कीर्ति नगर स्थित एफएस आइवीएफ (इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन) सेंटर और इसका प्रचार करने वाले करोलबाग स्थित इला वेब कॉल सेंटर के दस्तावेजों की जांच पुलिस कर रही है। अब तक की जांच में पता चला है कि दिल्ली में करीब 200 महिलाएं इस आइवीएफ व कॉल सेंटर के संपर्क में आईं और उन्होंने बेटों को जन्म दिया। वहां से मिले दस्तावेज से इन महिलाओं के बारे में पता चला है। पुलिस इन महिलाओं को सरकारी गवाह बना सकती है। कॉल सेंटर चलाने वाला आइआइटी इंजीनियर विकास कामत अभी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है। उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक कॉल सेंटर से जब्त किए गए लैपटॉप व मोबाइल फोन जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लैब भेज दिए गए हैं। इनकी हार्ड डिस्क से डिलीट किए गए डाटा दोबारा प्राप्त किए जाएंगे। पुलिस ने कॉल सेंटर से उस सिस्टम को भी जब्त किया है, जिसमें कॉल सेंटर कर्मी और महिलाओं की फोन पर हुई बातचीत रिकॉर्ड है। अभी और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। करोलबाग के एसडीएम हरीश त्यागी की शिकायत पर मंगलवार को करोलबाग थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस कॉल सेंटर में काम करने वाले छह से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कॉल सेंटर से बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए थे। कार्रवाई सिर्फ उन्हीं लोगों पर होगी जो सीधे तौर पर इस रैकेट से जुड़े हुए थे।

इला वेब कॉल सेंटर ने वेबसाइट पर आइवीएफ के लिए फोन नंबर दे रखा था। जब कोई दिए गए नंबर पर संपर्क करता था तो उसे बेटा होने की गारंटी दी जाती थी। बेटे की चाहत में सेंटर के संपर्क में आने वाले दंपती से नौ लाख रुपये वसूले जाते थे।

यह है मामला : स्वास्थ्य मंत्रालय को कीर्ति नगर में आइवीएफ सेंटर पर चल रही अवैध गतिविधियों के बारे में शिकायत मिली थी। इसके बाद डीएम, पुलिस व अन्य एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। मामले का पर्दाफाश करने के लिए एक दंपती को सेंटर पर भेजा गया, जहां गारंटी दी गई कि नौ लाख रुपये में बेटे की चाहत पूरी हो जाएगी। इसके बाद एजेंसियों ने संयुक्त रूप से सोमवार को कीर्ति नगर आइवीएफ सेंटर और फिर करोलबाग स्थित कॉल सेंटर पर छापेमारी की थी।

कोपेनहेगन में क्लीन एयर सिटीज डिक्लेरेशन पर मुहर लगाएंगे केजरीवाल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दुनिया के 20 नेताओं के साथ बैठक में शामिल होने डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन जाएंगे। सभी नेता इसके लिए भी प्रण लेंगे कि लघु और दीर्घकालिक संकल्पों से अपने-अपने शहर की हवा को स्वच्छ किया जाएगा। इसके लिए एक समयसीमा भी तय होगी। मुख्यमंत्री वायु प्रदूषण कम करने के लिए ऑड-इवेन योजना पर भी अपने विचार रखेंगे।

मुख्यमंत्री नौ से 12 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के कोपेनहेगन में सी-40 वर्ल्ड मेयर समिट में शामिल होने वाले हैं। केजरीवाल पेरिस के महापौर ऐनी हिडाल्गो, लॉस एंजिल्स के मेयर एरिक गार्सेटी, कोपेनहेगन के लॉर्ड मेयर फ्रैंक जेंसेन, पोर्टलैंड के मेयर टेड व्हीलर, जकार्ता के गवर्नर अनीस बसवदन और बार्सिलोना के मेयर ईओएफ कोलाउ के साथ क्लीन एयर सिटीज डिक्लेरेशन पर भी मुहर लगाएंगे। यह घोषणा 11 अक्टूबर को कोपेनहेगन में होगी। मुख्यमंत्री एशियन मेयर और सिटी लीडर्स कम कार्बन समावेशी विकास बैठक नामक शिखर सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता भी हैं। यहां केजरीवाल के बिजली और अन्य क्षेत्र के सुधारों की आपूर्ति पर निवेश को लेकर बोलने की संभावना है।

सुविधा

'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी', 'भारत को जानें' और 'अतुल्य भारत' में दी गई जानकारी ब्रेल लिपि में है, और पुस्तकें भी की जा रही हैं तैयार

दृष्टिबाधितों के लिए आइआइटी दिल्ली ने तैयार की तीन पुस्तकें

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली के एनजीओ स्टार्टअप रेज्ड लाइंस फाउंडेशन (आरएलएफ) की तरफ से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। इन पुस्तकों 'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी', 'भारत को जानें' और 'अतुल्य भारत' में दी गई जानकारी ब्रेल लिपि में है।

महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी कई बातों को 'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी' पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। उनके प्रारंभिक जीवन, एक आंदोलन के नेता, एक विभाजित आंदोलन जैसे पाठ इस पुस्तक में हैं। 'भारत को जानें' पुस्तक में देश के राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में बताया गया है। 'अतुल्य भारत' में देश की ऐतिहासिक इमारतों के बारे में बताया गया है। विमोचन के मौके पर आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. वी रामगोपाल राव, संस्थान के उपनिदेशक (रणनीति एवं योजना) और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर एम बालाकृष्णन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर पीवीएम राव और आरएलएफ से जुड़े सदस्य मौजूद रहे।

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए तैयार कर रहे हैं पुस्तकें : आरएलएफ के प्रमुख (रणनीति और प्रोडक्शन) पुलकित सपड़ा ने बताया कि आरएलएफ आइआइटी दिल्ली का एनजीओ स्टार्टअप है। वर्ष 2014 में आइआइटी दिल्ली में सेंटर फॉर एक्सिलेंस इन टेक्सटाइल ग्राफिक्स (सीईटीजी) की स्थापना हुई थी। तब से इस केंद्र में संस्थान के प्रोफेसर और शोध के छात्र दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ऐसी पुस्तकें और तकनीक को विकसित कर रहे हैं। इस केंद्र को पिछले वर्ष आरएलएफ एनजीओ स्टार्टअप में तब्दील किया गया। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से भी सहयोग मिल रहा है।

इस एनजीओ स्टार्टअप में एम बालाकृष्णन, पीवीएम राव और सक्षम ट्रस्ट के दीपेंद्र मनोचा निदेशक हैं। पुलकित ने कहा कि दृष्टिबाधित छात्रों के लिए इस तरह की पहली किताब देश में तैयार की गई हैं। इसे हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा में ब्रेल से तैयार किया है। इसमें शब्दों और चित्रों को उभारकर पेजों पर प्रस्तुत किया गया है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए अब 30 पुस्तकें तैयार की जा चुकी हैं। इनमें एनसीआरटी की छठी, नौवीं और दसवीं की साइंस, मैथ्स और जियोग्राफी की किताबें भी शामिल हैं। ग्यारहवीं और बारहवीं की इकोनॉमिक्स की किताब को भी तैयार किया गया है।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर दृष्टिबाधित छात्रों के लिए तीन पुस्तकों का अनावरण करते हुए आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो वी.रामगोपाल राव, प्रो एम. बालाकृष्णन और प्रोफेसर पीवीएम राव। जागरण

सीआरडीटी का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा

जासं, नई दिल्ली : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली ने अपने सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी का नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर रखा है। इसकी घोषणा बुधवार को गांधी जयंती के दिन आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. वी.रामगोपाल राव ने की। प्रो. राव ने कहा कि संस्थान का यह केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए काम कर रहा है। इस क्षेत्र के लिए कई तरह की तकनीक को विकसित किया जा रहा है। इसमें 200 पीएचडी के छात्र काम कर रहे हैं। संस्थान अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए ऐसी योजनाएं तैयार कर रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों तक हम पहुंचे और वहां के लोगों के लिए बेहतर तकनीक को विकसित करें।

मीनाक्षी लेखी बोलीं, पाठ्यक्रम में शामिल की जाए गीता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता और नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि गीता वैराग्य नहीं सिखाती है, बल्कि कर्म के साथ कैसे जीना है उसका आधार बताती है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब वह खुद परेशान होती हैं तो गीता का कोई श्लोक पढ़ लेती हैं। इससे ऊर्जा मिलती है और वह अपने आपको तनाव से मुक्त पाती हैं। गीता पलायन नहीं, बल्कि कर्म करते हुए ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग बताती है। वह दूसरों की भलाई में जीवन लगाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि गीता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।

मीनाक्षी लेखी दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित मालवीय स्मृति सदन में गीता और समग्र विकास विषय पर गोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। गोष्ठी का आयोजन महामना मालवीय मिशन ने किया था। लेखी ने कहा कि बच्चों और युवाओं को गीता से जोड़ा जाना चाहिए। उन्हें गीता सहजता से उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि उनका व्यक्तित्व निर्माण बेहतर तरीके से हो सके। वह गीता पढ़ती थीं, जिसका लाभ उन्हें आज खुद के जीवन में समझ आता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अवध प्रांत के संघ चालक प्रभुनारायण ने कहा कि गीता के कारण ही वह विपरीत विचारधारा के लोगों को अपना मित्र बना पाए। गीता को केवल समझने की ही नहीं, बल्कि जीवन में उतारने की जरूरत है। दुनिया की मानव सभ्यताएं गंभीर संक्रमण में हैं, जिसे गीता ही दूर कर सकती है। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक डॉ. परेश सक्सेना ने कहा कि कुछ लोग दुष्प्रचार करते हैं कि गीता महज दर्शन है, जबकि इसका वैज्ञानिक आधार है। इसमें जीवन और समाज के हर पहलुओं को वैज्ञानिक ढंग से स्पर्श किया गया है। विदेशी मत बिना लाभ के कर्म से जुड़ाव न होने की बात कहता है, जबकि गीता हमें बिना किसी लाभ के ही कर्म करने को कहती है।

64 हजार रुपये का बोनस मिलेगा कोल इंडिया के 2.75 लाख कर्मचारियों को इस वर्ष। बीसीसीएल के 45,815 व ईसीएल के 57,614 कर्मियों को भी बोनस का लाभ मिलेगा।

महात्मा गांधी के आदर्शों को अमर बनाने के लिए मोदी का 'आइंस्टीन चैलेंज'

- द न्यूयॉर्क टाइम्स में लेख लिखकर दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि
- गांधी को सर्वश्रेष्ठ अध्यापक और मार्गदर्शक बताया

न्यूयॉर्क, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के आदर्शों को अमर बनाने के लिए 'आइंस्टीन चैलेंज' दिया है। मोदी ने अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स में अपने लेख में लिखा कि आगामी पीढ़ियां गांधी जी के आदर्शों को याद रखें, इसके लिए सभी को यह चुनौती लेनी होगी।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर इस लेख में मोदी ने उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ अध्यापक' और 'मार्गदर्शक' बताया। ऐसे मार्गदर्शक जिन्होंने दुनियाभर में करोड़ों लोगों को हिम्मत दी और मानवता में विश्वास रखने वालों को एक सूत्र में पिरोया। 'भारत और दुनिया को क्यों गांधी की जरूरत है' शीर्षक से लिखे लेख में मोदी ने कहा, 'गांधी को श्रद्धांजलि के तौर पर मैं सबके सामने आइंस्टीन चैलेंज रखना चाहता हूं। गांधी के बारे में आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियां यकीन नहीं कर पाएंगी कि धरती पर हाड़-मांस का एक ऐसा भी इंसान रहा था। हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि आगामी पीढ़ियां गांधी के आदर्शों को याद रखें? मैं विचारकों, उद्यमियों और टेक्नोलॉजी के दिग्गजों से अपील करता हूं कि आगे आएं और इनोवेशन के जरिये गांधी के विचारों को प्रसारित करें।' मोदी ने घृणा, हिंसा और उत्पीड़न के अंत के लिए दुनिया से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'ऐसा करके ही हम महात्मा गांधी के सपनों को साकार कर पाएंगे और उनके प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो...' को चरितार्थ कर सकेंगे। यह भजन कहता है कि सच्चा मानव वही है जो दूसरों के दर्द को समझता है, उनके कष्ट मिटाता है और कभी अहंकार नहीं करता। दुनिया आपको नमन करती है प्यारे बापू।'

मोदी ने कहा कि गांधी के लिए आजादी का अर्थ केवल बाहरी शासन से मुक्ति नहीं था, बल्कि वह राजनीतिक आजादी और निजी सशक्तीकरण के पैरोकार थे। मोदी ने लिखा, 'उन्होंने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की थी जहां हर नागरिक के पास सम्मान व समृद्धि हो। उनके विचारों से प्रेरित होकर हमें स्वामित्व के बारे में सोचना चाहिए। उत्तराधिकारी के रूप में धरती पर आए हम लोग यहां की खुशहाली के जिम्मेदार हैं। इस खुशहाली में सभी जीव-जंतु शामिल होने चाहिए, जो हमारे साथ इस पृथ्वी पर रहते हैं।' मोदी ने अपने लेख में गांधी जी के विचारों से प्रभावित हुए मार्टिन लूथर किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला जैसे वैश्विक नेताओं का भी जिक्र किया।

मोदी ने कहा कि गांधी का राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं था। गांधी में मानव समाज की कुछ सर्वाधिक जटिल परिस्थितियों के बीच में पुल बनने की क्षमता थी। उन्होंने समाज के हर वर्ग के बीच भरोसा पैदा किया था। मोदी ने चरखा, खादी जैसी बहुत सामान्य चीजों को चर्चा का विषय बनाने के लिए भी गांधी की प्रशंसा की। मोदी ने लिखा, 'और किसने चरखा, खादी और भारतीय कपड़े को आर्थिक स्वावलंबन और देश से सशक्तीकरण से जोड़कर देखा? किसने एक चुटकी नमक से जन आंदोलन पैदा किया था।' मोदी ने कहा कि आजादी के लिए दुनिया में बहुत से आंदोलन हुए हैं, लेकिन इतना जन समर्थन किसी को नहीं मिला, जितना गांधी के साथ था। मोदी ने लेख में इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे उनकी सरकार गांधी के सपनों को साकार करने की दिशा में काम कर रही है। मोदी ने कहा कि सरकार दुनिया के साथ और दुनिया के लिए और भी बहुत कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एयर इंडिया के विमान पर बनाया बापू का रेखाचित्र

जासं, नई दिल्ली : महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर सरकारी विमान कंपनी एयर इंडिया ने कंपनी के विमान के पिछले हिस्से पर बापू का रेखाचित्र बनाया। एयर इंडिया के एयरबस ए320 विमान ने बुधवार दोपहर बाद दिल्ली से मुंबई के लिए उड़ान भरी। इस विमान के पिछले हिस्से में दोनों तरफ बापू का हाथ में लाठी लिए रेखाचित्र बनाया गया। रेखाचित्र 11 फीट ऊंचा व 4.9 फीट चौड़ा है। एयरलाइन के प्रवक्ता धनंजय कुमार ने बताया की रेखाचित्र एयर इंडिया

की रखरखाव टीम द्वारा बनाया गया है। अगले 15 दिन में चार और विमानों पर बापू का रेखाचित्र बनाने की योजना है।

150वीं जयंती पर देश ने किया बापू को याद

सम्मान ▶ राष्ट्रपति, पीएम समेत नेताओं ने राजघाट जाकर दी श्रद्धांजलि

देश भर में स्वच्छता अभियान समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर याद किया। इस मौके पर दिल्ली में बापू की समाधिस्थल राजघाट समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों ने बापू के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने के साथ ही देश की आजादी में उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

राष्ट्रपति कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री मोदी ने राजघाट पहुंचकर बापू को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करने राजघाट पहुंचे।

मंत्रालयों, सरकारी विभागों और स्वैच्छिक संगठनों की तरफ से गांधी जयंती के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महात्मा गांधी ने अपने विचारों, आदर्शों और जीवन से दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया था। इनमें नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग जूनियर और दलाई लामा भी शामिल हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट स्थित उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। संजय

बापू से जुड़े स्थलों पर प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती में गांधी के घर 'हृदय कुंज' में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। दांडी में समुद्र किनारे स्वच्छता अभियान चलाया गया। गांधी जी ने यहीं से 1930 में नमक सत्याग्रह शुरू किया था।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में स्थित मणि भवन में चरखे पर सूत कातने के साथ ही भजन गायन का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मुंबई प्रवास के दौरान महात्मा गांधी यहीं ठहरते थे। 'द नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट' में इस मौके पर स्वदेशी, अहिंसा, सच्चाई और सत्याग्रह जैसे विषयों पर चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

शास्त्री जी ने 'जय जवान जय किसान' के नारे से देश को ऊर्जा से भर दिया : मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 115वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप राष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू समेत समूचे देश ने उनके धैर्य और दृढ़निश्चय को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि शास्त्री जी ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा देकर देश को ऊर्जा से भर दिया था।

पीएम मोदी ने बुधवार को ट्वीट करके श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 'जय जवान, जय किसान' का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का मैं नमन करता हूं। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट करते हुए इस महान नेता के धैर्य व दृढ़ता के साथ ही खादी के प्रति उनके लगाव का जिक्र किया। मोदी ने दिल्ली स्थित उनके समाधिस्थल विजय घाट जाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उप राष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू, और शास्त्री जी के बेटे अनिल शास्त्री समेत कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी विजयघाट में शास्त्री जी को श्रद्धांजलि दी। उनकी जयंती के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री नेशनल मेमोरियल ट्रस्ट ने भक्ति और देशभक्ति के गीतों का एक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

दूसरे पीएम लाल बहादुर शास्त्री की 115वीं जयंती पर देश ने उन्हें याद किया

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी ट्वीट करके पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी भारत के महान सपूत थे। उन्होंने बड़ी लगन और प्रतिबद्धता से देश की सेवा की। उनका साहस, सादगी व सत्यनिष्ठता एक प्रेरणा है।

पाकिस्तान से 1965 के युद्ध में भारत को जबरदस्त जीत दिलाने वाले तत्कालीन प्रधानमंत्री शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। बतौर प्रधानमंत्री देश के लिए उनके प्रमुख योगदानों में श्वेत क्रांति और हरित क्रांति भी है। वह जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद 1964 में देश के प्रधानमंत्री बने थे। उनके ही कार्यकाल में वर्ष 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ था। जिसमें भारतीय सेना ने अपना परचम लाहौर तक फहरा दिया था। 11 जनवरी, 1966 को ताशकंद में उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

सचिन को सबसे प्रभावी स्वच्छता दूत का अवार्ड

- गांधी जयंती पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दिया पुरस्कार
- कहा-स्वच्छता अभियान सच्चे अर्थों में जनांदोलन

नई दिल्ली, एएनआइ : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को सबसे प्रभावी स्वच्छता दूत का अवार्ड दिया।

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को एक समाचार चैनल की ओर से आयोजित सफाईगीरी सम्मेलन में राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि देश में पिछले पांच सालों से जारी स्वच्छता अभियान सच्चे अर्थों में एक जनांदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर ग्राम प्रधान तक ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसमें शिरकत की है। प्रधानमंत्री मोदी के देश को खुले में शौच से मुक्ति मिलने की घोषणा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर उनके लिए यह सही मायनों में सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि यूं तो संयुक्त राष्ट्र ने सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक का लक्ष्य रखा है। लेकिन भारत इस लक्ष्य को तय समय से 11 साल पहले ही करने जा रहा है। इस उपलब्धि के लिए देश के हर नागरिक की प्रशंसा की जानी चाहिए।

राष्ट्रपति ने स्वच्छता को सतत प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह हमेशा जारी रहना चाहिए। हमें अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होकर अपने प्रयासों में कमी नहीं करनी चाहिए। गांवों, ब्लाकों और

नई दिल्ली में बुधवार को गांधी जयंती पर एक समाचार चैनल की ओर से आयोजित सफाईगीरी सम्मेलन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सचिन तेंदुलकर को सबसे प्रभावी स्वच्छता दूत का अवार्ड दिया। प्रेट्र

जिला स्तरों पर देश भर में स्वच्छता के लिए लोगों को प्रतिस्पर्द्धी मॉडल तैयार करना चाहिए। ताकि स्वच्छता के इस मिशन को और आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि खुले में शौच से देश को मुक्ति मिलने के बाद अब स्वच्छता अभियानों में तकनीक को शुमार करने की आवश्यकता है। अपने देश को समृद्ध बनाने के लिए हमारे सकल सामाजिक जीवन में स्वच्छता को एकीकृत करना चाहिए। हर किसी को अपने घर, सड़क, गांव, कस्बे और शहर को साफ-सुथरा बनाने के लिए प्रयासरत रहना होगा।

जनजागरण के जरिये सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक की कवायद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- स्वच्छ भारत मिशन व पर्यावरण मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट की

सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी की अफवाहों के बीच स्वच्छ भारत मिशन व पर्यावरण मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान का मकसद इस पर पाबंदी लगाना नहीं, बल्कि इसके उपयोग के खिलाफ जनता को जागरूक करना है। यह रोक स्वतः प्रभावित होगा।

स्वच्छ भारत मिशन ने ट्वीट कर कहा है कि '11 सितंबर, 2019 को पीएम मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छता ही सेवा अभियान का मकसद सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी लगाना नहीं, बल्कि इसके खिलाफ लोगों में जागरूकता पैदा करना तथा इसके उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए जन आंदोलन खड़ा करना है।' मशन से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, 'प्लास्टिक थैलों, प्लेट, छोटी बोतलों, स्ट्रॉ तथा कुछ प्रकार के सैशे पर तत्काल पाबंदी लगाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। 'दरअसल, इस तरह की खबरें आने लगी थीं कि सरकार ने आर्थिक सुस्ती के चलते सिंगल प्लास्टिक पर पाबंदी पर रोक को टाल दिया है। एक अधिकारी के अनुसार, प्लास्टिक पर पाबंदी को ले कर कोई नया आदेश लागू नहीं किया जा रहा है। राज्यों से मौजूदा प्रावधानों को ही लागू करने को कहा जाएगा। राज्य पहले भी पॉलीथीन के थैलों, स्टायरोफोम जैसे चुनिंदा आइटमों के संग्रह, उत्पादन व बिक्री पर रोक लगाती रही हैं।

जावडेकर ने सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने का आग्रह किया : केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने भाजपा की संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अगले महीने भाजपा के सभी मंत्री, सांसद, विधायक और पार्षद पदयात्रा करेंगे और पेड़ लगाएंगे। भाजपा नेता लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने की अपील करेंगे।

स्मारकों के 100 मीटर दायरे में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी : पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल ने घोषणा की कि ऐतिहासिक स्मारकों के 100 मीटर दायरे में सिंगल यूज प्लास्टिक को अनुमति नहीं दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की दलीलों में डूबती उतराती राम जन्मभूमि

माला दीक्षित, नई दिल्ली

- मंदिर, मस्जिद, ईदगाह और दशरथ के घर के प्रसव कक्ष तक पहुंची बहस
- सर्वोच्च न्यायालय में पहली बार भूमि को न्यायिक व्यक्ति बनाया गया

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे की सुप्रीम कोर्ट में 35 दिन की सुनवाई पूरी हो चुकी है। 18 अक्टूबर तक बहस पूरी हो जाएगी और माना जा रहा है कि इस बीच कोर्ट के पास सिर्फ सात दिन का कार्यदिवस बाकी है। इस दौरान बहस कई दौरों से गुजरी। कभी मंदिर, कभी मस्जिद, कभी ईदगाह तो कभी राजा दशरथ के घर प्रसव कक्ष तक पहुंची। आकाश, पाताल-ब्रह्मांड और ज्योतिष के साथ राजा-महाराजाओं के काल से लेकर मुगल बादशाहत व अंग्रेजों की समुदायों को बांटने की नीति तक पर चर्चा हुई। अपना-अपना दावा साबित करने के लिए दोनों पक्षों ने इतिहास, आध्यात्म, आस्था, कानून और संविधान सभी का हवाला दिया। कोर्ट ने भी बहुत से सवाल पूछे। महीने भर से ज्यादा समय से चल रही वकीलों की इस बहस के बीच अयोध्या में राम जन्मभूमि डूबती उतराती रही।

यह एक ऐसा केस है जिसमें पहली बार किसी भूमि को न्यायिक व्यक्ति बताते हुए उसकी ओर से मुकदमा दाखिल किया गया है। रामलला की ओर से निकट मित्र देवकी नंदन अग्रवाल की ओर से दाखिल किये गए मुकदमे में भगवान राम विराजमान के अलावा जन्मस्थान को भी मुकदमे का एक पक्षकार बनाया गया है। यानी जन्मस्थान ने जमीन पर अलग से एक न्यायिक व्यक्ति की हैसियत से मालिकाना हक का दावा किया है। भूमि को न्यायिक व्यक्ति मानने की इस नई अवधारणा पर कोर्ट में दोनों पक्षों की ओर से हफ्तों बहस चली है।

हिंदू और इस्लाम की अवधारणा पर हुई बहस : इस मामले में हिंदू और इस्लाम धर्म की मान्यताओं और अवधारणाओं पर लंबी बहस हुई। हिंदुओं ने कहा कि विवादित ढांचा मस्जिद नहीं था क्योंकि वहां पाए गए कसौटी के खंभों में हिंदू देवता के चित्र अंकित थे। कमल, कलश और पल्लव बने थे जो कि किसी मस्जिद में नहीं हो सकते। बाबर सुल्तान था और इस्लाम में सुल्तान भी धर्म के आधीन होता है। जबकि मुस्लिम पक्ष का दावा था कि मस्जिद में जहां नमाज होती है सिर्फ उस जगह मूर्ति नहीं होती लेकिन फूल पत्ती की सजावट हो सकती है। यह भी कहा बाबर संप्रभु शासक था और वह इस्लाम के आधीन नहीं था। इस्लाम और शरीयत की बात करें तो बाबर का इब्राहिम लोदी से युद्ध करना भी गलत था क्योंकि इस्लाम मुसलमान को मुसलमान की हत्या करने की मनाही करता है।

आइने अकबरी और बाबरनामा में मस्जिद का जिक्र न होने का मामला : बहस के दौरान बाबरनामा और आइने अकबरी में मस्जिद का जिक्र न होने का भी मामला उठा। हिंदू पक्ष ने कहा कि बाबरनामा में मस्जिद का जिक्र नहीं है। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि बाबरनामा के दो दिन के पेज गायब हैं लेकिन इसका मतलब नहीं कि बाबर अयोध्या नहीं गया था। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि आइने अकबरी में जन्मस्थान मंदिर का जिक्र नहीं है तो कोर्ट ने सवाल किया कि क्या उसमें मस्जिद का जिक्र है। मुस्लिम पक्ष ने कहा नहीं है। इसमें सिर्फ महत्वपूर्ण चीजों का जिक्र है। कोर्ट ने उस मस्जिद के महत्वपूर्ण न होने की दलील पर भी सवाल पूछा।

चीनी विश्वविद्यालयों के साथ करार के पहले अनिवार्य होगी अनुमति

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली : केंद्र की अनुमति बिना कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय या उच्च शैक्षणिक संस्थान अब किसी भी चीनी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान के साथ किसी तरह का कोई करार नहीं कर सकेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने फिलहाल इस पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। साथ ही इसके लिए विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय की अनुमति को अनिवार्य बना दिया है। केंद्र के इस कदम को चीन पर अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों में शैक्षणिक व व्यवसायिक गतिविधियों की आड़ में जासूसी के आरोपों से जोड़कर देखा जा रहा है।

यूजीसी का निर्देश इसलिए भी अहम है, क्योंकि विवि या स्वायत्त उच्च शिक्षण संस्थानों पर अब तक ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं था। मौजूदा समय में करीब सौ उच्च शिक्षण संस्थानों की चीन के शैक्षणिक संस्थानों के साथ करार करने की प्रक्रिया चल रही है। इस समय देश में 993 विश्वविद्यालय हैं। यूजीसी के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन के मुताबिक यह निर्देश विदेश मंत्रालय के निर्देश के बाद जारी किया गया है। उन्होंने इसके पीछे की वजहों पर किसी भी तरह की जानकारी से इन्कार किया है, लेकिन जिस तरीके से सिर्फ चीन के शैक्षणिक संस्थानों को लेकर सतर्क किया गया है, उससे साफ है कि इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा बड़ा कारण हो सकता है।

आर्म्स एक्ट को और कड़ा बनाएगी सरकार

नई दिल्ली, आइएएनएस

1959 के बने कानून में संशोधनों की प्रक्रिया शुरू

2016 में 1,06,900 असलहे किए गए थे जब्त

41 आर्डिनेंस फैक्ट्रियां हैं देश में, जहां बनते हैं हथियार

भारत में सीमा पार से अवैध हथियारों का लाया जाना रोकने के लिए केंद्र सरकार ने आर्म्स एक्ट, 1959 में संशोधनों की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार अब इसे और कड़ा बनाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार चीन में बने हथियारों की तस्करी करके भारत लाया जाता है। इन अवैध हथियारों का इस्तेमाल पूर्वोत्तर में नक्सली संगठन करते हैं। इसके अलावा, नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार करके देशभर में हथियारों को तस्करी करके पहुंचाया जाता है। इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकी संगठनों का हाथ है।

गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इससे पहले आर्म्स एक्ट 1959 को इंडियन आर्म्स एक्ट, 1878 से बदला गया था। पिछले महीने मंत्रालय ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर आर्म्स एक्ट 1959 की विभिन्न धाराओं में बदलाव के लिए सुझाव मांगा है। उन्होंने कहा, 'हम देश में अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए हमें कानून में कड़े दंड का प्रावधान करने की तैयारी कर रहे हैं। इसकी बहुत सख्त जरूरत है।'

अधिकारी के अनुसार अगर कोई व्यक्ति दोबारा अवैध हथियारों और असलहों के साथ पकड़ा जाता है या दो से अधिक लोगों के

प्रतीकात्मक फोटो

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से कानून में संशोधन के लिए सुझाव मांगे
- और सख्त होंगे दंड प्रावधान, मकोका लगाने पर भी होगा विचार

पास अवैध हथियार और असलहे मिलते हैं तो उनके खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही मंत्रालय दुकानों से असलहों की छोटी चोरियों के साथ ही देश की 41 आर्डिनेंस फैक्ट्रियों से भी हथियारों की चोरी को रोकने के उपाय कर रहा है। इस कानून में नए संशोधन से सभी पंजीकृत दुकानों का हिसाब देखने और हथियारों की निगरानी का भी प्रावधान किया जाएगा। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, वर्ष 2016 में 3,453 हत्याओं में अवैध हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। कानून व्यवस्था देखने वाली एजेंसियों ने उस साल देश भर में 55,660 अवैध हथियार और 1,06,900 असलहे जब्त किए थे।

दो राज्यों में डीजीपी रह चुके सेवानिवृत्त आइपीएस अफसर प्रकाश सिंह ने बताया कि हथियारों की तस्करी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। समूचे पूर्वोत्तर में इन्हीं अवैध हथियारों के दम पर उग्रवाद को बढ़ावा मिल रहा है। बहुत से मामलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन एनएससीएन-आइएम ने बाहर से अवैध हथियार लाकर देश में छोटे उग्रवादी संगठनों को बेचे हैं। इसके अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में और सख्ती किए जाने की जरूरत है। ऐसे मामलों में मकोका लगाया जाना सबसे उपयुक्त होगा। उन्होंने बताया कि पिछले ही हफ्ते पाकिस्तान के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेएफ) ने पंजाब के तरनतारण और आसपास के इलाकों में अवैध हथियार और असलहे गिराने के लिए चार ड्रोन का इस्तेमाल किया था।

जिम्मेदारी

केंद्र के अफसरों को सौंपी गई है अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी, कई अधिकारी तो दौरा करने के साथ ही तैयार कर चुके हैं अपनी रिपोर्ट

केंद्र खुद कर रहा पानी से जुड़ी योजनाओं की निगरानी

नीलू रंजन, नई दिल्ली

केंद्र सरकार देश में पानी की किल्लत को दूर करने की योजनाओं को सिर्फ राज्यों के भरोसे छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, बल्कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी खुद कर रही है। इसके लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो उन जिलों का दौरा कर जमीनी हकीकत का ब्यौरा केंद्र सरकार को सौंपते हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार पानी की किल्लत से निपटने और उसके लिए योजनाएं तैयार करने की जिम्मेदारी भले ही जल शक्ति मंत्रालय को सौंपी गई हो, लेकिन इन योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी पूरी तरह से राज्य सरकारों के अधीन है। केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्यों के पुराने रिकार्ड को देखते हुए केंद्र सरकार ने इसकी मानीटरिंग का फैसला किया है। हालांकि, पूरे देश में कुल 700 से अधिक जिलों में निगरानी का काम सिर्फ जलशक्ति मंत्रालय के अधीन नहीं छोड़ा जा सकता था। इसलिए इस काम में केंद्र सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों को जोड़ने का फैसला लिया गया। इसके तहत अधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी बांट दी गई। एक वरिष्ठ

प्रतीकात्मक

सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे अधिकारी

बिहार में एक जिले का दौरा करने वाले वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्होंने जिलास्तर से लेकर ब्लाक स्तर पर अधिकारियों के साथ बैठक कर पानी से संबंधित सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। यदि मनरेगा के तहत किसी जिले में पानी के संबंधित कोई काम हुआ था, तो उसका भी निरीक्षण किया। इसी तरह हर घर को नल से जल पहुंचाने की महात्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति को देखा।

अधिकारी ने कहा कि कई अधिकारी अपने-अपने जिलों का दौरा भी कर चुके हैं और अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप रहे हैं।

अधिकारियों को बतानी है सही तस्वीर : अधिकारियों को सिर्फ केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी नहीं दी गई है। बल्कि उन्हें उक्त जिले में पानी की समस्या की सही तस्वीर और उसे दुरुस्त करने के लिए उठाए जाने के लिए स्थानीय स्तर से मिले सुझावों के बारे में बताने को भी कहा गया है। अधिकारियों को यह देखने का निर्देश दिया गया है कि जिले में पानी के कितने और किस-किस प्रकार के स्रोत हैं, उनकी मौजूदा स्थिति क्या हैं और उन्हें कैसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश के हर जिले में पानी की समस्या का स्वरूप अलग-अलग है और उनके लिए केंद्रीकृत योजना बनाने से काम नहीं चलेगा। इसी कारण सभी जिलों से अलग-अलग रिपोर्ट जुटाई जा रही है।

उप्र के खनन घोटाले में फंसे दो आइएएस अफसर किए गए प्रतीक्षारत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उप्र के खनन घोटाले में सीबीआइ के फंदे में आए दोनों आइएएस अधिकारियों अजय कुमार सिंह और पवन कुमार को सरकार ने प्रतीक्षारत कर दिया है। अजय खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के सचिव थे और पवन आवास एवं शहरी विकास विभाग के विशेष सचिव थे। सीबीआइ ने अजय कुमार सिंह के लखनऊ स्थित आवास से मंगलवार को 15 लाख रुपये नकद और दो भूखंडों के कागज बरामद किए थे।

सहारनपुर के तत्कालीन डीएम अजय कुमार सिंह 1998 बैच के आइएएस अधिकारी हैं। वहीं सीबीआइ ने सहारनपुर के ही तत्कालीन डीएम पवन कुमार के घर पर भी लंबी छानबीन की थी। दोनों से मंगलवार को पूछताछ की गई थी। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआइ सहारनपुर खनन घोटाले में जांच कर रही है। बताया गया है कि 2005 से 2015 के बीच सहारनपुर में खनन के 13 पट्टे नियमों को दरकिनार कर आवंटित किए थे। ई-टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर पट्टों के आवंटन में बड़ा खेल हुआ था।

कह के रहेंगे — माधव जोशी

महाराष्ट्र में भाजपा की दूसरी सूची में भी खडसे और तावड़े के नाम नहीं

मुंबई, प्रेट्र : भाजपा ने 21 अक्टूबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार की रात प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की। हालांकि, इसमें भी राज्य के स्कूली शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े, ऊर्जा मंत्री चंद्रशेखर बवनकुले तथा वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे का नाम नहीं आ पाया। उधर, कांग्रेस ने भी 20 प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी कर दी है। अब तक पार्टी 123 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। हाल ही में राकांपा छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाली नमिता मुंदडा केज से टिकट पाने में सफल रही हैं। लोकसभा चुनाव में वंचित बहुजन अघाड़ी के टिकट पर सांगली से किस्मत आजमाने वाले गोपीचंद पडालकर को भाजपा ने बारामती से टिकट दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक रहे गोपालदास अग्रवाल को गोंदिया से उतारा गया है। मंगलवार को भाजपा ने 125 प्रत्याशियों की सूची जारी की थी।

राकांपा के 77 प्रत्याशियों की सूची जारी : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने बुधवार को 77 प्रत्याशियों को सूची जारी की है। रोहित पवार अहमदनगर जिले के कर्जत जामखेड विधानसभा क्षेत्र से चुनावी राजनीति में पदार्पण करेंगे। वह भाजपा के मौजूदा विधायक व मंत्री राम शिंदे को टक्कर देंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार बारामती से, जबकि राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल इस्लामपुर से चुनाव लड़ेंगे। भुजबल येवला से दम ठोकेंगे। मुंबई राकांपा प्रमुख नवाब मलिक अनुशक्तिनगर से प्रत्याशी बनाए गए हैं। केज से पृथ्वीराज साठे प्रत्याशी होंगे। पहले यहां से नमिता मुंदडा प्रत्याशी थीं। उधर, सिन्नर से शिवसेना के पूर्व विधायक माणिकराव कोटके ने बुधवार को राकांपा का दामन थाम लिया। राकांपा ने उन्हें इसी सीट से प्रत्याशी भी घोषित किया है।

कांग्रेस-राकांपा गठबंधन में सपा को मिलीं तीन सीटें

मुंबई, एएनआइ : कांग्रेस-राकांपा गठबंधन ने बुधवार को घोषणा की कि समाजवादी पार्टी (सपा) राज्य की तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उसे अहमदाबाद पूर्व, शिवाजी नगर व भिवंडी पूर्व शामिल हैं। वहीं, देर रात कांग्रेस ने 20 प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी कर दी।

एआइएमआइएम ने तीन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) ने बुधवार को तीन प्रत्याशियों की एक और सूची जारी की है। इस सूची में आयशा मुहम्मद काजी को मिराज, सैयद ताहेर हुसैन मोईनुद्दीन को अहमदपुर व जाहिद इब्राहिम शेख को हाडपसर से चुनावी मैदान में उतारा गया है।

हरियाणा की दूसरी सूची में चार विधायकों के टिकट काटे

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने लंबी जद्दोजहद के बाद बचे हुए 12 उम्मीदवारों के टिकट भी घोषित कर दिए। पानीपत सिटी, कोसली, रेवाड़ी व गुरुग्राम के मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। गुरुग्राम से भाजपा विधायक उमेश अग्रवाल का टिकट काट कर पूर्व मंत्री सीताराम सिंगला के पुत्र सुधीर सिंगला को उम्मीदवार बनाया गया है। पलवल से भाजपा ने एक बार फिर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव दीपक मंगला पर विश्वास जताया है। यहां से भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. अनिल जैन अपने समर्थक गौरव गौतम के लिए टिकट मांग रहे थे। रेवाड़ी से पार्टी ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव को टिकट नहीं दिया, बल्कि राव के खास समर्थक सुनील मूसेपुर को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट से मौजूदा विधायक रणधीर कापड़ीवास का टिकट कटा है। कोसली से पूर्व मंत्री विक्रम ठेकेदार का टिकट कटा है। यहां से भाजपा की गुरुग्राम लोकसभा निगरानी कमेटी के चेयरमैन लक्ष्मण यादव को टिकट दिया गया है। इसके अलावा नारायणगढ़ से सुरेंद्र राणा, पानीपत सिटी से मौजूदा विधायक रोहिता रेवड़ी का टिकट काटकर प्रमोद विज को दिया गया है।

अभय ऐलनाबाद, समधी दिलबाग यमुनानगर और सीताराम डबवाली से ठोकेंगे ताल

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- इनेलो ने घोषित किए 64 उम्मीदवार, 12 महिलाओं को दिए टिकट
- करनाल लोकसभा से चुनाव लड़ चुके धर्मवीर पाढ़ा को असंध में उतारा
- इनेलो यूथ विंग के प्रांतीय संयोजक जस्सी पेटवाड़ नारनौंद से लड़ेंगे

हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने बुधवार को 64 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इनमें 12 महिलाएं हैं। इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला व अभय सिंह चौटाला ने चौपालों पर जाकर लोगों से राय लेकर उम्मीदवार तय किए हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे अभय चौटाला खुद ऐलनाबाद से चुनाव लड़ेंगे। अभय यहां से 2009 और 2014 में दो बार विधायक रह चुके हैं। 2000 के विधानसभा चुनाव में अभय चौटाला रोड़ी से रिकार्ड मतों से जीते थे।

डबवाली से अनुसूचित जाति के डॉ. सीताराम को टिकट दिया गया है। डबवाली विधानसभा सीट जब रिजर्व थी, तब यहां से सीताराम दो बार विधायक रहे। अब डबवाली ओपन सीट है, जिस पर इनेलो ने डॉ. सीताराम को फिर से चुनाव मैदान में उतारा है। वह तीन बार के विधायक रह चुके मनीराम के बेटे हैं। करनाल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके धर्मवीर पाढ़ा को इनेलो ने असंध से टिकट दिया है। अभय सिंह चौटाला के समधी पूर्व विधायक दिलबाग सिंह यमुनानगर से चुनाव लड़ेंगे। अभय के बेटे अर्जुन चौटाला की दिलबाग की बेटी से सगाई हुई है। ओमप्रकाश चौटाला के पूर्व राजनीतिक सलाहकार शेर सिंह बड़शामी की पुत्रवधू सपना बड़शामी को लाडवा से टिकट मिला है। इनेलो यूथ विंग के प्रांतीय संयोजक जस्सी पेटवाड़ को नारनौंद से चुनावी रण में उतारा गया है।

राई से मात्र तीन मतों से चुनाव हारे इंद्रजीत दहिया को दोबारा से यहीं से टिकट मिला है। इंद्रजीत दहिया हाई कोर्ट में कांग्रेस विधायक जयतीर्थ दहिया के चुनाव को रद करा चुके हैं। हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन मेयर सिंह सैनी के बेटे सिद्धार्थ सैनी को कैथल से टिकट मिला है, जबकि पिछड़ा वर्ग के चेयरमैन अशोक वर्मा को रानियां से चुनाव मैदान में उतारा गया है। पिछले कई चुनाव आदमपुर से लड़ते आ रहे राजेश गोदारा को पार्टी ने इस बार भी आदमपुर से ही चुनावी रण में उतारा है। यहां से कांग्रेस के कुलदीप बिश्नोई चुनाव लड़ते हैं। हिसार में मेयर का चुनाव लड़ने वाले अमित सैनी को पार्टी ने हिसार से टिकट दिया है।

इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला, मुझे और हमारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीडी ढालिया को लोगों ने जो नाम दिए, उनके आधार पर हमने बैठक कर उम्मीदवारों के नामों का एलान किया है। उम्मीदवारों के चयन में समाज के सभी वर्गों व समीकरणों को ध्यान में रखकर निर्णय लिया गया। हमें उम्मीद है कि हमारी पार्टी के उम्मीदवार दूसरे प्रत्याशियों को परास्त करेंगे।
-अभय सिंह चौटाला, विपक्ष के पूर्व नेता, हरियाणा विधानसभा

मौजूदा विधायकों वाली सीटों पर अभी उम्मीदवार बाकी

इनेलो ने अभी जिन 26 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है, उनमें ज्यादातर सीटें वे हैं, जहां इनेलो के मौजूदा विधायक रहे हैं। अधिकतर विधायक दूसरे दलों में चले गए हैं। पार्टी यहां इन विधायकों को टक्कर देने वाले मजबूत उम्मीदवारों के नाम तय करेगी। बाकी बची सीटों में बरवाला, करनाल, उचाना, पेहवा, शाहबाद, साढ़ौरा, जुलाना, फतेहाबाद, रतिया और कालांवाली प्रमुख हैं।

लोसुपा ने जारी की दूसरी सूची, सैनी गोहाना से लड़ेंगे चुनाव

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : हरियाणा में लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के अध्यक्ष और कुरुक्षेत्र से सांसद रहे राजकुमार सैनी गोहाना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। बुधवार को कुरुक्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत में सैनी ने 36 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करते हुए कहा कि आपसी सहमति के बाद प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। सैनी ने भाजपा और कांग्रेस पर राजनीति का व्यापारीकरण करने का आरोप भी लगाया। पूर्व सांसद ने कहा कि लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी ने महिलाओं की भागीदारी का विशेष ध्यान रखा है। पार्टी का उद्देश्य है कि हर घर के एक बच्चे को रोजगार मिले। किसान और मजदूरों को हक व लाभ मिले। जनसंख्या को नियंत्रित करते हुए सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि जो आरोप पहले कांग्रेस पर लगाए जाते थे, वही आरोप भाजपा पर लग रहे हैं। बागियों को टिकट दिया जा रहा है, लेकिन लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के दरवाजे ऐसे मौकापरस्त लोगों के लिए बंद हैं। आखिरी सूची गुरुवार को कुरुक्षेत्र से ही जारी की जाएगी। अभी तक 52 सीटों की सूची जारी की जा चुकी है।

पांच करोड़ में बेचे जा रहे हैं कांग्रेस के टिकट : तंवर

विरोध के सुर ▶ हरियाणा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने कांग्रेस मुख्यालय के बाहर समर्थकों के बीच हुड्डा पर साधा निशाना

कांग्रेस विधायकों को 'निकम्मा' करार देते हुए टिकट काटने की मांग की

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे समर्थकों को संबोधित करते हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर। जागरण

हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस में बुधवार को नेताओं के बगावती तेवर और तीखे हो गए। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने पार्टी मुख्यालय के समक्ष एकत्र अपने समर्थकों के बीच पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम लिए बिना गंभीर आरोप लगाए और संकेत दिया कि विधानसभा चुनाव में उनके समर्थक हुड्डा समर्थित प्रत्याशियों का विरोध करेंगे। इतना ही नहीं तंवर ने कहा कि कांग्रेस में कभी टिकट बेचने की संस्कृति नहीं रही, मगर अब तो टिकट पांच करोड़ रुपये में बेचे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोहना विधानसभा क्षेत्र का टिकट पांच करोड़ रुपये में बेचा गया है। तंवर ने करीब 25 मिनट के अपने संबोधन में हुड्डा पर ताबड़तोड़ आरोप लगाए। इससे पहले उनके समर्थक कांग्रेस मुख्यालय में जमा होने शुरू हो गए थे।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस में विद्रोह के स्वर मंगलवार शाम से ही सुनाई देने लगे थे। उस समय भी तंवर समर्थकों ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के निवास 10 जनपथ से लेकर पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय तक अपना डेरा जमाया हुआ था। तब सोनिया गांधी के साथ उनके निवास पर कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक चल रही थी। इस दौरान पूर्व सीएम हुड्डा और तंवर के समर्थकों के बीच तनातनी भी हुई थी। बुधवार सुबह भी कांग्रेस में एक बार फिर विद्रोही स्वर सुनाई देने लगे। पहले टिकट बंटवारे से असंतुष्ट कांग्रेस विधायक दल की पूर्व नेता एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा पत्र कमेटी की चेयरपर्सन किरण चौधरी ने सोनिया गांधी से मुलाकात की और इसके बाद चुपचाप अपने घर चली गईं। किरण ने इन चर्चाओं को भी गलत बताया कि वह पार्टी से इस्तीफा देने जा रही हैं। हालांकि, यह जरूर कहा कि यदि उनके लोकसभा क्षेत्र भिवानी-महेंद्रगढ़ में उनके अनुसार टिकट नहीं दिए गए तो वह चुनाव नहीं लड़ेंगी।

बुधवार को दोपहर बाद चार बजे जब तंवर अपने समर्थकों के बीच आए तो दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर अकबर रोड पर वाहनों की एंट्री बंद कर दी। यहां तंवर ने हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा उनकी (हुड्डा) हमेशा से राजनीति से व्यापार करने, अपने बेटे को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाने और खुद को जेल से बचाने की लड़ाई रही है, जबकि वह हमेशा कांग्रेस की सरकार बनाने की लड़ाई लड़ते रहे। तंवर ने कांग्रेस मुख्यालय की तरफ इशारा करते हुए कहा कि जब भाजपा अपने विधायक-मंत्रियों का टिकट काट सकती है तो कांग्रेस इन 'निकम्मों' के टिकट क्यों नहीं काट सकती। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि सीडी और सीएलयू कांड वाले नेताओं सहित उन सभी के टिकट कटने चाहिए जो तीन या चार बार हार चुके हों। दागी-बागियों की बजाय नए कार्यकर्ताओं को टिकट दिए जाएं। इससे नई लीडरशिप पार्टी के अंदर खड़ी होगी। उन्होंने हुड्डा पर नई लीडरशिप को खड़ा नहीं होने देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके समर्थकों की राजनीतिक हत्या करने का प्रयास हो रहा है।

नगर निगम चुनाव नहीं लड़ने से हुआ नुकसान

तंवर ने हुड्डा को इस सवाल का जबाव भी दिया कि कांग्रेस में जिला व ब्लॉक स्तर के संगठन नहीं होने से नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अब उनके पास अधिकार हैं, पिछले एक माह में उन्होंने क्यों नहीं संगठन बना लिया। तंवर बोले कि कांग्रेस का असल नुकसान तब हुआ था जब इन्होंने (हुड्डा) फरीदाबाद-गुरुग्राम नगर निगम के चुनाव सिंबल पर नहीं होने दिए। राजस्थान, मध्यप्रदेश के बाद हरियाणा में हुए निगम चुनावों में यदि कांग्रेस सिंबल पर लड़ती तो पार्टी का फायदा होता।

कांग्रेस को भाजपा नहीं, कांग्रेसी ही खत्म करने पर तुले हुए हैं

तंवर ने कहा कि कांग्रेस को भाजपा खत्म नहीं कर सकती। पार्टी के अंदर ही कुछ ऐसे लोग हैं जो कांग्रेस को खत्म करने पर लगे हैं। उन्होंने कहा कि वे उनके नाम नहीं लेना चाहते, लेकिन उनके बारे में सब जानते हैं।

कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व जान ले, मुसलमान उनके गुलाम नहीं : कुरैशी

नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने कांग्रेस संगठन के खिलाफ बगावती तेवर अपना लिया है। झाबुआ उप चुनाव के लिए कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची के बहाने उन्होंने मुस्लिमों की उपेक्षा का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व यह बात जान ले कि मुसलमान उनके गुलाम नहीं हैं। कांग्रेस द्वारा जारी 40 स्टार प्रचारकों की सूची में एक भी मुस्लिम नेता का नाम न होने से नाराज कुरैशी ने कहा कि कुछ नेता नेहरू-गांधी खानदान को गुमराह करते आ रहे हैं। वही लोग कांग्रेस पार्टी के बिखराव के लिए भी जिम्मेदार हैं। बुधवार को वह भोपाल में मीडिया से बात कर रहे थे।

उत्तराखंड, उप्र और मिजोरम के राज्यपाल रह चुके कुरैशी ने कहा कि मुसलमान उनका गुलाम नहीं है और न ही दिहाड़ी मजदूर है। अब और अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्टार प्रचारकों की सूची देखकर मुझे 1977 की याद आ गई, जब इंदिरा गांधी ने कांग्रेस (ई) की स्थापना करते हुए सभी कांग्रेसियों को उनके साथ आने का आह्वान किया था। उस वक्त मप्र के दिग्गज नेताओं में शुमार डीपी मिश्रा, डॉ. शंकरदयाल शर्मा, प्रकाशचंद सेठी, श्यामाचरण शुक्ल और गोविंद नारायण सिंह जैसे नेताओं ने उनका विरोध किया था। उन्होंने दावा किया कि मुश्किल की उस घड़ी में सबसे पहले इंदिरा गांधी के पक्ष में झंडा उठाने वाले वह ही थे।

शिवपाल बोले, सपा से गठबंधन कर सकते हैं लेकिन विलय नहीं

शिवपाल सिंह यादव फाइल

जागरण संवाददाता, एटा : प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को कहा कि वह भविष्य में समाजवादी पार्टी से गठबंधन तो कर सकते हैं, लेकिन पार्टी के विलय का सवाल ही नहीं है। हालातों को देखते हुए ही नई पार्टी का गठन किया गया था। अलीगंज में यहां पहुंचे प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल ने कहा कि कई बार उन्होंने यही चाहा कि सपा में विघटन की स्थिति न बने। नेताजी मुलायम सिंह यादव की कोई बात नहीं मानी गई। इसी का परिणाम था कि विधानसभा चुनावों में उन्हें पार्टी बनाकर उम्मीदवार उतारने पड़े। इससे नुकसान सपा और प्रसपा दोनों का हुआ।

अब आदित्य की जिम्मेदारी शिवसैनिकों की है : उद्धव

राज्य ब्यूरो, मुंबई

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा है कि अब आदित्य की जिम्मेदारी शिवसैनिकों की है। वह अपने बेटे आदित्य ठाकरे को विधानसभा चुनाव का टिकट देने के बाद पहली बार प्रतिक्रिया दे रहे थे।

पार्टी की विजय संकल्प रैली में सोमवार को आदित्य ने विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। वह चुनावी राजनीति में आने वाले ठाकरे परिवार के पहले सदस्य हैं। इससे पहले न तो उनके दादा व शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे कोई चुनाव लड़े और न ही उनके पिता उद्धव या चाचा राज ठाकरे। आदित्य जब खुद की उम्मीदवारी घोषित कर रहे थे तब पार्टी के कई वरिष्ठ नेता व उनकी मां रश्मि ठाकरे मंच पर मौजूद थीं। हालांकि, उनके पिता व शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे मौजूद नहीं थे। लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय था।

इस पर चुप्पी तोड़ते हुए उद्धव ठाकरे ने अपने पिता बालासाहब ठाकरे का एक कथन दोहराया। हिंदू हृदय सम्राट के रूप में जाने जाने वाले बाल ठाकरे ने उनसे कहा था, 'तू मेरा बेटा है, सिर्फ इसलिए मैं तुझे कभी शिवसेना पर नहीं लादने वाला। तुझे जनता स्वीकार करेगी, तभी तू यशस्वी हो सकेगा।' उद्धव कहते हैं, 'आदित्य के मामले में भी ऐसा ही है। उसे भी मैंने यही कहा है। आज उसे लोगों ने स्वीकार किया है, इसलिए वह चुनाव लड़ने जा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'आज मुझे संतोष है। आदित्य काफी समय से दिल लगाकर जनता के बीच काम कर रहे हैं। वह मेरी तुलना में ज्यादा मेहनत करते हैं। शिवसैनिकों ने उन्हें आनंद और प्रेमपूर्वक स्वीकार किया है। इसीलिए जब उनकी उम्मीदवारी घोषित हुई तो मैं वहां नहीं गया। अब उनकी पूरी जिम्मेदारी शिवसैनिकों की है। ठाकरे घराने की परंपरा सेवा करने की रही है। आदित्य भी अब उसी रास्ते पर चलेंगे। महाराष्ट्र के विकास और युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए आदित्य चुनाव लड़ रहे हैं। राजनीति में आज तक युवाओं को सिर्फ सपने दिखाए गए हैं। युवकों को ही अब महाराष्ट्र और देश को गढ़ने का काम करना है।'

केबीसी में एक करोड़ जीतने वाली बबीता बनीं चुनाव प्रचार की एंबेसडर

अमरावती, प्रेट्र : क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में एक करोड़ रुपये जीतने वाली बबीता ताड़े को चुनाव आयोग के स्वीप कार्यक्रम के तहत अमरावती जिले का एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति महाराष्ट्र चुनाव के मद्देनजर की गई है।

मतदाताओं को जागरूक करने व मतदाता शिक्षा के प्रसार के लिए सिस्टमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्ट्रोल पार्टिसिपेशन (स्वीप) चुनाव आयोग का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। ताड़े अमरावती जिले के अंजानगांव सुर्जी की रहने वाली हैं। वह बच्चों के लिए मिड डे मील बनाती थीं और पिछले महीने उन्होंने टीवी शो केबीसी में एक करोड़ रुपये जीते हैं।

अमरावती जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीषा खत्री ने यहां संवाददाताओं को बताया, ताड़े को जिले के लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए एंबेसडर बनाया गया है। इस दौरान ताड़े ने कहा कि हर किसी को मतदान जरूर करना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है।

हरियाणा में फिर एक हुए चौटाला और बादल, मिलकर लड़ेंगे चुनाव

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- इनेलो ने अकाली दल के लिए छोड़ीं पांच विधानसभा सीटें
- इन सीटों पर चौटाला व सुखबीर आज कराएंगे उम्मीदवारों के नामांकन

हरियाणा में कई बार मिलकर चुनाव लड़ चुके इनेलो व शिरोमणि अकाली दल ने एक बार फिर हाथ मिला लिए हैं। विधानसभा चुनाव के लिए दोनों दलों के बीच गठबंधन हो गया है। इनेलो द्वारा 64 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर देने के बाद अकाली दल के साथ बुधवार रात को यह गठबंधन हुआ, जिसका विधिवत एलान गुरुवार को होना है।

इनेलो व अकाली दल के बीच गठबंधन की बातचीत हालांकि कई दिनों से चल रही थी, लेकिन सीटों के बंटवारे पर सहमति बुधवार रात को बनी है। अकाली दल राज्य की पांच विधानसभा सीटों कालांवाली, रतिया, गुहला चीका, पेहवा और अंबाला शहर पर चुनाव लड़ेगा। बाकी बची 21 सीटों पर इनेलो अपने उम्मीदवारों की घोषणा गुरुवार को करेगा।

आज होगा नामांकन : अकाली दल के दो उम्मीदवार कालांवाली से राजेंद्र सिंह देसूजोधा और रतिया से कुलविंद्र सिंह कुणाल तय हो चुके हैं। इन दोनों का नामांकन गुरुवार को इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला और पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल मिलकर कराएंगे। गुहला से हालांकि रामकुमार वाल्मीकि का टिकट तय है, लेकिन बाकी सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा अकाली दल द्वारा गुरुवार को की जाएगी।

एसवाईएल नहर निर्माण के मुद्दे पर हुई थी राह अलग

हरियाणा में अकाली दल और इनेलो का पहले भी गठबंधन रहा है, लेकिन करीब दो साल पहले एसवाईएल नहर निर्माण के मुद्दे पर दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए थे। लोकसभा चुनाव में अकाली दल ने भाजपा का बिना शर्त समर्थन किया था और विधानसभा चुनाव में भाजपा से 30 सीटें मांगी थीं, लेकिन भाजपा इसके लिए राजी नहीं हुई। भाजपा नेताओं ने अकाली दल से किसी तरह के गठबंधन से इन्कार करते हुए कालांवाली के अकाली विधायक बलकौर सिंह को जब पार्टी में शामिल किया तो विवाद और बढ़ गया। अगले दिन अकाली दल ने 2014 के चुनाव के भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह देसूजोधा को अपनी पार्टी में शामिल करा दिया। इस राजनीतिक तकरार के बीच अभय सिंह चौटाला व सुखबीर बादल के बीच बुधवार को मैराथन बैठक हुई, जिसमें गठबंधन का निर्णय ले लिया गया।

माननीयों की संपति

सांसद सनी देयोल, राणा गुरजीत, जाखड़ से भी आगे हैं जलालाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी, 234 करोड़ 83 लाख 23 हजार है कुल संपत्ति

कैप्टन और सुखबीर से भी अमीर हैं आंवला

प्रवीण कथूरिया/दीपक पोहिया, अबोहर (फाजिल्का)

पंजाब विधानसभा उप चुनाव में जलालाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी रमिंदर सिंह आंवला के उनकी अमीरी को लेकर खूब चर्चे हो रहे हैं। नामांकन पत्र दाखिल करते समय उन्होंने अपनी और पत्नी की जो कुल संपत्ति घोषित की है वह मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और उनकी पत्नी परनीत कौर से भी ज्यादा है। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल और उनकी पत्नी केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल को भी पीछे छोड़ दिया है। घोषित संपत्ति के मामले में आंवला भाजपा सांसद सनी देयोल, कांग्रेस नेता राणा गुरजीत सिंह, पंजाब कांग्रेस प्रधान सुनील जाखड़ जैसे सबसे अमीर उम्मीदवारों से भी आगे निकल गए हैं।

जलालाबाद में निर्वाचन अधिकारी के पास जमा कराए गए हलफनामे में रमिंदर आंवला ने पत्नी नीतू आंवला सहित अपनी कुल संपत्ति 234 करोड़ 83 लाख 23 हजार बताई है। आंवला के पास कुल 102 करोड़ 10 लाख 99 हजार की संपत्ति है, जबकि उनकी पत्नी नीतू की 132 करोड़ 72 लाख 24 हजार रुपये की कुल संपत्ति है। आंवला के परिवार के पास भी 48 करोड़ 96 लाख 95 हजार, जबकि बेटे के पास 8.44 लाख रुपये की संपत्ति है। आंवला पर 16 करोड़ 3 लाख रुपये बैंकों की देनदारी है, जबकि करीब 11 करोड़ रुपये उनकी पत्नी पर भी कर्ज है।

इससे पहले वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में चीनी व्यापारी राणा गुरजीत सिंह चर्चा में आए थे। उन्होंने अपनी तथा पत्नी की कुल चल-अचल संपत्ति 169.88 करोड़ रुपये घोषित की थी। अबोहर से कांग्रेस प्रधान सुनील जाखड़ के खिलाफ आजाद लड़ने वाले शराब कारोबारी शिवलाल डोडा ने अपनी संपत्ति 141.85 करोड़ रुपये घोषित की थी। कांग्रेस नेता अरबपति करण कौर बराड़ ने अपनी संपत्ति 119.69 करोड़ रुपये बताई थी।

सुखबीर व हरसिमरत की 217 करोड़ की संपत्ति : आंवला दंपती की कुल संपत्ति 234 करोड़ रुपये है, जबकि सुखबीर बादल व उनकी पत्नी हरसिमरत ने पिछले चुनाव में कुल 217 करोड़ की ही संपत्ति बताई है। हाल ही में दाखिल चुनावी हलफनामों में सुखबीर के पास 76 करोड़, जबकि हरसिमरत के पास 24.18 करोड़ की संपत्ति बताई गई थी। बादल दंपती ने बैंक बैलेंस और निवेश आदि में 100 करोड़ की संपत्ति बताई थी।

जलालाबाद उप चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रमिंदर सिंह आंवला।

कैप्टन के पास 86 करोड़ 33 लाख की संपत्ति

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने चुनावी हलफनामे में अपनी तथा पत्नी पूर्व केंद्रीय मंत्री परनीत कौर की कुल संपत्ति 86 करोड़ 33 लाख बताई थी। कैप्टन ने खुद के पास 48 करोड़ 29 लाख, जबकि शेष पत्नी की बताई थी। जमीन के भाव में कमी के कारण पहले के मुकाबले कम संपत्ति दर्शायी गई थी।

दसवीं तक पढ़े हैं पंजाब के सबसे अमीर प्रत्याशी

जलालाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी रमिंदर आंवला पंजाब के सबसे अमीर उम्मीदवारों की लिस्ट में शामिल हुए हैं। आंवला मूलत: गुरुहरसहाय निवासी हैं जो कि दसवीं तक पढ़े हैं।

महाराष्ट्र में भाजपा उम्मीदवार लोढा ने 441 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई भाजपा के अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढा ने अपने चुनाव हलफनामे में 441 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। वह महाराष्ट्र की मालाबार हिल सीट से उम्मीदवार हैं। इस सीट से पांच बार के विधायक लोढा लगातार छठी बार चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां नामांकन दाखिल किया।

लोढा द्वारा दायर हलफनामे के मुताबिक, वह और उनकी पत्नी के पास 252 करोड़ से अधिक की चल संपत्ति और करीब 189 करोड़ की अचल संपत्ति है। विधायक के पास 14 लाख की जगुआर कार और बांड एवं शेयर में अन्य निवेश हैं। उनका परिवार रियल इस्टेट के व्यवसाय में है और दक्षिण मुंबई में उनके पांच फ्लैट हैं। उनका राजस्थान में एक प्लॉट भी है। लोढा और उनकी पत्नी के पास मालाबार हिल इलाके में भी एक मकान है। इसके अलावा उनकी पत्नी के पास एक अन्य फ्लैट तथा दक्षिण मुंबई में एक व्यावसायिक संपत्ति भी है। हलफनामे के मुताबिक, लोढा पर पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उप्र में बसपा के पूर्व विधायक समेत कई ने थामा भाजपा का कमल

इधर उधर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित भाजपा मुख्यालय में बसपा के पूर्व विधायक और पूर्व जोनल कोआर्डिनेटर समेत कई दिग्गजों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने इन नेताओं को सदस्यता दिलाई। नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की नीतियों में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। भाजपा मुख्यालय में प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल ने पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का परिचय दिया। रामपुर मनिहारन के पूर्व विधायक और बसपा के पूर्व जोनल कोआर्डिनेटर रविंद्र कुमार मोल्हू, सहारनपुर के पूर्व बसपा जिलाध्यक्ष ऋषिपाल गौतम, जिला पंचायत सहारनपुर की पूर्व अध्यक्ष अनिता चौधरी, नकुड़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी नवीन चौधरी, रामपुर मनिहारन के ब्लाक प्रमुख घनश्याम, जिला पंचायत सदस्य कंवर पाल सैनी, चौधरी शेर सिंह लंबरदार समेत कई प्रमुख लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

2300 से अधिक शहरों के फैले देश के 57 हजार से अधिक सार्वजनिक शौचालयों को सूचीबद्ध किया है गूगल मैप्स ने। स्वच्छ भारत मिशन और केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय के सहयोग से इसकी शुरुआत वर्ष 2016 में नई दिल्ली, भोपाल और इंदौर में की गई थी।

पटेल पर पिछड़ी कांग्रेस गांधी की विरासत पर हुई सतर्क

तैयारी ▶ भाजपा को बापू की विरासत से जोड़ने के पीएम मोदी के बढ़ते प्रभावों को जवाबी कार्यक्रमों से थामेगी पार्टी

सोनिया और राहुल के साथ कांग्रेस के शीर्ष दिग्गजों ने देशभर में निकाली पदयात्रा

संजय मिश्र, नई दिल्ली

देश भर में मनाए जा रहे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष समारोह के बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष में बापू की विरासत को लेकर प्रतिस्पर्धा की सियासत भी शुरू हो गई है। कांग्रेस को लगने लगा है कि सरदार पटेल के बाद बापू को भी भाजपा अपनी सियासी विरासत का हिस्सा बनाने की कोशिश कर रही है। चौकन्ना हुई कांग्रेस सरकार के समारोहों से इतर पूरे साल देश भर में बापू की स्मृतियों से जुड़े कार्यक्रमों की शृंखला चलाएगी। सोनिया और राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के शीर्ष दिग्गजों ने गांधी जयंती के मौके पर देश भर में पदयात्रा निकाल इसकी शुरुआत की।

पदयात्रा से शुरू हुए इस सिलसिले को जारी रखते हुए पार्टी गांधी और कांग्रेस के ऐतिहासिक जुड़ावों की स्मृतियों को ताजा करने से संबंधित कार्यक्रम भी करेगी। दरअसल, कांग्रेस की चिंता यह है कि भाजपा जिस तरह आयोजनों को बड़े आकार देकर उनका प्रचार करती है उसमें पुराने इतिहास के भी पीछे छूटने का अंदेशा रहता है।

पदयात्रा में शामिल कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि सरदार पटेल इसके उदाहरण बन रहे हैं जिन्हें भाजपा व पीएम मोदी अपना 'आइकन' बनाकर पेश करते हैं। बीते पांच साल के दौरान सरदार पटेल की गुजरात में दुनिया की सबसे उंची लौह प्रतिमा बनाने से लेकर उनके प्रधानमंत्री नहीं बन पाने के विवादों को उछाल भाजपा ने पटेल की विरासत को कांग्रेस से छीनने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उनका यह भी कहना था कि इसीलिए सोनिया गांधी के अंतरिम अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों और प्रदेश के नेताओं के साथ हुई बैठक में गांधीजी की विरासत पर प्रभाव जमाने की भाजपा की कोशिशों को थामने के लिए पूरे साल देश भर में कांग्रेस की ओर से कार्यक्रम मजबूती से चलाने का फैसला हुआ था।

वैसे पटेल की विरासत की होड़ में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए ही कांग्रेस ने पिछले साल दो अक्टूबर को गांधी जयंत के मौके पर वर्धा आश्रम में कार्यसमिति की विशेष बैठक की थी।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को संसद भवन के सेंट्रल हॉल में श्रद्धांजलि के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला। प्रेट्र

डीडीयू मार्ग स्थित दिल्ली प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से राजघाट तक निकाली गई गांधी संदेश पदयात्रा में हिस्सा लेते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और अन्य लोग। प्रेट्र

पीएम मोदी पर सोनिया गांधी ने साधा निशाना

गांधी जयंती के मौके पर राजघाट पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने जिस तरह से पीएम मोदी पर परोक्ष निशाना साधा वह विरासत की लड़ाई को लेकर कांग्रेस की बेचैनी को दर्शाता है। सोनिया ने कहा कि खुद सर्वेसर्वा मानने वाले लोग महात्मा गांधी के बलिदानों और आदर्शों को कैसे समझ सकते हैं। जो असत्य की राजनीति करते हैं उन्हें गांधी की अहिंसा का दर्शन कैसे समझ आएगा। सोनिया ने कहा कि भारत और गांधी एक दूसरे के पूरक हैं। हालांकि, कुछ लोग संघ को भारत का पूरक बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल का भाजपा पर कटाक्ष

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दलों को गांधीजी और उनके विचारों के महत्व का अहसास हुआ। वैसे देर से इसका अहसास होने के बाद भी इसका स्वागत है और इसकी आलोचना नहीं की जानी चाहिए। वेणुगोपाल ने सवाल दागते हुए यह भी कहा कि गांधी के विचारों को लेकर जगा यह भाव वास्तविक है या महज सियासी।

पटेल ने कभी आंखें मूंदकर गांधी का नेतृत्व स्वीकार नहीं किया : तुषार

नई दिल्ली, आइएएनएस : महात्मा गांधी के साथ जुड़े होने के बावजूद सरदार पटेल ने कभी आंखें मूंदकर उनका नेतृत्व स्वीकार नहीं किया। महात्मा गांधी के पड़पोते तुषार गांधी ने यह कहा।

तुषार ने कहा कि पटेल ने महात्मा गांधी को समझाने का प्रयास किया और केवल तभी उन्होंने वह किया जो उन्हें पसंद था। उन्होंने उस समय के बारे में बात की जब मोहनदास करमचंद गांधी बैरिस्टर बनने के बाद लंदन से लौटे थे और बांबे में वकालत शुरू किया था। उनका पहला मुकदमा एक संपत्ति विवाद था जिसमें उन्होंने एक विधवा की पैरवी की थी। जिस दिन बापू को कोर्ट में पेश होना था हर कोई लंदन से आए बैरिस्टर को देखने के लिए व्यग्र थे। सरदार पटेल भी कोर्ट में थे और उन्होंने विलायती बैरिस्टर को देखने का फैसला लिया। कई किताबें लेकर गांधी कोर्ट में पहुंचे। जब उनका मामला सामने आया तो बहुत प्रयासों के बाद भी वह एक शब्द नहीं कह पाए। वह भयभीत हो गए और कोर्ट से भाग खड़े हुए। यही सरदार पर गांधी का पहला प्रभाव था। कई साल बाद दक्षिण अफ्रीका के हीरो गांधी को अहमदाबाद क्लब में सम्मानित किया जाना था। उन्हें पता चला कि गांधी सम्मानित किए जाएंगे और वहां भाषण भी देंगे तो फिर एकबार पटेल उन्हें यह देखने के लिए गए वह वास्तव में कुछ बोलेंगे या नहीं। बाद में पाया गया कि पटेल ने उन्हें स्वीकार किया और उनके भरोसेमंद बने।

प्रियंका ने कहा–सत्य के पथ पर चलकर महात्मा गांधी का नाम ले भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ गांधी जयंती पर उप्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने झोंकी ताकत

▶ कार्यकर्ताओं में जोश भरने को तेज बुखार में भी ढाई किमी पैदल चलीं प्रियंका

हर एक घटना पर ट्वीट के जरिये सरकार पर हमलावर रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा बुधवार को लखनऊ में सड़क पर उतर आईं। प्रदेशभर से जुटे कार्यकर्ताओं की अगुआई करते हुए उन्होंने सरकार के खिलाफ गांधी संदेश पदयात्रा निकाली। साथ ही विधानसभा के विशेष सत्र पर तंज कसा-'पहले भाजपा सत्य के रास्ते पर चले, फिर गांधीजी का नाम ले।'

चिन्मयानंद प्रकरण पर शाहजहांपुर से लखनऊ तक कांग्रेस की प्रस्तावित पदयात्रा रोके जाने से नाराज कांग्रेस ने गांधी जयंती पर जनाक्रोश यात्रा की हुंकार भरी थी। बुधवार को यात्रा का नेतृत्व करने खुद प्रियंका वाड्रा राजधानी आईं। निर्धारित समय से करीब दो घंटे विलंब से वह दोपहर एक बजे शहीद स्मारक पहुंचीं। यहां शहीदों को नमन करने के बाद विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं के साथ ढाई किमी की पदयात्रा कर वह जीपीओ पार्क पहुंचीं और गांधी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाया। यहां पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका ने कहा कि जो दुष्कर्मी हैं, उन पर मुकदमा होना चाहिए। हमारा आंदोलन इसीलिए है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ बहुत अन्याय हो रहा है। शाहजहांपुर की घटना सबके सामने है। इससे पहले उन्नाव कांड हुआ। मैं उन्नाव पीड़िता के परिवार वालों से मिली तो पता चला कि उसकी मां को ताले में बंद किया हुआ था। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि प्रियंका वाड्रा को दो दिन से तेज बुखार है। इसके बावजूद उन्होंने पदयात्रा की। पदयात्रा के आगे-आगे गांधीजी के वेश में कार्यकर्ता चल रहे थे। इसमें कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजय कुमार लल्लू, उपनेता आराधना मिश्रा, विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह, पूर्व मंत्री जितिन प्रसाद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री आदि शामिल हुए।

लखनऊ में बुधवार को गांधी जयंती के अवसर कांग्रेस की ओर से आयोजित पदयात्रा में शामिल पार्टी की महासचिव प्रियंका वाड्रा। पंकज ओझा

पदयात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार का पैर गड्ढे में पड़ा, घायल

जासं, बरेली : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर पदयात्रा के दौरान सड़क पर गड्ढे में पैर पड़ने से केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष गंगवार घायल हो गए। इसके चलते उन्हें यात्रा बीच में ही छोड़नी पड़ गई। सुबह करीब आठ बजे प्रेमनगर के सिटी इम्प्रूवमेंट पार्क (सीआइ पार्क) से संकल्प पदयात्रा शुरू हुई थी। इसमें शामिल संतोष गंगवार को स्वच्छता का आह्वान करते हुए लोगों के बीच होते हुए भारत सेवा ट्रस्ट तक पहुंचना था। वह कुछ दूर बढ़े ही थे कि अचानक उनका पैर गड्ढे में पड़ गया और वह लड़खड़ा गए। साथ चल रहे गुलशन आनंद सहारा देने के लिए उनकी ओर बढ़े मगर, इससे पहले मंत्री गिर गए। उनका घुटना छिल गया। पैजामा भी फट गया। चोट की वजह से पदयात्रा बीच में ही छोड़कर वह चले गए। जंक्शन जाकर उन्होंने कपड़े बदले, इसके बाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस घटना के बाद लोग नगर निगम से लेकर प्रशासनिक अफसरों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराने लगे। वह इसलिए, क्योंकि जिले के प्रभारी मंत्री श्रीकांत शर्मा ने 26 सितंबर को ही गड्ढे भरने का निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिया था। केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार से 'जागरण' ने मौके पर ही सड़क के गड्ढों को लेकर सवाल किया तो वह कुछ नहीं बोले, अपना जख्मी घुटना दिखाने लगे।

दुर्योधन की भूमिका में विपक्ष, सदन में नहीं आकर किया बापू का अपमान : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ विधानसभा के 36 घंटे लगातार चलने वाले विशेष सत्र में गैरहाजिर रहा विपक्ष

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर सतत विकास का लक्ष्य पाने के लिए आहूत विशेष सत्र में शामिल न होकर विपक्ष ने बापू का अपमान किया। विपक्ष का रवैया महाभारत के दुर्योधन की तरह है जिसकी धर्म के बजाय अधर्म की ओर जाने की प्रवृत्ति दिखती है। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के 36 घंटे लगातार चलने वाले विशेष सत्र में चर्चा की शुरुआत करते हुए कही। लगभग दो घंटे के संबोधन में मुख्यमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास के 16 लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए केंद्र व प्रदेश सरकारों द्वारा इस दिशा में किए गए कार्य गिनाए। सत्र से गैरहाजिर सपा, बसपा और कांग्रेस सदस्यों की निंदा करते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों को विकास विरोधी करार दिया।

महात्मा गांधी के साथ पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री का भी स्मरण करते हुए उन्होंने सतत विकास के 16 लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि यूएनओ ने 2015 में लक्ष्य निर्धारित किए थे लेकिन केंद्र में मोदी सरकार 2014 से ही ज्यादातर पर गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रदेश में भी 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद से लक्ष्य पूरे किए जा रहे हैं। विशेष सत्र आहूत करने में सहमति जताने के बाद भी अनुपस्थित रहे विपक्ष से मुख्यमंत्री आहत दिखे। उन्होंने कहा कि चर्चा के लिए विपक्ष का नहीं आना गरीबों व किसानों का अपमान और सदन की अवमानना है। विकास पर मंथन विपक्ष को अच्छा नहीं लगा। वंशवाद और जातिवाद की राजनीति करने वालों को वोट बैंक समाप्त होने का डर सताता है। जबकि इसी वर्ष लोकसभा के चुनाव में जनता ने बता दिया है कि अब जातियां सिर्फ वोट के लिए नहीं हैं। सभी विकास के साथ हैं, इस वजह से विपक्ष तिलमिलाया हुआ है। सच से मुंह मोड़ने वालों को जनता उचित समय पर सबक सिखा देगी।

कांग्रेस का विसर्जन जनता ने कर दिया

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की काशी यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि विश्वनाथ मंदिर का दर्शन करने के बाद उन्होंने वहां फैली अव्यवस्था पर टिप्पणी की थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंदिर के पास अब पांच नहीं 50 फीट का रास्ता है। गांधी के सपने को हमने साकार किया है। जनभावनाओं की अनदेखी करने वाली कांग्रेस का विसर्जन जनता ने कर दिया है। इस पर सदन में हर हर महादेव के नारे गूंजने लगे।

लखनऊ के हजरतगंज में बुधवार को गांधी प्रतिमा के सामने आयोजित कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चे भी प्यारे बापू को नमन करने पहुंचे थे। इन्हीं बच्चों के बीच जब उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को यह नन्हे 'बापू' दिख गए तो वह उन्हें दुलारे बिना नहीं रह सके। रंगनाथ तिवारी

चलाया चरखा...

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने संसद भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में चरखा चलाया। जागरण

भारत की सॉफ्ट कूटनीति का आधार स्तंभ बने गांधी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दुनियाभर में अपनी सॉफ्ट कूटनीति को नई धार देने में जुटे विदेश मंत्रालय के लिए गांधी जयंती एक खास अवसर हो गया है। पिछले वर्ष जिस तरह 124 देशों के गायकों ने महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन 'वैष्णव जन तो...' को स्वर देकर भारत के राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी थी वैसे ही इस बार दुनियाभर की राजधानियों में बापू की 150वीं जयंती को खूब धूमधाम से मनाया गया है। न्यूयॉर्क से लेकर कजाखिस्तान तक और टोक्यो से लेकर मोरक्को तक में गांधी को कई तरह के आयोजन कर याद किया गया।

इन आयोजनों को विदेश में स्थित भारतीय उच्चायोगों, दूतावासों और अन्य मिशनों का पूरा सहयोग दिया गया। इस बार खास तौर पर कई देशों में स्कूली बच्चों के बीच गांधी जयंती के आयोजन पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि विदेशी बच्चों को शुरुआत में ही गांधी के विचार और दर्शन से अवगत कराया जाए। इस संदर्भ में भारतीय दूतावासों के सुझावों को विदेशी सरकारों ने काफी सकारात्मक तरीके से लिया है। हो सकता है कि इसे आने वाले दिनों में और विस्तार दिया जाए।

महात्मा गांधी की इस जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से लिखित आलेख को अमेरिका के प्रमुख समाचार पत्र 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने प्रमुखता से छापा है। प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी को एक बेहतरीन शिक्षक के साथ ही लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बताया है। मोदी ने इस संदर्भ में अमेरिकी नेता मार्टिन लूथर किंग और दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्रता सेनानी नेल्सन मंडेला का जिक्र किया जिनके जीवन को गांधी के दर्शन ने काफी प्रभावित किया था। बुधवार को ही वाशिंगटन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी संसद (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की स्पीकर नैंसी पेलोसी गांधी जयंती पर आयोजित एक समारोह में हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गांधी जयंती पर कहा कि गांधी का मानवता, आदर्श और अहिंसात्मक विरोध का नारा पूरी दुनिया को प्रेरणा देता रहेगा।

पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में महात्मा गांधी के होलोग्राम ने भविष्य की शिक्षा पर कांफ्रेंस में ऑडियंस से वार्ता की। एपी

इस बार गांधी जयंती की एक खास बात यह रही कि मोरक्को, तुर्की, उज्बेकिस्तान, फलस्तीन और लेबनान ने गांधी की याद में डाक टिकट जारी किए। रामल्लाह स्थित भारतीय मिशन की तरफ से बताया गया है कि उनकी तरफ से आयोजित समारोह में स्थानीय फलस्तीनी नागरिकों ने काफी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कजाकिस्तान में भारतीय दूतावास के सौजन्य से स्कूलों में बच्चों के साथ गांधी जयंती मनाई गई। अलमाटी स्थित दो टीवी चैनलों ने अहिंसा की राह नाम से अलग-अलग कार्यक्रम दिखाए। जॉर्डन में गांधी जयंती पर शांति दौड़ का आयोजन किया गया। लेबनान में भारतीय दूतावास की तरफ से गांधी की पेंटिंग्स बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें वहां के नामी-गिरामी चित्रकारों ने हिस्सा लिया। दूतावास ने गांधी पर एक क्विज कार्यक्रम का भी आयोजन किया जिसमें वहां के प्रतिष्ठित कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

चीन ने पार्क में गांधी जयंती मनाने की अनुमति नहीं दी

बीजिंग, प्रेट्र : चीन सरकार ने बीजिंग के एक सार्वजनिक पार्क में गांधी जयंती समारोह आयोजित करने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद अंतिम समय में कार्यक्रम वहां से भारतीय दूतावास परिसर ले जाया गया। इस पार्क में 2005 से हर साल गांधी जयंती समारोह आयोजित होता चला आ रहा था। यह जानकारी भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने दी है। अधिकारियों ने बताया कि चीन के अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि आखिर किस कारणवश अनुमति नहीं दी गई। 2005 में चीन के मशहूर मूर्तिकार युआन सिकुन द्वारा बनाई गई भारत के राष्ट्रपिता की मूर्ति पार्क में स्थापित की गई थी। इसके बाद से ही उनकी जयंती वहां मनाई जा रही थी। हर साल भारतीय दूतावास और यूआन के साथ दो अक्टूबर को चीन के स्कूली छात्रों के साथ कार्यक्रम आयोजित करते थे। दूतावास के अधिकारी ने कहा कि पहले आवेदन दिए जाने के बाद भी आश्चर्यजनक रूप से इस बार अनुमति नहीं मिली है।

पहल

छत्तीसगढ़ की विधानसभा के विशेष सत्र में पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्य एक ही ड्रेस में नजर आए, विधानसभा के पूरे स्टाफ ने भी पहना खादी और कोसा निर्मित वस्त्र

एक जैसे परिधान में दिया अनेकता में एकता का संदेश

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के 68, भाजपा के 14, बसपा के दो और जकांछ के पांच विधायक हैं। एक सीट फिलहाल खाली है। अलग पार्टी, अलग विचारधारा के इन विधायकों के बीच मतभिन्नता और सदन में मुद्दों को लेकर टकराव आम है, लेकिन बुधवार को गांधी जयंती पर विधानसभा का नजारा अलग ही था। सभी विधायक एक रंग और एक जैसे पोशाक में अनेकता में एकता का संदेश दे रहे थे।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर छत्तीसगढ़ विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुधवार से शुरू हुआ। इस सत्र के दौरान केवल महात्मा गांधी की बात होगी। बात होगी बापू के व्यक्तित्व और कृतित्व की। खास सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय ने भी इसके लिए खास व्यवस्था की है। इसी के तहत सदन के सभी सदस्यों के लिए खादी और कोसा की विशेष पोशाक तैयार कराई गई है। विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ पूरा मंत्रिमंडल और सभी सदस्य एक समान रंग के कोसा का कुर्ता, पायजामा और जैकेट पहने हुए थे। तो महिला विधायक एक ही रंग की कोसे की साड़ी पहनकर पहुंची थी। विधानसभा का पूरा स्टाफ भी कोसा और खादी में नजर आया।

पक्ष, विपक्ष और राज्यपाल एक ही ड्रेस कोड में। यह नजारा बुधवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र में दिखा। गांधी जी के व्यक्तित्व व कृत्तिव पर आयोजित सत्र में राज्यपाल अनुसुईया उइके, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक। नईदुनिया

विधायकों के रंग में दिखीं राज्यपाल : विशेष सत्र से पहले विधानसभा परिसर में राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धा सुमन आर्पित किया गया। इसके लिए राज्यपाल अनुसुईया उइके भी विधानसभा पहुंची थीं। राज्यपाल ने वहां महात्मा गांधी पर आयोजित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल भी विधायकों के रंग में ही दिखीं। उन्होंने भी कोसे की साड़ी और खादी की जैकेट पहना था।

सदन से सड़क तक 'गोडसे मुर्दाबाद' : राष्ट्रपिता की 150वीं जयंती पर राज्य के नेता बुधवार को 'गोडसे मुर्दाबाद' को लेकर सदन से सड़क तक उलझते रहे। विधानसभा के विशेष सत्र में गांधी को याद करते- करते सदन में जुबानी जंग शुरू हो गई। गोडसे के बहाने कांग्रेस ने भाजपा पर कटाक्ष किया। जवाब में भाजपा के विधायकों ने सरकार को गांधी की नीतियों पर चलने की नसीहत दी। सदन में चर्चा के दौरान बीच-बीच में गोडसे मुर्दाबाद के नारे भी लगते रहे। इधर, राजधानी रायपुर की सड़कों पर लगे पोस्टर को लेकर भड़के कांग्रेसी और भाजपाई एक दूसरे के खिलाफ शिकायत लेकर थाने पहुंच गए।

चर्चा की शुरुआत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की। उन्होंने कहा कि दो विचारधारा चली आ रही है। आज गांधी को याद करते हैं तो गोडसे का जिक्र होता है। लोग कहते हैं कि पाकिस्तान के विभाजन से नाराज होकर उनकी हत्या की गई, लेकिन इतिहास बताता है कि उससे पहले भी हत्या की कोशिश की गई थी। आज जब गांधी की जय-जयकार हो रही है तो गोडसे मुर्दाबाद के नारे लगने चाहिए।

भागवत बोले– गांधीजी ने की थी स्वयंसेवकों की प्रशंसा

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि महात्मा गांधी विभाजन के दिनों में दिल्ली स्थित एक शाखा में आए थे और स्वयंसेवकों का अनुशासन और उनमें जात-पात की भावना का अभाव देखकर प्रसन्नता जताई थी। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक प्रतिदिन प्रातः काल एकात्मता स्रोत्र में महात्मा गांधी के नाम का उच्चारण करते हुए उनके जीवन का स्मरण करते हैं।

देशवासियों के बुधवार को गांधी की 150वीं जयंती मनाए जाने के बीच भागवत ने आरएसएस की वेबसाइट पर प्रकाशित एक आलेख में कहा, 'विभाजन के रक्तरंजित दिनों में दिल्ली में अपने निवास के पास लगने वाली शाखा में गांधी जी का आना हुआ था। उसकी रिपोर्ट 27 सितंबर 1947 के 'हरिजन' अखबार में छपी है। संघ के स्वयंसेवकों का अनुशासन और उनमें जाति-पाति की विभाजनकारी भावना का अभाव देख कर गांधी जी ने प्रसन्नता व्यक्त की थी।' उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी 1936 में वर्धा के पास लगे संघ शिविर में भी पधारे थे और अगले दिन संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने उनसे उनके निवास स्थान पर मुलाकात की थी। गांधीजी से हुई उनकी बातचीत अब प्रकाशित हैं। भागवत ने देश के लिए गांधीजी की स्वदेशी दृष्टि पर जोर दिया और गांधी जी का यह प्रयास स्वअस्तित्व के आधार पर जीवन के सभी पहलुओं में एक नया विचार देने का सफल प्रयोग था, लेकिन लोगों ने पश्चिम से आई बातों को ही प्रमाण मान लिया।

उन्होंने कहा कि गांधी जी ने स्वदेशी दर्शन की वकालत की क्योंकि पाश्चात्य जगत सत्ता के बल पर शिक्षा को विकृत करते हुए व आर्थिक दृष्टि से सबको अपना आश्रित बनाने की कोशिश कर रहा था। भागवत ने कहा, 'किंतु गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने बिना इसे समझे पश्चिम से आई बातों को ही स्वीकार कर लिया और अपने पूर्वज, गौरव व संस्कारों को हीन मानकर अंधानुकरण व चाटुकारिता में लग गये थे। उसका बहुत बड़ा प्रभाव आज भी भारत की दिशा और दशा पर दिखायी देता है।' उन्होंने जनता से अपील की कि वह गांधी जी के भारतीयता पर आधारित जीवनदर्शन और उनकी पवित्रता, प्रतिबद्धता और पारदर्शी जीवन के अनुसरण के लिए प्रतिबद्ध बनें।

1.60 लाख भक्तों ने पिछले चार दिन ोंमें किए माता वैष्णो देवी के दर्शन। इसके पहले 2012 में पहले चार दिन में डेढ़ लाख भक्त पहुंचे थे माता के दरबार में। बुधवार शाम चार बजे तक 24 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने करा लिया था पंजीकरण।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 3 अक्टूबर 2019

कश्मीर में सब सामान्य, इमरान ने बोला झूठ

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर सरकार ने गत सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के दिए बयान को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद राज्य में स्थिति लगभग सामान्य हो चुकी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का दावा सच्चाई से कोसों दूर है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि इमरान खान ने आधा अधूरा सच और झूठ का सहारा लिया। उन्होंने राज्य में आतंकवाद को समर्थन देने की नाकाम कोशिश की है। कश्मीर में कर्फ्यू, संचार सेवाओं के ठप होने, आम लोगों की आवाजाही पर रोक का उनका दावा सही नहीं है। वादी के कुछ एक इलाकों में ही किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए स्थानीय प्रशासन ने कुछ पाबंदियां लगाई थीं और इन्हें भी एक सप्ताह के भीतर हटा लिया गया है। इस समय कहीं कोई प्रशासनिक पाबंदी नहीं है। राज्य में कोई कहीं भी आ-जा सकता है। वह चाहे स्थानीय लोग हों, पर्यटक या फिर मीडियाकर्मी। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही, हवाई जहाज के जरिए कश्मीर में आने जाने वाले लोगों की तादाद, सड़कों पर ट्रैफिक जाम, अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी तरह बहाली, आवश्यक नागरिक सेवाओं की नियमित आपूर्ति हो रही हैं। कश्मीर में हालात पूरी तरह शांत और सामान्य हैं। बीते दो माह के दौरान वादी में सुरक्षाबलों को कहीं भी एक भी गोली नहीं चलानी पड़ी है।

सभी हाईवे खुले, रोजाना एक हजार ट्रक आ-जा रहे : प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर को जम्मू समेत पूरे देश से जोड़ने वाला हाईवे और श्रीनगर-करगिल-लेह हाईवे पूरी तरह खुला है। रोजाना इस पर खाद्यान्न, ईंधन, दवाएं, फल-सब्जियां व अन्य साजो सामान के करीब एक हजार ट्रक कश्मीर, कारगिल और लेह तक जाते हैं। इसी तरह कश्मीर से रोजाना सेब, दस्तकारी व अन्य सामान को लेकर ट्रक जम्मू समेत देश के अन्य भागों के लिए रवाना होते हैं।

200 पत्रकार स्वतंत्रता के साथ काम कर रहे : कश्मीर में करीब 200 से ज्यादा देशी-विदेशी पत्रकार पूरी स्वतंत्रता के साथ अपना काम कर रहे हैं। इनमें बीबीसी, एएफपी, एपी, अल जजीरा, प्रेस टीवी, वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार भी हैं।

सभी जानते हैं कौन लोगों को दुकानें खोलने से रोक रहा: प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने कश्मीर में सुरक्षाबलों की मौजूदगी और मानवाधिकारों के हनन से जुड़े मुद्दों को उठाकर गलत संदेश देने का प्रयास किया है। सभी को पता है कि किस तरह डरा-धमकाकर दुकानें खोलने और कारोबार शुरू करने से रोका जा रहा है। चार साल की बच्ची को सिर्फ इसलिए गोली मारी जाती है, क्योंकि उसका परिवार अपना कारोबार शुरू करना चाहता है। 65 वर्षीय दुकानदार की इसलिए हत्या कर दी गई कि वह दुकान खोलना चाहता था।

आतंकियों के लिए आवाज उठा रहा पाक: प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान आतंकियों के लिए आवाज उठा रहा है, लेकिन वह उन मासूम कश्मीरियों के बारे में पूरी तरह मौन हैं, जिन्हें पाकिस्तान के पाले आतंकियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है।

प्रतिबंधों की चर्चाओं के बीच किसान अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। यह नजारा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के एक बाहरी इलाके का है, जहां धान की कटाई के बाद किसान बालियों से धान निकाल रहे हैं। इन दिनों कश्मीर में धान की कटाई का कार्य काफी जोरों से चल रहा है। एएफपी

देश में कश्मीरियों को गले लगाने का दे रहे संदेश : राम माधव

राज्य ब्यूरो, जम्मू : भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बाधा दूर होने से देश से जम्मू-कश्मीर का रिश्ता और अटूट हो गया है। हम इस समय देश के विभिन्न राज्यों में अपने कार्यक्रम में लोगों को कश्मीरियों को गले लगाने के संदेश दे रहे हैं। आतंकवाद से सख्ती से निपटने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि सेना व सुरक्षाबल कश्मीर में अंतिम आतंकी को भी मार गिराएंगे।

हाल ही में हुए हमलों को आतंकियों की हताशा का सुबूत करार देते हुए राम माधव ने कहा कि किश्तवाड़ में हमारे दो नेता आतंकी हमले में मारे गए थे। सेना व सुरक्षाबलों ने इसके लिए जिम्मेदार आतंकियों को मार गिराकर अपने बुलंद हौसले का सुबूत दिया है। जम्मू में बुधवार को गांधी संकल्प यात्रा में हिस्सा लेने आए राम माधव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बदले हालात में अब कश्मीर में अंतिम व्यक्ति को अधिकार देकर सशक्त किया जाएगा। अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पहली कुर्बानी दी थी।

न्यूज गैलरी

फेसबुक व गूगल को सुबोध गुप्ता के खिलाफ पोस्ट हटाने का आदेश

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने फेसबुक और गूगल को चर्चित कलाकार सुबोध गुप्ता के खिलाफ प्रसारित हो रहे यौन दुर्व्यवहार से जुड़े पोस्ट को हटाने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति राजीव सहाय एंडलॉ की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के दौरान पाया कि न तो किसी भी पीड़िता की पहचान हुई है और न ही किसी ने सुबोध के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इन तथ्यों को ध्यान में रखकर पीठ ने इंस्टाग्राम का स्वामित्व रखने वाले फेसबुक को निर्देश दिया कि वह सीलबंद लिफाफे में उस व्यक्ति के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराए, जो ऐसी पोस्ट करने वाले एकाउंट को चला रहा है। जिसमें सुबोध गुप्ता पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि सुबोध की एक पूर्व सहकर्मी ने गुमनाम तरीके से सोशल मीडिया पर कई महिलाओं के कथित अनुभवों का जिक्र किया था और कला जगत पर लिखने वाली एक लेखिका भी महिला के समर्थन में आगे आई थीं। इसे इंस्टाग्राम पर भी चलाया गया था। (जासं)

पटना से हैदराबाद जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

पटना : पटना एयरपोर्ट से हैदराबाद जा रहे गो एयर के विमान संख्या जी-8 516 की बुधवार को उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद ही पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। विमान के इंजन में खराबी आ गई। पायलट ने विमान को आगे ले जाने से इन्कार करते हुए पटना एयरपोर्ट अथॉरिटी से वापस उतरने की अनुमति मांगी। थोड़ी देर बाद ही विमान की लैंडिंग करा दी गई। मशक्कत के बाद भी विमान के इंजन को ठीक नहीं किया जा सका। विमान में 146 यात्री सवार थे। यात्रियों को दूसरे विमान से हैदराबाद भेजा गया। गो एयर के प्रवक्ता रतनदीप नारायण सूर के बताया कि विमान ने शाम को 5 .55 बजे जैसे ही हैदराबाद के लिए उड़ान भरी, इसके इंजन में खराबी आने का पता चला। तब इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। (जासं)

तमिलनाडु में शोरूम से 35 किलो सोने के गहने चुराए

तिरुचिरापल्ली : तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित एक मशहूर चेन शोरूम से नकाबपोश बदमाशों ने मंगलवार की रात करोड़ों रुपये के 35 किलोग्राम सोने के गहने चुरा लिए। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी बुधवार की सुबह उस समय हुई जब कर्मचारी शोरूम खोलने पहुंचे। सीसीटीवी से पता चला है कि दो नकाबपोश बदमाश मंगलवार की देर रात शोरूम में घुसे थे। पुलिस ने उनकी धरपकड़ के लिए विशेष दलों का गठन कर दिया है। पुलिस ने बताया कि शोरूम की एक दीवार में एक छेद पाया गया है। माना जा रहा है कि बदमाश दीवार में सेंध लगाते हुए शोरूम में घुसे हैं। हालांकि, पुलिस ने चोरी गए गहनों की सही कीमत नहीं बताई, लेकिन कहा कि उनका मूल्य करोड़ों में है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके का दौरा किया। ज्वेलरी शोरूम का मुख्यालय चेन्नई में है और पूरे तमिलनाडु के साथ-साथ कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में इसके कई प्रतिष्ठान हैं। (प्रेट्र)

कांग्रेस के पूर्व मंत्री सरूरी के भाई ने दी आतंकियों को पनाह

खुला राज ▶ किश्तवाड़ में पकड़े आतंकियों ने शफी का लिया नाम

भाजपा नेताओं और संघ कार्यकर्ता की हत्या की जांच में सच्चाई आई सामने

राज्य ब्यूरो, जम्मू

किश्तवाड़ में भाजपा नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता की आतंकियों द्वारा हत्या की जांच की आंच अब प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री जीएम सरूरी के परिवार तक पहुंच गई है। पुलिस ने उनके भाई मोहम्मद शफी सरूरी समेत छह लोगों पर एफआइआर 229/2019 दर्ज की है। इन पर आतंकियों को शरण देने और आतंकी गतिविधियों के लिए मदद करने का आरोप है। शफी सरूरी भी कांग्रेस से जुड़े रहे हैं और पूर्व सरपंच हैं। हालांकि, आइजी जम्मू रेंज मुकेश सिंह ने कांग्रेस नेता के भाई की गिरफ्तारी से इन्कार किया है। कहा कि अभी सिर्फ मामला दर्ज किया गया है और छानबीन की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, पूर्व मंत्री जीएम सरूरी के भाई मोहम्मद शफी सरूरी समेत मसूद अहमद, मोहम्मद मुजफ्फर शाह, गुलाम मोहम्मद कमाल, तौसीफ अहमद गुंदना और सईद अहमद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ये सभी किश्तवाड़ के रहने वाले हैं। तौसीफ आर्म्ड केस के एक मामले में पहले से ही जेल में बंद है। आइजी मुकेश सिंह ने बताया कि पिछले दिनों पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ के आधार पर इन सभी के खिलाफ राष्ट्रविरोधी व गैर कानूनी गतिविधियों मे संलिप्त होने का केस दर्ज किया गया है। अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपों की जांच की जा रही है। इन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

दरअसल, कांग्रेस नेता के भाई और अन्य पांच लोगों का नाम बीते साल किश्तवाड़ में हुई भाजपा नेता अनिल परिहार व उनके भाई और इसी वर्ष आरएसएस कार्यकर्ता चंद्रकांत शर्मा व उनके अंगरक्षक की हत्या में शामिल नौ आतंकियों ने पूछताछ के दौरान लिया है। ये आतंकी किश्तवाड़ के जिला उपायुक्त के अंगरक्षक और गत माह पीडीपी नेता के अंगरक्षक से हथियार लूटने की वारदात में भी शामिल रहे हैं। इन आतंकियों के तीन साथी गत सप्ताह बटोत में मुठभेड़ में मारे गए हैं।

आतंकी बोले-घर में पनाह और वित्तीय मदद देते थे : पकड़े गए आतंकियों ने पूछताछ में बताया कि कांग्रेस नेता के भाई मोहम्मद शफी व अन्य लोगों को शुरू से ही किश्तवाड़ में आतंकी गतिविधियों की साजिश का पूरा पता था। ये लोग न सिर्फ जिहादी तत्वों को अपने घर में पनाह देते थे, बल्कि एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित आने जाने में भी उनकी मदद करते थे। वित्तीय व अन्य प्रकार का भी सहयोग करते थे।

मेरा आतंकियों से कोई संबंध नहीं : शफी सरूरी

शफी सरूरी ने बयान जारी कर खुद को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए कहा कि आतंकियों से मेरा या मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं है। यह सब मुझे और मेरे परिवार को बदनाम करने की साजिश है। मैं किसी भी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। पुलिस हमारे जिस मकान में आतंकियों को शरण की बात कर रही है, बीते कई वर्षों से हम उसमें नहीं रह रहे हैं। उसमें किराएदार रहते हैं। किराएदारों में गैर मुस्लिम भी हैं और कई पुलिसकर्मी भी। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस सारे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।

जम्मू के विपक्षी नेताओं पर लगी पाबंदियां हटीं

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू कश्मीर में ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद प्रशासन ने जम्मू में विपक्षी दलों के नेताओं पर लगी पाबंदियों को हटा दिया है। उनकी रिहाई के बाद बैठकों व रैलियों का दौर शुरू होगा और राजनीतिक गतिविधियां तेज होंगी।

राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर पाबंदियों को लेकर विपक्ष लगातार सरकार और भाजपा को घेर रहा था। आगामी 24 अक्टूबर को होने वाले बीडीसी चुनाव को मुद्दा भी बनाया जा रहा था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रशासन ने एहतियातन प्रदेश कांग्रेस प्रधान जीए मीर, पूर्व मंत्री रमण भल्ला, नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय प्रधान देवेंद्र सिंह राणा, पूर्व मंत्री और नेकां के नेता सुरजीत सिंह सलाथिया, पैंथर्स पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह, पूर्व मंत्री और डोगरा स्वाभिमान संगठन के प्रधान चौधरी लाल सिंह सहित कुछ अन्य नेताओं को घरों में नजरबंद किया था। कुछ दिन बाद नजरबंदी तो हटा दी गई, लेकिन इनके राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने पर पाबंदी थी। वे सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी नहीं कर सकते थे। बुधवार को पुलिस ने इन नेताओं को उनके घर जाकर सूचित किया कि उनकी नजरबंदी को हटा दिया गया है। वे किसी भी कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। पैंथर्स पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह ने कहा कि सरकार ने तो लोकतंत्र का मजाक बनाकर रख दिया था। 58 दिन बाद हमारी नजरबंदी को हटाया गया है। हमें बताया गया कि हमारी बयानबाजी पर प्रशासन की निगरानी रहेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रविंद्र शर्मा ने कहा कि सरकार ने विपक्ष पर पाबंदी हटाने का फैसला काफी देरी से लिया है। जब बीडीसी चुनाव राजनीतिक आधार पर हो रहे हैं तो फिर विपक्षी नेताओं पर पाबंदी जारी रखने का क्या कारण है।

एनआइए करेगी ड्रोन से आए हथियारों के मामले की जांच

जेएनएन, जालंधर

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब पहुंची हथियारों की खेप के मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) करेगी। सीमा पार से एक माह में दूसरी बार एके-47 राइफलें व भारी असलहा पकड़े जाने के बाद केंद्र सरकार गंभीर हो गई है।

गत 22 सितंबर को पंजाब पुलिस ने अमृतसर से खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से पांच एके-47 राइफलें, गोलियां, विदेशी पिस्तौल व ग्रेनेड बरामद हुए थे। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया था कि यह खेप पाकिस्तान में बैठे खालिस्तान समर्थक आतंकियों ने पाक की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की मदद से ड्रोन के जरिए भेजी थी।

इसमें जर्मनी स्थित एक आतंकी ग्रुप ने भी उनकी मदद की थी। इन सभी आतंकी संगठनों ने मिलकर पंजाब, जम्मू-कश्मीर व अन्य राज्यों में आतंकी वारदातों की साजिश रची थी। इस मामले में अब तक आठ आतंकी पकड़े जा चुके हैं। पंजाब के डीजीपी दिनकर गुप्ता के अनुसार आइएसआइ के आदेश पर कुछ जिहादी व खालिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लगातार हथियार पंजाब में भेज रहे हैं।

कैप्टन ने केंद्र से किया था कार्रवाई का आग्रह: मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की थी कि वे इस मामले में कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद ड्रोन से हथियार आने घटना चिंताजनक है। केंद्र सरकार वायुसेना और बीएसएफ को निर्देश दे कि ड्रोन जैसे खतरे को देखते हुए वे जवाबी उपाय शुरू करें।

एक माह में दूसरी बार आई खेप: मंगलवार को पुलिस ने पाकिस्तान से भेजी गई हथियारों की दूसरी खेप के मामले में अमृतसर के जंडियाला गुरु से तीन गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। यह खेप बीएसएफ और पंजाब एसटीएफ ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन में फिरोजपुर से 24 सितंबर को बरामद की थी। इस कार्रवाई में भी पांच एके-47 राइफलें व भारी मात्रा में असलहा पकड़ा गया है।

अमृतसर एयरपोर्ट व पठानकोट एयरबेस पर सेना का घेरा बढ़ा

जासं, अमृतसर : अमृतसर के राजासांसी स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और पठानकोट एयरबेस पर आत्मघाती हमले की आशंका के बाद सेना ने अपना सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया है। पिछले दिनों सीमा क्षेत्र से मिले हथियारों के जखीरे के बाद कुछ आत्मघाती आतंकियों के भी घुसपैठ की सूचना है। लोगों को गहन जांच के बाद ही एयरपोर्ट की तरफ जाने दिया जा रहा है। इसकी आंतरिक सुरक्षा सीआइएसएफ संभाल रही है, जबकि बाहरी क्षेत्र में पंजाब पुलिस के कमांडो स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की तैनात की गई है। हर फ्लाइट पर भी खास नजर रखी जा रही है।

बस से बरामद विस्फोटक के तार किश्तवाड़ से जुड़े

जागरण न्यूज नेटवर्क, जम्मू

जम्मू के मुख्य बस अड्डे में निजी बस से 15 किलो विस्फोटक मिलने के तार किश्तवाड़ से जुड़ने लगे हैं। बताया जा रहा है कि कठुआ के बिलावर में जिस महिला ने आटा बताकर विस्फोटक सामग्री बस ड्राइवर और कंडक्टर को सौंप गई थी वह किश्तवाड़ से संबंध रखती है।

पुलिस, सेना व खुफिया एजेंसियों के अधिकारी ड्राइवर-कंडक्टर द्वारा बताई गई महिला की तलाशी में मंगलवार से ही बिलावर के फिंतर इलाके में तलाशी अभियान चलाए हुए हैं। फिलहाल इतना ही पता चला है कि महिला किश्तवाड़ की है और उसका विवाह फिंतर में हुआ है। पैकेट सेना के हत्थे लगने की सूचना मिलते ही वह साथियों सहित फरार हो गई।

सूत्रों की मानें तो इस सारे मामले में आठ से नौ लोग शामिल हैं। दरअसल, फिंतर में जहां यह महिला व उसके साथी दो परिवार रहते हैं, जो पिछले लंबे समय से आतंकियों के लिए काम कर रहे हैं। यह इलाका मशेड़ी-लोहाई-मल्हार से होकर किश्तवाड़ से ही जुड़ता है। सुरक्षाबलों ने चार दिन पहले बिलावर के देवल इलाके से खलील अहमद के घर से 30 किलो विस्फोटक बरामद किया था। खलील का संबंध भी इन्हीं लोगों के साथ है।

सूत्रों का कहना है कि कश्मीर में कमजोर पड़ रहे आतंकवादी संगठन किश्तवाड़ के रास्ते जम्मू को दहलाने की फिराक में है। इस काम में वे ओवरग्राउंड वर्करों की मदद ले रहे हैं।

तेज हुई आतंकियों की तलाश: किश्तवाड़ शहर व आसपास के इलाकों में आतंकियों को दबोचने की मुहिम और तेज कर दी है। सुरक्षाबल किश्तवाड़ से लेकर बटोत तक पहाड़ियों के साथ पहाड़ियों में रहने वाले लोगों के गहन पूछताछ कर रही है, ताकि पता चल सके कि यहां कोई संदिग्ध को नहीं आए हैं। किश्तवाड़ में सक्रिय पांच आतंकियों में से तीन आतंकियों ओसामा बिन जावेद, जाहिद और बिलाल अहमद डार को सुरक्षाबलों ने शनिवार को रामबन के बटोत में ढेर कर दिया था।

पाकिस्तान ने केरी सेक्टर में की गोलाबारी: पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को राजौरी के केरी सेक्टर में एक सप्ताह बाद फिर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। इससे कोई नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन लोगों में दहशत फैल गई।

नशे की डील करवाने वाले डेरा मुखी ने की आत्महत्या

कांस्टेबल हत्या मामला

जागरण संवाददाता, ब्यास/अमृतसर: एसटीएफ के कांस्टेबल गुरदीप सिंह की हत्या के मामले में पुलिस और तस्करों के साथ डील करवाने वाले आरोपित सिमरन उर्फ देवा (डेरा मुखी) ने बुधवार की दोपहर पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव रइया से गगड़भाना को जाती नहर किनारे गांव वडाला के पास खेतों से बरामद किया गया।

उसने घर में ही डेरा बना रखा था। बताया जा रहा है कि सिमरन जंडियाला क्षेत्र के तस्करों को जानता था। कुछ दिन पहले एसटीएफ जालंधर रेंज के किसी अधिकारी से उसकी मुलाकात हुई थी। सिमरन ने ग्राहक बनी पुलिस को बताया था कि वह उन्हें जालंधर से सस्ते दाम पर हेरोइन दिलवा सकता है। एसएसपी विक्रमजीत दुग्गल ने बताया कि मामले की जांच करवाई जा रही है। गिरोह के जुड़े अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में 144 किशोर हिरासत में लिए गए थे : रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद से राज्य में 144 किशोरों को हिरासत में लिया गया था। 142 नाबालिगों को बाद में रिहा किया जा चुका है और शेष दो किशोरों को सुधार गृह भेजा गया है।

शीर्ष कोर्ट के समक्ष गत दिवस सुनवाई के लिए मामला सामने आने के बाद जस्टिस एनवी रमाना, एमआर शाह और बीआर गवई की पीठ ने बाल अधिकार कार्यकर्ताओं एनाक्षी गांगुली और शांता ि सन्हा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी को बताया कि उसे हाई कोर्ट की किशोर न्याय समिति से एक ि रपोर्ट मिली है जिसमें नाबालिगों को कथित रूप से हिरासत में लिए जाने के संबंध में बयानों को खारिज किया गया है। अहमदी ने पीठ से समिति की रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। पीठ ने उन्हें अनुमति देते हुए अगली सुनवाई के लिए दो हफ्ते बाद की तारीख तय की।

शीर्ष कोर्ट ने 20 सितंबर को बाल अधिकार कार्यकर्ताओं की याचिका में दिए गए तथ्यों की जांच का आदेश दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद से राज्य में नाबालिगों को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया। इसे लेकर लोगों में काफी गुस्सा था।

मुख्य न्यायाधीश अली मोहम्मद माग्रे की अध्यक्षता वाली जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट की चार सदस्यीय किशोर न्याय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि शीर्ष कोर्ट के आदेश के बाद संबंधित जांच एजेंसियों से तथ्यों की पुष्टि के लिए बैठक आयोजित की गई। समिति ने पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों की ओर से उपलब्ध कराई गई सूचना का हवाला देते हुए उन मामलों की विस्तृत जानकारी दी जिनके तहत इन किशोरों को हिरासत में लिया गया था।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी की ओर से समिति को भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है, 'किसी भी बच्चे को पुलिस प्रशासन ने अवैध रूप से हिरासत में नहीं लिया। याचिका में जिन कथनों का उल्लेख किया गया है वे गलत तरीके से पेश किए गए हैं और ये सुनवाई योग्य नहीं हैं।'

डीएसपी की तरक्की रुकवाने को एसआइ ने फेंका लेटर बम

गुरप्रेम लहरी, बठिंडा : बठिंडा के प्रेस क्लब के बाहर 25 सितंबर को नाभा जेल में गैंगस्टरों के आतंकी कनेक्शन को लेकर फेंके गए गुमनाम पत्र के मामले में हैरान कर देने वाला राज सामने आया है। जांच में सामने आया कि यह पत्र जेल में तैनात बठिंडा के रहने वाले एसआइ जसवीर सिंह ने नाभा जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट की तरक्की रुकवाने के लिए फेंका था।

सीसीटीवी की फुटेज से जसवीर की पहचान की गई और पूछताछ में उसने बताया कि जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट उससे ज्यादा ड्यूटी करवाता था इसलिए उसने ऐसा किया। एसएसपी डॉ. नानक सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के लिए उच्चाधिकारियों को लिख दिया गया है। उन्होंने बता कि जेल डिप्टी सुपरिंटेंडेंट की कुछ दिनों बाद तरक्की होने वाली है और इसे रुकवाने के लिए एसआई ने यह साजिश रची। पत्र मिलने के बाद नाभा जेल की सुरक्षा बढ़ाकर सर्च की गई। इसके बाद बठिंडा प्रेस क्लब से सीसीटीवी फुटेज लेकर जांच की गई तो पत्र का राज खुल गया। उधर, जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट गुरप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है, बस इतना पता चला है कि उसे ट्रेस कर लिया गया है।

तैयारी

केंद्र सरकार देश में 12 जगह खोलेगी पराली से इथेनॉल बनाने का प्लांट, प्रदेश में एकमात्र बदायूं जिला, एमओयू साइन

शुरु हुई कवायद, अब पराली की आग बुझाएगा 'पेट्रोल'

जागरण संवाददाता, बरेली

खेतों में जलती पराली...उठता जहरीला धुआं और दूषित आबोहवा। पर्यावरण में जहर घोलने वाली यह दशा बदलने की कवायद शुरू हो गई है। केंद्र सरकार पराली से इथेनॉल बनाएगी और उसे 15 फीसद तक पेट्रोल में मिलाया जाएगा। योजना कागजों पर तैयार हो चुकी। इसे जमीन पर लाने के लिए देश के 12 जिलों में पराली से इथेनॉल बनाने के प्लांट लगेंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश में महज एक जिला बदायूं चुना गया है। वहां की दातागंज तहसील में 55 एकड़ जमीन पर इस प्लांट की बुनियाद रखी जाएगी। फरवरी-2018 में हुए इन्वेस्टर समिट में इसका एमओयू साइन हो चुका है।

सरकार के एक कदम से कई हित : मोदी सरकार की इस योजना का उद्देश्य एक अहम कदम चलकर कई लाभ लेने का है। पराली से पेट्रोल बनाने का प्लांट शुरू होने के बाद एक तरफ किसान पराली जलाएंगे नहीं बल्कि इसे बेचकर अच्छा मुनाफा कमाएंगे। वहीं, बाहर से आयातित पेट्रोल का कुछ हिस्सा देश में ही बनने लगेगा। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही पेट्रोल की कीमतों पर भी भविष्य में अंकुश पाया जा सकेगा। किसानों की जमीन भी बंजर होने से बचेगी।

15 फीसद तक इथेनॉल पेट्रोल में मिलाया जाएगा। प्रतीकात्मक

बदायूं जिला देश के उन 12 जिलों में शामिल है, जहां पराली से इथेनॉल बनाने का प्लांट लगेगा। करीब 50 एकड़ जमीन पर प्लांट बनेगा। हाल में आई टीम ने दातागंज एरिया में सर्वे किया है। इन्वेस्टर समिट में इसका एमओयू साइन हो चुका है।
-रोहित सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बरेली मंडल।

इस तरह बनेगा इथेनॉल से पेट्रोल : प्रोजेक्ट के डिप्टी जनरल मैनेजर (को-ऑर्डिनेशन) जितेंद्र प्रताप सिंह बताते हैं कि प्लांट में पराली से इथेनॉल बनाया जाएगा। इथेनॉल पेट्रोल का जरूरी अवयव होगा, जिसे 15 फीसद तक मिलाया जाएगा। इसे कैसे बनाया जाएगा के सवाल पर उन्होंने बताया कि धान की पराली के ऊपर की लेयर हटाकर सिरेलॉज निकालते हैं। एक प्रक्रिया से गुजारा जाता है, जिससे ग्लूकोज तैयार होता है। यहां से किण्वन (फरमंटेशन) कर एल्कोहल बनाते हैं। जिसे शोधित कर इथेनॉल बनता है।

करीब चालीस फीसद निकलती है पराली : कृषि विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर जितेंद्र कुमार बताते हैं कि बरेली में 1.52 लाख हेक्टेयर, बदायूं में 1.02 लाख, शाहजहांपुर 1.87 लाख और पीलीभीत में 1.37 लाख हेक्टेयर जमीन पर धान की खेती होती है। यानी मंडल में 5.78 लाख हेक्टेयर जमीन। प्रति हेक्टेयर औसतन 40 क्विंटल धान होता है। यानी, मंडल में औसतन 2.38 करोड़ क्विंटल धान हर साल। एक क्विंटल धान से करीब चालीस से 50 फीसद तक पराली निकलती है। मोटा हिसाब जोड़ें तो करीब एक करोड़ क्विंटल से ज्यादा। जिसका बड़ा हिस्सा जला दिया जाता है।

सर्वे हो चुका, क्लीयरेंस का इंतजार : हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) बदायूं में प्लांट लगवाएगा। इसके लिए सर्वे किया जा चुका है। क्लीयरेंस का इंतजार है। इसके बाद प्लांट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

इमरान के अतिवादी इस्लाम जैसा ही खतरनाक है उग्र हिंदुत्व : दिग्विजय

नईदुनिया, इंदौर

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बुधवार को इंदौर में फिर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि इमरान खान का अतिवादी (रेडिकल) इस्लाम जितना खतरनाक है, उतना ही खतरनाक उग्र हिंदुत्व भी है। उन्होंने इमरान को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जी कहकर भी संबोधित किया।

वह महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा कि पं. नेहरू ने कहा था कि अल्पसंख्यकों की सांप्रदायिकता के मुकाबले बहुसंख्यकों की सांप्रदायिकता कहीं ज्यादा खतरनाक होती है। आज हम जो हालात पाकिस्तान में देख रहे हैं वो इसलिए है क्योंकि वहां बहुसंख्यक सांप्रदायिक हुए हैं। भारत में यदि बहुसंख्यक सांप्रदायिक हुए तो देश को बचाना मुश्किल होगा। भारत एक धार्मिक देश है। गांधीजी ने भारत की सनातनी परंपरा और संस्कृति को समझा था। सनातन धर्म में सत्य अहिंसा की बात होती है। आज अहिंसा ही संकट में है। भगवान महावीर, भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी की परंपरा के साथ हमारा धर्म संकट में है। उन्होंने कहा कि हमें उसका विरोध करना है तो अहिंसा का रास्ता चुनना पड़ेगा। अनुच्छेद-370 पर सरकार के रुख का उल्लेख करते हुए दिग्विजय ने कहा कि आज अगर गांधीजी जिंदा होते तो घोषणा कर देते कि मैं लाल किले से लाल चौक तक यात्रा करूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी कहा था कि कश्मीर समस्या का हल जम्हूरियत, कश्मीरियत और इंसानियत से हो सकता है। सिंह ने वाट्सएप को समाज का दुश्मन करार देते हुए कहा कि झूठ को प्रचारित किया जा रहा है।

दिग्विजय सिंह। फाइल

250 सिख श्रद्धालुओं का जत्था बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अटारी वाघा सरहद सड़क के रास्ते पाकिस्तान रवाना हुआ। जत्थे में शामिल लोगों को 10 दिनों का वीजा मिला है। इस दौरान ये गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब, गुरुद्वारा श्री रोड़ी साहिब, गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब आदि गुरुद्वारों में शीश नवाएंगे।

पटना में नहीं सुधरे हालात, पांच फीट तक जमा है पानी

बढ़ी परेशानी ▶ पुनपुन नदी का जलस्तर लगातार खतरे के निशान से ऊपर, रिंग बांध तीन जगह और टूटा

डूबने से 18 लोगों की मौत, पटना में स्कूल-कॉलेज अब दुर्गापूजा तक बंद

जागरण टीम , पटना

पांच दिन बाद भी पटना के राजेंद्रनगर और आसपास के इलाकों में पांच फीट पानी जमा है। बड़े-बड़े पंप लगाने के बाद कुछ इलाकों का पानी घट रहा, लेकिन राजेंद्रनगर में स्थिति बदतर होती जा रही। मोहल्लों में वृद्ध और लाचार लोग किस हालत में हैं, इसका पता तो तब ही चल पाएगा, जब पानी पूरी तरह से निकलेगा। जिला प्रशासन राहत और बचाव कार्य चला रहा है लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में लोग इसकी पहुंच से बाहर हैं। उधर, पुनपुन नदी का जलस्तर लगातार खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। जलस्तर 53.46 मीटर है, जो खतरे के निशान से ढाई मीटर अधिक है। बुधवार को पुनपुन का रिंग बांध तीन जगह और टूट गया जिससे मुख्य बाजार में पानी घुस गया। बुधवार को विभिन्न जिलों में वर्षा और जलजनित हादसों में 18 की मौत हो गई। वहीं पटना में जलजमाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों और कोचिंग को दुर्गापूजा तक बंद करने का निर्देश दिया है।

सड़ रहा पानी, बदबू से लोग परेशान, बीमारी की आशंका : पटना के शहरी इलाके राजेंद्रनगर, बाजार समिति और सैदपुर के कई इलाकों में पांचवें दिन भी पांच फीट तक पानी जमा है। पानी सड़ने लगा है। बदबू से लोग परेशान हैं। अब बीमारियों का खतरा भी लोगों को परेशान करने लगा है। बारिश रुके तीन दिन हो गए हैं, मगर शहरी इलाकों में पानी अधिकतम दो से ढाई फीट ही निकल सका है। यह हाल तब है, जब राज्य सरकार ने झारखंड और छत्तीसगढ़ से आधा दर्जन से अधिक पानी निकालने वाले पंप मंगाए हैं।

नदी में गिरे रामकृपाल यादव, कहा-डूबने से बचे: पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रामकृपाल यादव बुधवार को टायर और बांस की पट्टी से बनी जुगाड़ नाव के सहारे दरधा नदी पार करने के चक्कर में नदी में गिर गए। सांसद के अनुसार नदी के किनारे चार-पांच स्थानों पर बांध टूटने से दर्जनों गांव जलमग्न हैं। उनके धनरुआ प्रखंड के रमनीविगहा गांव जाने के क्रम में चचरी का पुल टूट गया। उनका कहना है कि वह नदी की गहराई में चले जाते, लेकिन ग्रामीणों ने खींचकर बचा लिया। सांसद ने कहा कि मैं तैरना भी नहीं जानता, डूब जाता। वह अपने संसदीय क्षेत्र का भ्रमण करने गए थे।

मनेर में पिछले तीन दिनों से लोगों को गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहा था। जैसे ही गैस आने की सूचना मिली, ग्रामीण सुबह से ही पानी के बीच सिलेंडरों को कतारबद्ध करके खड़े हो गए। बड़ी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उन्हें सिलेंडर मिला। उमाशंकर गुप्ता

मालदा, मुर्शिदाबाद और हावड़ा में स्थिति बिगड़ी

जासं, कोलकाता : बंगाल में मालदा, मुर्शिदाबाद, हावड़ा समेत कुछ अन्य जिले में बाढ़ से स्थिति गंभीर हो गई हैं। बाढ़ की स्थिति पर नजर रखने के लिए 24 घंटे संचालित मानिटरिंग सेल की शुरू की गई है। इस बीच बुधवार को राज्य सचिवालय मुख्य सचिव राजीव सिन्हा व गृह सचिव अलापन बनर्जी विभिन्न जिला अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। मालदा में ही दो लाख से ज्यादा लोग बाढ़ में फंसे हुए हैं। हजारों बीघा खेती की जमीन बाढ़ की चपेट में आ गई है। इसके अलावा मुर्शिदाबाद में दामोदर नदी का बांध टूट जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। दूसरी ओर हावड़ा जिले के उदयनारायणपुर में बाढ़ से स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

आइएमडी और स्काईमेट के बारिश के पूर्वानुमानों में अंतर का होगा विश्लेषण

- इस साल सामान्य से 10 फीसद ज्यादा हुई है बरसात
- दोनों एजेंसियों ने सामान्य या सामान्य से कम बारिश की भविष्यवाणी की थी

नई दिल्ली, प्रेट्र : औसत से ज्यादा बरसात के साथ चार महीने का मानसून सत्र आखिरी पड़ाव पर है। इस साल हुई बारिश ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) और निजी क्षेत्र की स्काईमेट वेदर के शुरुआती पूर्वानुमानों को ध्वस्त कर दिया है। आइएमडी का कहना है कि वास्तविक बरसात और पूर्वानुमान में अंतर के कारणों का विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा।

आइएमडी ने अप्रैल में कहा था कि देश में दीर्घावधि औसत (लांग पीरिडय एवरेज-एलपीए) के 96 फीसद बरसात होगी। जबकि, स्काईमेट ने एलपीए के 93 फीसद बारिश होने की भविष्यवाणी की थी। दोनों ने आंकड़ों में पांच फीसद कम-अधिक के अंतर का अनुमान भी जताया था।

बता दें कि एलपीए देश में 50 साल की अवधि 1951-2000 के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन में हुई औसत बारिश के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मौजूदा एलपीए 89 सेंटीमीटर है। एलपीए के 90 फीसद से कम को सामान्य से कम बरसात कहते हैं और 110 फीसद से ज्यादा को सामान्य से ज्यादा बारिश होना कहते हैं। एलपीए के 96-104 के बीच की बरसात को सामान्य बारिश की श्रेणी में रखा जाता है। इस तरह आइएमडी का 96 फीसद का पूर्वानुमान सामान्य और सामान्य से कम बारिश की सीमा पर है। जबकि, स्काईमेट का 93 फीसद का अनुमान सामान्य से कम बारिश की श्रेणी में आता है। स्काईमेट ने सामान्य से कम बारिश के लिए एल नीनो प्रभाव को कारण बताया था। एल नीनो प्रशांत महासागर के पानी के गर्म होने से जुड़ा है। परंतु, मानसून सीजन के आखिर में आइएमडी की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल देश में सामान्य से 10 फीसद ज्यादा बरसात हुई है। आइएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि इसका विस्तृत अध्ययन किया जाएगा।

5,000 ऑपरेशन करने वाले किडनी रोग विशेषज्ञ एचएल त्रिवेदी नहीं रहे

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : 5,000 से अधिक ऑपरेशन व 400 से ज्यादा किडनी प्रत्यारोपण करने वाले तथा पद्मश्री से सम्मानित डॉ. एचएल त्रिवेदी का बुधवार की दोपहर निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे और बीमार चल रहे थे।

डॉ. त्रिवेदी का जन्म 31 अगस्त 1932 को गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के चरडवा गांव में हुआ था। वह जीआर दोषी और केएम मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक तथा बीजे मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद के फैकल्टी सदस्य रहे। स्टेमसेल की मदद से प्रत्यारोपण व ऑपरेशन के बाद दवा की जरूरत न होने संबंधी उनके शोध खूब चर्चा में रहे थे।

अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज से शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अमेरिका के ओहियो प्रांत के क्लीवलैंड शहर में बस गए थे। विश्व भर में उनके शोध पत्र काफी गंभीरता से लिए जाते थे। वह वर्ष 1977 में गुजरात लौटे और अहमदाबाद के नागरिक अस्पताल परिसर में किडनी संस्थान की स्थापना की। गुरुवार को उनके पार्थिव शरीर को अहमदाबाद के किडनी संस्थान में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा।

छात्रा को नहीं मिला प्रवेश सुप्रीम कोर्ट जाएंगे पिता

जासं, शाहजहांपुर

चिन्मयानंद प्रकरण

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर होना था कॉलेज ट्रांसफर
- पिता का आरोप, नहीं पूरी होने दी गई प्रक्रिया

चिन्मयानंद से रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में बंद छात्रा के पिता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी बेटी का प्रवेश दूसरे कॉलेज में न कराए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे कोर्ट की अवमानना बताते हुए शिकायत करने की बात कही है। दो दिन के अंदर वह इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में हैं।

छात्रा के पिता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने दो सितंबर को आदेश दिया था, जिसमें एसआइटी जांच के साथ ही उनकी बेटी व बेटे का प्रवेश दूसरे कॉलेज में कराने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि बेटी का एलएलएम में रुहेलखंड विश्वविद्यालय व बेटे का बरेली के एक अन्य कॉलेज में प्रवेश होना था, लेकिन दिल्ली से आने के बाद एसआइटी ने अपनी जांच में उन लोगों को उलझा दिया। कई बार बयान व जांच के लिए उन लोगों को बुलाया गया। प्रवेश की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। 25 सितंबर को एसआइटी ने बेटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस कारण उसकी कॉलेज ट्रांसफर संबंधी औपचारिकताएं पूरी हो सकीं। बेटे का प्रवेश भी नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि इसमें पूरी तरह से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना की गई है। एसआइटी ने भी लापरवाही बरती है। वह इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शिकायत दर्ज कराएंगे।

बैरक में रहे चिन्मयानंद और छात्रा, युवकों ने मनाई गांधी जयंती : गांधी जयंती पर जिला जेल में भी कार्यक्रम हुआ, लेकिन दुष्कर्म में आरोपित चिन्मयानंद व रंगदारी मांगने में आरोपित छात्रा जेल में बैरक में ही रहे। हालांकि, रंगदारी के अन्य तीनों आरोपित संजय, विक्रम, सचिन आयोजन में शामिल हुए।

चिन्मयानंद की पेशी आज: दुष्कर्म में आरोपित पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद की गुरुवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की कोर्ट में पेशी होगी। चिन्मयानंद को 20 सितंबर को एसआइटी ने कोर्ट में पेश किया था जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था। दूसरी ओर उनसे रंगदारी मांगने के आरोप में छात्रा, उसके दोस्त संजय सिंह, विक्रम सिंह सचिन सेंगर को भी जेल भेजा जा चुका है। मंगलवार को संजय, विक्रम और सचिन की पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि गुरुवार को चिन्मयानंद की पेशी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ही हो सकती है।

आजम से फिर पूछताछ, एक घंटे तक चला सवालों का दौर

जासं, रामपुर: जौहर यूनिवर्सिटी के लिए किसानों की जमीन कब्जाने के मुकदमे में फंसे सपा सांसद आजम खां से विशेष जांच दल (एसआइटी) ने बुधवार को फिर से पूछताछ की। वह अपनी पत्नी व बेटे के साथ महिला थाने पहुंचे। करीब एक घंटे तक एसआइटी ने उनसे कई सवाल किए, जिनके जवाब देने से वह बचते रहे।

पूछताछ के बाद सांसद ने पत्रकार वार्ता में कहा कि उनसे कई सवाल पूछे गए हैं, जिनके जवाब के लिए उन्होंने एक सप्ताह का समय मांगा है। बार-बार बुलाए जाने पर नाराजगी जताते हुए बोले, हाई कोर्ट से हमें इन मुकदमों से राहत मिल चुकी है। शायद प्रशासन को इस बात से नाराजगी है। यही वजह है कि हमें अपमानित करने के लिए बार-बार बुलाया जा रहा है। हमने तो यहां तक कहा कि जितने भी मुकदमे हैं, उनसे संबंधित जो भी सवाल हैं, आप एक बार में हमसे पूछ लीजिए लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। हमसे ट्रस्ट के पेपर, जमीन की रजिस्ट्री, चेक, ड्राफ्ट, चंदे आदि की जानकारी मांगी जा रही है। इन बातों से पौने चार बीघा जमीन का कोई मतलब नहीं है। सिर्फ हमें देशभर में चोर-बेईमान साबित करने, लोकसभा चुनाव जीतने की सजा देने और विधानसभा उप चुनाव हराने के लिए ऐसा किया जा रहा है। हम तो इसके लिए भी तैयार हैं कि हमें यदि इजाजत दें तो हम यहीं पर एक टाट का छोटा सा टुकड़ा बिछाकर पत्नी और बेटे के साथ बैठ जाएंगे।

इंदौर पीड़िता आत्महत्या मामले में तीन पुलिसकर्मी बर्खास्त

नईदुनिया, इंदौर

पिछले साल मनचले से परेशान एक छात्रा थाने में शिकायत करने पहुंची थी और वहां उसकी फरियाद नहीं सुनी गई। पुलिस ने लिखित आवेदन ले लिया और 52 घंटे पीड़िता को इधर-उधर भटकाते रहे। मामले में आरोपित को बचाने पर छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। यह खुलासा अब सीएसपी की जांच में रिपोर्ट में हुआ है। मामला प्रकाश में आते ही डीआइजी ने दोषी महिला थाने की एसआइ, बाणगंगा थाने के एसआइ सहित एक प्रधान आरक्षक को बर्खास्त कर दिया।

घटना द्वारकापुरी थाना क्षेत्र स्थित प्रजापत नगर की पिछले वर्ष 5 जुलाई की है। निजी स्कूल में 10वीं में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा को कॉलोनी में रहने वाला मिलन चौहान परेशान करता था। उसके भद्दे फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा था। छात्रा व उसके माता-पिता थाने पहुंचे तो एसआइ संध्या उरमालिया, ओंकारसिंह कुशवाह और प्रधान आरक्षक वृंदावन पटेल ने रिपोर्ट लिखने से इनकार कर दिया। लिखित आवेदन लिया और छात्रा को थाने से बाहर निकाल दिया। करीब 52 घंटे इधर-उधर भटकने के बाद परेशान छात्रा ने खुदकुशी कर ली। तत्कालीन डीआइजी हरिनारायणचारी मिश्र ने मामले में तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच बैठाई और दो दिन पूर्व आरोप सही पाए जाने पर डीआइजी (ग्रामीण) संजय तिवारी ने तीनों को बर्खास्त कर रिपोर्ट एसएसपी रुचि वर्धन मिश्र को भेज दी।

छात्रा के आखिरी खत से खुली पुलिस लापरवाही की पोल: थाने पर सुनवाई नहीं होने के बाद छात्रा ने सुसाइड नोट लिखा कि 'सॉरी पापा मेरी कोई गलती नहीं है। उसने (मिलन) मेरे फोटो एफबी पर डाल दिए हैं। वह मुझे स्कूल आते-जाते वक्त परेशान करता है। मुझसे दो लेटर भी लिखवा लिए हैं। बात करने के लिए दबाव बनाता है। आपको पता है कि उसकी मम्मी खराब है। मैं नहीं चाहती कि मेरी वजह से आपकी इमेज खराब हो। मुझे माफ करना पापा, मैं ही नहीं रहूंगी तो सारी बात खत्म हो जाएगी'। इस पत्र के बाद हड़कंप मच गया और आक्रोशित लोगों ने शव रखकर चक्काजाम किया था। थाने पर प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की।

सीएसपी तोमर की जांच रिपोर्ट में मिले दोषी : डीआइजी मिश्र ने तत्कालीन अन्नपूर्णा सीएसपी एसकेएस तोमर को प्रारंभिक जांच सौंपी थी। उन्होंने थाने में मौजूद पुलिसकर्मी और परिजन के बयान लिए। रिपोर्ट में पाया कि एसआइ संध्या, ओंकार सिंह और प्रधान आरक्षक पटेल ने समय पर कार्रवाई नहीं की और नतीजतन छात्रा को फांसी लगानी पड़ी। दोषी सिद्ध होने के बाद विभागीय जांच के आदेश हो गए। एसएसपी रुचि वर्धन मिश्र ने पंढरीनाथ सीएसपी डीके तिवारी को विभागीय जांच सौंपी। सीएसपी की जांच में भी इन्हें दोषी पाया गया था।

भारत-कजाकिस्तान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास आज से

संवाद सहयोगी, पिथौरागढ़ : भारत और कजाकिस्तान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास आज से पिथौरागढ़ सैन्य क्षेत्र में शुरू होगा। 12 दिवसीय इस अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएं आतंकवाद से निपटने के अनुभवों को साझा करने के साथ ही अभ्यास भी करेंगी।

सैना के मैत्री ग्राउंड में प्रातः 10 बजे 111 इंडिपेंडेंट इंफैंट्री बिग्रेड के कमांडर बिग्रेडियर एसके मंडल सैन्य अभ्यास का शुभारंभ करेंगे। कजाकिस्तान के 60 सैनिक अभ्यास में भाग लेने के लिए बुधवार को पिथौरागढ़ पहुंच गए। भारत की ओर से दो राजपूत रेजीमेंट जोशीमठ के 100 जवान अभ्यास में शामिल होंगे। 12 दिवसीय इस अभ्यास में दोनों देशों के जवान पर्वतीय क्षेत्रों में आतंकवादियों से निपटने का अभ्यास करेंगे और ऐसे मामलों में अब तक के अपने अनुभवों को साझा करेंगे। हथियारों और उपकरणों की प्रदर्शनी अभ्यास के दौरान लगाई जाएगी। अभ्यास का समापन 15 अक्टूबर को होगा। कजाकिस्तान के जवान पहली बार पिथौरागढ़ में सैन्य अभ्यास के लिए पहुंचे हैं। भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच इस क्षेत्र में कई बार संयुक्त सैन्य अभ्यास हो चुके हैं। सैन्य क्षेत्र में अभ्यास के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बालिका गृह कांड : ब्रजेश ठुकर व करीबियों के पास 27 करोड़ से अधिक की संपत्ति

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- आयकर (जांच) की रिपोर्ट पर ईडी ने की कार्रवाई
- बालिका गृह यौन हिंसा मामले में आयकर ने की ब्रजेश और करीबियों की चल अचल संपत्ति की जांच
- अब ब्रजेश के पुत्र राहुल को आयकर का नोटिस

बालिका गृह यौन हिंसा मामले के मुख्य आरोपी ब्रजेश ठाकुर, परिजनों एवं करीबी मधु के पास 25 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आयकर ने जांच की थी। आयकर(जांच) मुजफ्फरपुर ने ईडी को रिपोर्ट भेजी थी। बालिका यौन हिंसा में ब्रजेश समेत अभी 20 लोग जेल में बंद हैं।

बताते हैं कि ब्रजेश ठाकुर ने सेवा संकल्प ट्रस्ट की स्थापना कर उत्तर बिहार में एक दर्जन से अधिक संस्थाओं को शुरू किया था। सरकार से मिली राशि का दुरुपयोग किया। उनके आपराधिक कृत्य की सीबीआइ जांच चल रही है। आर्थिक अपराध पर अलग से कार्रवाई जारी है।

आयकर की रिपोर्ट में ये थी अचल संपत्ति : जांच में आयकर को साहू रोड स्थित बालिका गृह का भवन, ब्रजेश के घर, होटल, दीपक सिनेमा के समीप एक भवन में सेवा संकल्प एवं विकास समिति के बंद दफ्तर, सिकंदरपुर स्थित विवाह भवन, कन्हौली समेत एक दर्जन भूखंड के बारे में जानकारी मिली। इसके अलावा दो दर्जन वाहन भी हैं। इनकी कीमत 20 करोड़ रुपये आंकी गई। आयकर की ओर से अभी आगे भी जांच कर कुल संपत्ति का ब्योरा तैयार किया जाएगा।

ब्रजेश की करीबी मधु की 7 करोड़ से अधिक की संपत्ति आंकी गई है। बताते हैं कि अगला निशाना मधु की अचल संपत्तियां हैं। अब इनको जब्त करने के लिए ईडी प्रक्रिया में जुटी है।

ब्रजेश के पुत्र की खोली गई रिटर्न फाइल : आयकर ने ब्रजेश के पुत्र राहुल आनंद के आयकर रिटर्न की फाइल खोल दी है। उसे नोटिस भी जारी किया गया है। विभाग उसके आय के स्रोतों की जांच कर रहा है। विभाग की मानें तो राहुल ने अपने रिटर्न में एक समाचार पत्र के प्रकाशन को आय का स्रोत बताया है। जांच का विषय यह है कि जिस समाचार पत्र का उल्लेख किया गया है, उसको सरकारी विज्ञापन किस आधार पर विगत सालों में प्राप्त हुआ है। सरकारी अखबार के कागज की खपत कितनी हुई है और कितनी बाजार में बेची गई है।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक, जांच का बिंदु है कि जिस तरह एनजीओ संचालन के नाम पर सरकारी अनुदान का दुरुपयोग किया गया है, उसी प्रकार समाचार पत्र के नाम पर मिले सरकारी आर्थिक लाभ से निजी संपत्ति अर्जित की गई है। जांच पूरी होने के बाद एडवांस टैक्स जमा करने के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

ममता ने दुर्गा पूजा पर फिर लिखा गीत, श्रेया घोषाल ने दी आवाज

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बार भी दुर्गा पूजा पर एक थीम सांग (गीत) लिखा है। इस बार भी उन्होंने दक्षिण कोलकाता के विख्यात दुर्गा पूजा कमेटी सुरुचि संघ के लिए समर्पित यह थीम सांग लिखा है। इस पूजा कमेटी के प्रमुख आयोजक राज्य के पीडब्ल्यूडी व खेल मंत्री एवं ममता के बेहद करीबी माने जानेवाले अरूप विश्वास हैं। पूजा कमेटी की ओर से 27 सितंबर को ही 'उत्सव' नामक इस थीम सांग का वीडियो जारी किया गया था। ममता के लिखे इस थीम सांग में प्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। इसके साथ इस वीडियो में बांग्ला अभिनेत्री व तृणमूल सांसद नुसरत जहां रूही व परमव्रत ने अभिनय किया है। सुरुचि संघ के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले पांच वर्षों से थीम सांग लिख रही हैं।

हनी ट्रैप : एसआइटी में बदलाव को लेकर गृह मंत्री और परिवहन मंत्री के विरोधाभासी तर्क

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले की जांच को लेकर एसआइटी में दूसरी बार बदलाव की सियासी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा गर्म है। जांच पर भी असमंजस का साया मंडराने लगा है। इस बीच सागर में प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एवं इंदौर में गृह मंत्री बाला बच्चन ने एसआइटी में बदलाव व जांच को लेकर अलग-अलग कारण गिना दिए हैं। राजपूत ने कहा कि जांच से जुड़े वीडियो लीक होने का मामला मुख्यमंत्री कमलनाथ और डीजीपी के संज्ञान में आया इस कारण बदलाव हुआ जबकि बच्चन का तर्क है कि परिपक्व व्यक्ति को कमान सौंपना थी इसलिए परिवर्तन किया गया।

एसआइटी के पूर्व मुखिया संजीव शमी को बदले जाने को लेकर कोई इसे अफसरों की आपसी सिर फुटौव्वल मान रहा है तो कोई कुछ और। हालांकि संजीव शमी की सख्त मिजाजी के चलते माना जा रहा था कि जांच जल्द ही अंजाम तक पहुंच जाएगी, लेकिन बीच जांच से उन्हें ही हटा दिया गया और नई टीम के सक्रिय होने तक असमंजस है। शमी की जगह उनसे वरिष्ठ अधिकारी को इसकी जांच सौंपकर मुख्यमंत्री ने ब्यूरोक्रेटिक टकराव को थामने की भी कोशिश की है। यह माना जा सकता है कि मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंगलवार देर रात किए फेरबदल से कई सारे संदेश दे दिए हैं।

बुधवार को बाला बच्चन और गोविंद सिंह राजपूत की बयानबाजी ने भी सरगर्मी बढ़ाई है। उधर, एसआइटी के नए प्रमुख स्पेशल डीजी राजेंद्र कुमार गुरवार को अपना पदभार संभालेंगे। हनी ट्रैप मामले पर वह कुछ भी बोलने से बचते रहे, उनका यही कहना था कि अभी मामले को समझूंगा, उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

परिपक्व व्यक्ति संभाले कमान: बच्चन: इंदौर में गृह मंत्री बच्चन ने शमी के नेतृत्व में कमी नजर आने के सवाल पर कहा कि कहीं कोई कमी नजर नहीं आई थी। लेकिन लगा कि उनसे ज्यादा वरिष्ठ अधिकारी को शामिल किया जाना चाहिए, इसलिए यह निर्णय लिया गया है। उधर परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मामले से जुड़े वीडियो लीक हुए जो नहीं होना चाहिए थे।

ऐसे हुए एसआइटी में बदलाव

- डीजीपी विजय कुमार सिंह ने 23 सितंबर को पहली बार एसआईटी का गठन किया, प्रमुख आइजी सीआइडी श्रीनिवास वर्मा को बनाया गया। टीम ने औपचारिक रूप से काम नहीं संभाला।
- अगले ही दिन 24 सितंबर को तत्कालीन एडीजी एटीएस व काउंटर इंटेलीजेंस संजीव शमी के नेतृत्व में नई एसआइटी बना दी गई।
- 01 अक्टूबर को देर रात एसआइटी में बदलाव कर विशेष डीजी राजेंद्र कुमार को कमान सौंपी गई।

अमिताभ ने कहा-मेरा कोई धर्म नहीं, मैं सिर्फ भारतीय हूं

नई दिल्ली, आइएएनएस: सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने बुधवार को कहा कि उनका कोई धर्म नहीं है और वह सिर्फ भारतीय हैं। यह बात उन्होंने गांधी जयंती के मौके पर 'कौन बनेगा करोड़पति' के विशेष एपिसोड में समाजसेवी बिंदेश्वर पाठक के साथ साझा की। इस एपिसोड का प्रसारण बुधवार को किया गया।

उन्होंने कहा कि मेरा उपनाम 'बच्चन' है, जो किसी धर्म को इंगित नहीं करता है, क्योंकि मेरे पिता इसके खिलाफ थे। बिग बी ने कहा कि मेरा उपनाम श्रीवास्तव था, लेकिन हमारा इसमें कभी विश्वास नहीं रहा। मुझे गर्व होता है कि मैं अपने परिवार में 'बच्चन' उपनाम रखने वाला पहला व्यक्ति हूं। अमिताभ बच्चन उपनाम की शुरुआत के बारे में बताते हुए कहा कि जब बाबू जी प्ले स्कूल में प्रवेश कराने ले गए तो उनसे मेरा सरनेम पूछा गया। इसी दौरान उन्होंने निश्चय किया कि मेरा उपनाम 'बच्चन' होगा। उन्होंने बताया कि जब जनगणना के कर्मचारी मेरे घर आते हैं तो वे मेरा धर्म पूछते हैं, तब मैं हमेशा कहता हूं कि मेरा कोई धर्म नहीं है, मैं सिर्फ भारतीय हूं। बिग बी ने होली को शुरू करने की अपनी पारिवारिक परंपरा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि त्योहार की शुरुआत बहुत सम्मानित और बुजुर्ग व्यक्ति के पैरों में रंग लगाने से होती है। बिग ने कहा कि उन्हें यह कहने में कोई शर्म नहीं है कि मेरे पिता ने अपने आसपास के लोगों का बहुत सम्मान किया। यह हमारी परंपरा थी कि होली की शुरुआत सबसे बड़े और सम्मानित व्यक्ति के पैरों पर रंग लगाने से होती थी। मेरे पिता हरिवंश राय बच्चन त्योहार शुरू होने से पहले अपना शौचालय साफ करने वाले व्यक्ति के पैरों पर रंग लगाते थे।

अमिताभ बच्चन। फाइल फोटो

मोदी का कार्यक्रम प्रसारित नहीं करने पर चेन्नई दूरदर्शन की सहायक निदेशक निलंबित

चेन्नई, आइएएनएस: चेन्नई दूरदर्शन की सहायक निदेशक (कार्यक्रम) आर वासुमति को अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद निलंबित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक उन पर 30 सितंबर को डीडी पोइगई चैनल में 'सिंगापुर-इंडिया हैकाथॉन' 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के सजीव प्रसारण की अनुमति नहीं देने का आरोप है। बता दें कि 'सिंगापुर -इंडिया हैकाथॉन' 2019 का पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार को आइआइटी मद्रास में आयोजित किया गया था।

दूरदर्शन के सीईओ शशि शेखर वेम्पति द्वारा एक अक्टूबर को जारी आदेश में कहा गया है कि चेन्नई में दूरदर्शन केंद्र की सहायक निदेशक (कार्यक्रम) आर वासुमति को संबंधित नियमों के तहत 'तत्काल प्रभाव' से निलंबित किया जाता है। डीडी न्यूज और राष्ट्रीय चैनल ने इसका कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया था। सूत्रों के मुताबिक डीडी पोइगई में निदेशक (कार्यक्रम) का पद लंबे समय से खाली चल रहा है। सबसे वरिष्ठ सहायक निदेशक ही कार्यक्रमों के प्रसारण की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

1111 मीटर लंबी चुनरी यात्रा

शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में बुधवार को मध्य प्रदेश के राजगढ़ में राजमहल परिसर से जालपा माता मंदिर तक चुनरी यात्रा निकाली गई। इसमें 1111 मीटर लंबी चुनरी को श्रद्धालु हाथों में थामे चल रहे थे। इस यात्रा ने राजमहल से जालपा माता मंदिर तक 8 किमी दूरी लगभग 3 घंटे में पूरी की। मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से माता को चुनरी अर्पित की गई। मीतेश व्यास

जज के खिलाफ पत्नी ने दर्ज कराया दहेज प्रताड़ना का मामला

नईदुनिया, इंदौर : न्यायिक दंडाधिकारी के खिलाफ इंदौर में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज हुआ है। पत्नी ने बुधवार को एसएसपी से इस मामले की शिकायत की थी। एसएसपी ने दोनों पक्षों को बुलाकर काउंसलिंग का प्रयास भी किया, लेकिन सुलह नहीं हुई। इसके बाद पत्नी ने थाने में शिकायत की। इस आधार पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कर लिया गया। उधर, जज के वकील ने पुलिस पर एकपक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कार्रवाई को गलत बताया।

इंदौर के संयोगितागंज थाना पुलिस के अनुसार अर्चना सिंह ने अपने पति न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम वर्ग विपिन सिंह भदौरिया के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। महिला की शिकायत के बाद पुलिस जज को थाने लेकर आई। उनकी लाइसेंसी बंदूक भी जब्त की गई है। जज भदौरिया की ओर से उनके वकील नीरज सोनी का कहना है कि जज अपने बीमार माता-पिता को अपने साथ रखना चाहते थे, लेकिन उनकी पत्नी माता-पिता को साथ रखना नहीं चाहती थी।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com
www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 3 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण

विनम्रता से असंभव को भी संभव किया जा सकता है

बारिश में बदहाल शहर

इस वर्ष मानसून के लंबा खिंचने के चलते बाढ़ जनित समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश बाढ़ से हलकान थे तो अब पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल के साथ कर्नाटक और केरल भी बदहाल हैं। यह पहली बार नहीं जब देश के तमाम हिस्से बाढ़ की चपेट में आए हों, लेकिन कुछ अर्से से कम समय में ज्यादा बारिश अधिक देखने को मिल रही है। यह जलवायु परिवर्तन का नतीजा है। आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन के ऐसे दुष्प्रभाव कहीं अधिक देखने को मिल सकते हैं। अब जब यह माना जा रहा है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचना कठिन है तो यह आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है कि बारिश से उपजने वाली समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं। ऐसे कदमों की सबसे अधिक जरूरत शहरों में है, क्योंकि बरसाती पानी की निकासी के अभाव में वे थोड़ी सी भी अधिक बारिश में उफन पड़ते हैं। अब तो यह भी देखने को मिल रहा है कि क्षेत्र विशेष में कम बारिश के बावजूद वह बाढ़ की चपेट में आ जाता है। पटना इसका ही उदाहरण बना हुआ है। पटना के साथ-साथ भागलपुर की भी हालत खराब है और अंदेशा इस बात का है कि आने वाले दिनों में बिहार के कुछ और शहरी इलाके बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। ध्यान रहे कि कुछ दिनों पहले मुंबई और पुणे बारिश से बदहाल थे।

यह सही है कि जब कहीं जरूरत से ज्यादा बारिश होगी तो समस्याएं सिर उठाएंगी ही, लेकिन भारत की समस्या यह है कि हमारे शहरों का ढांचा चरमरा गया है। स्मार्ट सिटी सरीखी योजनाओं के बाद भी स्थिति में कोई बुनियादी बदलाव आता नहीं दिख रहा है तो इसीलिए कि सुनियोजित विकास की घोर अनदेखी की जा रही है। यह तब है जब देश के सभी शहर आबादी के बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। चूंकि शहरी ढांचे को दुरुस्त करने का काम आधे-अधूरे मन और अधकचरी योजनाओं से किया जा रहा है इसलिए बारिश के दिनों में शहरों में ढंग से रहना मुश्किल हो रहा है। खराब बात यह है कि शहरों की दुर्दशा से परिचित होने के बाद भी उन्हें रहने लायक बनाने के मामले में जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है। ऐसे में आम जनता को यह समझना ही होगा कि केवल नेताओं और नौकरशाहों को कोसने से काम चलने वाला नहीं है। उसे नीति-नियंताओं को जवाबदेह बनाने के साथ यह भी समझना होगा कि शहरी ढांचे में व्यापक तब्दीली लाने की जरूरत है और इस तब्दीली की कुछ कीमत भी चुकानी होगी।

फ्लाईओवरों में दरार

बंगाल की राजधानी कोलकाता में विभिन्न फ्लाईओवरों से लेकर रेल ओवरब्रिजों की हालत गंभीर है। स्थिति ऐसी है कि हाल के दिनों में बने अधिकांश फ्लाईओवरों पर बसों की आवाजाही बंद है। कुछ फ्लाईओवरों को तो रात में पूरी तरह से बंद तक कर दिया जाता है। जाम की समस्या से निजात पाने के लिए महानगर और आसपास के जिलों में कई फ्लाईओवर तैयार किए गए हैं। परंतु देखा जा रहा है कि कुछ ही वर्षों में उन फ्लाईओवरों की दशा दयनीय हो चुकी है। ऐसा ही एक फ्लाईओवर है उल्टाडांगा में। इस फ्लाईओवर के उद्घाटन के कुछ वर्ष बाद ही एक हिस्सा धराशाई हो गया था। इसके बाद लंबे समय तक फ्लाईओवर बंद रहा। बसों एवं ट्रकों की उक्त फ्लाईओवर पर आवाजाही बंद कर दी गई। इसके बाद अभी कुछ माह पहले ही उक्त फ्लाईओवर में फिर दरार देखी गई तो उसे बंद कर उसकी जांच की गई और पिछले करीब दो माह से फ्लाईओवर का एक हिस्सा पूरी तरह से बंद है। इसी बीच अब बीटी रोड पर बना टाला ब्रिज की हालत यह हो गई है कि पिछले रविवार से इस ब्रिज पर ट्रकों एवं बसों की आवाजाही बंद कर दी गई है। इसके बाद महानगर के उत्तरी हिस्से में रहने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस अहम ब्रिज पर दुर्गापूजा के दौरान बसों का संचालन शुरू करने के लिए कई बैठकें हुईं। मंगलवार को नवान्न में हुई बैठक के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हमने राइट्स की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है, क्योंकि यातायात में सुगमता के लिए ब्रिज पर बस चलाने की अनुमति देने का जोखिम नहीं ले सकते। यही नहीं नागेरबाजार, मां, चिंगड़ीघाटा, साल्टलेक के आइटी सेक्टर फ्लाईओवर समेत कई और ओवरब्रिज हैं जिस पर बसों को चलने की अनुमति नहीं है। आखिर इन ब्रिजों एवं फ्लाईओवरों के इस हाल के लिए कौन जिम्मेवार है। पिछले वर्ष सितंबर के प्रथम सप्ताह में माझेरहाट रेल ओवरब्रिज धराशाई हो गया था। इससे पहले बड़ाबाजार में निर्माणाधीन फ्लाईओवर ढह गया जिसमें दो दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई थी। माझेरहाट या फिर टाला ब्रिज तो काफी पुराने ब्रिज हैं, परंतु उल्टाडांगा, नागेरबाजार और अन्य फ्लाईओवर तो हाल के दिनों में तैयार हुए हैं। फिर इसकी हालत ऐसी क्यों है? इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। साथ ही ऐसी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है कि इन फ्लाईओवरों से लेकर रेल ओवर ब्रिजों तक को इतना मजबूत बनाया जाए कि सौ-दो सौ वर्षों तक कुछ न हो।

राजनीति की बदलती कार्य संस्कृति

प्रदीप सिंह

कुछ हालिया फैसले भाजपा में काम करने वाले आम कार्यकर्ताओं को इस बात का अहसास कराते हैं कि शिखर पर बैठे लोग ऊपर ही नहीं नीचे भी देखते हैं

अवधेश राजपूत

उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा क्षेत्र के लिए हो रहे उपचुनाव में भाजपा ने विजय राजभर को उम्मीदवार बनाया है। विजय के पिता सब्जी का ठेला लगाते हैं। मंगलवार को पिता जब उम्मीदवार बेटे को माला पहनाने आए तो बेटा खुद को रोक नहीं पाया और फूट-फूट कर रो पड़ा। समाज में ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं, पर राजनीति में ऐसी घटनाएं अपवाद के रूप में ही दिखती हैं। भारतीय राजनीति पिछले कई दशकों से ऐसे दौर में है जहां पैसा, रसूख और परिवार की ताकत का बोलबाला है। ऐसी घटनाएं भारत की राजशाही, सामंती मानसिकता से निकलकर लोकतांत्रिक होने की गवाही देती हैं। हमने लोकतांत्रिक व्यवस्था तो अपना ली, लेकिन हमारा मन राजशाही वाला ही रहा। यही कारण है कि पिछले सात दशकों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के बावजूद वंशवाद की राजनीति कमजोर होने के बजाय फलती-फूलती रही। हमने लोकतंत्र को वंशवाद और परिवारवाद के पोषकों को चुनने की व्यवस्था बना दिया, मगर 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से देश की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ आया। नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना एक नई परिघटना थी। ऐसा नहीं है कि समाज के कमजोर तबके के लोग पहले राजनीति में सफल नहीं हुए या सत्ता में नहीं आए, लेकिन राष्ट्रीय फलक पर पिछड़े वर्ग के एक निर्धन और साधनहीन परिवार के व्यक्ति को इतना जनसमर्थन मिलना सामान्य बात नहीं थी। इसका नतीजा यह हुआ कि राजनीति के स्थापित वंशों के पराभव का दौर शुरू हो गया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कांग्रेस का प्रथम परिवार यानी नेहरू-गांधी परिवार है। वह देश की राजनीति में प्रथम परिवार के सिंहासन से उतर कर अब महज कांग्रेस का प्रथम परिवार रह गया है। वहां भी इसके ज्यादा टिके रहने की संभावना कम होती जा रही है। उत्तर प्रदेश का मुलायम परिवार, बिहार का लालू परिवार, हरियाणा का चौटाला परिवार और कर्नाटक का देवेगौड़ा परिवार अपने घाव सहला रहा है। कुछ हैं, जो गिरने का इंतजार कर रहे हैं।

एक तरफ वंशवादी राजनीति का पराभव हो रहा है तो साथ ही कुछ नए वंशवादी भी सत्ता पर काबिज हुए हैं। तो क्या यह तथ्य पहले की परिघटना को गलत साबित करते हैं? नहीं। संस्कृति के पाठ्यक्रम में 'थ्योरी ऑफ कल्चरल लैग' पढ़ाई जाती है। इसके मुताबिक सभ्यता के विकास के साथ होने वाले बदलावों के बावजूद संस्कृति का एक हिस्सा पीछे रह जाता है। उप्र और बिहार में बारात की विदाई से पहले लड़के का मूसल से परछन करने की रस्म होती है। मूसल, सूप, चाकी जैसी घरेलू उपयोग की तमाम चीजें जो एक समय हर घर में अनिवार्य रूप से पाई जाती थीं, अब खोजे नहीं मिलेंगी, क्योंकि उनकी उपयोगिता खत्म हो गई। इन्हें अब केवल शादी-ब्याह के अवसर के लिए ही बनाया जाता है। वंशवादी राजनीतिक दलों का भी यही भविष्य है।

लोग अक्सर वंशवाद और परिवारवाद को एक ही मान लेते हैं। वंशवाद वह है जहां आपके जन्म से आपका पद आरक्षित हो जाता है। कई बार यह मैरेज सर्टिफिकेट से भी होता है। वंशवादी पार्टियां अपने कार्यकर्ताओं को संदेश देती हैं कि पार्टी और सत्ता का शीर्ष पद परिवार के सदस्य के लिए आरक्षित है। भाजपा और वामपंथी दल जैसे चुनिंदा राजनीतिक दल हैं जो वंशवाद से अछूते हैं, मगर परिवारवाद के मामले में वामपंथी दल एकमात्र अपवाद हैं। यह दीगर बात है कि वामपंथी दल लुप्तप्राय राजनीतिक प्रजाति बन गए हैं। संसद से सड़क तक उनकी उपस्थिति उत्तरोत्तर घटती जा रही है और प्रभाव तो अपने घर में भी नहीं रह गया है। किसी भी सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन में समय लगता है।

इस सिलसिले में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र आवश्यक है। भाजपा के आलोचक कहते हैं कि दो लोग पार्टी चलाते हैं-मोदी और अमित शाह। इस पर बहस हो सकती है कि पार्टी यही दो लोग चलाते हैं या नहीं, लेकिन एक बात निर्विवाद रूप से कही जा सकती है कि भाजपा की राजनीतिक कार्य संस्कृति में बदलाव लाने की सोच और क्षमता इन्हीं दो नेताओं में है। लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा चुनाव, टिकटों का वितरण हो या मंत्रिमंडल का गठन, सबमें इस बात का खयाल रखा जा रहा है कि परिवारवाद की बढ़ती प्रवृत्ति पर लगाम लगाई जाए। कुछ अपवादों को छोड़कर इस नियम का बड़ी कड़ाई से पालन किया जा रहा है। इसके कारण पार्टी के अंदर विरोध भी झेलना पड़ रहा है और चुनाव में नुकसान का जोखिम भी है। लोकसभा चुनाव में अपने बेटे को टिकट दिलाने के लिए चौधरी वीरेंद्र सिंह को मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा। प्रेम कुमार धूमल की दावेदारी खत्म होने के बाद ही बेटे अनुराग ठाकुर को मंत्री पद मिला। राजनाथ सिंह का बेटा दूसरी बार विधायक बनने के बावजूद मंत्री नहीं बन पाया। ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं, मगर कल्याण सिंह के परिवार के रूप में अपवाद भी हैं।

राज्यपालों की नियुक्ति में भी पार्टी में नई कार्य संस्कृति की झलक मिलती है। कांग्रेस दशकों तक पूर्व नौकरशाहों और परिवार के वफादारों को इस पद से नवाजती रही है, लेकिन पिछले साढ़े पांच वर्षों में मोदी सरकार ने दो-तीन अपवादों को छोड़कर उन्हीं लोगों को राजभवन भेजा जिन्होंने जनसंघ से भाजपा के दौर में पार्टी के लिए संघर्ष किया। यह नई राजनीतिक संस्कृति संगठन के लिए जीवन खपाने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान है। कोई भी संगठन उतना ही मजबूत या कमजोर होता है जितना उसके कार्यकर्ता।

चूंकि बात घोसी उपचुनाव से शुरू हुई है इसलिए उन फागू चौहान का जिक्र जरूरी है जिनके इस्तीफे से यह सीट खाली हुई है। फागू चौहान जाति से नोनिया हैं। उनकी जाति के लोगों की संख्या बहुत कम है। इसलिए दशकों तक राजनीतिक दल इस वर्ग की उपेक्षा करते रहे। मोदी-शाह ने उन्हें बिहार का राज्यपाल बना दिया। फागू चौहान के सजातीय लोगों के लिए बिहार का राजभवन इस समय तीर्थ बन गया है। सैकड़ों लोग हर महीने उनसे मिलने और राजभवन में किसी अपने को देखने जाते हैं। वही राजभवन, जो आजादी के बाद से कुछ खास लोगों के लिए आरक्षित रहता था। विजय राजभर और फागू चौहान महज दो व्यक्ति नहीं हैं। वे ऐसी ऐतिहासिक घटना के चरित्र हैं जो राजनीति और समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े दूसरे व्यक्तियों को यह भरोसा दिलाते हैं कि उनके लिए भी जगह है। केवल जगह ही नहीं, बल्कि शिखर पर पहुंचने का अवसर भी। यह घटना पार्टी संगठन में काम करने वाले आम कार्यकर्ता को इसका अहसास कराती है कि शिखर पर बैठे लोग ऊपर ही नहीं नीचे भी देखते हैं। बशर्ते उनमें संवेदनशीलता, दलगत हित पर समाज के हित को तरजीह देने और प्रतिरोधी शक्तियों से लड़ने की इच्छाशक्ति हो। उनकी यह इच्छाशक्ति ही कार्यकर्ता का आत्मविश्वास बढ़ाती है कि राजनीति में अपनी जगह बनाने के लिए धनवान या रसूख वाला होना जरूरी नहीं है।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

दुनिया को दिशा दिखाने वाले गांधी

केसी त्यागी

यह गांधी की स्वीकार्यता ही है कि भारत के अलावा दुनिया के कई देश उनका स्मरण कर रहे हैं

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में हाल में संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष श्रद्धांजलि सभा में उनका स्मरण किया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव समेत तमाम राष्ट्राध्यक्षों ने गांधी की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'महात्मा गांधी भारतीय थे, लेकिन वह केवल भारत के नहीं थे और यह मंच इसका जीवंत उदाहरण है।' वास्तव में महात्मा गांधी की स्वीकार्यता विश्व के कोने-कोने में है। इसी कारण भारत समेत दुनिया के कई मुल्क उनकी 150वीं जयंती पर उनके आदर्शों को प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं। गांधी के प्रति सच्ची श्रद्धा एवं वैश्विक स्वीकार्यता की ऐसी ही एक कड़ी में संयुक्त राष्ट्र ने 15 जून 2007 को उनकी जन्मतिथि को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' घोषित किया था।

अमेरिका के प्रसिद्ध अश्वेत नेता डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जब भारत दौरा किया तो उन्होंने इसे 'तीर्थयात्रा' कहा था। इसका एकमात्र कारण गांधी जी थे। गांधी जी के सिद्धांतों के कारण भारत की धरती को 'तीर्थ स्थल' करार देकर उन्होंने भारत का मान बढ़ाया। किंग लूथर ने जैसे-जैसे गांधी जी के बारे में जाना, उनके मन में गांधी के प्रति सम्मान और बढ़ता चला गया। गांधी को जानने से पहले रंगभेद और नस्लभेद आंदोलन के प्रणेता मार्टिन लूथर का मानना था कि 'प्रेम की नीति सिर्फ व्यक्तिगत संबंधों में ही प्रभावी हो सकती है, अन्य सामाजिक, प्रजातीय संघर्षों एवं राष्ट्रों के बीच में नहीं।' गांधी के विचारों का अनुसरण कर वह इस नतीजे पर पहुंचे कि 'प्रेम और अहिंसा' किसी सामाजिक-सामूहिक परिवर्तन के लिए भी शक्तिशाली उपकरण साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा था, 'जो बौद्धिक-नैतिक संतुष्टि मैं बेथम और मिल के उपयोगितावाद, मार्क्स और लेनिन की क्रांतिकारी पद्धतियों, हॉब्स के सामाजिक सिद्धांत और नीत्शे के दर्शन में भी नहीं पा सका, वह मुझे गांधी के अहिंसक प्रतिरोध के दर्शन में मिला।'

अफ्रीका के गांधी कहलाए नेल्सन मंडेला ने भी गांधी जी के विचारों से प्रभावित होकर रंगभेद के खिलाफ अपने अभियान को मूर्त रूप दिया। गांधी से प्रेरणा लेकर ही उन्होंने अन्याय के खिलाफ आक्रोश को रचनात्मक और अहिंसक रूप प्रदान कर नस्लभेद और रंगभेद की लड़ाई को एक मुकाम तक पहुंचाने का काम किया। उनकी एक विशेषता यह भी रही कि वह गांधी की ही तरह स्थानीय लोगों में अहिंसा की धारा का प्रवाह तेज करने में कामयाब रहे। कोई किसी से कितना प्रभावित हो सकता है, मंडेला इसकी मिसाल हैं। रंगभेद के खिलाफ लड़ाई में मंडेला को 27 वर्षों तक जेल में यातनाएं झेलनी पड़ीं, लेकिन जैसे गांधी ने विश्व युद्ध के बाद के हालात में असहयोग, अहिंसा और सत्य का मार्ग बुलंद किया, ठीक उसी तरह तमाम विषम और हिंसक परिस्थितियों के बावजूद मंडेला गांधीवादी तौर-तरीकों पर टिके रहे। स्मरण रहे कि वह समय तबाही और हिंसक माहौल का था। हिरोशिमा और नागासाकी की तबाही के बाद अहिंसा की हिमायत तब बेमानी लगती थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान गांधीजी ने हिटलर के खिलाफ अहिंसात्मक रुख अपनाने की अपील की। कई वैश्विक दार्शनिकों का मानना है कि गांधी की अहिंसा और असहयोग वाली नीति किसी राष्ट्र की सीमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह वैश्विक बन गई। स्वयं मंडेला ने कहा था, 'दक्षिण अफ्रीका के शांतिपूर्ण बदलाव में गांधी जी की विचारधारा का बहुत बड़ा योगदान है। उनके सिद्धांतों के बल पर ही दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद जैसा सामाजिक पाप समाप्त हो पाया।'

बीसवीं शताब्दी में भारत समेत विश्व के कई मुल्कों के लिए गांधी के सत्याग्रही औजार कर्तव्य का रूप ले चुके थे। जाफना यूथ कांग्रेस के संस्थापक और श्रीलंका एवं भारत के लिए पूर्ण स्वराज की वकालत करने वाले पेरिनबनयागाम के निमंत्रण पर अक्टूबर 1927 में गांधी जी ने श्रीलंका की यात्रा की। लगभग 20 दिनों के प्रवास के दौरान गांधीवादी मूल्यों का प्रवाह तेज हो चुका था। बांग्लादेश यानी पूर्वी पाकिस्तान में शांतिप्रिय बंगालियों के आंदोलन पर भी गांधी जी के आदर्शों की अमिट छाप देखने को मिली थी। पाकिस्तानी शासकों के अत्याचार के खिलाफ शेख मुजीबुर्रहमान का अहिंसात्मक संघर्ष भी गांधीवादी प्रवृत्ति का था। दुनिया के अन्य देशों में भी लोगों ने गांधीवादी तरीकों से अपनी लड़ाई लड़ी।

गांधी ने लंदन में वकालत की पढ़ाई की और दक्षिण अफ्रीका में प्रैक्टिस की। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में उनका व्यापक प्रभाव भी पड़ा। उन्होंने अमेरिका की यात्रा कभी नहीं की, लेकिन हिंदुस्तान के बाद अमेरिका शायद ऐसा देश है जहां गांधी जी की सर्वाधिक प्रतिमाएं हैं। अमेरिकी नागरिकों पर गांधी जी के विचारों का गहरा असर है। भारत में उनके द्वारा किए जा रहे समाज सुधार और स्वाधीनता आंदोलन पर अमेरिकियों की पैनी नजर रहती थी। स्वराज प्राप्ति की दिशा में गांधी जी का असहयोग आंदोलन दैनिक रूप से अमेरिकी अखबारों की सुर्खियों में हुआ करता था। जातीय भेदभाव की समाप्ति और करीब छह दशक बाद एक अश्वेत का अमेरिकी राष्ट्रपति चुना जाना जातीय बराबरी के संघर्ष का नतीजा है जिसमें कहीं न कहीं महात्मा गांधी का अप्रत्यक्ष योगदान देखा गया। बराक ओबामा खुद को गांधी का अनुगामी मानते हैं। गांधी को अंग्रेजों से कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन ब्रिटिश उपनिवेशवाद और उसके शोषक रवैये के प्रति उनके असहयोग की नीति दुनिया के लिए मजबूत हथियार बनी।

गांधी भारत की मिट्टी के ऐसे सपूत थे जिन्होंने विश्वपटल पर भारत की 'बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय' वाली छवि प्रस्तुत की। शायद गांधी इकलौते भारतीय हैं जो समूची विश्व बिरादरी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अपने जीवन काल में उन्होंने सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, भाषाई, मानवतावादी आदि सभी पक्षों को अपने जागरण और सत्याग्रह अभियान से जोड़े रखा। ये सभी विषय आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। इसलिए वह जहां भारत में स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, महात्मा के नाम से जाने जाते हैं वहीं पूरी दुनिया में एक बड़े समाज सुधारक, और राजनीतिक मार्गदर्शक के रूप में।

(लेखक जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

इंद्रिय निग्रह

इंद्रिय निग्रह के दो भेद हैं-अंतःकरण और बहिःकरण। मन, बुद्धि और अहंकार तथा चित्त-इनकी संज्ञा अंतःकरण है और दस इंद्रियों की संज्ञा बहिःकरण है। अंतःकरण की चारों इंद्रियों की कल्पना भर हम कर सकते हैं, उन्हें देख नहीं सकते, लेकिन बहिःकरण की इंद्रियों को हम देख सकते हैं। अंतःकरण की इंद्रियों में मन सोचता-विचारता है और बुद्धि उसका निर्णय करती है। कहते हैं 'जैसा मन में आता है, करता है।' यह संशयात्मक ही रहता है, पर बुद्धि उस संशय को दूर कर देती है। चित्त अनुभव करता एवं समझता है। अहंकार को लोग साधारण रूप से अभिमान समझते हैं, पर शास्त्र उसको स्वार्थपरक इंद्रिय कहता है।

बहिःकरण की इंद्रियों के दो भाग हैं-ज्ञानेंद्रिय एवं कर्मेंद्रिय। नेत्र, कान, जीभ, नाक और त्वचा ज्ञानेंद्रिय हैं, क्योंकि आंख से रंग और रूप, कानों से शब्द, नाक से सुगंध-दुर्गंध, जीभ से स्वाद-रस और त्वचा से गरम एवं ठंडे का ज्ञान होता है। वाणी, हाथ, पैर, जननेंद्रिय और गुदा-ये पांच कर्मेंद्रिय हैं। जो इन इंद्रियों को अपने वश में रखता है, वही जितेंद्रिय कहलाता है। जितेंद्रिय होना साधना एवं अभ्यास से प्रायोजित होता है। हमें इंद्रिय निग्रह होना चाहिए। जो मनुष्य इंद्रिय निग्रह कर लेता है वह कभी पराजित नहीं हो सकता, क्योंकि वह मानव जीवन को दुर्बल करने वाली इंद्रियों के फेर में नहीं पड़ सकता। मनुष्य के लिए इंद्रिय निग्रह ही मुख्य धर्म है। इंद्रियां बड़ी प्रबल होती हैं और वह मनुष्य को अंधा कर देती हैं।

मानव हृदय बड़ा दुर्बल होता है। सच्चरित्रता और नैतिकता को ही मानव धर्म कहा गया है। जो लोग मानते हैं कि परमात्मा सभी में व्याप्त है, सभी एक हैं, उन्हें अनुभव करना चाहिए कि हम यदि अन्य लोगों का कोई उपकार करते हैं तो प्रकारांतर से वह अपना ही उपकार है, क्योंकि जो वे हैं, वही हम हैं। इस प्रकार जब सब परमात्मा के अंश एवं रूप हैं तो हम यदि सबका हितचिंतन एवं सबकी सहायता करते हैं तो यह परमात्मा का ही पूजन और उसी की आराधना है।

डॉ. विजय प्रकाश त्रिपाठी

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के पक्षधर थे गांधी

के श्रीनिवास राव

हिंदी गांधी के लिए मात्र एक भाषा नहीं थी, बल्कि पूरे देश की धड़कन थी, सबको एक सूत्र में बांधने का माध्यम थी

महात्मा गांधी का हिंदी के प्रति प्रेम बड़ा गहरा था। उन्होंने 29 मार्च, 1918 को इंदौर में आठवें हिंदी साहित्य में पहली बार आह्वान किया था कि हिंदी को ही भारत की राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए। बापू ने अपने उद्बोधन में हिंदी की गंगा-जमुनी संस्कृति पर भी प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था-हिंदी वह भाषा है, जिसे हिंदू और मुसलमान दोनों बोलते हैं और जो नागरी अथवा फारसी लिपि में लिखी जाती है। यह हिंदी संस्कृतमयी नहीं है, न ही वह एकदम फारसी अल्फाज से लदी हुई है। एक बार उन्होंने कहा था कि हमारी कानूनी सभाओं में भी राष्ट्रीय भाषा द्वारा कार्य चलने चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक प्रजा को राजनीतिक कार्यों में भी ठीक तालीम नहीं मिल सकेगी। उनका मानना था कि हमारी अदालतों में राष्ट्रीय भाषा और प्रांतीय भाषाओं का अवश्य प्रचार होना चाहिए।

गांधी जी के हिंदी के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण से हम यह बात सहज ही समझ सकते हैं कि हिंदी उनके लिए मात्र एक भाषा नहीं थी, बल्कि वह एक व्यापक अर्थों में पूरे देश की धड़कन थी, सबको एक सूत्र में बांधने का माध्यम थी और इसी के साथ वह राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक कारगर अस्त्र बन सकी थी। गांधी जी मानते थे कि एक संप्रभु राष्ट्र में स्वराज, स्वतंत्र, स्वचिंतन एवं स्वधर्म का विचार होना आवश्यक है। यही 'स्वदेशी चिंतन' है। अपनी भाषा हिंदी में यह तत्व और गुण है कि वह हमें स्वदेशी चिंतन करने का आधार प्रदान कर सकती है।

महात्मा गांधी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए मात्र वक्तव्य ही नहीं दिए थे, बल्कि अपने जीवन में इसे करके भी दिखाया था। एक घटना का यहां मैं और उल्लेख करना चाहता हूं। भारत को जब स्वतंत्रता मिल गई तो देश और विदेश के पत्रकार सभी नेताओं के साक्षात्कार ले रहे थे। तब एक विदेशी पत्रकार ने गांधी जी से हिंदी के बजाय अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए कहा। गांधी जी ने मना कर दिया। तब उस पत्रकार ने कहा कि यह साक्षात्कार सिर्फ भारत के लोगों के लिए नहीं है, बल्कि विदेश के लोगों के लिए है। गांधी जी कुछ देर चुप रहे। उसके बाद उन्होंने लगभग गुस्से में कहा कि दुनिया से कह दो कि गांधी अंग्रेजी नहीं जानता। यह प्रसंग हिंदी के प्रति गांधी जी के सम्मान और आदर का अद्भुत उदाहरण है।

अब यह हमें सोचना है कि जिस हिंदी को गांधी जी इतने वृहद स्वरूप में देख रहे थे, उसके प्रयोग की अनिवार्यता पर बल दे रहे थे, जो हिंदी, उनके लिए 'स्वराज' को हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम थी, उस हिंदी के साथ हमने स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद क्या बर्ताव किया है? क्या हमने अपना कर्तव्य निभाया है? क्या हम हिंदी को वह गौरव दे सके हैं जो आवश्यक था? क्या हम हिंदी प्रयोग करने में गर्व महसूस करते हैं या किसी संकोच का अब तक शिकार हैं? अगर ऐसा कोई संकोच है और हम हिंदी की जगह अंग्रेजी का प्रयोग करने में कुछ उच्चता का अनुभव करते हैं तो हमें अपने आत्म-सम्मान के बारे में पुनः सोचना होगा।

(लेखक साहित्य अकादमी के सचिव हैं)

गांधी की अतिउदारवादी सोच का प्रतिफलन

हम सबके प्रकाशपुंज हैं गांधी शीर्षक से लिखे अपने लेख में सुधींद्र कुलकर्णी ने महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत पर आधारित अतिमानवीय विचार को जिस रूप में प्रतिपादित किया है, वह उन्हीं के जीवन में तब धराशायी हो गया जब जिन्ना की जिद के आगे गांधी जी की विनयानवत मानवता पराभूत हो गई थी। कश्मीर के अनुच्छेद-370 और 35-ए के मूल में एक वर्ग विशेष के प्रति बरती जाने वाली यही अतिउदारवादी सोच थी, जिसे बड़े सलीके से धर्मनिरपेक्षता का जामा पहनाकर सिद्धांत रूप में सांप्रदायिक सौहार्द का पर्याय बना दिया गया। निश्चित रूप से इस देश में सांप्रदायिक सौहार्द कायम रहना चाहिए, जिसके अनुरूप सभी भारतीयजन सामाजिक जीवन में अपनी रीति-नीति का निर्वाह करते हुए राष्ट्र-जीवन में समभाव रूप से रहें। धर्मनिरपेक्षता के इन राष्ट्रीय मूल्यों के अनुरूप यदि साफ-सुथरी नियति से सांप्रदायिक सौहार्द को कायम रखा जाता तो न तो मुस्लिम बहुल कश्मीर को संविधान के अस्थाई अनुच्छेद-370 और 35-ए के रूप में विशेष दर्जा देने की बात होती और न ही नब्बे के दशक में आतंकवाद फैलाकर कश्मीर घाटी को हिंदू विहीन किया जाता। कश्मीर की इन दोनों विसंगतियों के मूल में तुष्टीकरण की वही अतिउदारवादी सोच ही रही है जो 1947 में देश विभाजन का कारण बनी थी। इस देश की आजादी के लिए सत्य और अहिंसा के सिद्धांत पर अडिग रहकर, ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लेने वाले महात्मा गांधी की देशभक्ति असंदिग्ध है, लेकिन उनकी मुस्लिम लीग के प्रति बरती गई अतिउदारता देशघाती साबित हुई। यदि समय रहते गांधी जी मुस्लिम लीग के समक्ष भी सत्याग्रही बन जाते तो आज भारत को चार युद्धों के साथ पिछले तीन दशकों से अनवरत आतंकवाद का नासूर देने वाला पाकिस्तान नहीं होता। देश के स्वाभिमान के साथ राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए कभी-कभी 'जैसे को तैसा' की नीति का अनुसरण करना भी जरूरी होता है।

pandeyvp1960@gmail.com

मेलबाक्स

ई-सिगरेट पर प्रतिबंध

देश में प्राचीन काल में मादक पदार्थों का प्रयोग करना तामसिक व राक्षसी प्रवृत्ति कहलाता था व तत्कालीन समाज की दृष्टि में यह हेय कर्म था। धीरे-धीरे इसकी स्वीकार्यता बढ़ने लगी। कोई भी वस्तु धीरे-धीरे प्रयोग में लाए जाने पर कालांतर में सर्व स्वीकार्य हो जाती है। शराब, सिगरेट, तंबाकू के साथ ऐसा ही हुआ। यह वह देश है जहां कभी प्याज और लहसुन को भी दुर्गंध की वजह से तामसिक की श्रेणी में रखा जाता था, यद्यपि इनमें औषधीय गुण विद्यमान हैं। यह हमारे चारित्रिक क्षरण का ही तो प्रतीक है। पहले शौक में इसका प्रयोग कालांतर में लत में बदल जाता है तथा व्यक्ति अपना तन, मन, धन, प्रतिष्ठा, चरित्र आदि सब कुछ लुटा बैठता है। उसका मानस सिर्फ इन द्रव्यों की तलाश करता रहता है, जो उसकी आवश्यकता बन चुकी होती है। ई-सिगरेट पर यद्यपि प्रतिबंध लगाकर सरकार ने सुकर्म किया है। तथापि इनका प्रयोग करने वालों को हतोत्साहित व उनकी पहचान कर इसकी लत से बाहर निकालने के लिए चिकित्सकीय, सामुदायिक व व्यवहारिक प्रयासों की आज अधिक जरूरत है। अन्यथा यह भी किसी दिन स्वीकार्य हो जाएगा।

डॉ. मनोज कुमार शर्मा, स्याना, बुलंदशहर

खिलाड़ी को मिले मार्गदर्शन

जब कोई युवा खिलाड़ी टीम का हिस्सा बनता है तो उसे अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रोत्साहन की आवश्यकता पड़ती है। कोच और कप्तान का यह दायित्व बनता है कि वे नए युवा सदस्य का मार्गदर्शन करें, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम का रवैया विचित्र है। युवा क्रिकेटर रिषभ पंत को जहां मार्गदर्शन की जरूरत थी वहीं आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया और परिणामतः उन्हें दक्षिणी अफ्रीका के विरुद्ध खेले जा रहे पहले टेस्ट की टीम में नहीं चुना गया। बेशक महेंद्र सिंह धौनी महान खिलाड़ी हैं, लेकिन वे एक दिन में महान नहीं बन गए थे। यदि रिकॉर्ड देखा जाए तो ज्ञात होगा कि आरंभ में लगभग सभी खिलाड़ियों ने संघर्ष किया है। रिषभ पंत का प्रदर्शन इतना बुरा भी नहीं रहा कि उन्हें टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि रिषभ पंत युवा हैं और आगे चलकर देश के लिए क्रिकेट में नए कीर्तिमान रच सकते हैं। उन्हें अपने वरिष्ठ साथियों के प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

रणजीत वर्मा, फरीदाबाद

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

55 प्रतिशत भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार दक्षिण चीन सागर के समुद्री जलमार्ग से गुजरता है। ऐसे में यह समुद्री जलमार्ग भारत के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है।

आजकल

चीन की चुनौती से निपटने की कवायद

समुद्र सुरक्षित है तो समृद्धि और स्थिरता सुरक्षित है, भारत इस सोच के साथ सागरीय नौगमन की स्वतंत्रता की बात करता है। हाल ही में भारत ने फ्रांस के साथ मिलकर नौगमन की स्वतंत्रता के लिए संयुक्त वक्तव्य जारी किया और दोनों देशों ने दक्षिण चीन सागर विवाद का सीधे तौर पर जिक्र न करते हुए एशिया पैसिफिक की सुरक्षा पर विमर्श किया, जबकि इशारा दक्षिण चीन सागर और उसके द्वीप विवादों की तरफ ही था। भारत की इस पहल का नतीजा यही निकला कि चीन ने दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र से अपना पोत हटा लिया है

विवेक ओझा
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

प्रतीकात्मक फोटो

समुद्री सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रश्न को एक कदम और बढ़ाते हुए भारत और रूस ने हाल ही में एक नया इंडो पैसिफिक मैरीटाइम रूट लॉन्च करने पर सहमति व्यक्त की है जो रूस के सुदूर पूर्व के बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक से चेन्नई तक विस्तृत होगा। इस व्यापारिक समुद्री मार्ग का कुछ हिस्सा दक्षिण चीन सागर से होकर भी गुजरेगा। इस रूप में यह माना जा रहा है कि भारत दक्षिण चीन सागर में चीन के प्रभाव को चुनौती दे रहा है जिसमें उसका साथ रूस देगा। कहा गया है कि इस नए समुद्री मार्ग के संदर्भ में भारत रूस अपने सहयोग का विस्तार सैन्य और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भी कर सकते हैं। दोनों देश सैन्य उपकरणों का संयुक्त विकास और उत्पादन भी कर सकते हैं। भारत के इन सब कार्यों का असर यह पड़ा है कि चीन के विवादित सर्वे पोत ने हाल ही में वियतनाम के वैंगार्ड बैंक से स्वयं को बाहर कर लिया है। भारत का कहना है कि यह प्रस्तावित समुद्री मार्ग भारत के एक्ट ईस्ट पॉलिसी के बिल्कुल अनुकूल है जिसे दक्षिण एशियाई राष्ट्रों के दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूती देने के लिए निर्मित किया गया है। आज दक्षिण पूर्वी एशियाई देश भारत की क्षमता और वैश्विक राजनीति में किसी मुद्दे की वैधता को सिद्ध करने की उसकी सक्रियता में यकीन रखते हैं।

वैनगार्ड विवाद : हाल में जिस वैनगार्ड बैंक को लेकर वियतनाम और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर में स्वामित्व विवाद हो रहा है, वहां से मात्र 100 नॉटिकल मील की दूरी पर ऑयल ब्लॉक नंबर 06/1 हैं जहां पर भारत के ओएनजीसी, रूस के रोस्नेफ्ट और वियतनाम के पेट्रो वियतनाम के नियमित तेल और गैस उत्पादन के साझे उपक्रम 17 वर्षों से कार्यरत हैं। इस क्षेत्र में अन्य भारतीय निजी कंपनियां भी तेल अन्वेषण के अवसरों पर निगाह लगाए हुए हैं। गौरतलब है कि जुलाई, 2019 में चीन का समुद्री सर्वेक्षण पोत वियतनाम के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में वैनगार्ड बैंक में अवैध तरीके से प्रवेश कर गया जिससे दोनों देशों के बीच तनाव भी बढ़ गया। वैनगार्ड बैंक स्पार्टले द्वीप पर स्थित है। वियतनाम यहां तेल अन्वेषण परियोजना चलाना चाहता है जिसमें चीन बाधा पैदा कर रहा है। चीन और वियतनाम के तटरक्षक पोत इस स्थिति में आक्रामक मुद्रा में रहे हैं। छह सशस्त्र तटरक्षक पोत जिनमें दो चीन के और चार वियतनाम के थे, द्वारा वैनगार्ड बैंक और स्पर्टले द्वीप की निगरानी की गई। जुलाई, 2019 में चीन के सर्वे पोत हैयांग डिझी ने वियतनाम के नियंत्रण वाले रीफ क्षेत्र वैनगार्ड तट में प्रवेश किया जिसे वियतनाम अपना ईईजेड मानता है। चीन का कहना था कि वह इस क्षेत्र में सिस्मिक सर्वे करना चाहता था। भारत के विदेश मंत्रालय का इस घटना पर स्पष्ट रूप से कहना है कि दक्षिण चीन सागर क्षेत्र के प्रमुख जलमार्ग क्षेत्र में शांति और स्थिरता में भारत के मूलभूत और वैध हित निहित हैं। भारत का 55 प्रतिशत व्यापार दक्षिण चीन सागर के सागरीय जलमार्गों से गुजरता है। इस दृष्टि से इसे शांति का क्षेत्र बनाना भारत की प्राथमिकता है।

दक्षिण चीन सागर से जुड़े अन्य विवाद : फरवरी से जुलाई 2019 के बीच चार बार चीन ने फिलीपींस के सिबुथू जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत भेज कर दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ा दिया है। फिलीपींस ने आरोप लगाया है कि उसके अनन्य आर्थिक क्षेत्र में चीन के दो अनुसंधान पोत काम कर रहे हैं। फिलीपींस इस मामले को चीन के साथ फिर से उठाने को तैयार है। इसके अलावा हाल में चीन और मलयेशिया के बीच लूकोनिया शोल और चीन और फिलीपींस के बीच रीड बैंक को लेकर भी विवाद बढ़ गया है। दक्षिण चीन सागर विवाद दुनिया के सबसे बड़े महासागरीय विवाद के रूप में माना जाता है। चीन के दक्षिण में स्थित सागर जो प्रशांत महासागर का भाग है, को ही दक्षिण चीन सागर कहा जाता है।

चीन से लगे दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों और उनके द्वीपों को लेकर भी चीन और वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रुनेई, फिलीपींस, ताइवान, स्कार्बोराफ रीफ आदि क्षेत्रों को लेकर विवाद है। लेकिन मूल विवाद की जड़ है दक्षिण चीन सागर में स्थित स्पार्टले और परासेल द्वीप। चीन ने दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में अतिक्रमण कर वहां अपनी संप्रभुता के दावों के लिए नौ स्थानों पर डैश या चिन्ह लगाकर विवाद को बढ़ा दिया है, इसलिए इस विवाद को नाइन डैश लाइन विवाद भी कहते हैं। चीन का नाइन डैश लाइन यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑफ द लॉ ऑफ द सी, 1982 के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन की मान्यता का खंडन करता है।

दक्षिण चीन सागर का सामरिक और आर्थिक महत्व : चीन को प्राकृतिक तेल की आपूर्ति मध्य पूर्व से होती है और यह मलक्का जलडमरुमध्य के रास्ते से होकर गुजरता है। अक्सर अमेरिका चीन को चेतावनी देता है कि वह मलक्का जलडमरुमध्य को ब्लॉक कर देगा जिससे चीन की ऊर्जा आपूर्ति रुक जाएगी। इसलिए चीन दुनिया भर के अन्य देशों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर सजग और आक्रामक हुआ है। यही कारण है कि चीन को दक्षिण चीन सागर में अपने भू आर्थिक और भू सामरिक हित दिखाई देते हैं। दक्षिण चीन सागर में 11 बिलियन बैरल प्राकृतिक तेल का भंडार है और 190 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस भंडार होने की संभावना भी व्यक्त की गई है। यह क्षेत्र ऐसा है जहां से हर वर्ष पांच ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य का अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है। दक्षिण चीन सागर, प्रशांत महासागर और हिंद महासागर के बीच स्थित बेहद अहम कारोबारी इलाका भी है। दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा यहां से गुजरता है। इस इलाके में अक्सर अमेरिकी जंगी जहाज गश्त लगाते हैं, ताकि समुद्री व्यापार में बाधा ना पहुंचे, लेकिन चीन इसे अमेरिका का आक्रामक रवैया कहता है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए चीन ने यहां कृत्रिम द्वीप बनाए हैं, संसाधन अन्वेषण के लिए सर्वे भी किए हैं।

यहां यह जानना भी जरूरी है कि सिर्फ तेल और गैस ही नहीं, दक्षिण चीन सागर में मछलियों की हजारों नस्लें पाई जाती हैं। दुनिया भर के मछलियों के कारोबार का करीब 55 फीसद हिस्सा या तो दक्षिण चीन सागर से गुजरता है, या वहां पाया जाता है। वर्ष 2012 में चीन ने अपने तट से 500 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक छोटे से द्वीप स्कारबोरफ शोल पर जहाज भेजकर कब्जा कर लिया। वैसे तो ये विशाल दक्षिण चीन सागर में एक छोटा सा टीला है, लेकिन इसे लेकर फिलीपींस से चीन के तनाव लंबे समय तक बने रहे। इस इलाके में चीन और फिलीपींस के जंगी जहाज एक-दूसरे के मुकाबले खड़े रहे हैं। हालात युद्ध तक के बन गए, क्योंकि स्कारबोरफ शोल फिलीपींस के ज्यादा करीब है। इसलिए फिलीपींस इस पर अपना हक छोड़ने को तैयार नहीं है। स्कारबोरफ शोल की अहमियत इसलिए है, क्योंकि मछली पकड़ने निकलने वाले जहाज अगर समुद्री तूफान में फसते हैं, तो ये टीला उनके लिए डूबते को तिनके के सहारे जैसा काम करता है। फिलीपींस ने चीन को इस मामले पर पीसीएस में घसीट लिया था। इस अंतरराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की सुनवाई में चीन शामिल नहीं हुआ था।

दक्षिण चीन सागर विवाद में शामिल पक्ष : चीन ने वर्ष 2018 में दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में पहली बार अपना बम वर्षक विमान एच-6के तैनात कर दिया था। इन विमानों की रेंज उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी द्वीप गुआम तक बताई गई थी। अमेरिका ने चीन के इस कदम के बाद अपने युद्धक जहाजों को चीन के बनाए गए कृत्रिम द्वीपों की ओर रवाना किया था। चीन पिछले एक दशक से लगातार दक्षिणी चीन सागर में अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश में रहा है। इस क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है और अमेरिका ने सबसे पहले अपने युद्धक जहाजों को भेजकर यहां फ्रीडम ऑफ नैविगेशन की बात पर जोर दिया। लेकिन आज अमेरिका के साथ इस मुद्दे पर ज्यादा देश खड़े हुए नजर नहीं आते हैं। अमेरिका का खास दोस्त ऑस्ट्रेलिया भी चीन की ओर इस तरह की कार्रवाई से झिझकता है। हालांकि ब्रिटेन कभी-कभी अपने पोत अमेरिका के साथ भेजता है। ऐसे में अमेरिका अपने आपको इस मुद्दे पर अकेला पाता है। यही नहीं, अमेरिका, डोनल्ड ट्रंप की सरकार में एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपना नेतृत्व बनाए रखने में रुचि खोता जा रहा है, ऐसे भी आरोप लगाए गए हैं। इस क्षेत्र में चीन की कृत्रिम द्वीप बनाने की कोशिशों, नौसेना के आधुनिकीकरण, जहाजों की पेट्रोलिंग और 2010 में बनाया गया सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर यह सिद्ध करते हैं कि इस क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ता रहा है और इसका तनाव सभी तटीय देशों के संबंधों में नजर आता है। मगर यह कहना भी जरूरी है कि इस क्षेत्र पर बाकी पांच देश भी अपना दावा करते हैं और सभी ऐसी कोशिशें कर रहे हैं, फर्क इतना है कि चीन की हैसियत बहुत ज्यादा है।

सामान्य होता दक्षिण चीन सागर का माहौल

इंडोनेशिया और वियतनाम के बीच पड़ने वाले समुद्र का यह विवादित हिस्सा, करीब 35 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और इस पर चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताईवान और ब्रुनेई अपना दावा करते रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण इस समुद्री इलाके में जीवों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। महज तीन-चार वर्ष पहले तक इस इलाके को लेकर इतनी तनातनी नहीं थी।

आज से करीब तीन वर्ष पहले अचानक चीन के समंदर में खोदाई करने वाले जहाज बड़ी तादाद में ईंट, रेत और बजरी लेकर दक्षिण चीन सागर पहुंचे। फिर इन जहाजों ने एक छोटी समुद्री पट्टी के इर्द-गिर्द, रेत, बजरी, ईंटों और कंक्रीट की मदद से बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। यहां सबसे पहले एक बंदरगाह बनाया गया, फिर हवाई जहाजों के उतरने के लिए हवाई पट्टी बनाई गई। देखते ही देखते, चीन ने दक्षिण चीन सागर में एक कृत्रिम द्वीप तैयार कर उस पर सैनिक अड्डा बना लिया।

दक्षिण चीन सागर में चीन ने धीरे-धीरे कई छोटे द्वीपों पर सैनिक अड्डे बना लिए। आज हालात ये हैं कि दक्षिण चीन सागर पर कई देश दावेदारी कर रहे हैं। चीन ने वर्ष 2016 में इस सागर पर मालिकाना हक के एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय के निर्णय को मानने से इन्कार कर दिया था। हेग स्थित परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने फैसले में कहा था कि चीन अवैध तरीके से दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के जायज अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। चीन ने इस फैसले को सिरे से खारिज कर दिया था। गौरतलब है कि भारत के विदेश मंत्रालय ने भी आधिकारिक रूप से कहा था कि चीन जिसे दक्षिण चीन सागर कह रहा है, वह फिलीपींस सागर है।

इस प्रकार भारत राष्ट्रों की सागरीय संप्रभुता के समर्थन के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत ब्लू इकोनॉमी या सागरीय अर्थव्यवस्था के विकास पर बल भी दे रहा है। महासागरों की सुरक्षा को वैश्विक विमर्श का मुद्दा बनाने में भारत काफी हद तक सफल भी रहा है। कई पहल के जरिए एशिया पैसिफिक को सुरक्षित करने की दिशा में भारत प्रयासरत है। महत्वपूर्ण यह भी है कि चीन की विस्तारवादी नीति का जवाब देने के क्रम में भारत की विदेश नीति पहले की तुलना अधिक यथार्थवादी हुई है।

खरी-खरी

गांधी जी का औचक निरीक्षण

अलंकार रस्तोगी

महात्मा गांधी की आत्मा जन्मदिन पर देश के औचक निरीक्षण के मूड में थी। सरकारी इमारतें सजी हुई थीं और बैकग्राउंड में देश भक्ति गीत सुनाई पड़ रहे थे। एक सरकारी विभाग में अपनी फोटो लगा बैनर देख बापू किसी विशिष्ट अतिथि की भांति उसमें हो लिए। हर वक्ता भाषण में गांधी जी की प्रासंगिकता सिद्ध करने के लिए ऐसे-ऐसे तर्क दे रहा था कि उनकी आत्मा मारे खुशी के पुनर्जन्म के बारे में सोचने लगी।

यूं तो उनकी आत्मा को आदर्श के सर्वाधिक ऊंचे झाड़ पर चढ़ाया जा चुका था। लेकिन पिक्चर अभी बाकी थी। गांधी जी अब भी हर जगह विचारों में नहीं, बल्कि रिश्वत में दी और ली गई नोटों के ऊपर फोटो के रूप में छाए थे। सुकून तो यह था कि वह बापू की आत्मा थी, इसलिए सबकुछ झेल गई।

उन्होंने सोचा कि चलो आजादी और खादी दोनों का हाल-चाल भी ले ही लिया जाए। पता चला कि नेता लोग खादी की सफेदी लपेटे प्रजातंत्र की वादी में धड़ल्ले से घूम रहे हैं। घोटालों के नए कीर्तिमान बनाने की उन्हें पूरी आजादी मिली हुई है। अब बापू की आत्मा अपने धैर्य के पेट्रोल को मेन से रिजर्व में लगाते हुए किसी तरह आगे बढ़ चली। तभी उनका ख्याल अपनी लाठी पर गया। लाठी मिली, लेकिन अब वह जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला काम कर रही थी।

बापू सोचने लगे, गीता में छिपा दर्शन तो अवश्य ही लोगों को कर्म का मर्म बता रहा होगा। बहुत ढूंढ़ने पर गीता बापू को अदालत में मिली, जिसका इस्तेमाल लोग झूठी कसमें खाने के लिए कर रहे थे। बापू की गीता में ज्ञान था कि आत्मा न पैदा होती है, न मरती है। मगर यहां तो पैसों के लिए लोगों की आत्माएं रोज मरती हैं और रोज पैदा हो जाती हैं।

महात्मा गांधी की आत्मा को अब अपने तीन बंदरों से कुछ आशा बची थी। बापू का वह बंदर जो आंख बंद कर बुरा न देखो की सीख देता था, कानून बन चुका था। उसे सबूतों के अलावा कुछ नहीं दिखाई देता था।

गांधी जी ने देखा कि बुरा न सुनो कहने वाला जो बंदर था, वह प्रशासन बन गया है, जो किसी कि सुन ही नहीं रहा है। फिर उन्होंने देखा कि मुंह पर हाथ रख बुरा न बोलो का संदेश देने वाला दूसरा बंदर देश के हर मुंह सिले हुए बंदे का आदर्श बन चुका था। यह सब देख गांधी जी बर्दाश्त नहीं कर सके और बापू की आत्मा फिर लौट गई।

ट्वीट-ट्वीट

क्या आप जानते हैं कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए महात्मा गांधी पांच बार नामांकित हुए, लेकिन उन्हें कभी यह पुरस्कार नहीं मिला। उन्हें 1948 में यह मिलता, लेकिन उसी वर्ष जनवरी में उनकी हत्या हो गई और नोबेल अकादमी ने उस वर्ष यह पुरस्कार किसी को दिया ही नहीं कि इसके लिए 'कोई उचित पात्र' नहीं है।
जॉय भट्टाचार्य@oybhattacharj

एनआरसी मसले पर गृहमंत्री अमित शाह को अपना धार्मिक पूर्वाग्रह नहीं दिखाना चाहिए था। शरणार्थियों को लेकर धार्मिक रवैया उनकी सांप्रदायिक सोच को ही दर्शाता है।
सुहासिनी हैदर@suhasinih

आपने ठीक से पढ़ाई नहीं की है। केवल भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 के आलोक में हाउस ऑफ कॉमंस में हुई बहस के ब्योरे को ही देख लीजिए। इस देश का विभाजन ही इस आधार पर हुआ कि मुस्लिमों ने यहां हिंदुओं के साथ रहने से इन्कार कर दिया। मुसलमानों ने दो देश ले लिए और वहां से दूसरों को बाहर कर दिया।
संजय दीक्षित@Sanjay_Dixit

हिमाचल प्रदेश डायरी

खेले वही जिसके पास सलीका हो

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक, हिमाचल प्रदेश

धर्मशाला की पिच पर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का मैच अंततः अरुण धूमल ने जीत लिया। हार-जीत तो मुकाबले के बाद होती है, यहां मुकाबले में ही कोई नहीं था और वह इसके अध्यक्ष बन गए। विरोध के स्वर भी उठे, परिवारवाद के स्वर भी मुखर हुए। अरुण धूमल के साथ संयोग यह है कि वह दो बार मुख्यमंत्री रह चुके प्रेम कुमार धूमल के पुत्र और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर के छोटे भाई हैं। मुकाबले में शामिल न होना और फिर खेल को अपने आंगन तक सीमित करने का आरोप लगाना आज का शगल नहीं है। यही वह मोड़ है जहां से खेल की राहें राजनीति की ओर मुड़ जाती हैं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के साथ अनुराग का नाम जुड़ा है। बाद में वह बीसीसीआइ तक गए। धर्मशाला आज अगर मानचित्र पर आया है तो उसके पार्श्व में धौलाधार की गोद में गर्व से सिर उठाता अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम है। और इस स्टेडियम की नींव में अनुराग ठाकुर के बेहद युवाकाल में देखे गए सपनों का गारा है... उसे पूरा करने के लिए जज्बे की ईंटें हैं। यह वही स्टेडियम है जहां कभी पिच पर पानी पड़ा था, कभी आधी रात को दबिश देकर ताले लटका दिए गए थे। जिसके लिए कानूनी लड़ाइयां भी चलीं। जिस पर कभी बिलासपुरी राजनीति की आंख थी... कालांतर में बिलासपुर चुप हो गया था, लेकिन वीरभद्र सिंह के कार्यकाल में ताला जड़ने के बाद दो मंत्रियों सुधीर शर्मा और जीएस बाली ने पत्रकार वार्ता की थी। एक जीन और कुर्ता पहन कर अनुराग और टीम ने इस स्टेडियम को सजाया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की तकदीर बदली और क्रिकेट को घर-घर तक पहुंचाया। आज धर्मशाला की पहचान के पीछे दलाई लामा के अलावा क्रिकेट स्टेडियम भी है।

खेल संघों के साथ राजनीति की परंपरा में इस स्टेडियम ने कुछ ऐसा कर दिया जिससे सबको लगा कि धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बन सकता है? राजनीति के अलावा खेल भी प्रोत्साहित हो सकते हैं? पैसा भी है? यहां दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया भी खेल सकते हैं? न होटल, न उस स्तर की सड़कें, न पुल, न चौड़ाई... फिर भी धर्मशाला की चल निकली। खेल के मठों पर आसीन तबका सब जगह सियासी रहा है, लेकिन क्या हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की तरह लंबी छलांग किसी ने लगाई? कुश्ती संघों पर कुश्ती करने वाले आज क्यों नहीं बता पाते कि दिलीप सिंह की रोटियां हिमाचल में ही पूरी कर देते तो वह यहीं ग्रेट खली न बन जाता? विजय कुमार जैसे शूटर सेना में जाने के बाद ही क्यों ओलंपियन बन पाते हैं?

अरुण जेटली जैसे लोगों के मन में जगह बनाना आसान काम होता है? क्रिकेट की राजनीति और चकाचौंध ही सही, राजीव शुक्ला और अरुण जेटली की राय किसी उत्साही हिमाचली पर ही एक हुई थी तो दलीय दीवारें गिरी थी। स्टेडियम की कल्पना से लेकर राजनीतिक हमले झेलने वाले अरुण धूमल अगर एचपीसीए को संभाल सकते थे तो वह क्यों अध्यक्ष न बनते? उम्मीद है क्रिकेट का सफर रुकेगा नहीं, जो काम अरुण पर्दे के पीछे करते थे, अब खुल कर करेंगे।

उपचुनाव में लोकतंत्र : खूब नाम चले... संभावनाओं की बयार चली... आशंकाओं के अंधड़ भी आए और अंततः घोषणा हो गई। धर्मशाला में सुधीर के इन्कार के बाद कांग्रेस ने विजय इंद्र को और हिमाचल निर्माता डॉ. यशवंत सिंह परमार के हलके पच्छाद में गंगू राम मुसाफिर को अपना मुसाफिर बनाया है। भाजपा ने धर्मशाला से विशाल नैहरिया पर भरोसा जताया, लेकिन राकेश चौधरी भी आजाद खड़े हैं। पच्छाद में भाजपा ने रीना कश्यप को प्रत्याशी बनाया। वहां न दयाल प्यारी पर दयालुता दिखाई गई और न युवा नेता आशीष सिक्टा ही आशीष पा सके। कौन जीतेगा, कौन हारेगा, यह जनता को ही पता है, लेकिन सत्तर पार कर चुका लोकतंत्र तब मजबूत नहीं दिखता जब धरतीपुत्र, जातीय समीकरण, क्षेत्रवाद जैसे शब्द बड़ी बेशर्मी के साथ परिवेश की सोच और आचरण में ढलते हैं। इस जाति के इतने वोट हैं... उस वर्ग के इतने वोट हैं। क्या जातियों के आधार पर नुमाइंदा तय होता है? बाकी जातियों वाले मतदान नहीं करते? क्या सर्वेक्षण नाम की कोई चीज वास्तव में होती है? क्षेत्र के लिए सोच का भी कोई सर्वेक्षण होता है? जब सब एक हैं तो ये आधार क्यों हों? क्षेत्र का विकास ही आधार क्यों न हो? इसी तरह धरतीपुत्र शब्द भी सोच के संकुचन का सूचकांक है। क्या कोई प्रत्याशी आकाश से भी आता है? प्रधानमंत्री वाराणसी के नहीं हैं तो क्या वहां से सांसद नहीं हो सके? वीरभद्र सिंह रोहड़ू, शिमला ग्रामीण से लड़े और अब अर्की से विधायक हैं? क्या उनका जन्म अर्की में हुआ था? धर्मशाला की गलियां पक्की करवाने वाले सुधीर शर्मा भी धर्मशाला के नहीं हो सके? त्रासदी यह कि राजनीति जिस शब्द को अपनाती है, उसे जलील करती है। यही धरतीपुत्र के साथ हुआ। धरतीपुत्रों द्वारा गोद लिए गांवों से क्यों न पूछा जाए कि धरतीपुत्र है कौन? धरतीपुत्र वह हुआ जो जहां भी कार्य करे, समाज को उसका लाभ हो। धरतीपुत्र तो मुसाफिर भी हैं, लेकिन क्या हिमाचल निर्माता के गांव को विकास मिल गया?

जागरण जनमत — कल का परिणाम

टेस्ट टीम में रिषभ पंत के स्थान पर रिद्धिमान साहा को मौका देने का फैसला सही है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या बिहार में बाढ़ से बिगड़े हालात प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y –हां, N–नहीं, C–कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

मुद्दा

धरती बचाने की अनूठी पहल

स्वीडन की 16 वर्ष की स्कूली छात्रा ग्रेटा थनबर्ग धरती बचाने के लिए आज पर्यावरण संरक्षण अभियान में जिस तरह से जुटी है वह अपनेआप में एक नजीर है हम सभी के लिए

डॉ. महेश परिमल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

धरती बचाने का अभियान चला रही ग्रेटा थनबर्ग

आज पूरे विश्व में करीब 90 प्रतिशत मानव समुदाय ऐसा है, जो पर्यावरण को सबसे अधिक उबाऊ या रसहीन विषय मानता है। वे जानते ही नहीं हैं कि इस तरह से वे अपनी ही संतानों को धिक्कार रहे हैं। जो अपने बच्चों को चाहता है, वही विश्व के हर शिशु को प्यार कर सकता है। परंतु बच्चों को चाहने का अर्थ अब बदल गया है। थोड़े से कपड़े, खिलौने या चॉकलेट, ये चीजें देकर हम बच्चों से प्यार करते हैं, यह सोचना गलत है। सच्चा प्रेम तो यह है कि हम उन्हें क्या देकर जा रहे हैं? क्या हम उन्हें अच्छी उर्वर धरती देकर जा रहे हैं या फिर प्रदूषित होती गदंगी से बिलबिलाती धरती दे रहे हैं?

यह विचार हैं स्वीडन की सोलह वर्षीय बेटी ग्रेटा थनबर्ग के। जिस उम्र में उसे आईना देखना चाहिए था, उस उम्र में वह दुनिया भर के कद्दावर लोगों को आईना दिखाने का काम कर रही है। बीते करीब दो वर्षों से उसने धरती को बचाने से संबंधित एक तरह का अभियान छेड़ रखा है। उसके चेहरे की खिन्नता या उसकी आक्रामकता किसी सेनानायक का मिजाज बताती है। दुनिया के वर्तमान शासकों ने जिस तरह से हमारी पृथ्वी के साथ अत्याचार किया है, उसे बद से बदतर किया है, उसी पृथ्वी की क्रोधाग्नि को वह अपने शब्दों के माध्यम से चेहरे पर ला रही है। उसकी वाणी में एक ज्वाला है, और लोग इस ज्वालामुखी के उठते धुएं को नहीं देख पाते, उन्हें उसके लावे का शिकार होना ही होगा। ग्रेटा आहत है, पृथ्वी पर होने वाले अत्याचार से। वह मूक पृथ्वी की आवाज बनना चाहती है। इसलिए उसने अपने आसपास अपनी ही उम्र के विद्यार्थियों का एक अंतरराष्ट्रीय परिक्षेत्र रच लिया है। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए उसने कई बार प्रदर्शन किए हैं। उसे हम एक टीनएज पर्यावरण एक्टिविस्ट कह सकते हैं।

पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन को उसने संबोधित किया। उसके थोड़े से कटु वाक्यों ने महारथियों के कान में लावा डाल दिया है। एक तरह से उसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। उसने साफ-साफ कह दिया है कि आप सब मिलकर हमें मूर्ख बना रहे हैं। बरसों से यह सिलसिला जारी है। इसे बंद किया जाना चाहिए। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि उसकी बात महारथियों को समझ में आई या नहीं, परंतु यह सच है कि उसकी वाणी ने सभी को पर्यावरण के लिए कुछ ठोस करने की नसीहत दे दी है। ग्रेटा का आरोप है कि आप लोगों की नीयत ही ठीक नहीं है। इसी कारण सब मिलकर पर्यावरण की रक्षा में पूरी तरह से नाकामयाब साबित हुए हैं। आप सबने नई पीढ़ी के साथ विश्वासघात किया है। उसने सख्ती से कहा कि आप लोगों ने अपनी खोखली बातों से हमारा शैशव और हमारे सपनों को हमसे छीन लिया है। ग्रेटा थनबर्ग प्रत्येक शुक्रवार को स्कूल छोड़कर जलवायु परिवर्तन के लिए जागृति फैलाने निकल पड़ती है। बीते सितंबर माह में ही उसके आह्वान पर 150 देशों में पर्यावरण से संबद्ध आंदोलन हुए हैं। ग्रेटा नई पीढ़ी से यह अपेक्षा रखती है कि सभी को हर शुक्रवार को पृथ्वी की सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए। कई देशों की संसद में जाकर ग्रेटा ने भाषण किए हैं। स्वीडन की संसद भवन के सामने उसने धरना भी दिया है। ग्रेटा के भाषण में हमेशा उन छोटे लोगों का जिक्र होता है, जिनकी जीवन शैली प्रकृति के अधीन होती है। जब भी प्रकृति बिफरती है, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हें ही होता है। वे भी चाहते हैं कि उनका जीवन भी सुखी हो, पर ऐसा कहां हो पाता है? नेताओं को कोसते हुए वह यही कहती है कि आप सब लोगों ने पृथ्वी के विनाश का ही काम किया है। इसलिए हमारी पीढ़ी आप सभी को कभी माफ नहीं करेगी। इसकी वजह यही है कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कानून बनाना आपके ही हाथ में होते हुए भी आपने कभी इस दिशा में ध्यान ही नहीं दिया। ग्रेटा की चिंता का विषय यही है कि आज हम सभी विनाश के कगार पर पहुंच गए हैं। इसे सभी देख रहे हैं। इसके बाद भी सभी देशों के नेताओं ने विकास के नाम पर कपोल कल्पित कथाओं का सहारा लिया। सभी नेता अपने-अपने देश की जनता को बेवकूफ बनाने का ही काम कर रहे हैं। आपने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए किसी काम की तैयारी नहीं की है, यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की असलियत आप हमसे छिपा रहे हैं। उसके कटाक्ष से वहां विराजमान हर कोई आहत था। अपनी वाणी से उसने सबको स्तब्ध कर दिया था। अपने भीतर की आग को उसने सभी के दिलों तक पहुंचा दिया। वहां उपस्थित हर कोई यही जानने को उत्सुक था कि आखिर मुग्धता की इस अवस्था में इस युवती के भीतर चिंगारी कहां से आई? उस चिंगारी से तख्तनशीन सत्ताधारियों की नींद ही उड़ा दी है। आज उनकी नींद उड़ी है, तो यह तय है कि ऐसा ही होता रहा, तो उस विनाश के बाद जो राख उड़ेगी, उससे इन नेताओं का क्या होगा?

शिखर सम्मेलन में ग्रेटा तर्क नहीं दे रही थी, वह गुहार भी नहीं लगा रही थी, वह तो यथार्थ के ठोस धरातल पर खड़े होकर उन लोगों को बता रही थी कि आपका धरातल कितना लिजलिजा है। हरियाली से पटी धरती को आपने मरुस्थल बना दिया है, और इसका खामियाजा आप सबको भुगतना ही होगा। धरती देना जानती है, तो लेना भी उसे अच्छी तरह से आता है। जब वह लेना शुरू करेगी, तो आपके पास कुछ भी नहीं बचेगा, आपका अस्तित्व भी नहीं। इस युद्ध में अकेली नहीं है ग्रेटा। उसके साथ खड़ी है आज की युवा पीढ़ी। हर शुक्रवार को स्कूल-कॉलेज से छुट्टी लेकर निकलने वाले लाखों लोग हैं उसके साथ। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। अब तक तो वह जंगल में भटकी हुई एक मासूम बच्ची थी जिसे केवले रोना ही आता था। लेकिन अब उसने अपने विचारों से लोगों को रुलाना सिखा दिया है। अब वह आंसू नहीं बहाती, अब वह कई देशों को पर्यावरण की दिशा में कानून बनाने के लिए बाध्य कर सकती है। हालांकि इस कार्य में अभी देर लगेगी। पर बहरों को सुनाने के लिए अब उसने अपनी आवाज को बुलंद कर लिया है। बहरे भले ही उसकी आवाज को न सुन पाएं, पर उस आवाज से सबके भीतर जो सिहरन होगी, उसे सभी महसूस करेंगे।

जनपथ

गांधी जी का जन्मदिन गया मनाया आज,
किंतु सियासत से नहीं आए कुछ जन बाज।
आए कुछ जन बाज दुखी दिखते बेचारे,
हैं सत्ता से दूर इसलिए दिखते तारे।
करते रहिए मार्च पहनकर कुर्ता खादी,
नौटंकी यह देख स्वर्ग में रोते गांधी।
– ओमप्रकाश तिवारी

1.75 करोड़ भारतीय दुनिया के दूसरे देशों में रहते हैं। वहीं, भारत में 51.5 लाख विदेशी रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के पापुलेशन डिवीजन की एक रिपोर्ट में 2019 के अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों के बारे में जानकारी दी गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 3 अक्टूबर 2019

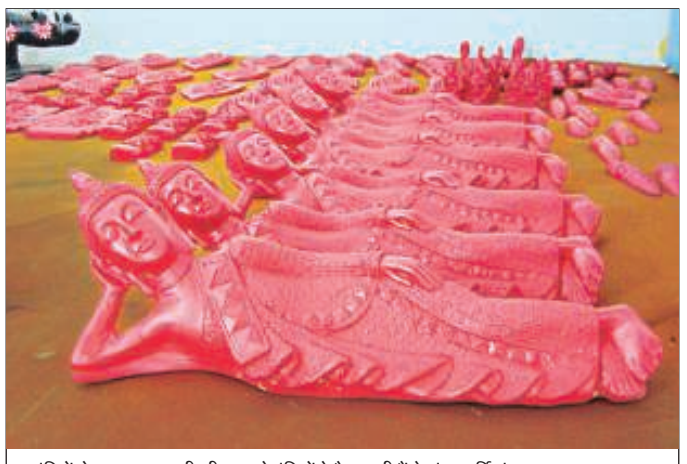

मंदिरों से एकत्र अगरबत्ती की राख से बंदियों ने तैयार की हैं ये सुंदर मूर्तियां। जागरण

बंदियों के हुनर ने अगरबत्ती की राख को दिया आकार

मनीष तिवारी, ग्रेटर नोएडा

- स्टार्टअप के तहत दिल्ली-एनसीआर के 100 मंदिरों से हर माह 800 किलो अगरबत्ती की राख की जा रही एकत्र
- जुटाई गई राख से सुंदर मूर्तियां गढ़ रहे जिला जेल गौतमबुद्ध नगर के बंदी

दिल्ली-एनसीआर के सैकड़ों मंदिरों-मजारों में प्रतिदिन लाखों अगरबत्तियां राख में तब्दील होती हैं, लेकिन भारी मात्रा में निकलने वाली इस राख को निस्तारित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। इसे प्रायः तालाब, पोखर या नदियों में बहा दिया जाता है, जो किसी भी लिहाज से पर्यावरण के अनुकूल नहीं है। इस समस्या का बेहतर समाधान खोजा है एक स्टार्टअप ने।

राख में पाए जाने वाले जहरीले तत्व जल को प्रदूषित कर देते हैं, जो न सिर्फ मनुष्य के लिए बल्कि उन पानी में रहने वाले जीवों के लिए भी खतरनाक हैं जिनके शरीर में राख पहुंचती है। युवा उद्यमी आकाश के स्टार्टअप से अब यही राख सुंदर मूर्तियों और सजावटी वस्तुओं के रूप में ड्राइंग रूम और कार्यालय की शोभा बन रही है। इसे आकार दे रहे हैं जिला जेल गौतमबुद्ध नगर के बंदी। रिश्तेदारों के साथ मंदिर गए डिप्लोमा इंजीनियर आकाश ने पाया कि मंदिर की राख को पास के तालाब में फेंक दिया जाता था। सर्वे किया तो उन्हें पता चला कि तालाब के जीव खत्म हो रहे हैं। साथ ही पालतू जानवर भी तालाब का पानी नहीं पीते थे। स्वयं के खर्च से उन्होंने राख की फिजिकल व केमिकल टेस्टिंग कराई। रिपोर्ट में आया कि इस राख में नुकसानदेह केमिकल मौजूद हैं। समाधान की तलाश में काफी प्रयास के बाद उन्होंने पाया कि इस राख से मूर्तियां बनाई जा सकती हैं।

पर्यावरण संरक्षण

लोगों को साथ जोड़कर उन्होंने मंदिरों से राख एकत्र करने का निर्णय लिया। मंदिर में राख एक जगह एकत्र हो, इसके लिए लोहे के बॉक्स बनाए। यह बॉक्स दिल्ली-एनसीआर के अनेक मंदिरों में लगाए गए। फिलहाल लगभग 100 मंदिरों से राख एकत्र की जा रही है। इस राख से विभिन्न प्रकार की मूर्तियां, पॉट, सजावटी सामान व अन्य चीजें बड़े पैमाने पर तैयार करने के लिए जेल प्रशासन से मदद ली गई। 22 बंदियों को प्रशिक्षण दिया गया। पिछले कुछ माह के दौरान बड़ी संख्या में मूर्तियां व सजावटी सामान बनाए जा चुके हैं, जिनकी बिक्री हाथोंहाथ हो रही है। आकाश कहते हैं, राख से तैयार यह एक प्रोडक्ट नहीं स्टोरी है, जिसकी कहानी लोग बहुत ध्यान से सुनते हैं। जल्द ही प्रदेश के अन्य मंदिरों से भी राख एकत्र की जाएगी।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

राख से मूर्तियों को आकार देते जिला जेल गौतमबुद्ध नगर के बंदी। जागरण

एक पंथ, दो काज

सौ मंदिरों से एक माह में लगभग आठ सौ किलो राख एकत्र होती है। मूर्ति तैयार करने में 85 फीसद राख का प्रयोग होता है। 15 फीसद में लाइम (चूना पत्थर), नारियल के छिलके की राख व कुछ मात्रा में सीमेंट मिलाया जाता है। विभिन्न व्यवसाइयों से मिलने वाले ऑर्डर पर सामान तैयार किया जाता है। दिवाली पर भी ऑर्डर मिले हैं। सामान की बिक्री से जो पैसा आता है, उसमें से पंद्रह फीसद निर्माण करने वाले बंदियों को दिया जाता है।

सबकी मनोकामना पूरी करती हैं मां नयनादेवी

बिलासपुर में शक्तिपीठ में उमड़ रही भक्तों की भीड़, तीसरे दिन तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

आशुतोष डोगरा, बिलासपुर

- सुबह डेढ़ बजे खोल दिए जाते हैं मंदिर के कपाट, रात 12 बजे होते हैं बंद
- एक बार में 200 श्रद्धालुओं के जत्थे को दिया जा रहा मंदिर में प्रवेश

उत्सव के रंग

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में स्थित शक्तिपीठ नयनादेवी मंदिर में हर वर्ष देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। नवरात्र के दौरान मंदिर बस डेढ़ घंटे के लिए ही बंद होता है। नवरात्र में मंदिर की रौनक और चहल-पहल देखते ही बन रही है।

शारदीय नवरात्र में नयनादेवी क्षेत्र को नौ सेक्टरों में बांटा गया है। एक बार में 200 श्रद्धालुओं का जत्था मंदिर में भेजा जा रहा है, ताकि ज्यादा भीड़ न हो। मंदिर के कपाट रात 12 बजे बंद किए जा रहे हैं और सुबह डेढ़ बजे खोल दिए जाते हैं। नवरात्र के तीसरे दिन तक नयनादेवी मंदिर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस बार प्रशासन ने मंदिर को सजाने के लिए प्लास्टिक के फूलों का प्रयोग नहीं किया है।

पौराणिक कथा के अनुसार, देवी सती ने खुद को यज्ञ में जला दिया था, जिससे भगवान शिव व्यथित हो गए थे। उन्होंने देवी सती के शव को कंधे पर उठाया और तांडव नृत्य किया। इससे देवता भयभीत हो गए। उन्होंने भगवान विष्णु से आग्रह किया कि वे सुदर्शन चक्र से देवी सती के शरीर के टुकड़े कर दें। नयनादेवी में देवी सती की आंखें गिरीं।

किंवदंती के अनुसार, एक बार नैना गुज्जर मवेशियों को चराने गया था। उसने देखा कि एक सफेद गाय पिंडीनुमा पत्थर पर दूध छोड़ रही है। यह दृश्य उसने कई दिनों तक देखा। एक रात वह सो रहा था तो देवी मां ने सपने में उसे कहा वह पत्थर उनकी पिंडी है। नैना गुज्जर ने इस बारे में राजा बीर चंद को बताया। राजा ने मौके पर जाकर गाय को पत्थर पर दूध छोड़ते हुए देखा।

इसके बाद उन्होंने उस स्थान पर नयना देवी मंदिर का निर्माण करवाया। यह शक्तिपीठ महिशपीठ नाम से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां पर मां नयना देवी ने महिषासुर का वध किया था। महिषासुर शक्तिशाली राक्षस था। उसे अमरत्व का वरदान प्राप्त था, लेकिन शर्त यह थी कि वह अविवाहित युवती से परास्त होगा। महिषासुर ने पृथ्वी व देवताओं पर आतंक मचाना शुरू कर दिया। राक्षस का सामना करने के लिए सभी देवताओं ने अपनी शक्ति से एक देवी को बनाया। उसे देवताओं ने अलग-अलग हथियार भेंट किए। महिषासुर देवी की सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो गया और उसने देवी के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा। देवी ने उसे कहा कि अगर वह उसे हरा देगा तो वह उससे शादी कर लेगी। लड़ाई के दौरान देवी ने उसका संहार कर दिया।

ऐसे पहुंचें नयनादेवी मंदिर : नयनादेवी मंदिर सड़क मार्ग से जुड़ा है। चंडीगढ़ से मंदिर की दूरी करीब 100 किलोमीटर है। चंडीगढ़ से हेलीकॉप्टर व बस से मंदिर तक पहुंच सकते हैं। आनंदपुर साहिब से भी नयनादेवी के लिए बसें चलती हैं। ट्रेन से पहुंचने के लिए सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन आनंदपुर साहिब है।

माता नयना देवी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु। जागरण

मां नयना देवी की पवित्र पिंडी। जागरण

गोमूत्र और गोबर के जरिये भी उड़ सकेगा रॉकेट!

जागरण विशेष ▶ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान आदित्यपुर में चल रहा है शोध, रिसर्च पेपर आ चुका है सामने

विश्वजीत भट्ट, जमशेदपुर

एनआइटी की सहायक प्रोफेसर दुलारी हेंब्रम का दावा, गोमूत्र और गोबर के मिश्रण से निकलने वाली उच्चकोटि की हाइड्रोजन गैस का इस्तेमाल रॉकेट के ईंधन में किया जा सकता है।

चौंकिये नहीं! बात में दम है क्योंकि गोमूत्र और गोबर के मिश्रण से उच्चकोटि की हाइड्रोजन गैस बनती है। आवश्यक परिष्करण कर इसका इस्तेमाल रॉकेट के प्रोपेलर में ईंधन के रूप में भी किया जा सकता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) आदित्यपुर (झारखंड) में इस पर शोध चल रहा है। जमशेदपुर से सटे आदित्यपुर में एनआइटी की सहायक प्रोफेसर दुलारी हेंब्रम बीते कुछ वर्षों से इस विषय पर शोध में जुटी हुई हैं। शुरुआती रिसर्च पेपर प्रस्तुत कर उन्होंने दावा किया है कि यह संभव है। वह अभी दो और शोध पत्र जमा करने वाली हैं और अपने शोध के निष्कर्ष को लेकर उत्साहित हैं।

प्रो. दुलारी के अनुसार, ईंधन के रूप में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रोजन गैस के उत्पादन पर फिलहाल प्रति यूनिट सात रुपये खर्च आ रहा है। यदि सरकार इसके उत्पादन को प्रोत्साहित करती है तो इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर हो सकता है। देश में बिजली की समस्या भी दूर हो सकती है। यही नहीं, इसे रॉकेट में प्रयुक्त होने वाले ईंधन के सस्ते विकल्प के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। प्रो. दुलारी हेंब्रम के शोध का विषय है- गोमूत्र और गोबर से वैकल्पिक ऊर्जा का उत्पादन। वह कहती हैं कि कॉलेज की प्रयोगशाला छोटी है। इस प्रोजेक्ट को किसी तरह की सरकारी मदद भी नहीं मिल रही है, सो अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। सरकारी मदद पाने के लिए प्रयास कर रही हैं।

दुलारी कहती हैं कि गाय के गोबर और मूत्र से उत्पादित वैकल्पिक ऊर्जा (मीथेन) का इस्तेमाल अभी चारपहिया वाहन चलाने, बल्ब जलाने के लिए हो रहा है, लेकिन इससे निकलने वाली हाइड्रोजन गैस को उच्चकोटि के ईंधन के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल रॉकेट के प्रोपेलर में ईंधन के रूप में हो सकता है। फिलहाल जिस माध्यम से गोबर और गोमूत्र से वैकल्पिक ऊर्जा के रूप में हाइड्रोजन गैस निकालने का काम होता है, उसे और उन्नत बनाने पर शोध किया जा रहा है। इस समय छोटे स्तर पर इसके उत्पादन पर प्रति यूनिट सात रुपये खर्च आ रहा है। बिजली का खर्च भी लगभग ढाई से तीन रुपये तक है। यदि माध्यम और उन्नत हो जाए तो लागत और भी कम हो जाएगी। दुलारी ने बताया कि तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में स्थापित महर्षि वाग्भट्ट गोशाला व पंचगव्य विज्ञान केंद्र में भी गोमूत्र-गोबर से हाइड्रोजन गैस के उत्पादन पर काम हो रहा है। केंद्र सरकार इसपर ध्यान दे तो वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में यह बड़ा कारगर सिद्ध हो सकता है। देश में गाय, गोबर और गोमूत्र की कमी नहीं है।

क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन के लिए उपयुक्त : एनआइटी की सहायक प्रोफेसर दुलारी हेंब्रम का दावा है कि गोमूत्र-गोबर के मिश्रण से उच्चकोटि की हाइड्रोजन गैस प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, क्रायोजेनिक (निम्नतापी) रॉकेट इंजन में अत्यधिक ठंडी और द्रवीकृत गैसों को ईंधन और ऑक्सीकारक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें हाइड्रोजन गैस मुख्य घटक के रूप में प्रयुक्त होती है, जो ऑक्सीकारक के साथ मिल कर दहन करती है। ठोस ईंधन की अपेक्षा यह ईंधन कई गुना शक्तिशाली सिद्ध होता है और रॉकेट को अधिक बूस्ट देता है। विशेषकर लंबी दूरी और भारी रॉकेटों के लिए यह तकनीक (क्रायोजेनिक) आवश्यक होती है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

प्रोफेसर दुलारी हेंब्रम

एनआइटी की सहायक प्रोफेसर ईंधन का विकल्प तैयार करने पर कर रही हैं काम। प्रतीकात्मक

1981 की तस्वीर, जब इसरो द्वारा उपग्रह को बैलगाड़ी में रख ले जाया गया था। सौजन्य : इसरो

अब चबाइए तुलसी 'सुवास' पान सहित मिलेंगे कई स्वाद

रूमा सिन्हा, लखनऊ

सुवास इसलिए है खास

- औषधीय, सुगंध व कॉस्मेटिक उद्योग में दिनोंदिन बढ़ रही है मांग
- यूरोपीय देशों के साथ-साथ हर साल विदेशों में बड़ी तादाद में होता है तेल व शाक का निर्यात
- चाय उद्योग में भी विभिन्न गंध वाली तुलसी की है जबर्दस्त मांग
- फैजाबाद, सुल्तानपुर, बाराबंकी, मथुरा व बुंदेलखंड के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी किसान कर रहे हैं तुलसी की खेती
- एंटीऑक्सीडेंट, एंटीएजिंग, एरोमाथेरेपी, संक्रमणरोधी, एंटीस्पासमोडिक, के साथ कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, फास्फोरस, कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, बीटाकैरोटीन और विटामिन से भरपूर।

जी हां, रामा-श्यामा तुलसी तो हर घर के आंगन की शोभा बढ़ाती हैं, लेकिन अब खेतों में भी तुलसी नजर आएगी। वह भी पान, सौंफ, लौंग, लेमन, कपूर की गंध-स्वाद वाली। यह कारनामा कर दिखाया है केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) के वैज्ञानिकों ने। स्वास्थ्य के लिए बेजोड़ मानी जाने वाली तुलसी में पान, सौंफ, लौंग आदि के गुणों को उभार कर विकसित की गईं करीब 25 किस्मों का डंका न केवल भारतीय औषधीय एवं कॉस्मेटिक उद्योग में बज रहा है, बल्कि विदेशों में भी इनके तेल की जबर्दस्त मांग है।

लंबे समय से तुलसी पर शोध कर रहे सीमैप के एमेरेटस वैज्ञानिक डॉ. आरके लाल बताते हैं कि सुवास तुलसी पान का स्वाद देती है। इसकी एक पत्ती मुंह में रखते ही लगता है मानों पान खाया हो। डॉ. लाल कहते हैं कि पान की खेती काफी मुश्किल है। बीमारी का प्रकोप होते ही पूरी फसल बर्बाद हो जाती है। ऐसे में इंडस्ट्री को पान का स्वाद वाले विकल्प की जरूरत थी। शोध में तुलसी की दो किस्मों से हाइब्रिड किस्म की सुवास डेवलप की गई। अच्छी बात यह है कि जहां पारंपरिक रामा-श्यामा तुलसी जाड़े में लगभग खत्म हो जाती हैं, सुवास ठंडक में भी आसानी से उगाई जा सकती है। किसानों के नजरिए से देखा जाए तो इसकी साल में तीन कटिंग ली जा सकती हैं। वहीं, रोपी गई पौध पांच साल तक उपज देती है।

गुमला का नवरतनगढ़ किला बना राष्ट्रीय धरोहर

संजय कृष्ण, रांची

- नागवंशी राजाओं की राजधानी रहा है यह स्थान, डोयसागढ़ का किला भी कहा जाता है
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने 27 सितंबर को पत्र जारी किया
- झारखंड की पहचान है यह प्राचीन किला

झारखंड के गुमला जिले के नवरतनगढ़ किले को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया है। गत 27 सितंबर को इस आशय का पत्र जारी किया। इसे डोयसागढ़ का किला भी कहा जाता है।

पुरातत्वविद डॉ. हरेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि यह झारखंड के लिए हर्ष और गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि नागवंश का शासन काल भी दुनिया के लिए एक अजूबा ही है, जिसकी नींव प्रथम शताब्दी में पड़ी। उनका कार्यकाल बहुत बड़ा रहा। किसी भी राजवंश का लगभग दो हजार वर्षों का कार्यकाल तो निश्चय ही दर्ज करने योग्य है।

बता दें कि नागवंशी शासन की राजधानी हमेशा बदलती रही। डॉ. सिन्हा बताते हैं कि उन्होंने अपनी राजधानी नौ बार बदली। सुतिआम्बे के बाद खुखरा, चुटिया, डोयसा, पालकोट आदि समय-समय पर उनकी राजधानियां रहीं। डॉ. सिन्हा ने खुखरा में पुरातात्विक उत्खनन का काम भी किया था, जहां लगभग 12वीं-13वीं शताब्दी के अवशेष मिले। तब नागवंशी शासक भीमकर्ण की राजधानी खुखरा ही थी। इसके बाद लगभग 17वीं शताब्दी में राजा दुर्जनसाल के समय में नई राजधानी डोयसा में स्थापित की गई जो आज के गुमला जिले में है। यहां बड़ी संख्या में प्राचीन भवनों के अवशेष एक ही परिसर में दिखते हैं। इस स्थान को देख हमें कर्नाटक के हम्पी में स्थित 14वीं शताब्दी के विजय नगर साम्राज्य के अवशेषों की याद आती है।

ग्वालियर के किले में 12 साल बंद रहे थे दुर्जनसाल : ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि मुगल शासक जहांगीर के समय में दुर्जनसाल नागवंश का शासक थे। कर न अदा करने के कारण बिहार के तत्कालीन सूबेदार इब्राहिम खां ने दुर्जनसाल को गिरफ्तार करके ग्वालियर के किले में बंद कर दिया था। लगभग 12 साल बाद हीरा पहचाने के कारण उन्हें रिहा कर दिया गया। ग्वालियर से वापस आने पर दुर्जनसाल ने नागवंश की राजधानी को खुखरा से स्थानांतरित किया और वर्तमान गुमला जिले के अंतर्गत, सामरिक दृष्टिकोण से अधिक सुरक्षित, डोयसा में अपनी नई राजधानी स्थापित की। दुर्जनसाल, अपने दुर्भाग्यपूर्ण ग्वालियर प्रवास के दौरान, मुगलों की स्थापत्य कला से खासा प्रभावित हुआ था। फलतः उसने डोयसा स्थित नई राजधानी में एक भव्य राजप्रासाद का निर्माण कराया। इस पर मुगलकालीन स्थापत्य का प्रभाव देखा जा सकता है। डॉ. सिन्हा कहते हैं कि अब इसका पुनर्निर्माण होना चाहिए ताकि यहां भी पर्यटक आ सकें। काफी विशाल इसका परिसर है।

झारखंड के नवरतनगढ़ किले को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया गया है। फाइल

कितने पानी की कर रहे खपत उद्योगों को रखना होगा हिसाब

रूमा सिन्हा, लखनऊ

- एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को दी जिम्मेदारी

स्लॉटर हाउस, फूड प्रोसेसिंग इकाइयों सहित ऐसे सभी उद्योग जिनसे भारी मात्रा में उत्प्रवाह निस्तारित है, उन्हें पानी का हिसाब रखना होगा। उद्योग जितने पानी की खपत करेंगे, उसकी रीसाइक्लिंग कर फैक्ट्री के कार्यों में भी उपयोग करना अनिवार्य होगा। यही नहीं, यदि उद्योग अपना उपचारित (ट्रीटमेंट) पानी कृषि में उपयोग करेंगे तो उस पर भी निगाह रखी जाएगी।

एनजीटी ने अलीगढ़ की अल दुआ फूड प्रोसेसिंग इकाई की ओर से पर्यावरण नियमों के उल्लंघन मामले में शैलेश सिंह की याचिका पर उद्योगों के लिए सख्त आदेश पारित किए हैं। यह नियम पूरे देश में लागू होंगे। सभी राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ऐसे उद्योगों को पर्यावरणीय अनुमति देते समय इन आदेशों का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करेंगे।

एनजीटी के मुताबिक, सभी इकाइयों के लिए सिंचाई प्रबंधन योजना बनाकर उसे लागू करना अनिवार्य होगा। योजना के तहत उपचारित औद्योगिक उत्प्रवाह से कैंपस की सिंचाई व्यवस्था उद्योगों को करनी होगी। साथ ही बढ़ते भूजल प्रदूषण को देखते हुए एनजीटी ने यह आदेश भी दिया है कि ऐसे उद्योगों के इर्द-गिर्द भूजल गुणवत्ता पर नजर रखते हुए उसकी सघन मॉनिटरिंग की जाए। दरअसल, प्रदूषित प्रवाह के भूजल स्रोतों में रिसने से पेयजल व फूड चेन में प्रदूषित तत्व पहुंचकर मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। यह भी आदेश दिए गए हैं कि उद्योगों के उत्प्रवाह में निर्धारित मानकों का अनुपालन अनिवार्य रूप से कराया जाए। बोर्ड को यह भी देखना होगा कि ऐसे उद्योग अपना उत्प्रवाह किसी भी हालत में जलीय स्रोत अथवा खुले मैदान में निस्तारित न करें। एनजीटी ने उक्त फूड प्रोसेसिंग इकाई को 10 लाख की बैंक गारंटी के साथ सभी पर्यावरण मानकों का अनुपालन करने के भी निर्देश दिए हैं।

प्लास्टिक कचरे को कंचन बनाने का ये है आइटीसी मॉडल

समाधान

कंपनी 11 राज्यों में कचरे की री-साइक्लिंग पहले से कर रही है, देश को एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक से मुक्त करने का आह्वान कर चुके हैं पीएम

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

बिहार में बरसात रुक जाने के बावजूद तीन दिनों तक पटना के राजेंद्र नगर में पानी न उतरना जहां दुर्भाग्यपूर्ण है, वहीं यह सच्चाई भी स्वीकार करनी ही होगी कि उन्हीं पटनावासियों के घरों में चाय बनाने का दूध प्लास्टिक के पाउच में ही आता है। इस्तेमाल करने के बाद उस पाउच को ठिकाने लगाने का कोई ठिकाना अब तक ढूंढ़ा नहीं गया है। 2019 का राजेंद्रनगर हो या 2005 की मुंबई की बाढ़, इस समस्या में बहुत बड़ी भूमिका प्लास्टिक की रही है।

आज की जीवनशैली में चाची की चाय में लगने वाले दूध से लेकर मुन्नू के कुरकुरे और मुनिया के वेफर तक प्लास्टिक के ही किसी पाउच में पैक होकर उन तक पहुंचते हैं। प्रधानमंत्री लाख आह्वान कर लें, लेकिन इस जीवनशैली को पूरी तरह बदला नहीं जा सकता। इसलिए इसके साथ ही जीवन जीने का रास्ता निकालना पड़ेगा। इसी रास्ते की खोज करने के लिए आगे आई है कई प्रकार के खाद्य उत्पादक कंपनी आइटीसी लिमिटेड। हालांकि देश को एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक से मुक्त करने का आह्वान प्रधानमंत्री की ओर से अब किया गया है, लेकिन स्वयं मल्टीलेयर प्लास्टिक पैकेजिंग में अपने खाद्य उत्पादों को पैक करके ग्राहकों तक पहुंचाने वाली आइटीसी लि. देश के 11 राज्यों में अपने 'वेलबीइंग आउट ऑफ वेस्ट' (वाव) कार्यक्रम के तहत विभिन्न नगर निगमों के साथ मिलकर काफी पहले से काम कर रही है। अपने इस प्रयास के तहत वह देश के करीब 89 लाख लोगों से वह सीधे जुड़कर जनजागरण, सूखे-गीले कचरे की छंटाई, उन्हें इकट्ठा करना एवं पुनर्चक्रीकरण (री-साइक्लिंग) कर उन्हें नए उपयोगी स्वरूप में लाने के काम में जुटी है। उसका दावा है कि इन्हीं कारणों से उसे पिछले 12 वर्षों से सॉलिड वेस्ट री-साइक्लिंग पॉजिटिव कंपनी के रूप में जाना जाता है। 'कचरे से कल्याण' का उसका यह प्रयास पुणे में एक ऐसा मॉडल बनकर सामने आया है, जो न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि देश के अन्य शहरों के लिए अनुकरणीय भी है। इस प्रयास के तहत खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग में उपयोग होनेवाले मल्टी लेयर प्लास्टिक (एमएलपी) को घर-घर से इकट्ठा किए गए कचरे में से छांटकर उन्हें रीसाइक्लिंग के लिए भेज दिया जाता है। सुनने में ये बड़ा सीधा-सादा काम लगता है। लेकिन किसी बड़े महानगर में न तो घर-घर से कचरा इकट्ठा करना आसान था, न ही मल्टी लेयर प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग। क्योंकि मल्टी लेयर प्लास्टिक में उपयुक्त भिन्न-भिन्न पदार्थों की ऐसी दो-तीन परतें होती हैं, जिन्हें एक ही तापमान पर गलाकर रीसाइकिल नहीं जा सकता। इसे रीसाइकिल करने की तकनीक भी भारत में मौजूद नहीं थी।

आइटीसी के पर्यावरण, हेल्थ एंड सेफ्टी तथा आरएंडडी प्रमुख चितरंजन दर कहते हैं कि कंपनी ने अपने शोध एवं विकास (आर एंड डी) विभाग से शोध करवाकर न सिर्फ ऐसे प्लास्टिक को रीसाइकिल करने का तरीका खोजा, बल्कि मुंबई के निकट पालघर स्थित शक्ति प्लास्टिक इंडस्ट्रीज नामक एक प्लास्टिक रीसाइक्लिंग कंपनी को इस काम के लिए अपने साथ जुड़ने को राजी किया। अब समस्या बड़े पैमाने पर समाज में मौजूद मल्टी लेयर प्लास्टिक को इकट्ठा कर शक्ति प्लास्टिक इंडस्ट्रीज तक पहुंचाने की थी। इस काम में वरदान साबित हुई, करीब 12 वर्षों से पुणे में काम कर रही कचरा बीनने वालों की संस्था 'स्वच्छ'। स्वच्छ के सदस्य पुणे शहर के हजारों घरों से रोज सूखा और गीला कचरा इकट्ठा करते हैं। उन्हें पुणे महानगरपालिका की ओर से उपलब्ध कराए गए स्थानों पर बैठकर छांटते हैं। फिर रीसाइक्लिंग योग्य छंटा हुआ प्लास्टिक आइटीसी की ओर से 'स्वच्छ' को उपलब्ध कराए गए स्थान पर बंडल बनाकर शक्ति प्लास्टिक्स के पास रीसाइक्लिंग के लिए भेज दिया जाता है।

दर बताते हैं कि आइटीसी पिछले छह महीनों में 'स्वच्छ' एवं पुणे महानगरपालिका के साथ मिलकर करीब 100 मीट्रिक टन मल्टी लेयर प्लास्टिक (एमएलपी) एवं लो वैल्यू प्लास्टिक (एलवीपी) रीसाइक्लिंग के लिए भेज चुकी है। उनका मानना है कि यदि अन्य शहरों की महानगरपालिकाएं एवं उद्योग जगत साथ आएं, तो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) का पुणे मॉडल थोड़े-बहुत परिवर्तन के साथ अन्य शहरों में भी कारगर हो सकता है। उनका मानना है कि यह तरीका अब तक असंगठित क्षेत्र के रूप में अपनी जीविका चला रहे कचरा बीननेवालों को संगठित क्षेत्र में बदलकर उनकी बेहतर आमदनी का साधन भी बन सकता है।

मुंबई में प्लास्टिक की री-साइक्लिंग कर उसे नए उपयोगी स्वरूप में लाने का हो रहा काम। जागरण

डाटा अध्ययन पर आधारित दो नए कोर्स शुरू करेगा आइआइएम कोलकाता

जागरण संवाददाता, कोलकाता : आइआइएम कोलकाता जल्द दो नए कोर्स मैनेजमेंट साइंस और सप्लाई चेन एनालिटिक शुरू करेगा। इसके लिए प्रबंधन संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्म 'कोरसेरा' के साथ करार किया है। दोनों कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। दोनों कोर्स दुनियाभर के भावी प्रबंधकों को लगातार आधुनिक होते कारोबार में काम करने लिए उन्हें नए कौशल से लैस करेंगे। यहां छात्र सीखेंगे कि कैसे वास्तविकता में समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध डाटा का अध्ययन किया जाए और उसके लिए आवश्यक गणतीय व कंप्यूटरीकृत प्रारूप तैयार किया जाए। यहां डाटा अध्ययन के आधार पर निर्णय लेना सिखाया जाएगा। निदेशक अंजू सेठ ने बताया कि आइआइएम कोलकाता विश्व स्तर पर शिक्षा के प्रसार व दुनिया भर के छात्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए तकनीक के इस्तेमाल में सबसे आगे रहना चाहता है। 'कोरसेरा' जैसे प्लेटफार्म के साथ मिल कर इस कोर्स की शुरुआत करने से हमें कुछ नया करने के साथ प्रोग्राम को विश्व स्तर पर एक बड़े वर्ग तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

दैनिक जागरण
सबरंग
साहित्य के...
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 3 अक्टूबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

दिल्ली की बसों में यात्रा कर जो मिला वो कहीं नहीं मिल सकता

दिल्ली मेरी यादें

वरिष्ठ कवि लक्ष्मीशंकर वाजपेयी गजल के साथ लेख, व्यंग्य व बालसाहित्य की विधाओं में सृजन किया। तमिल, पंजाबी, डोगरी, उर्दू, जापानी, अंग्रेजी आदि भाषाओं में कविताओं का अनुवाद किया। काव्यमंचों पर भी व्यापक स्तर पर भागीदारी की। दिल्ली आकाशवाणी से बतौर निदेशक सेवानिवृत हुए। साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं में कई सम्मान भी मिले।

आज उस प्रसंग को याद करता हूं दिल्ली के प्रति अपने उस प्यार को याद करता हूं तो आपने बचपन पर हंसी आती है। वह बात 1972 की है मैं अपने दोस्तों के साथ दिल्ली अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला देखने के लिए पहली बार दिल्ली आया था। लेकिन घर पर बताया था कि हम कॉलेज की तरफ से मेला देखने जा रहे हैं। हम पांच दिन तक रेलवे स्टेशन पर ही रहे। वहां लॉकर में सामान रख देते और पूरा दिन मेले में घूमते थे। वहीं खाते और सो जाते थे। कुछ बात तो थी कि मैं रहता तो यहां से लगभग 500 किलोमीटर दूर कानपुर में था लेकिन दिल्ली मेरे दिल में बचपन से ही बसती थी। यहां आने की हुड़क हमेशा रहती थी। मैंने दिल्ली को जानने के लिए, छठी कक्षा से ही अखबार पढ़ना शुरू कर दिया था। हमारे मोहल्ले में ही एक छोटा सा पुस्तकालय होता था जहां अखबार आते थे। मेरे इसी लगाव का परिणाम रहा कि अंततः 1988 में दिल्ली में आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल में मेरी नौकरी लगी और मैं तब से दिल्ली का ही हो गया। रहने की सुध बुध भी नहीं थी। आकाशवाणी में साक्षात्कार के दौरान भी मुझसे यही सवाल पूछा गया था कि इस महानगर में कैसे रह पाओगे? मैंने कहा रह जाऊंगा। शुरुआत में पांच महीने हॉस्टल में रहा बाद में किसी ने बता दिया तो लक्ष्मीनगर में एक कमरा ले लिया। फिर गगन विहार में रह लिए। ज्यादा वक्त दफ्तर में ही बीतता था। वहीं परिवार जैसा महसूस होता था। 1994 में सरोजनी नगर में अपना सरकारी आवास मिल गया।

बहरहाल उस जमाने में आयोजित होने वाली साहित्यक गोष्ठियों के बारे में बताता हूं। कॉफी हाउस उस जमाने के सभी साहित्यकारों की सबसे प्रिय जगह कही जा सकती है। हर बड़ा साहित्यकार वहां जरूर आकर बैठता था। गोष्ठियों में भी शिरकत किया करते थे। विष्णु प्रभाकर नियमित आया करते थे। घंटों बीत जाते थे। मुझे हालांकि नौकरी के कारण उतना वक्त नहीं मिलता था लेकिन साहित्य में बेहद रुचि थी इसलिए कैसे भी वक्त निकालकर कई सारी संस्थाओं की गोष्ठियों में जरूर जाया करता था। एक संस्था अंग्रेजी के साहित्यकारों की भी थी। उसका दिन रविवार और समय 11 बजे तय होता था। बहुत नियम से होती थी यहां अंग्रेजी वाले ज्यादा आया करते थे। हर बड़ा नाम इससे जुड़ा हुआ भी था और सब आते भी थे। मुझे एक उर्दू की संस्था भी याद आती है हल्का-ए-तश्न-गाने अदब। उर्दू का हर बड़ा नाम इस आयोजन में शिरकत करता था। मुंबई तक से लोग आते थे। ऐसा नहीं कि इसमें सिर्फ उर्दू वाले ही आते थे हिंदी वाले भी खूब बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। इस संस्था की अब तक 500 से ज्यादा गोष्ठी हो चुकी हैं। इसके आज भी सुचारु संचालन की एक बड़ी वजह है वह आज भी कहीं किसी के घर में आयोजित कर ली जाती है। इन सभी गोष्ठियों में आत्मीयता होती थी लेकिन आज के परिवेश में बात करें तो संस्था तो बहुत हैं लेकिन उनमें वो साहित्यिक माहौल नहीं मिलेगा। सभी दूसरे को सुनने को नहीं बल्कि सिर्फ अपनी रचना सुना भर देने पर उतारू रहते हैं।

आकाशवाणी के मेरे अनुभव भी बहुत यादगार रहे हैं। दफ्तर या कहीं भी जाने के लिए बसों का स्टैंड पर इंतजार करते हुए मैंने बहुत सारे उपन्यास पढ़े भी हैं और लिखे भी हैं। कई बार बस भी आकर चली जाती थी और मैं किताब में डूबा रह जाता था। और कई बार बसों में लटक कर भी जाना पड़ता था। लेकिन दिल्ली की बसों से मेरी खासी मित्रता रही। बसों में जो मुझे मिला वो सफर का आनंद कहीं नहीं मिला। मैंने कभी गाड़ी नहीं खरीदी। अब भी मेरे नहीं है बेटे के पास जरूर गाड़ी है। उन दिनों तो वैसे भी ऑटो में जाना भी लग्जरी लगता था। हां, 2003 में जब दिल्ली के आकाशवाणी स्टेशन का निदेशक बन गया तब सुरक्षा के लिहाज से गाड़ी जरूर मिल गई लेकिन उससे सिर्फ दफ्तर ही जाता था। अपने निजी काम के लिए बसों से ही जाता था।

एक और प्रसंग साझा करना चाहता हूं मैं एक बार मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर गया था। उस जगह को देखकर सोचता था कि काश अपनी दिल्ली में भी यहां जैसा विकास हो। मेट्रो हो। ऊंची इमारतें हों। यह सब मिला तो लेकिन प्रदूषण जैसी बला ने जकड़ लिया। हालांकि यह सिर्फ अभी नहीं है आप 1990 में सीएनजी की व्यवस्था से पहले वाली दिल्ली याद कीजिए तब भी बहुत प्रदूषण होता था। मैं एक बार बीमार पड़ा तो डॉक्टर ने मेरा एक्सरे देखकर पूछा कि क्या आप सिगरेट पीते हैं? मैंने कहा नहीं। मतलब मेरे फेफड़ों तक प्रदूषण जमा था। दरअसल हम यमुना पुल पर घंटों खड़े रहते थे। मेरा मित्र फॉरेस्ट ऑफिसर था। उसके साथ यमुना के पुल पर खड़ा हुआ तो उसने एहसास दिलाया कि तुम्हे कुछ जलन सी महसूस नहीं हो रही है? मेरी आंखे जल रही हैं। मैंने कहा नहीं। दरअसल हमे ऐसी आदत हो गई थी और मेरा मित्र साफ वातावरण से आया था।

मनु त्यागी से बातचीत पर आधारित

बचपन में ही जब किताबों से स्नेह हो जाता है तो जवानी और बुढ़ापे की लाठी किताबें ही बनती हैं। अब लाठी कहें या दोस्त, वरिष्ठ लेखिका मृदुला गर्ग लेखन और किताबों के स्नेह में ही रहना पसंद करती हैं। दिल्ली में पली बढ़ी और पढ़ी लेखिका ने शहर की नब्ज को बेहद संजीदगी से टटोला है। धड़कनों को करीब से सुना है। शहर की उदासी और खिलखिलाहट दोनों को महसूस किया है। जो उनके लेखन और बातचीत में भी झलकता है। दिल्ली एक शहर और साहित्यिक नगरी के रूप में इसी पर **प्रियंका दुबे मेहता** ने **मृदुला गर्ग** से विस्तार से बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश :

साहित्य नब्ज तो जायका धड़कन है इस शहर की

बातचीत

● अर्थशास्त्र की प्राध्यापक रही हैं, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई की और सफलता का मुकाम हिंदी लेखन में पाया?

-बचपन से मुझे पढ़ने का बहुत शौक था। घर में साहित्यिक माहौल था। सभी लोग हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में साहित्य पढ़ते थे। ऐसे में पढ़ने की आदत पड़ गई। केवल मैं ही नहीं बल्कि मेरी दोनों बहनों ने भी लेखन को ही चुना। एक बार लिखना शुरू किया तो रफ्तार से लिखा, बहुत सी बातें दिमाग में थीं और एक बार लिखते ही वे खुद ब खुद शब्दों में ढलकर कागजों पर उतरने लगीं। बस वहीं से शुरू हो गया सतत लेखन का सफर। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई जरूर हुई लेकिन मन के साहित्यिक कोने में हिंदी का ही आधिपत्य था।

● आपके उपन्यास और कहानियां एक दौर में पत्र-पत्रिकाओं की शान हुआ करते थे। लेखन का यह सिलसिला कैसे चला?

-पहली कहानी 1972 में छपी और पहला उपन्याय वर्ष 1975 में लिखा। पाठकों व आलोचकों का स्नेह देखकर हौसला बढ़ता चला गया और फिर प्रति वर्ष एक उपन्यास लिखने लगी। लेकिन कायदे से मेरा पहला लेख एक भिखारी की आत्मकथा था। कक्षा में दिए उस लेखन कार्य को मैंने किया। उसमें मेरा भिखारी एक लेखक था। उस दौर में भी शिक्षिका ने आपत्ति की और कहा कि मैंने दोनों का ही अपमान किया है। मैंने कहा कि यह दोनों का अपमान कैसे हो सकता है। अपमान या तो लेखक का या भिखारी का ही हो सकता है। उस कहानी को सराहना मिली और वह स्कूल की पत्रिका के अलावा कई जगह छपी थी।

● आपके बचपन की दिल्ली कैसी थी?

-मैं दिल्ली में ही पली बढ़ी हूं तो जाहिर सी बात है कि दिल्ली के प्रति एक अलग प्रकार का लगाव है। जिस दिल्ली की मैं बात कर रही हूं उसमें मैंने विभाजन का दौर भी देखा है। बंगाली मार्केट से लेकर रिफ्यूजी मार्केट तक को बनते देखा है। व्यवसाइयों की पुरानी दिल्ली और सरकारी अफसरों की नई दिल्ली के बीच के उस विभाजन को भी देखा है। पहले पुरानी दिल्ली के जिस हिस्से (बंगाली मार्केट) में हम रहते थे वह शहर कहलाता था और नई दिल्ली ग्रामीण इलाका मानी जाती थी। कोई नई या दक्षिणी दिल्ली में रहने के बारे में कोई सोचता भी नहीं था। 1975 में जब हमने ग्रीन पार्क में घर लिया तो मां ने कहा था कि वह तो कुतुब मीनार का इलाका है, वहां तो केवल पिकनिक मनाने जा सकते हैं, रहने नहीं।

● साहित्यकारों का इस शहर से कैसा नाता रहा?

-प्रयागराज के बाद दिल्ली ही एक ऐसा स्थान रहा जहां सेमिनार और गोष्ठियां होती थीं। कॉफी हाउस में साहित्यकारों का जमावड़ा लगता था। किताबों पर चर्चा होती थी। नवांकुर लेखकों को भी पूरा मान मिलता था। दिल्ली साहित्य का गढ़...घर रही और साहित्कारों का अड्डा बनी। उस दौर में साहित्य के प्रति लोगों का इतना रुझान था कि सड़क चलते लोग साहित्यकारों का पता बता सकते थे। 1975 में जब मेरा पहला उपन्यास छपा तो मैं जैनेंद्र कुमार जी के घर जा रही थी लेकिन पता पूरी तरह से मालूम नहीं था। तब हमने पान वाले से उनका पता पूछा और उसने तुरंत बता दिया। आज वह बातें नहीं रह गईं। इसी तरह नेमीचंद जी को मैंने कहानियां लिखकर पोस्ट की थीं। वे दरियागंज में रहते थे लेकिन उस पोस्ट पर मैंने पता सही नहीं लिखा था। बावजूद इसके वह पोस्ट उन्हें मिल गई थी।

● उस दौर में सम्मेलन गोष्ठियां कहां-कहां होती थीं?

-सबसे ज्यादा बैठकें कॉफी हाउस में होती थीं। शनिवार समाज का आयोजन कनॉट प्लेस में होता था। हिंद पॉकेट बुक्स का बड़ा शोरूम था। कोई ऐसी किताब नहीं थी जो वहां न मिलती हो। वहां भी लेखकों का जमावड़ा होता था। एक टी हाउस बना तो वहां भी लेखक जाने लगे।

लेखन और सम्मान

उसके हिस्से की धूप, वंशज, चित्तकोबरा, अनित्य, मैं और मैं, कठगुलाब, मिलजुल मन उपन्यास और कितनी कैदें, टुकड़ा-टुकड़ा आदमी जैसी कहानी संग्रहों की रचयिता मृदुला गर्ग साहित्य अकादमी सम्मान से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

रेडियो स्टेशन, साहित्य अकादमी, दरियागंज और कांसस्टीट्यूशन क्लब सभी जगह हम जाया करते थे।

● इन बैठकों और गोष्ठियों की क्या विशेषता होती थी? उनकी कुछ यादें?

-पहले यहां हर शनिवार एक बैठक हुआ करती थी। उस समय भारत भूषण अग्रवाल, गिरिजा कुमार माथुर सहित बहुत से कवि व कथाकार सब आते थे। मुझे याद आता है कि पहली बार मैंने उसी बैठक में अपने पहले उपन्यास का अंश पढ़ा था। उस उपन्यास का नामकरण भी वहीं हुआ था। उसी समय मैंने तब तक बेनाम उस उपन्यास के एक-दो नाम सुझाए और लोगों ने 'उसके हिस्से की धूप' पर अपनी सहमति दी। उसके बाद भारत भूषण अग्रवाल के घर गई तो वे घर में काफी देर तक कुछ ढूंढते रहे। बाद में पता चला कि वे उपन्यास के विमोचन के लिए लड्डू खिलाना चाहते थे।

● आज के परिप्रेक्ष्य में दिल्ली और साहित्य के नाते को किस प्रकार देखती हैं?

-अब तो लेखक आपस में मिलते ही नहीं। पहले वरिष्ठ साहित्यकार नए लेखकों की बात करते थे। उनसे संवाद करते थे। उनको ढूंढकर लाते थे। समान धरातल पर खड़े होकर बात करते थे। मुझे याद है कि मैंने 'एक और अजनबी' के नाम से नाटक लिखा था। उसके लिए श्रीपद राय ने मिलने के लिए बुलाया। धर्मवीर भारती ने मुझे चिट्ठी लिखी कि मुंबई जाऊं तो उनसे जरूर मिलूं। उस दौर में एक अलग उत्साह था साहित्य को लेकर। जैनेंद्र जी मेरी पुस्तक के विमोचन में आए तो मेरा उपन्यास पढ़कर आए थे। आज के लेखकों और साहित्यकारों में यह चीजें नहीं मिलेंगी।

● उस दौर में कॉफी हाउस की कोई खास याद?

-बैठकों और गोष्ठियों में तो हर बार कुछ न कुछ नया निकलता ही है लेकिन मुझे याद आता है कि जैनेंद्र जी जैसे साहित्यकार मुझे गोलचा कॉफी हाउस में चाय पिलाने ले गए थे। लोगों के लिए यह अचरज था कि उनके जैसा व्यक्ति जो कहीं आता जाता नहीं था वह मुझे चाय पर ले गया। जब हम बच्चे थे तब वे घर पर काफी आया करते थे। बचपन में उन्हें काफी पढ़ा भी था ऐसे में हमारे लिए वे उतने कठिन व दुसाध्य नहीं थे।

● आज के साहित्य और लेखन को किस दिशा में जाते देखती हैं? हिंदी की स्थिति पर क्या सोचती हैं?

-साहित्य में बहुत बदलाव आ गया है। अब सब लोग मतलब के लिए आयोजन करते हैं। आजकल हिंदी पढ़ने के लिए कोई कहता ही नहीं। पहले पत्रिकाएं ज्यादा छपती थीं। हिंदी के लिए वातावरण सुगठित, सुव्यवस्थित व चाहत से भरा था। घरों में हिंदी में बात करते थे। आज लोगों को न हिंदी आती है और न ही अंग्रेजी। सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसी मिलीजुली भाषा को लोग ट्रेंड मान रहे हैं। आज लेखकों ने ही पढ़ने की परंपरा को खत्म कर दिया है। वे खुद सीना चौड़ा करके कहते हैं कि उन्होंने पुराने लेखकों को नहीं पढ़ा क्योंकि पुराने लेखकों ने पढ़ने लायक कुछ लिखा ही नहीं। जब लेखक ही ऐसी बात करेंगे तो पाठक कैसे किताबों से जुड़ेंगे।

● भाषा के प्रति ऐसे अलगाव की क्या वजह मानती हैं?

-इसका कारण यह है कि लोगों में अंग्रेजी भाषा का आकर्षण है और स्कूलों में हिंदी का पाठ्यक्रम बेहद उबाऊ है। स्कूलों में चल रही पुस्तकों में ऐसे लेख व कहानियां हैं जो बच्चों को पसंद नहीं आतीं। 'मेरे संग की औरतें' मेरा लेख है जिसे एनसीईआरटी में पढ़ा रहे हैं। नए लेखकों को बच्चों पर लिखने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता। जबकि विदेश में ऐसा होता है कि लोग बच्चों और किशोरों के लिए लिखते हैं। परसाई, शरद जोशी और प्रेमचंद की दुखभरी कहानियां ही क्योंकि स्कूलों में पढ़ाई जाती हैं। उत्साह व वीरता से भरी अच्छी व रोचक चीजों को पढ़ाया जाना चाहिए। जयशंकर प्रसाद सहित अन्य साहित्यकारों की रोचक कहानियां भी हैं, उन्हें पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए तो बच्चों को हिंदी बोझिल नहीं बल्कि रोचक लगेगी। बच्चों को ऐसी चीजें पढ़ाई जानी चाहिए जिनमें तत्व, तथ्य, बात और यर्थाथ हो न कि उपदेश।

● आज की दिल्ली आपको कैसी लगती है? और कैसी होनी चाहिए?

-व्यवस्था के हिसाब से दिल्ली हिंदुस्तान का सबसे खराब शहर है। यहां यातायात पर कोई नियंत्रण नहीं, जरा सी बारिश होती है और सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। कचरे का कोई इंतजाम नहीं है। सरकार दुनिया भर की चीजें करती है लेकिन बुनियादी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। दिल्ली को व्यवस्थित करने की जरूरत है। यहां कि धरोहरों को संभालने की जरूरत है। जो भी योजनाएं बनें उनका क्रियांवयन करके दिल्ली को दिल्ली बनाए जाने की जरूरत है।

● अपने समकालीन लेखकों में किस-किस से अक्सर मिला करती थीं?

-अक्षय प्रकाशन के दफ्तर में बहुत लेखक जाते थे। जगदंबा प्रसाद दीक्षित, गिरीराज, सैलेश मटियानी, योगेश गुप्त, बृजेश मदान, मन्नु भंडारी, अर्चना वर्मा जैसे लेखकों और साहित्य से जुड़े लोगों से वहीं पर मुलाकात हुई और होती रहती थी। वहां बैठकर हम साहित्य, समाज और देश की स्थिति पर चर्चा करते और वहां की बहुत खराब चाय पीते थे।

● अध्ययन अध्यापन के दौरान के कुछ किस्से जो आज तक आपको विभिन्न भावों से भर देते हों?

-मैं विरोधी किस्म की थी। पांचवीं से सातवीं तक स्कूल नहीं गई। आठवीं कक्षा में स्कूलों में गई तो एंग्लो-इंडियन पीटी टीचर ने भारतीय होने पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की तो मैं बिदक गई। वे प्राचार्य के पास ले गईं और नौबत पिता जी को बुलाने की आ गई। पिता आए और जब सारी बात पता चली तो उन्होंने उल्टा शिक्षिका से ही पूछ लिया कि वे माफी वहीं मांगेंगी या सबके सामने। इस वाकये के बाद मैंने पीटी छोड़ दी और कक्षा का पुस्तकालय संभालने लगी। उसके बाद मिरांडा हाउस कॉलेज की बहुत सी यादें हैं। जब मैं दाखिला लेने पहुंची तब कॉलेज बन रहा था। बरसात में भीगते अव्यवस्थित पंक्ति में घंटों खड़ी रहकर दाखिले के लिए पहुंची तो विभाग की अध्यक्ष ने पूछ लिया कि तुम अर्थशास्त्र क्यों लेना चाहती हो जबकि तुम्हारे अंक गणित में ज्यादा अच्छे अंक हैं। उस दौरान मैं परेशान तो थी ही, मैंने पूछ लिया, क्यों, ये लोग (उनका मतलब कॉलेज प्रब) गणित में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को दाखिला नहीं देते क्या? शिक्षिका ने मेरी मनःस्थिति समझते हुए न केवल दाखिला दिया बल्कि मुझे कक्षा में भी लगातार सहयोग करती रहीं। मैंने अध्यापन की शुरुआत जानकी देवी कॉलेज से की। वहां पर निम्न मध्यम आयवर्ग की छात्राएं थीं। उनमें से एक छात्रा को बीमारी अवस्था में घर छोड़कर आई तो सभी छात्राएं मुझसे स्नेह करने लगीं। इंद्रप्रस्थ कॉलेज में आई तो वहां भी विद्यार्थियों की प्रिय रही। मुझे याद आता है कि एक बार कॉलेज में पढ़ाने से पहले एक योजना के तहत मुझे विदेशी विद्यार्थियों को पढ़ाना था। उस वक्त उस योजना के प्रभारी ने कहा कि मैं कद काठी में छोटी हूं और विद्यार्थी अफ्रीका के हैं तो मैं उन्हें नहीं पढ़ा सकूंगी लेकिन मैं अड़ गई कि मुझे नहीं लगता कि कद काठी का इस बात से कुछ लेना देना है। मैं पढ़ाने गई तो एक एक करके विद्यार्थी आए और दरवाजा खोलकर चले गए। फिर एक विद्यार्थी आया और पूछा, यहां शिक्षक नहीं हैं क्या। ऐसे में मैने दृढ़ आवाज में कहा कि मैं ही शिक्षक हूं। उसके बाद उनके साथ मेरा बहुत अच्छा अनुभव रहा।

● साहित्य के अलावा दिल्ली किस चीज की धनी थी? उन दिनों की कौन सी चीजें याद आती हैं?

-साहित्य के गढ़ के अलावा दिल्ली में खानपान का बेहद खुशगवार माहौल होता था। हमारे पिता जी स्टेशन के पास से जलेबी और बेडमी आलू लेकर आते थे। सेंट्रल बैंक के पास मिलने वाली मूंग दाल की पकौड़ी और सौंठ का स्वाद आज भी जुबां पर आ जाता है। देना बैंक के पास सोडा मिलता था। पराठे वाली गली का बड़ा नाम था लेकिन मैं उसकी खास शौकीन नहीं थी। जामा मस्जिद की गलियों की माथुरों की बाकरखानी आज के लोगों को पता ही नहीं होगी। वह एक खास किस्म की मीठी नमकीन रोटी होती थी जो आज भी याद आती है। नान, रोगन जोश, मीट, कबाब ही नहीं शाकाहारी भोजन भी दिल्ली की पहचान रहा। हलवाई की दुकानों पर रबड़ी और निमिष मिलती थी जो आज के दौर में नहीं मिलती। वह रेख्ता के आयोजनों में जरूर दिखती है लेकिन उसमें वह स्वाद, वह बात नहीं होती। कांजी के बड़े का जायका वह नफासत वाला खाना अब कहीं खो सा गया है।

● आपने दिल्ली को बनते, बदलते व संवरते देखा है, उसकी कुछ और यादें?

-हम बंगाली मार्केट में रहते थे। लोगों का आज लगता है कि बंगाली मार्केट बंगालियों की वजह से मशहूर है। ऐसा नहीं है। भीमसेन हलवाई जो रसगुल्ले और चाट बनाता था, उसका स्वाद आज नहीं मिल सकता। बंगाली मार्केट का नाम उसी की दुकान की बंगाली मिठाइयों की वजह से पड़ा।

कह कर रहूंगा

प्याज भया उदास

मैंने देखा, प्याज उदास है। कल तक मोर मुकुट धारक, चहकता प्याज, आज उदास है। सरकारें बनाने और गिराने वाला प्याज, चुनाव के मौसम में उदास है। चुनाव की जंग में अणु बंब-सा कारगर प्याज, पाकिस्तानी की गीदड़भभकी जैसा उदास है। अपनी महंगाई से बड़े-बड़ों को समृद्ध करने वाला प्याज श्रीहीन है, उदास है। प्याज आज उदास है, कल उदास नहीं था। कल तक प्याज, सेब से भी सुर्ख, सुर्खियों में था।

चुनाव आने वाले हैं और प्याज अनुपलब्ध हो गया, या फिर करा दिया गया। इस देश में जो जितना महंगा और अनुपलब्ध है वो उतना ही महान है। महान बनने के लिए अनुपलब्ध होना पड़ता है। चुनाव में हारा हुआ नेता उपलब्ध हो जाता है, मंदी की मार सहता है। जीता हुआ नेता सिक्योरिटी गार्ड से घिरा अनुपलब्ध होता है, उसकी पूछ और पूंछ बढ़ जाती है।

प्याज जी, महंगाई का ताज सिर पर धारण किए गली-मोहल्ले की शोभा बढ़ा रहे थे। अपने भक्तों से घिरे प्याज जी, रथ पर सवार, मेरे मोहल्ले की भी शोभा बढ़ाने आए। पत्नी ने कहा-अजगर बनना छोड़ों पतिदेव, मोहल्ले में प्याज देवता की सवारी आई है। जाओ और उनके दर्शन करो और कुछ आशीर्वाद ले आओ।'

प्रेम जनमेजय
वरिष्ठ व्यंग्यकार

मैंने प्याज जी को प्रणाम किया और कहा- हे, सरकारों को पतित करने वाले पतितपावन, जय हो! हे आम आदमी के साथी, तुम फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी हिलाने आ गए? मुख्यमंत्री बहुत रुष्ट होंगे।'

प्याज जी बोले- नहीं, आम जनता! मुख्यमंत्री ने तो बिना खांसे मुझे साष्टांग प्रणाम किया।

- साष्टांग प्रणाम! पर इतिहास गवाह है कि तुम्हारे महंगा होते ही सरकारों के सिंहासन डोलने लगते हैं। सरकार जन लुभावनी वायदों की अप्सराएं भेजने लगती है। मुख्यमंत्री ने तुम्हें साष्टांग प्रणाम किया, तुम्हे!

प्याज जी बोले- इस मुख्यमंत्री की महिमा को, बड़े-बड़े बाबा, योगेंद्र, विश्वास के बर्तन, प्रशांतमना, इसकी अन्ना तक नहीं जान पाई, तू बिना पार्टी का, आम आदमी क्या जानेगा? इसके भ्रमजाल को समझना कठिन है। मुख्यमंत्री ने मुझ प्याज को प्रणाम कर कहा कि उचित समय पर आए हो। इतना पैसा पड़ा था बांटने को, कोई बहाना नहीं मिल रहा था। अब प्याज के नाम पर बाटेंगे। हमारे कदम से सब प्रसन्न होंगे- जनता, सटोरिये, प्याज बेचने वाला विभाग और हम। प्याज खाने वालों के दिन नहीं बदलते हैं, प्याज का व्यापार करने वालों के दिन बदलते हैं।'

- ये कैसी जादू की छड़ी है जिससे 'आपके' विरोधियों को छोड़ सब प्रसन्न होंगे?

जादूगर मुख्यमंत्री बोले-सस्ता। हमारी जनता सस्ते को मुफ्त समझती है। सस्ता कहकर कूड़ा भी बेचो बिक जाता है। हम महंगे दाम पर, गले-सड़े प्याज, बिना चुने लेते हैं। सटोरिये से प्याज लेते हुए भी कमाते हैं और जनता को सस्ता बेचते हुए भी। सटोरिया सड़े-गले प्याज खरीदने के बदले, हमें चंदा देगा। जनता सस्ते प्याज के बदले अपना महंगा वोट देगी। श्राद्धों में तुम्हारी एंट्री भी बढ़िया रही, सही महंगाये। नवरात्र में तो लोग वैसे ही तुम्हारा बहिष्कार कर देते हैं। तुम चुनाव बाद किसी झोपड़ी से महंगाते नहीं गंधाते, अछूत हो जाते।'

प्याज मुझ मतदाता को व्यंग्य से देख मुस्कराया और बोला- देखा, ठीक से न चुनो तो, सस्ते में सरकार ही नहीं मुझ जैसा गला-सड़ा प्याज भी बिक जाता है।

मैंने कहा - आप तो प्याज देवता हो गए हैं, अपना मंदिर बनवा लो।

- मंदिर! तुम मुझे कोर्ट कचहरी के चक्कर लगवाना चाहते हो।

- नहीं प्रभु मैं विवादाग्रस्त मंदिर निर्माण के लिए नहीं कह रहा हूं। मंदिर चल जाए तो लाभ ही लाभ हैं। खूब चढ़ावा चढ़ेगा। काजर की कोठरी बनेगी। काले को सफेद करने का तीर्थ बनेगा। चुनाव जिताने की दानपेटी बनेगी।''

अपना मंदिर किसे प्यारा नहीं होता। मंदिर से स्वार्थ सधे तो क्या कहने! प्याज जी बोले- मेरे मंदिर का निर्माण कार्य आरंभ कर दो, चढ़ावे का बीस परसेंट तुम्हारा। बोल प्याज देवता की...

मैंने कहा, 'जय!'

पर यह जय जयकार शीघ्र उदासी में बदल गयी। मुख्यमंत्री ने बिहार वालों के लेकर विवादाग्रस्त बयान दे दिया। विवादाग्रस्त बयान सुर्खियों में आ गया है। प्याज की सुर्खी मद्धम पड़ गई है।

प्याज उदास है।

सावन की बूटियों में है बड़ी ताकत

काम की दुकान

गुरुग्राम जैसा शहर जिसे विदेशी कंपनियों का हब माना जाता है। जो बड़े-बड़े रेस्त्रां, होटल, मॉल और अस्पतालों से समृद्ध है उस शहर में जुंदबेदस्तर, वीर बूटी, सालन पंजा, जैसी जड़ी बूटियां अगर तलाश करनी पड़े तो नामुमकिन सा लगता है। आप सोच रहे होंगे कि यहां ये बूटियां कैसे मिलेंगी, इसके लिए तो किसी पहाड़ी क्षेत्र में जाना होगा, लेकिन आपको कहीं भी जाने की जरूरत नहीं है। बस गुरुग्राम शहर के सदर बाजार स्थित सावन पंसारी की दुकान पर पहुंच जाएं। इस दुकान पर आपको हजारों ऐसी दुर्लभ जड़ी बूटियां मिल जाएंगी जिसका आपने नाम

ऐसे पहुंचे : सावन पंसारी की दुकान पर सदर बाजार से पैदल ही पहुंचा जा सकता है।

तक नहीं सुना होगा। तीन पीढ़ियों से चली आ रही यह दुकान आज भी ग्राहकों के बीच अपनी पैठ बनाए हुए है।

खिलौने से खेलने की उम्र में जड़ी बूटियों को पहचानना, उन्हें अलग करना और उनके उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की उत्सुकता हर किसी में नहीं दिखती। दुकान की तीसरी पीढ़ी के संचालक ओम प्रकाश ने जब से होश संभाला अपने आपको जड़ी बूटियों और सूखे मेवों के बीच घिरा पाया। जड़ी बूटियों के प्रति उनका

सदर बाजार स्थित सावन पंसारी की दुकान जागरण

लगाव ही है कि वे 63 वर्षों से दुकान संभालते आ रहे हैं। अब उनके बेटे अमन ने एमबीए करने के बाद दुकान का दायित्व अपने कंधों पर उठाने की तैयारी कर ली है।

हजार प्रकार की जड़ी बूटी मौजूद: अगर आपको किसी हकीम या वैद्य ने किसी जड़ी बूटी का सेवन करने को कहा है और कहीं भी वह उपलब्ध न हो तो इस दुकान पर चले आएं वह आपको यहां सहज ही उपलब्ध हो जाएंगे। शरीर को ताकत व मजबूती देने के लिए जुंदबेदस्तर, वीर बूटी, लौकी का तेल, शिलाजीत, सालन पंजा, सफेद मुसली, संतावर जैसी बूटियां लेने के लिए देश के कोने-कोने से लोग यहां आते हैं। ओम प्रकाश के मुताबिक इस तरह की तकरीबन एक हजार प्रकार की जड़ी बूटियां यहां मौजूद हैं।

अनुभव से करते हैं पहचान : इस दुकान की स्थापना 1956 में ओमप्रकाश के दादा उद्धव दास ने की थी। 55 वर्षों से दुकान पर काम करने वाले राम अवतार कहते हैं कि वे अनुभव से जड़ी बूटियों की पहचान कर लेते हैं। जड़ी बूटियों के अलावा सूखे मेवे भी दुकान की पहचान हैं। अमेरिकन सूखे मेवे, कैलीफोर्निया गुलबंदी व मामरा बदाम, सालन मिश्री, कंधार के चिलगोजे व कश्मीरी केसर यहां आसानी से उपलब्ध हैं।

प्रियंका दुबे मेहता

अनुसंधान परिषद में है पूरे विश्व का इतिहास

फुर्सत का ज्ञान

भारत समेत विश्व के इतिहास को जानने में आपकी रुचि है। पुरातत्व को पढ़ने, प्राचीन काल को जानने में दिलचस्पी है और अपने ज्ञान को और समृद्ध करना चाहते हैं तो भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आइसीएचआर) से बेहतर भला क्या हो सकता है। यहां की दर-ओ-दीवार ऐतिहासिक घटनाओं की कहानियां सुनाती हैं। यहां का पुस्तकालय भी बेहद खास है। इसकी उपयोगिता ही है कि शोधार्थी से लेकर इतिहासकार तक यहां पुस्तकों में डूबे नजर आते हैं। इतिहास, पुरातत्व समेत अन्य विषयों की सैकड़ों किताबें लोगों का ज्ञानवर्द्धन करती हैं। यही वजह है कि विदेश से भी शोधार्थी अध्ययन के लिए यहां का रुख करते हैं।

फिरोजशाह रोड स्थित आइसीएचआर पुस्तकालय के निदेशक जनरल डॉ राजेश कुमार कहते हैं कि 27 मार्च, 1972 को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की स्थापना हुई थी। इसी वर्ष सितंबर महीने में पुस्तकालय की शुरुआत हुई, जिसका मकसद इतिहास के विभिन्न पहलुओं को देश के सामने लाना था। शुरुआत 1225 पुस्तकों से हुई थी और आज यहां करीब 41 हजार किताबें उपलब्ध है।

1700 से अधिक शोध पत्र: यहां इतिहास, पुरातत्व, विकास अध्ययन, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, जनसांख्यिकी, धर्म और राजनीति समेत सरकारी प्रकाशन आदि विषयों पर दुर्लभ किताबें मौजूद हैं। पुस्तकालय चार हिस्सों में बंटा है। हॉल नंबर एक से 4 तक उपयोग होता है। जिसमें हॉल नंबर 1 अध्ययन कमरा है। जबकि दो में इतिहास में किताबें, माइक्रो फिल्म है। तीसरे हॉल में थीसिस एवं निबंध और चौथे में देश विदेश की पत्र पत्रिकाएं रखी गई हैं।

ऐसा इसलिए किया गया है ताकि एक ही जगह पर भीड़ भी ना लगे और पाठकों की विषयवस्तु एक जगह मिल जाए। यहां इतिहास व अन्य विषयों पर 1700 से अधिक निबंध एवं शोध पत्र हैं। माइक्रो फिल्म का शानदार कलेक्शन भी है। इनमें मोनोग्राफी, पांडुलिपियां,

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद पुस्तकालय में अध्ययनरत पुस्तक प्रेमी जागरण

खुलने का समय
सुबह 9.30 से शाम 5.30 तक आप यहां कभी भी आकर अध्ययन कर सकते हैं। रविवार अवकाश रहता है।
ऐसे पहुंचे
मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से पैदल ही जाया जा सकता है।

सरकारी पब्लिकेशन विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है।

जर्नल का विशाल भंडार: द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ यूनाइटेड अरब अमीरात, एशियन स्टडीज, रेडियो कार्बन, मध्यकालीन इतिहास, इस्लामिक स्टडीज, इंडियन फिलॉसफी, इंटरनेशनल अफेयर्स, महात्मा गांधी, कनॉडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री, कंपरेटिव स्टडीज इन सोसायटी एंड हिस्ट्री, हिस्ट्री एंड थ्योरी समेत कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जर्नल पढ़ने का मौका मिलेगा। इसके अलावा साउथ एशिया, अफ्रीकन हिस्ट्री, चीन, मीडिल इस्ट के देशों पर भी जर्नल हैं। जहां तक किताबों की बात है तो आस्पेक्ट ऑफ इंडिया इंटरनेशनल रिलेशन 1700-2000, हिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर इन इंडिया, कल्चरल फंडामेंटल ऑफ मैथमेटिक्स, ट्राइबल रिलीजन, प्राचीन भारत की अर्थव्यवस्था, स्टडीज इन एशियन टेक्सटाइल, इंडियन टूरिज्म, यूरोप इन ट्रांजिशन, द आफ्रिसियन हिस्ट्री ऑफ कोलोनियल डेवलपमेंट, मनुष्य की लौकिक संपदा, राजनैतिक अर्थशास्त्र, संबंधी किताबें पढ़ कर अपना ज्ञान बढ़ा सकते हैं।

शहीदों की डिक्शनरी : अगर आप भारत के शहीदों के बारे में विस्तार से जानना-समझना चाहते हैं तो डिक्शनरी 1857-1947 है। इसमें विभिन्न राज्यों में 1857 से 15 अगस्त, 1947 तक के शहीदों की पूरी जानकारी है। पांच वाल्यूम में कुल सात किताबें हैं। इसमें 13521 को शहीदों की बायोग्राफिकल डिटेल्स हैं। जो आपको शायद ही कहीं पढ़ने को मिले। इसमें शहीद की व्यक्तिगत जानकारी के अलावा विभिन्न रेफरेंस व कोट्स भी दिए गए हैं। ताकि भविष्य में कोई शोधार्थी चाहे तो शोध कर सकता है। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय प्रो. सतीश चंद्र मित्तल भी यहां ज्ञानवर्द्धन के लिए आते थे। चंद दिनों पूर्व ही इनका निधन हो गया।

छात्रों के लिए नहीं है कोई सदस्यता शुल्क : इतिहास के पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों, एमफिल, पीएचडी के छात्रों के लिए कोई सदस्यता शुल्क नहीं है। डीयू, जेएनयू के छात्र यहां नियमित अध्ययन करते हैं।

संजीव कुमार मिश्र

ओटीटी के लिए नियमावली बनाने में सेबी को लगेगा वक्त

नई दिल्ली, प्रेट्र : टेलीकॉम रेगुलेटर सेबी को ओवर-दि-टॉप (ओटीटी) के लिए नियमावली बनाने में समय लग सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सेबी ओटीटी के लिए ग्लोबल स्तर पर प्रयोग में लाए जा रहे नियमों का अध्ययन कर रही है। सेबी को इसमें एक महीने का वक्त और लग सकता है। टेलीकॉम नियामक इस प्लेटफॉर्म के लिए सेक्योरिटी से संबंधित मुद्दों पर खासतौर से नजर बनाए हुए है। ओटीटी सेवा के अंतर्गत ऐसे एप्लीकेशन को शामिल किया जाता है, जो टेलीकॉम ऑपरेटर के नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध रहते हैं।

स्टूडेंट हाउसिंग और रिटायरमेंट होम्स की मांग पिछले कुछ समय के दौरान बढ़ी है। विदेशी निवेशक अच्छे कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स में भी निवेश कर रहे हैं। उनका ध्यान वेयरहाउसिंग सेग्मेंट पर भी है।

— दीपक पारेख, चेयरमैन एचडीएफसी लिमिटेड

अमेरिका के साथ कारोबारी मुद्दे जल्द सुलझने की उम्मीद

- ट्रंप प्रशासन भारत पर ज्यादा टैक्स लेने के आरोप लगाता रहा है
- दोनों पक्ष व्यापार वार्ता को काफी गंभीरता से ले रहे हैं

वाशिंगटन, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उम्मीद जताई है कि भारत-अमेरिका अपने ट्रेड विवाद को आपसी सूझबूझ से सुलझा लेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते कोई साधारण गणित नहीं हैं जिन्हें आसानी से हल कर लिया जाए। इसमें बहुत सारे मुद्दे शामिल होते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर कई दौर की बातचीत चल रही है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस व्यापार वार्ता के लिए भारत आने वाले हैं। वे यहां अपने समकक्ष पीयूष गोयल से बातचीत करेंगे।

अमेरिका की कॉरपोरेट संस्थाओं के एक कार्यक्रम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि उन्हें आने वाली वार्ता से काफी उम्मीदे हैं। दोनों पक्ष बातचीत को काफी गंभीरता से ले रहे हैं। इसके सकारात्मक परिणाम निकलकर आएंगे। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने इससे गंभीर मुद्दों को हल होते हुए देखा है। दोनों देश बहुत सारे ऐसे मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं, जो दोनों के लिए समान महत्व के हैं और इसमें उन्हें कई तरह की कठिनाइयों से दो-चार होना पड़ रहा है। कुछ समस्याएं पहले से बनी हुई हैं और वे इस समय प्रमुखता से सामने आ गई हैं, क्योंकि ट्रंप प्रशासन उनपर फोकस कर रहा है। इन मुद्दों को दूसरा प्रशासन किसी अन्य तरीके से उठा सकता था।

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच न्यूयॉर्क में हुई मुलाकात से पहले दोनों देशों के बीच कई दौर की सफल वार्ता हुई थी। हमें लगता है कि व्यापार वार्ता पूरी तरह से सफल होने के लिए अभी और वक्त चाहिए। गौरतलब है कि भारत-अमेरिका में कारोबार पर विवाद उस वक्त बढ़ गया, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अत्यधिक टैक्स लेने का आरोप लगाया। ट्रंप ने भारत को टैक्स किंग बताते हुए कहा था कि अब अमेरिका यह स्वीकार नहीं करेगा। ट्रंप प्रशासन भारत पर अक्सर आरोप लगाता रहा है कि यह अमेरिकी उत्पादों पर बहुत अधिक टैक्स वसूलता है। इसी वर्ष जून में अमेरिका ने भारत से जीएसपी का दर्जा वापस ले लिया था। जीएसपी की वजह से भारत 2017 में अमेरिका को 5.7 अरब डॉलर का निर्यात करने में सफल रहा था।

क्लाइमेटिक जोन आधारित खेती से कृषि क्षेत्र को मिलेगी रफ्तार

बदलाव मांगती खेती

- खेती में क्लाइमेटिक जोन को नजरअंदाज करना पड़ रहा भारी
- नकदी फसलों के दबाव में जल-बहुल फसलों की खेती पर जोर

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

सबका पेट भरने वाला कृषि क्षेत्र अब खुद की समस्याओं के पहाड़ से दबता जा रहा है। उबारने की इसकी जितनी कोशिश हुई, वह उतनी ही मुश्किलों के दलदल में धंसता जा रहा है। हरित-क्रांति की सफलता की खुमारी में डूबा कृषि क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा लगातार नजरअंदाज होता रहा, जिसके चलते खेती की मूलभूत जरूरतों और बुनियादी ढांचों पर गंभीरता नहीं बरती गई। यही वजह है कि मौजूदा खेती खुद के साथ किसानों के लिए मुश्किलों का सबब बन गई है। थम गई विकास की दर को बढ़ाने के लिए खेती में वैज्ञानिक बदलाव जरूरी हो गया है।

दरअसल भारत ने अनाज पैदा करना और उत्पादन बढ़ाना तो सीख लिया, लेकिन सूझबूझ की कमी बनी रही, जिससे खेती की विकास दर थम सी गई है। इसे उभारने और रफ्तार देने के लिए वैज्ञानिक बदलाव जरूरी हो गया है। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर आरबी सिंह का कहना है कि कृषि क्षेत्र की विकास दर को रफ्तार केवल वैज्ञानिक ही एग्रो क्लाइमेटिक जोन के हिसाब से दे सकता है। एग्रो क्लाइमेटिक जोन के हिसाब से पंजाब व हरियाणा धान की खेती के लिए अनुकूल नहीं है। इसी तरह महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में गन्ने की खेती जबर्दस्त आर्थिक लाभ के लिए की जाती है, जो सर्वथा वहां की जलवायु के हिसाब से उचित नहीं है।

वैज्ञानिक बदलाव से ही कृषि क्षेत्र में नवीनता आने की उम्मीद। प्रतीकात्मक

एग्रो क्लाइमेटिक जोन के हिसाब से खेती के विपरीत जिस हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कभी दलहन, तिलहन और मोटे अनाज की खेती होती थी, अब वहां धान व गन्ने की शत प्रतिशत सिंचाई पर निर्भर रहने वाली फसलों की खेती होने लगी है। पंजाब भूजल का अत्यधिक दोहन होने से जल स्तर नीचे चला गया है, जिसे डार्क जोन घोषित कर दिया गया है। नीति आयोग के मसौदे के मुताबिक पूरे देश को 15 एग्रो क्लाइमेटिक जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन को जलवायु और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के अनुरूप बांटा गया है।

हरित-क्रांति के बाद कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर ध्यान नहीं दिया गया। यही वजह है कि देश में धान व गेहूं जैसे अनाज की पैदावार जरूरत से ज्यादा होने लगी, जबकि अन्य पोषक तत्वों वाली फसलों की खेती हाशिए पर चली गईं। दलहनी व तिलहनी फसलों के साथ ज्वार, बाजरा, रागी, मक्की, सावां, कोदो व मडुआ समेत दर्जनभर फसलों की खेती सिमट गई। हैरानी इस बात की है कि पोषक तत्वों से भरपूर इन फसलों की खेती वर्षा आधारित है, जिन्हें सिंचाई की कोई जरूरत नहीं है। तिलहनी फसलों की खेती इतनी कम हो गई है कि खाद्य तेलों के लिए विलायत का मुंह ताकना पड़ता है, जिस पर सालाना 80 हजार करोड़ से अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है।

हरित क्रांति के साथ नीति नियामकों और कृषि वैज्ञानिकों का पूरा ध्यान धान, गेहूं और गन्ने पर केंद्रित रहा। इन फसलों की खेती के लिए नई-नई प्रजातियां, फर्टिलाइजर व कीटनाशक तैयार किए गए। इन फसलों की शत प्रतिशत उपज को समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी मिलने लगी। इन फसलों को मिले प्रोत्साहन से बाकी फसलें नजरअंदाज होती गईं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में गन्ने की खेती हो रही है, जहां के ज्यादातर हिस्सों में पानी की पहले से ही किल्लत थी। कृष्णा व कावेरी नदियों पर बने बांध से खोदी गई नहरों के चलते सामान्य खेती की जगह पानी बहुल वाली फसलों की खेती पर जोर है। नदी के पानी को लेकर राजनीतिक कड़वाहट गंभीर हो गई है। दोनों राज्यों के लोग सिंचाई के पानी के साथ अब पेयजल के लिए हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। डॉक्टर सिंह ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शोध संस्थानों और संबद्ध कृषि विश्वविद्यालय स्थानीय जरूरतों और क्लाइमेटिक जोन के हिसाब स्थापित किए गए हैं।

वजह ▶ चीन में कंपनी के लिए नहीं हैं व्यापार के अनुकूल स्थितियां, मार्केट शेयर घट रहा

सैमसंग ने चीन में आखिरी मोबाइल फोन संयंत्र से भी उत्पादन किया बंद

कंपनी कम लागत वाले देशों में बढ़ा रही है कारोबार

सियोल, रायटर : सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड ने चीन से अपना मोबाइल उत्पादन का कारोबार समेट लिया है। दुनिया की इस सबसे बड़ी मोबाइल फोन निर्माता कंपनी ने कहा है कि चीन में उसके कारोबार के मुफीद स्थितियां नहीं रह गई हैं, इसलिए उसने यहां मोबाइल फोन उत्पादन पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है। कंपनी की आखिरी फैक्ट्री में भी उत्पादन बंद कर दिया गया है। सैमसंग को चीन में स्थानीय कंपनियों की वजह से बड़ा नुकसान पहुंच रहा था। यहां ज्यादातर उपभोक्ता देसी कंपनियों द्वारा बनाए गए बजट फोन में रुचि दिखा रहे थे। वहीं प्रीमियम फोन मार्केट में एपल ने दबदबा कायम कर रखा है। ऐसे में सैमसंग के लिए संभावनाएं सीमित हो गई थीं।

वर्ष 2013 में चीन के मोबाइल फोन मार्केट में सैमसंग की हिस्सेदारी लगभग 15 परसेंट थी, जो अब सिमटकर एक परसेंट के इर्द-गिर्द रह गई है। इसके अलावा चीन में पहले की अपेक्षा मानव संसाधन पर खर्च काफी बढ़ गया है।

चीन अब कंपनी के लिए बड़ा बाजार नहीं रह गया है, वहां हिस्सेदारी लगातार सिकुड़ रही है। फाइल

इकोनॉमिक स्लोडाउन की वजह से भी इसका कारोबार प्रभावित हो रहा है। चीन-अमेरिका के बीच जारी ट्रेड वार के चलते कारोबार लगातार प्रभावित हो रहा है। चीन स्थित सभी कंपनियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इसी वजह से दूसरी कंपनियां भी यहां से अपना बोरिया-बिस्तर समेटने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले जापान आधारित कंपनी सोनी भी चीन में स्मार्टफोन उत्पादन बंद करने की बात कह चुकी है। सोनी अब सिर्फ थाइलैंड में स्मार्टफोन का उत्पादन करेगी। हालांकि एपल यहां अपना उत्पादन जारी रखेगी। सैमसंग ने अपनी प्रोडक्शन यूनिट के स्थानांतरण के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। कंपनी ने कहा है कि वह अपने उत्पादन संयंत्रों को ग्लोबल मार्केट के हिसाब से किसी दूसरी जगह ले जाएगी। कंपनी भारत जैसे कम लागत वाले देशों में अपना कारोबार लगातार फैला रही है।

भारत को होगा फायदा

सैमसंग के इस कदम को भारत में उसकी बढ़ती रुचि के तौर पर भी देखा जा रहा है। कंपनी ने पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान भारतीय बाजार में मैन्यूफैक्चरिंग में पैठ बढ़ाने की पूरी कोशिश की है। सरकार की सकारात्मक नीतियों की वजह से कंपनी भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब के तौर पर देख रही है।

करीब तीन दशक पुरानी थी यह मोबाइल फोन फैक्ट्री

सैमसंग ने 1992 में चीन के होइझो में अपना प्लांट लगाया था। दक्षिण कोरियाई मीडिया के मुताबिक सैमसंग के इस प्लांट ने 2017 में 6,000 लोगों को रोजगार दिया और 6.3 करोड़ यूनिट्स का उत्पादन किया था। इसके अलावा इसी वर्ष ग्लोबल स्तर पर इसने 39.4 करोड़ हैंडसेट बनाए थे।

बीएसएनएल व एमटीएनएल की दशा सुधारने पर पीएमओ बेहद गंभीर

- पीएमओ ने समिति से पूछा कि दोनों कंपनियों का उद्धार संभव है या नहीं
- अगर हो सकता है तो कैसे, इस पर भी विस्तार से बताने को कहा गया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकारी टेलीकॉम कंपनियों एमटीएनएल व बीएसएनएल को वर्तमान दुर्दशा से उबारने की कोशिशों के प्रति प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) बेहद गंभीर दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक दोनों कंपनियों को उबारने के लिए गठित एक उच्च-स्तरीय पैनल से पीएमओ ने स्पष्ट करने को कहा है कि इन्हें लाभकारी हालत में लाया जा सकता है या नहीं, और अगर यह संभव है तो इसे कैसे अंजाम दिया जाएगा।

यह निर्देश तब आया है, जब दोनों कंपनियों के पुनरुद्धार के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा भेजे एक प्रस्ताव पर वित्त मंत्रालय ने आपत्तियां जताईं। उससे पहले दूरसंचार विभाग द्वारा पेश पुनरुद्धार योजना को गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाला मंत्रिसमूह मंजूरी दे चुका था।

अधिकारी ने कहा कि प्रधान सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता वाले पीएमओ पैनल ने पिछले सप्ताह बैठक के दौरान पूछा था कि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) का पुनरुद्धार हो सकता है या नहीं। पैनल ने इन सवालों का जवाब खोजने के लिए सचिवों की एक समिति का गठन किया हुआ है। इस समिति में टेलीकॉम सचिव अंशु प्रकाश के अलावा सार्वजनिक उपक्रम विभाग (डीपीई), नीति आयोग, निवेश व लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के अधिकारी शामिल हैं। यह समिति इसी सप्ताह रिपोर्ट सौंप सकती है।

गौरतलब है कि अमित शाह की अध्यक्षता में गठित मंत्रिसमूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा दूरसंचार मंत्री रवि शंकर प्रसाद भी शामिल हैं। इस मंत्रिसमूह ने जुलाई के मध्य में ही दूरसंचार विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। लेकिन बाद में वित्त मंत्रालय ने प्रस्ताव पर 80 से ज्यादा आपत्तियां जाहिर कीं।

इसी सप्ताह पीएमओ को समिति की रिपोर्ट मिलने की उम्मीद। फाइल फोटो

यह है योजना

दूरसंचार विभाग ने बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए 74,000 करोड़ रुपये की योजना पेश की है, क्योंकि कंपनी को बंद करने से सरकार को करीब 95,000 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। पुनरुद्धार योजना में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के मद में 29,000 करोड़ रुपये, 4-जी स्पेक्ट्रम के मद में 20,000 करोड़ रुपये और इस सेवा को परिचालन में लाने और चलाते रहने के लिए 13,000 करोड़ रुपये शामिल हैं।

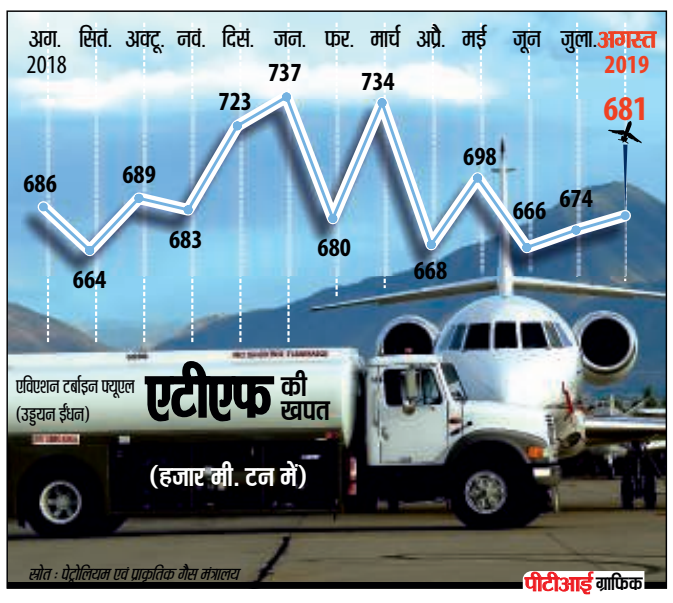

250 जिलों में लोन मेले की शुरुआत

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की विभिन्न बैंकों द्वारा आयोजित लोन मेले के पहले चरण की शुरुआत गुरुवार से हो गई है। यह मेला देश के 250 जिलों में लगाया गया है। यह चार दिवसीय मेला खुदरा ग्राहकों को लोन देने के मकसद से आयोजित किया जा रहा है। मेले में कृषि, वाहन, होम, एमएसएमई और शिक्षा के क्षेत्र में लोन आवंटित किए जाएंगे।

आइसीएआइ जांचेगी पीएमसी बैंक की दुर्दशा में ऑडिटर्स की भूमिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की सर्वोच्च संस्था आइसीएआइ संकट से जूझ रहे पीएमसी बैंक की गड़बड़ियों में इसके ऑडिटर्स की भूमिका की जांच करने जा रही है। इसके लिए आइसीएआइ ने बैंकिंग क्षेत्र के नियामक आरबीआइ और दूसरी संबंधित संस्थाओं से जानकारी मांगी है। संस्था की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि इसने पीएमसी बैंक की जांच से जुड़ी संस्थाओं से इससे संबंधित हर तरह की जानकारी मांगी है। साथ ही 2017-18 में बैंक के खातों से जुड़े ऑडिटर से भी जानकारी देने को कहा गया है।

पीएमसी बैंक की गड़बड़ियों की जानकारी एक व्हिसल-ब्लोअर की शिकायत के बाद सामने आई थी। इसके बाद आरबीआइ ने पीएमसी पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। बैंक को नए लोन देने से रोक दिया गया है, साथ ही बैंक से धन निकासी की सीमा भी तय कर दी गई है। बैंक प्रबंधन पर आरोप हैं कि इसने एचडीआइएल के एनपीए को छिपाने के लिए फर्जी खाते खोले। इसके संवेदनशील जानकारी को जान बूझकर आरबीआइ से छिपाया गया।

फाइल फोटो

- आरबीआइ समेत संबंधित संस्थाओं को लिखा पत्र
- संदेह के घेरे में है बैंक के ऑडिटर्स की भूमिका

पीएमसी के बर्खास्त एमडी ने ऑडिटर्स पर लगाए आरोप

मुंबई, प्रेट्र : पीएमसी बैंक के बर्खास्त मैनेजिंग डायरेक्ट जॉय थॉमस ने बैंक की गड़बड़ियों का ठीकरा ऑडिटर्स के सिर पर फोड़ दिया है। थॉमस ने आरबीआइ को लिखे पत्र में बैंक के खातों में गड़बड़ी की वजह गलत ऑडिटिंग को बताया है। हालांकि पत्र में किसी ऑडिटर का नाम नहीं लिया गया है। वित्त वर्ष 2011 से पीएमसी के खातों को लकड़वाल एंड कंपनी, अशोक जयेश एंड एसोसिएट्स और डीबी केटकर एंड कंपनी ऑडिट कर रही हैं। थॉमस इससे पहले बैंक के एनपीए हो चुके खातों की जानकारी छिपाने की बात स्वीकार कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि बैंक की साख बचाने के लिए प्रबंधन ने बोर्ड के कुछ सदस्यों से मिलकर खातों की जानकारी छिपाई थी।

अब तेरह स्वादों में मिलेगा शहद

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अभी तक आपने अलग अलग खुशबुओं का शहद तो खाया होगा, लेकिन स्वाद सबका एक ही होता था। अब देशभर में मेघालय के आदिवासियों द्वारा निकाला और तैयार किया गया बहुत मीठे से लेकर खट्टे तक की रेंज में कुल 13 अलग स्वादों में शहद मिलेगा। ट्राइफेड में गांधी जी की 150वीं जयंती पर उत्तर-पूर्वी राज्यों के 301 नए उत्पादों को लांच किया है, जिसमें मेघालय का 13 भिन्न स्वादों में उपलब्ध शहद भी शामिल है।

भारत मे शहद का उत्पादन तो काफी होता है लेकिन निर्यात नहीं होता, क्योंकि उसे अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुकूल नहीं पाया जाता। ट्राइफेड के एमडी प्रवीर कृष्णा बताते हैं कि फेडरेशन अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने वाले शहद तैयार करेगा और राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट गुजरात से उसे प्रमाणीकृत कराकर निर्यात भी करेगा।

सरकार के लुक नॉर्थ-ईस्ट मिशन के तहत उत्तर-पूर्वी राज्यों को बढ़ावा देने की नीति बनाई है। इसके तहत उन क्षेत्रों के लांच किए गए 301 उत्पादों में बांस, फल, खाद्य पदार्थ और हस्तकला उत्पाद शामिल हैं। इनमें वहां के किसानों द्वारा पैदा की जा रही खास किस्म की फसलों और चीजों को भी ट्राइफेड ने शामिल किया है। ट्राइफेड नॉर्थ-ईस्ट फार्म सेल्स प्रमोशन के साथ जुड़ा है जो कि वहां के किसानों की खास पैदावारों को बढ़ावा देता है।

प्रतीकात्मक

- ट्राइफेड ने गांधी जयंती पर लांच किए उत्तर-पूर्वी राज्यों के 301 उत्पाद
- इन उत्पादों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी, किया जाएगा निर्यात

सुधार

नकद बचाने की रणनीति के तहत काम करने का मिल रहा फायदा, वित्त वर्ष 2017-18 के अंत में था महज 2,400 करोड़ रुपये का नकद भंडार

आइएलएंडएफएस के पास 5,300 करोड़ रुपये का नकदी भंडार

नई दिल्ली, आइएएनएस : अपने कर्जों के भुगतान में विफल रहने का सिलसिला शुरू होने के एक वर्ष बाद इस वक्त आइएलएंडएफएस ग्रुप के पास 5,300 करोड़ रुपये से अधिक का नकदी भंडार है। इसी सप्ताह जारी रिपोर्ट में इस गैर-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) ने कहा कि दिग्गज बैंकर उदय कोटक के नेतृत्व में कंपनी का बोर्ड अधिक से अधिक कैश सुरक्षित रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसी के तहत पिछले कुछ समय के दौरान कंपनी के नकदी भंडार में खासा इजाफा हुआ है। इस सप्ताह मंगलवार को कंपनी ने कहा था कि सरकार ने कोटक का कार्यकाल अगले एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। कोटक ने कहा कि ग्रुप पर करीब 94,000 करोड़ रुपये का कर्ज है और इसमें से ग्रुप करीब आधे कर्ज की वसूली की उम्मीद कर रहा है।

कंपनी के मुताबिक वित्त वर्ष 2017-18 के अंत में कंपनी का नकदी भंडार महज 2,400 करोड़ रुपये से कुछ ज्यादा था। अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट में कंपनी ने कहा कि नकद भंडार बढ़ाने की संस्कृति के निर्माण के तहत पिछले कुछ समय में कंपनी के कैश रिजर्व में बड़ी बढ़ोतरी हुई है और इस वर्ष अगस्त के अंत में उसका रिजर्व 5,300 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

नकद भंडार में इजाफा कंपनी के लिए बेहद सुकून की बात है। फाइल फोटो

अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट में कंपनी ने यह भी कहा कि आइएलएफएस ग्रुप कंपनियों से अलग इकाइयों को दिए 1,200 करोड़ रुपये तक के कर्ज की इस अवधि के दौरान वसूली हो चुकी है। कंपनी अपने खर्च पर काबू पा चुकी है और वेतन के मद में उसका खर्च 45 फीसद घट गया है। आइएलएंडएफएस ग्रुप की सभी 302 कंपनियों के लिए कर्ज पुनर्गठन योजना बन चुकी है और 36,400 करोड़ रुपये के कर्ज का समाधान भी हो गया है। कुल 5,100 करोड़ रुपये कर्ज वाली तीन कंपनियों के कर्ज का सफलतापूर्वक पुनर्गठन हो गया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष कर्ज पर डिफॉल्ट होने के बाद कंपनी में घोटाले की परतें एक के बाद एक खुलने लगी थीं, जिसने एनबीएफसी सेक्टर दबाव में आ गया।

ऐसे-ऐसे हैं आरोप

आइएलएंडएफएस ग्रुप के घोटाले की एक जांच से पता चला कि समूह के पूर्व प्रबंधन ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों को जमकर तोहफे बांटे थे। इन तोहफों में रियल मैड्रिड फुटबॉल मैच के टिकट से लेकर महंगे विला पर भारी-भरकम छूट और फिटबिट ब्रांड की महंगी घड़ियां व शर्ट्स तक शामिल हैं। समूह में हुए घपलों की चल रही जांच के कारण दो रेटिंग एजेंसियों के बोर्ड ने अपने सीईओ को पहले ही अवकाश पर भेज दिया। रेटिंग एजेंसियों की फॉरेंसिक जांच से कुछ नए सबूत मिले, जिनसे यह संदेह पैदा हुआ कि समूह के पूर्व प्रबंधन ने ऊंची क्रेडिट रेटिंग हासिल करने के लिए रेटिंग एजेंसियों और उनके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करने की कोशिश की थी।

ग्रांट थॉर्न्टन ने सौंपी थी रिपोर्ट

आइएलएंडएफएस के नए बोर्ड ने समूह के लिए पहले काम कर चुकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की फॉरेंसिक ऑडिट करने की जिम्मेदारी ग्रांट थॉर्न्टन को सौंपी थी, जिसने अपनी रिपोर्ट में रेटिंग एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों और उनके परिवारजनों को तोहफे दिए जाने के अनेक मामलों का उल्लेख किया है। ऑडिट में आइएलएंडएफएस के पूर्व प्रबंधन और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के प्रतिनिधियों के बीच निर्धारित अवधि में हुए ई-मेल संवादों का विश्लेषण किया गया। निर्धारित अवधि में केयर, इकरा, इंडिया रेटिंग्स और ब्रिकवर्क जैसी दिग्गज एजेंसियां आइएलएंडएफएस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क (आइटीएनएल), आइएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज (आइएफआइएन) और आइएलएंडएफएस की प्रमुख रेटिंग एजेंसियां थीं।

बड़े शेयरधारकों द्वारा बिक्री से गिरे शेयर : यस बैंक

बेंगलुरु, रायटर : यस बैंक ने कहा है कि उसके शेयरों में बड़ी गिरावट कंपनी के एक शेयरधारक द्वारा भारी संख्या में शेयर बेचने के कारण आई है। बैंक के शेयर पिछले कई सत्रों में गिरावट के दौर से गुजर रहे हैं। मंगलवार के कारोबार में इसके शेयरों में 23 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई थी। यस बैंक के एक प्रमोटर मॉर्गन क्रेडिट्स प्राइवेट लिमिटेड ने 10 करोड़ शेयर ओपन मार्केट में बेच दिए थे। शेयर मार्केट को बैंक की ओर से बताया गया कि राणा कपूर और यस कैपिटल ने बैंक में अपनी 2.16 परसेंट की हिस्सेदारी बेच दी है। मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी दोनों जगह यस बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। उधर बैंक ने बुधवार को जारी एक वक्तव्य में कहा है कि इसकी वित्तीय स्थिति मजबूत और नियमों के मुताबिक है।

हार्वर्ड में दाखिले में भारतीय मूल के छात्रों से भेदभाव नहीं

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : भारत में कॉलेज में दाखिले में आरक्षण जैसे मामले में अमेरिका में एक संघीय जज ने भारतीय और अन्य एशियाई मूल के छात्रों के खिलाफ फैसला सुनाया है। छात्रों ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ दाखिले में उनके साथ भेदभाव करने और अन्य नस्ल के छात्रों को वरीयता देने का आरोप लगाया था।

जज एलिसन बरोज ने मंगलवार को दिए फैसले में कहा कि उच्च शैक्षणिक और सामाजिक प्रतिष्ठा वाली यूनिवर्सिटी की दाखिला नीति एशियाइयों के खिलाफ 'नस्लीय दुश्मनी या सचेत पूर्वाग्रह' से प्रेरित नहीं थी और यह नस्लीय विविधता को बढ़ावा देने के लिए थी। हालांकि, कोर्ट के पहले के निर्णयों में भारत की जाति आधारित कोटा की तरह नस्ल आधारित कोटा को गैरकानूनी ठहराया गया था। हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों ने सामान्य प्रवेश परीक्षा के अंकों के अलावा अन्य मानदंडों को अधिक महत्व देकर दाखिले में एशियाई मूल के छात्रों की संख्या सीमित करने की कोशिश की है, जो प्रवेश परीक्षा में बहुत ज्यादा अंक हासिल करते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने अदालत में एशियाई मूल के छात्रों का समर्थन किया था। प्रशासन ने कहा था कि किसी भी अमेरिकी छात्र को उसकी नस्ल के आधार पर स्कूलों में दाखिला देने से रोका नहीं जा सकता। एशियाई छात्रों की तरफ से मामला दायर करने वाले संगठन 'स्टूडेंट्स फॉर फेयर एडमिशन' (एसएफएफए) ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर वह सुप्रीम कोर्ट तक यह लड़ाई लड़ेगा।

सुरक्षा परिषद में भारत का न होना संयुक्त राष्ट्र की साख पर सवाल : जयशंकर

मजबूत दलील ▶ विदेश मंत्री ने कहा, स्थायी सदस्य बनने को लेकर भारत का पक्ष मजबूत

उम्मीद जताई, रूस से एस-400 खरीदने के पीछे के तर्क को समझेगा अमेरिका

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारत ने मंगलवार को कहा कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। इसके लिए भारत का पक्ष मजबूत है। भारत के बिना सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन में अमेरिकी थिंक टैंक 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' में विदेश नीति पर भाषण देने के बाद लोगों से यह बात कही।

जयशंकर ने कहा, 'यदि आपके पास, ऐसा संयुक्त राष्ट्र है जिसमें - संभवतः 15 साल में बनने वाला-दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश निर्णय लेने वालों में शामिल नहीं है, तो मैं मानता हूं कि इससे वह देश प्रभावित होता है। लेकिन मेरा यह भी मानना है कि इससे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है।'

रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के फैसले पर जयशंकर ने कहा, 'भारत ने एस-400 पर फैसला कर लिया है और हमने अमेरिकी सरकार से भी इस पर चर्चा की है। मैं उन्हें उचित तरीके से इस संबंध में समझाया है। मुझे उम्मीद है कि ये लोग यह बात समझेंगे कि यह सौदा हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है।'

विदेश मंत्री ने यूएस-इंडिया स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम में भी हिस्सा लिया। एएनआइ

भारत-अमेरिकी संबंधों में नाटकीय बदलाव : विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पिछले 20 वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में नाटकीय बदलाव आए हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं और चुनौती यह है कि इसकी गति को तेज कैसे किया जाए। दोनों देशों के बीच कारोबारी विवाद पर विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश इसे दूर करने के उपाय तलाश लेंगे।

पाक की योजनाएं धरी रह जाएंगी : विदेश मंत्री ने कहा भारत जैसे ही जम्मू-कश्मीर में विकास को गति देगा, पाकिस्तान की सारी योजनाओं पर पानी फिर जाएगा जो वह पिछले 70 साल से कश्मीर के खिलाफ रच रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में मोबाइल सेवाएं फिलहाल इसलिए बंद रखी गई हैं ताकि भारत विरोधी ताकतों को उग्र होने एवं एकजुट करने की मंशा से इंटरनेट और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने से रोका जा सके।

अमेरिका-चीन विवाद का दुनिया पर पड़ेगा असर : विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका और चीन के बीच मौजूदा विवाद के परिणाम का शेष दुनिया पर बड़ा असर पड़ेगा और इससे वैश्विक मामलों को ले कर नया रुख विकसित होगा। उन्होंने कहा कि यह कुछ ही साल पहले सुने गए वैश्वीकरण के सुकून देने वाले मंत्रों से एक दम अलग है।

तेल आयात पर भारत से निराश नहीं है ईरान : जयशंकर ने कड़े अमेरिकी प्रतिबंधों के मद्देनजर ईरान से तेल नहीं खरीदने पर भारत से तेहरान के निराश होने की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि ईरान के साथ भारत के मजबूत राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध हैं। उन्होंने कहा, 'ईरानी वास्तविक सोच रखते हैं। हम एक-दूसरे की मजबूरियों और संभावनाओं को समझते हैं।'

हमेशा से प्रभावित करती रही है चीनी सेना की परेड : चीनी सेना की परेड को लेकर सवाल पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चीनी सेना की परेड हमेशा से प्रभावित करने वाली रही है। उन्होंने याद किया कि चीन में भारत के शीर्ष राजनयिक के तौर पर उन्होंने 10 साल पहले भी ऐसी ही एक परेड देखी थी। तब भी परेड बड़े स्तर पर की गई थी और उसने प्रभावित किया था।

अफगान मामले में भारत को सुझाव नहीं देने चाहिए

वाशिंगटन, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत के अफगानिस्तान के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं लेकिन जब युद्ध पीड़ित देश में शांति स्थापना के प्रयास चल रहे हैं, तब ऐसे में उसे अफगान समस्या के समाधान के लिए सुझाव नहीं देने चाहिए। जयशंकर ने उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान में चीजें भले ही किसी भी दिशा में आगे बढ़ें, पिछले 18 साल की विपुल उपलब्धियों की रक्षा की जाएगी।

ब्रेक्जिट पर समझौते के लिए ब्रिटेन अभी भी आशान्वित

मैनचेस्टर, रायटर : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ब्रेक्जिट के मुद्दे पर यूरोपीय यूनियन (ईयू) के सामने अंतिम प्रस्ताव रख दिया है। कहा है कि ब्रसेल्स यदि इसको तवज्जो नहीं देगा तो ब्रिटेन यूरोपीय यूनियन के साथ वार्ता रोक देगा और 31 अक्टूबर को को बिना शर्त समूह से संबंध विच्छेद कर लेगा।

कंजरवेटिव पार्टी के वार्षिक सम्मेलन के समापन भाषण में जॉनसन ने ब्रेक्जिट को लेकर अपना कड़ा रुख जाहिर किया। कहा कि न्यायोचित समझौते के लिए प्रस्ताव रखा गया है। देखना है कि इस पर यूरोपीय यूनियन की राजधानी ब्रसेल्स का क्या रुख रहता है। कुछ विश्लेषक यूरोपीय यूनियन से ब्रिटेन के अलगाव को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप की सबसे बड़ी गतिविधि मान रहे हैं। भले ही वह सशर्त हो या बिना शर्त के।

जॉनसन ने कहा, उन्हें भय है कि ब्रेक्जिट प्रक्रिया पूरी न होने पर देश के लोगों को यह महसूस होगा कि उन्हें साढ़े तीन साल तक मूर्ख बनाया गया है। शुरू से ही देश में ऐसी कुछ ताकतें सक्रिय हैं जो नहीं चाहतीं कि ब्रेक्जिट की प्रक्रिया पूरी हो। इसलिए अब जरूरी हो गया है कि 31 अक्टूबर को ब्रेक्जिट की प्रक्रिया पूरी हो और 2020 में देश इससे आगे बढ़े। 17-18 अक्टूबर को होने वाले यूरोपीय यूनियन समिट में तय हो जाएगा कि ब्रेक्जिट सशर्त होगा या बिना शर्त। वैसे संसद ने प्रस्ताव पारित कर बिना शर्त ब्रेक्जिट पर रोक लगा दी है लेकिन प्रधानमंत्री जॉनसन किसी भी तरह से 31 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन से अलगाव की घोषणा पर अडिग हैं। यूरोपीय यूनियन की समिट में तय हो जाएगा कि प्रक्रिया किस तरह से पूर्ण होगी।

जॉनसन ने कहा, हम हर हालत में 31 अक्टूबर को अलग होंगे

बोरिस जॉनसन। फाइल

वैसे यूरोपीय यूनियन ब्रिटेन से लगातार कहता रहा है कि प्रक्रिया को कानूनी और चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। लेकिन जॉनसन की पूर्ववर्ती टेरीजा मे ने जब इस तरह से चलने की कोशिश की तो उन्हें विफलता ही हाथ लगी। संसद ने ब्रेक्जिट पर लाए सरकार के प्रस्ताव तीन बार नकार दिया। इसी के बाद टेरीजा को पद छोड़ना पड़ा और उनके बाद प्रधानमंत्री बने जॉनसन ने मनमर्जी से आगे बढ़ने का फैसला किया।

न्यूज गैलरी

ऑस्ट्रेलियाई किशोर ने ली ट्रक चढ़ाकर 20 कंगारुओं की जान

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया में जानवरों के प्रति क्रूरता का बेहद गंभीर मामला सामने आया है। बीते शनिवार की रात सिडनी से 450 किलोमीटर दूर टूरा बीच की सड़क पर 19 साल के युवक ने 20 कंगारुओं को अपने ट्रक के नीचे कुचल दिया। आरोप है कि वह करीब एक घंटे तक उन पर अपनी गाड़ी चढ़ाता रहा। पुलिस ने रविवार सुबह मौके से दो बच्चों समेत 20 कंगारुओं के शव बरामद किए। जानवरों के प्रति क्रूरता के आरोप में उस युवक को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। न्यू साउथ वेल्स राज्य में सड़क हादसों में पहले भी कंगारुओं की मौत होती रही है। लेकिन पहली बार जानबूझकर कंगारुओं की हत्या किए जाने से स्थानीय निवासी स्तब्ध हैं। (एएफपी)

चिड़ियाघर से चीता चुराने में पकड़ा गया फ्रांसीसी नागरिक

लिली : फ्रांस की पुलिस ने मौबीग चिड़ियाघर से काले चीते के छह माह के शावक की चोरी के मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इस काले चीते को दो हफ्ते पहले उत्तरी फ्रांस के लिली शहर की एक छत से पकड़ा गया था। माना जा रहा है कि वह समीप के एक अपार्टमेंट से निकलकर वहां पहुंच गया था। यह अपार्टमेंट गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का था। पुलिस को आशंका है कि वह पशुओं की तस्करी से जुड़ा हो सकता है। लिली के अभियोजन दफ्तर के अनुसार, संदिग्ध शख्स ने अवैध तरीके से इस संरक्षित जीव को अपने अपार्टमेंट में रखा था। उसने शावक के पंजे काट दिए थे। बेल्जियम की सीमा से लगे मौबीग शहर के मेयर अर्नाड डीकेजनी ने बताया कि शावक को अब जंगली पशुओं के पुनर्वास केंद्र में भेजा जाएगा। (एएफपी)

पाकिस्तान में हिंदू छात्रा की मौत की न्यायिक जांच शुरू

लरकाना : पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू छात्रा नमृता कुमारी की मौत के मामले में न्यायिक जांच शुरू हो गई है। प्रांतीय सरकार की अपील पर हाई कोर्ट ने न्यायिक जांच की अनुमति दी थी। न्यायिक समिति ने नमृता के साथ पढ़ने वाले छात्रों, हॉस्टल वार्डन के अलावा मामले से संबंधित अन्य सभी लोगों को नोटिस जारी किया है। नमृता के भाई और पिता को भी समन जारी किया गया है। शहीद मोहतरमा बेनजीर भुट्टो मेडिकल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाले बीबी आसिफा डेंटल कॉलेज से पढ़ाई कर रहीं नमृता 16 सितंबर को हॉस्टल के कमरे में मृत मिलीं थीं। यूनिवर्सिटी इसे आत्महत्या बता रही है। पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट भी इसे आत्महत्या बता रही है, लेकिन नमृता के भाई का कहना है कि हत्या हुई थी। (आइएएनएस)

इजरायली पीएम के खिलाफ खुले भ्रष्टाचार के तीन मामले

यरुशलम, आइएएनएस : इजरायल की सत्ता में बने रहने के लिए मुख्य विपक्षी दल के साथ मिलकर साझा सरकार बनाने के प्रयास में जुटे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना होगा। इजरायल के अटॉर्नी जनरल अविचाई मंडेलब्लिट ने नेतन्याहू के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े तीन मामलों को बुधवार को खोल दिया। इनकी सुनवाई शनिवार से शुरू होगी। नेतन्याहू को हालांकि पेशी से छूट मिली हुई है। दस वकीलों की टीम इन मामलों में उनका पक्ष रखेगी।

शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर आरोप तय करने से पूर्व होने वाली इस सुनवाई में उनके वकीलों के पास मंडेलब्लिट को यह समझाने का मौका होगा कि वह उनके मुवक्विल को रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वास तोड़ने के मामलों में आरोपित नहीं करें। चार दिन तक चलने वाली सुनवाई में पहले दिन रिश्वतखोरी से जुड़ा मामला पेश किया जाएगा।

पुलिस ने इस मामले को 'केस 4000' नाम दिया है। रविवार को 'केस 1000' पर सुनवाई होगी। जबकि सोमवार को 'केस 2000' पर चर्चा होगी।

खशोगी की हत्या की बरसी में शामिल हुए बेजोस

सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी की पहली बरसी पर बुधवार को तुर्की के इस्तांबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास के समीप आयोजन हुआ। इसमें वाशिंगटन पोस्ट के मालिक और अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस भी शामिल हुए। इस दौरान खशोगी की मंगेतर हेटिस सेंगिज को संबल देते जेफ बेजोस। हेटिस ने खशोगी के लिए न्याय की मांग की। वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार खशोगी की गत वर्ष इस्तांबुल में सऊदी के वाणिज्य दूतावास में हत्या कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ली है। रायटर

छात्र को गोली मारने के विरोध में सरकारी कर्मचारी भी प्रदर्शन में उतरे

हांगकांग, रायटर : स्कूली छात्र को आंदोलन के दौरान गोली मारे जाने की घटना के विरोध में बुधवार हांगकांग में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी, स्कूली छात्र, युवा और बुजुर्ग एकत्रित हुए और उन्होंने विरोध मार्च किया। ये लोग सरकार और पुलिस के खिलाफ नारे लगाते हुए मुख्य व्यापारिक क्षेत्र तक गए। मंगलवार को फायरिंग की घटना में घायल छात्र टोनी सांग (18) की हालत स्थिर है, हिंसा में घायल एक सौ से ज्यादा लोगों का भी अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

सरकारी कर्मचारी चैटर गार्डेन इलाके में एकत्रित हुए, उनके साथ सैकड़ों स्कूली छात्र भी आए। न्यू टेरिटरीज स्कूल के बाहर भी छात्रों का प्रदर्शन हुआ। सरकार के विरोध में नारे लगाते ये छात्र हांगकांग की आजादी की मांग कर रहे थे। घायल टोनी सांग इसी स्कूल का छात्र है। प्रदर्शन में शामिल 17 वर्षीय छात्र ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था। हम हांगकांग में ऐसा नहीं होने देंगे। एक पुलिस अधिकारी पर लोहे की छड़ से हमले के जवाब में उक्त अधिकारी ने छात्र पर गोली चलाई थी, जो उसके सीने में लगी। घटना के बाद हांगकांग में हिंसा भड़क उठी थी जिसमें एक सौ से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हांगकांग में ऐसी हिंसा पहले कभी नहीं हुई। चार महीने के आंदोलन के दौरान पुलिस की ओर से दूसरी बार गोली चली है और पहली बार गोली से कोई आंदोलनकारी घायल हुआ है। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अधिकारी ने अपनी जान को खतरा देख आत्मरक्षा में गोली चलाई। अधिकारी की यह कार्रवाई नियमानुसार थी। उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर को चीन गणराज्य की स्थापना की 70 वीं वर्षगांठ थी जिसे पूरे चीन में भव्य तरीके से मनाया गया। लेकिन चीन शासित हांगकांग में विरोध प्रदर्शन की तैयारी थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान ही फायरिंग की घटना हो गई और उसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच भीषण टकराव हुआ।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को एक मॉल पर जमा होकर प्रदर्शन किया। रायटर

पाकिस्तान पहुंचे अमेरिकी दूत और तालिबान के प्रतिनिधि

काबुल, रायटर/प्रेट्र : अफगानिस्तान में अमेरिका के विशेष दूत जालमे खलीलजाद और तालिबान प्रतिनिधिमंडल के सदस्य बुधवार को पाकिस्तान पहुंचे। माना जा रहा है कि दोनों पक्षों में शांति वार्ता फिर शुरू हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले माह तालिबान के साथ हो रही शांति वार्ता रद कर दी थी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान हाल में अमेरिका गए थे, जहां उन्होंने ट्रंप से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच अफगानिस्तान में शांति लाने के मसले पर भी चर्चा हुई थी। इमरान ने तब कहा था कि वह तालिबान को मनाने का प्रयास करेंगे। इस दौरे पर इमरान से खलीलजाद की भी मुलाकात हुई थी।

माना जा रहा है कि वार्ता को फिर पटरी पर लाने के लिए अमेरिकी दूत और तालिबान प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंचा है। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन के अनुसार, मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच गया है, जहां उनकी पाकिस्तान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात होगी।

दोनों पक्षों में दोबारा से शुरू हो सकती है शांति वार्ता

समझौते के करीब थे अमेरिका और तालिबान

ट्रंप ने सितंबर की शुरुआत में तालिबान के साथ शांति वार्ता ऐसे वक्त पर रद कर दी थी, जब दोनों पक्ष समझौते के करीब थे। उन्होंने यह कदम तालिबान के हमले में एक अमेरिकी सैनिक के मारे जाने के बाद उठाया था। अमेरिका और तालिबान के बीच पिछले साल दिसंबर से कतर की राजधानी दोहा में शांति वार्ता चल रही थी। इस वार्ता से यह उम्मीद बढ़ गई थी कि अफगानिस्तान में 18 साल से जारी खूनी संघर्ष के खत्म होने का रास्ता प्रशस्त हो सकता है।

अमेरिका से बातचीत से पहले उत्तर कोरिया ने दागी मिसाइल

सियोल, एएफपी : अमेरिका से बातचीत शुरू करने से पहले उत्तर कोरिया ने फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि बुधवार तड़के उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। पुकुकसोंग मॉडल की इस मिसाइल की रेंज 450 किलोमीटर बताई जा रही है।

पूरब की ओर दागी गई एक मिसाइल जापान की जलसीमा में जाकर गिरी। इस पर विरोध जताते हुए जापान के प्रधानमंत्री एबी शिंजो ने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का सरासर उल्लंघन है। अमेरिका ने कहा है कि वह कोरियाई प्रायद्वीप पर नजर बनाए हुए है।

एक दिन पहले ही अमेरिका ने उत्तर कोरिया के साथ फिर बातचीत शुरू करने पर हामी भरी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधियों की शुक्रवार से वार्ता होनी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस वक्त मिसाइल लांचिंग के पीछे उत्तर कोरिया का मकसद बातचीत से पहले दबाव बनाना है। अपने परमाणु कार्यक्रम के चलते उत्तर कोरिया कई प्रतिबंधों का सामना कर रहा है।

इराक में सरकार के खिलाफ भड़का गुस्सा

राजधानी बगदाद सहित इराक के कई शहरों में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने कई स्थानों पर आगजनी और तोड़फोड़ की। सरकार की नीतियों, बढ़ती महंगाई और घटते रोजगार के अवसर के खिलाफ यहां जबरदस्त नाराजगी है। एपी

विदेशी पिता रहने पर भी ईरानी बच्चों को मिलेगी नागरिकता

दुबई, रायटर : अब ईरान में विदेशियों से शादी करने वाली महिलाओं के बच्चों को भी ईरानी नागरिकता मिल सकेगी। गार्डियन काउंसिल ने इस संबंध में एक नया कानून पारित किया है। मानवाधिकार समूहों ने इस कानून का स्वागत किया है।

काउंसिल ने पहले देश की सुरक्षा के आधार पर प्रस्तावित कानून में कई बदलाव करने का सुझाव दिया था। उनका कहना था कि बच्चे को नागरिकता दिए जाने से पहले उनके विदेशी पिता की जांच की जानी चाहिए। इस बदलाव को शामिल किए जाने के बाद काउंसिल ने उस पर अपनी मुहर लगा दी।

मानवाधिकार समूहों का कहना है कि इससे उन हजारों बच्चों को मदद मिलेगी, जिनकी नागरिकता कानूनी दांवपेच में फंस जाती है। ईरान में बसे अफगानी शरणार्थियों से शादी करने वाली महिलाओं के बच्चों को भी इससे फायदा होगा। बता दें कि ईरान अब तक उन 25 देशों में शामिल था जहां विदेशियों से शादी करने वाली महिलाओं के बच्चों को उनकी नागरिकता नहीं मिल पाती थी। इसकी मांग भी काफी समय से की जा रही थी। अब नया नियम आने से कई लोगों को फायदा होगा।

बड़ा मामला

हाउस इंटेलीजेंस कमेटी के अध्यक्ष ने विदेश मंत्री पोंपियो को गवाहों को रोकने पर दी चेतावनी, ट्रंप पर अपने प्रतिद्वंद्वी बिडेन को फंसाने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति पर दबाव बनाने का है आरोप

महाभियोग की जांच को ट्रंप ने 'तख्तापलट' की साजिश बताया

वाशिंगटन, एएफपी : अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की जांच को लेकर लड़ाई तेज हो गई है। ट्रंप ने जांच के लिए विपक्षी डेमोक्रेट पर हमला बोला है। उन्होंने जांच को 'तख्तापलट' की कार्रवाई बताया है। वहीं, ट्रंप के खिलाफ जांच की अगुआई कर रहे अमेरिकी संसद कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की हाउस इंटेलीजेंस कमेटी के अध्यक्ष एडम शिफ ने जांच को तेजी से आगे बढ़ाने को कहा है। उन्होंने विदेश मंत्री माइक पोंपियो को भी चेतावनी देते हुए कहा कि वह शीर्ष राजनयिकों को कांग्रेस कमेटी के समक्ष गवाही देने से रोकने से बाज आएं।

राष्ट्रपति ट्रंप और डेमोक्रेटिक सांसदों के बीच सत्ता संघर्ष तेज होते जा रहा है। ट्रंप पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन को भ्रष्टाचार के मामले में फंसाने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की पर दबाव बनाने का आरोप है।

ट्रंप का कहना है कि उन्होंने जेलेंस्की के साथ फोन पर बातचीत में कुछ भी गलत नहीं किया है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी कहा कि ट्रंप और जेलेंस्की की बातचीत में कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि, पुतिन के समर्थन का ट्रंप को लाभ मिलने की उम्मीद कम ही है क्योंकि ट्रंप पर पहले के चुनाव में पुतिन की मदद लेने के आरोप लगे थे। ट्रंप ने महाभियोग की जांच का जोरदार तरीके से विरोध किया है। मंगलवार को उन्होंने ट्वीट किया, 'यह महाभियोग नहीं, यह तख्तापलट की साजिश है।' बुधवार को उन्होंने ट्वीट कर एडम शिफ को बीमार बताते हुए कहा कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। इससे पहले उन्होंने शिफ को गिरफ्तार करने की बात कही थी। ट्रंप ने विसलब्लोअर को भी जासूस बताया है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (फाइल फोटो)। एपी

ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले, ट्रंप ने नहीं बनाया था दबाव

सिडनी, रायटर : ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पिछले माह फोन पर हुई बातचीत पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप से फोन पर संक्षिप्त बात हुई थी और उन्होंने कोई दबाव नहीं बनाया था। ट्रंप ने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में रूसी दखल मामले की जांच में ऑस्ट्रेलिया से मदद मांगने के लिए फोन किया था। अमेरिका के विशेष वकील रॉबर्ट मुलर ने इस मामले की जांच पूरी कर गत मार्च में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। न्याय विभाग इस मामले में और जांच कर रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मौरिसन ने ट्रंप से फोन पर हुई बात को लेकर बुधवार को पहली बार कहा, 'बेहद संक्षिप्त बातचीत हुई थी और ऐसा कुछ नहीं था, जिसे मैं दबाव बनाने वाला बता सकूं। राष्ट्रपति ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार और अमेरिकी अटॉर्नी के बीच संपर्क के लिए मुझे फोन किया था।

ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति की बातचीत में शामिल थे पोंपियो

रोम, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के उनके समकक्ष व्लादिमीर जेलेंस्की के बीच फोन पर बातचीत में अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो भी शामिल थे। तीन दिवसीय यात्रा पर इटली पहुंचे पोंपियो ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं फोन कॉल पर मौजूद था।

बातचीत यूक्रेन में अमेरिका की नीति पर केंद्रित थी। दोनों नेताओं ने यूक्रेन में बढ़ते भ्रष्टाचार से निपटने और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ ही रूस से आने वाले खतरे पर चर्चा की थी।'

जब पोंपियो से पूछा गया कि क्या उन्होंने दोनों नेताओं से कुछ ऐसा सुना जो उन्हें खटका हो तो उन्होंने उसका सीधा जवाब नहीं दिया। गौरतलब है कि जेलेंस्की के साथ हुई इसी बातचीत के चलते ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू हुई है।

पोंपियो ने कहा, यूक्रेन में अमेरिका की नीति पर केंद्रित थी वार्ता

25 जुलाई को हुई इस बातचीत में ट्रंप ने कथित तौर पर जेलेंस्की से डेमोक्रेटिक नेता जो बिडेन और यूक्रेनी गैस फर्म में काम करने वाले उनके बेटे हंटर बिडेन के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा था। एक व्हिसल ब्लोअर ने यह बात उजागर की थी। इसके बाद ह्वाइट हाउस ने बातचीत की ट्रांस्क्रिप्ट को सार्वजनिक कर दिया था। बता दें कि पूर्व उपराष्ट्रपति बिडेन 2020 में होने वाले चुनाव में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति प्रत्याशी बनने के प्रबल उम्मीदवार हैं।

ट्रंप मेक्सिको सीमा की दीवार पर बिजली के तार लगाना चाहते थे

वाशिंगटन, एएनआइ : मेक्सिको से आने वाले अवैध प्रवासियों को रोकना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख लक्ष्यों में रहा है। मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए वह जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं। प्रवासियों को रोकने के लिए वह इतने आतुर थे कि उन्होंने दीवार पर बिजली के तार लगाने का प्रस्ताव दिया था ताकि कोई उसे तोड़ने की कोशिश भी ना कर पाए। एक न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, इस साल मार्च में ह्वाइट हाउस के सलाहकारों की बैठक में ट्रंप ने दीवार के बगल में खाई खोदने और उसमें पानी भरकर घड़ियाल और सांप छोड़ने की भी सलाह दी थी।

इस बैठक के अगले दिन उन्होंने दो हजार मील में फैली मेक्सिको सीमा को पूरी तरह बंद करने को कहा था। साथ ही सीमा पार करने की कोशिश करने वालों के पैर पर गोली मारने की सलाह दी थी। बैठक में शामिल हुए ह्वाइट हाउस के कई प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है।

ये भी जानिए

भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने क्रिकेट इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बना दिया। वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर टेस्ट, वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए।

सीएसी प्रमुख के पद से कपिल का इस्तीफा

नई दिल्ली, आइएएनएस: कपिल देव ने हितों के टकराव के मुद्दे पर तीन सदस्यीय एडहॉक क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल इस समिति के प्रमुख थे।

सूत्र ने बताया, 'हां, कपिल देव ने सीएसी प्रमुख के पद से अपना इस्तीफा भेज दिया है। इसे लेकर प्रशासकों की समिति (सीओए) को आधिकारिक घोषणा करनी चाहिए थी कि इस समिति को खत्म कर दिया गया है क्योंकि विनोद राय इस बात को लेकर मुखर है कि सीएसी का गठन केवल भारतीय टीम के मुख्य कोच के चयन के लिए किया गया था। शायद इस मामले में दिग्गज खिलाड़ियों पर हितों के टकराव के जो आरोप लग रहे हैं, उस शर्मनाक स्थिति से बचा जा सकता था।'

इससे पहले शांता रंगास्वामी ने भी हितों के टकराव के मामले के कारण सीएसी से इस्तीफा दे दिया था। बीसीसीआइ के नैतिक अधिकारी डीके जैन द्वारा हितों के टकराव के मुद्दे पर सीएसी को भेजे गए नोटिस से दुखी होकर रंगास्वामी ने यह निर्णय लिया था। कपिल, रंगास्वामी और अंशुमन गायकवाड़ की एडहॉक सीएसी ने ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच और भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोच का चयन किया था। हालांकि, गायकवाड़ ने इस्तीफा नहीं दिया है, इसलिए उन्हें नोटिस का जवाब देना होगा।

पिछले कुछ महीनों में भारतीय क्रिकेट में हितों के टकराव का मुद्दा बहुत ज्यादा उठा है। इसके कारण बीसीसीआइ और सीओए को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण को भी हितों के टकराव का नोटिस भेजा गया था। राहुल द्रविड़ ने पिछले सप्ताह ही नैतिक अधिकारी के नोटिस के बाद उनके सामने पेश होकर अपना पक्ष रखा था।

राय बोले, कपिल को इस्तीफा देने की जरूरत नहीं थी: कपिल देव के सीएसी से इस्तीफा देने के बाद सीओए के सदस्य विनोद राय ने कहा है कि विश्व विजेता कप्तान को इस्तीफा देने की जरूरत नहीं थी क्योंकि उनकी नियुक्ति सिर्फ कोच के चयन के लिए की गई थी।

ओपनिंग टेस्ट में रोहित पास, जमाया शतक

भारत ने पहले दिन बनाए बिना नुकसान के 202 रन, रोहित 115 रन व मयंक 84 रन बनाकर नाबाद

शतक पूरा करने के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा • एपी

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज की भूमिका का शानदार आगाज करते हुए रोहित शर्मा ने शतक जड़ा, जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बुधवार को यहां 59.1 ओवर में बिना विकेट गंवाए 202 रन बनाए। खराब रोशनी की वजह से इसी स्कोर पर खेल रोकना पड़ा और निर्धारित समय से आठ मिनट पहले चायकाल की घोषणा की गई। इसके बाद तीसरे सत्र का खेल बारिश की वजह से शुरू ही नहीं हो सका।

पहले सत्र में कुछ मौकों पर दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में सफल रहे, लेकिन एक बार लय में आने के बाद रोहित (174 गेंद में नाबाद 115) और मयंक अग्रवाल (183 गेंद में नाबाद 84) ने तेजी से रन बटोरे। भोजनकाल से पहले अर्धशतक पूरा करने वाले रोहित ने स्पिनरों को विशेष रूप से निशाना बनाया। वह अपनी पारी में अब तक पांच छक्के और 12 चौके जड़ चुके हैं। अग्रवाल ने अब तक अपनी पारी में 11 चौके और दो छक्के मारे हैं।

रोहित ने ऑफ स्पिनर डेन पीट पर लगातार दो छक्कों के साथ अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया। उन्होंने पदार्पण कर रहे स्पिनर सेनुरान मुथुस्वामी पर एक रन के साथ 154 गेंद में अपना चौथा टेस्ट शतक पूरा किया। अग्रवाल भी अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने दूसरे सत्र में स्पिनर केशव महाराज पर एक्स्ट्रा कवर पर छक्के के साथ अर्धशतक पूरा किया। दूसरे सत्र के अंतिम लम्हों में आसमान में बादल छाने पर खराब रोशनी के कारण चाय का विश्राम निर्धारित समय से आठ मिनट पहले लेना पड़ा। इससे पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों का सतर्कता से सामना करने के बाद रोहित और अग्रवाल सुबह के सत्र में 30 ओवर के खेल के दौरान क्रीज पर सहज दिखे। दक्षिण अफ्रीका ने पिच से टर्न मिलने की उम्मीद के साथ महाराज, डेन पीट और पदार्पण कर रहे मुथुस्वामी के रूप में टीम में तीन स्पिनरों को जगह दी। हालांकि, मुथुस्वामी बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं। सभी की नजरें रोहित पर थीं, जिन्हें टीम प्रबंधन ने टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारने का फैसला किया। रोहित ने तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा की अपनी दूसरी ही गेंद को बैकवर्ड प्वाइंट पर चार रन के लिए भेजा, लेकिन उनका यह शॉट विश्वसनीय नहीं था। रोहित ने इसके बाद वर्नोन फिलेंडर पर भी चौका मारा। पिच से पहले दो घंटे में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों को अधिक मदद नहीं मिली, जिसका रोहित और अग्रवाल ने पूरा फायदा उठाया। फिलेंडर ने कुछ मौकों पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन अधिक गति से गेंदबाजी करने वाले रबादा ने निराश किया। पहले घंटे में रोहित और फिलेंडर के बीच संघर्ष दर्शनीय रहा। अभ्यास मैच में रोहित को दूसरी ही गेंद पर आउट करने वाले फिलेंडर ने चार ओवर के शुरुआती स्पैल में गेंद को दोनों ओर मूव कराके इस सलामी बल्लेबाज को चुनौती दी।

कुछ मौकों पर चूकने के बाद रोहित ने फिलेंडर को आगे बढ़कर खेलने का फैसला किया, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को स्टंप के पास खड़े होने को कहा। पिच से सामंजस्य बैठाने के बाद रोहित ने आकर्षक शॉट खेले। उन्होंने महाराज की गेंद पर आगे बढ़कर लांग ऑन पर सीधा छक्का जड़ा और फिर पीट की गेंद पर भी इस शॉट को दोहराया। रोहित ने मुथुस्वामी पर चौके के साथ 84 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उनका स्वीप शॉट हालांकि विश्वसनीय नहीं था, लेकिन वह भाग्यशाली रहे कि क्षेत्ररक्षक कैच लेने के लिए गेंद तक नहीं पहुंच सका।

पैड पहनकर सीधे बल्लेबाजी करने जाना मुझे सूट करता है : रोहित

कहा, ओपनिंग के समय दिमाग तरोताजा रहता है, छह नंबर पर खेलने पर गेंद रिवर्स स्विंग होती है

विशाखापत्तनम, आइएएनएस: टेस्ट में पहली बार सलामी बल्लेबाजी कर शतक जमाने वाले भारत के रोहित शर्मा का कहना है कि उनको पैड पहन कर सीधे बल्लेबाजी करने जाने वाला खेल सूट करता है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां एसीए-वीसीए स्टेडियम में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को नाबाद 115 रन बनाए हैं। यह रोहित का बतौर सलामी बल्लेबाज पहला टेस्ट शतक है, जबकि उनके टेस्ट करियर का यह कुल चौथा शतक है।

पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद रोहित ने कहा, 'मेरे गेम को यह सूट करता है कि मैं पैड पहनकर जाकर सीधे बल्लेबाजी करूं। मैं पहले जब पांच या छह नंबर पर बल्लेबाजी करता था तो मैं यह नहीं कह सकता कि वह मुझे सूट नहीं किया, लेकिन सलामी बल्लेबाजी के समय आपका दिमाग एकदम तरोताजा रहता है। आपको पता है कि आपको नई गेंद खेलनी है। गेम प्लान थोड़ा आसान रहता है। छह नंबर पर आप जाते हो तो गेंद रिवर्स स्विंग होती है, फील्ड प्लेसमेंट अलग होती है। आपको रन सामने बनाने पड़ते हैं। मुझे लगता है कि मेरे खेल के लिए सीधे पैड पहनकर खेलने जाना सूट करता है।'

रोहित ने अपने सलामी जोड़ीदार मयंक अग्रवाल के साथ 202 रन की अटूट साझेदारी कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। पहले दिन की बल्लेबाजी की रणनीति पर रोहित ने कहा, 'हमने दोनों स्पिनरों को देखा और महसूस किया कि गेंद ज्यादा टर्न नहीं कर रही है और ना ही विकेट में ज्यादा उछाल है तो हमने अपने कदमों का इस्तेमाल किया। हम गेंद के पास जाकर उसे मारना चाहते थे। मैंने फिर अपना खेल खेला। आपने आज जो देखा वह मेरा खेल है। मैं ऐसे ही खेलता हूं। मैं अपने खेल पर टिका रहा। मैं और मयंक ओवरों के बीच में यही बात कर रहे थे कि हम किस तरह गैप निकालें और स्ट्राइक रोटेट करें, क्योंकि इस तरह की धीमी पिच पर स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है, ताकि गेंदबाज अपनी लय हासिल नहीं कर पाएं।'

स्कोर बोर्ड

टॉस : भारत (बल्लेबाजी)

भारत (पहली पारी) 202/0 (59.1 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
मयंक अग्रवाल नाबाद	84	183	11	02
रोहित शर्मा नाबाद	115	174	12	05

अतिरिक्त : (लेबा-1, नोबा-2) 3

कुल : 59.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 202 रन

गेंदबाजी : फिलेंडर 11.1-2-34-0, रबादा 13-5-35-0, केशव 23-4-66-0, पीट 7-1-43-0, मुथुस्वामी 5-0-23-0

टेस्ट में पहली बार ओपनिंग पर उतरी भारतीय जोड़ी की 200 से ज्यादा की साझेदारी

साझेदारी	खिलाड़ी	बनाम	स्थान	वर्ष
410	वीरेंद्र सहवाग-राहुल द्रविड़	पाकिस्तान	लाहौर	2005-06
289	मुरली विजय-शिखर धवन	ऑस्ट्रेलिया	मोहाली	2012-13
202*	मयंक अग्रवाल-रोहित शर्मा	द. अफ्रीका	विशाखापत्तनम	2019/20

टेस्ट में ओपनिंग पदार्पण में शतक लगाने वाले भारतीय

खिलाड़ी	रन	बनाम	स्थान	वर्ष
शिखर धवन	187	ऑस्ट्रेलिया	मोहाली	2012-13
केएल राहुल	110	ऑस्ट्रेलिया	सिडनी	2014-15
पृथ्वी शॉ	134	वेस्टइंडीज	राजकोट	2018-19
रोहित शर्मा	115*	द. अफ्रीका	विशाखापत्तनम	2019-20

177 रनों की पारी रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए खेली थी। अब उन्होंने टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर भी शतक जड़ा

टेस्ट में घर में सर्वाधिक औसत वाले बल्लेबाज

औसत	बल्लेबाज
98.22	डॉन ब्रैडमैन
98.22	रोहित शर्मा
86.25	एडम वोजेज
81.66	डगलस जार्डिन
77.56	जॉर्ज हेडली

नोट : न्यूनतम 10 पारी

115 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले रोहित शर्मा भारत के दूसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने घर में टेस्ट में पिछली छह पारियों में 50 या इससे ज्यादा का स्कोर किया है। उनसे पहले यह काम राहुल द्रविड़ ने किया था

घर में टेस्ट में सर्वाधिक औसत वाले भारतीय बल्लेबाज

औसत	बल्लेबाज
98.22	रोहित शर्मा
69.56	विजय हजारे
64.68	विराट कोहली
61.86	चेतेश्वर पुजारा
55.93	अजहरुद्दीन

शशांक और सीओए के कारण बीसीसीआइ का हुआ नुकसान : एन श्रीनिवासन

करीब ढाई साल बाद आगामी 23 अक्टूबर को बीसीसीआइ चुनावों के साथ बोर्ड को नई शीर्ष संस्था मिलेगी और इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित प्रशासकों की समिति (सीओए) का भी सफर समाप्त हो जाएगा। आइसीसी के पूर्व चेयरमैन और बीसीसीआइ के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन ने सीओए को और आइसीसी के मौजूदा चेयरमैन व पूर्व बोर्ड अध्यक्ष शशांक मनोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीसीसीआइ को कमजोर करने का आरोप लगाया है। बीसीसीआइ चुनाव और भारतीय क्रिकेट से जुड़े तमाम मुद्दों को लेकर **एन. श्रीनिवासन** से **अभिषेक त्रिपाठी** ने विशेष बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :

साक्षात्कार

- **आपकी बेटी रूपा तमिलनाडु क्रिकेट संघ में बतौर अध्यक्ष कुर्सी संभालने वाली बीसीसीआइ की पहली महिला सदस्य हैं। क्या आपने उनके बीसीसीआइ में जाने के लिए कुछ रोड मैप तैयार किया है?**

-रूपा एक योग्य और सक्षम महिला हैं। वह काफी सालों से इंडिया सीमेंट्स में उच्च पद पर हैं और उन्हें बड़ी जिम्मेदारियों को संभालने का अनुभव है। उनको किसी की मदद की जरूरत नहीं है। पढ़ी-लिखी होने के साथ-साथ वह समझदार भी हैं। वह अपने फैसले खुद ले सकती हैं। जहां तक बीसीसीआइ की बात है तो मैं इतना ही कहूंगा अभी तो उन्होंने तमिलनाडु क्रिकेट संघ की जिम्मेदारी संभाली है और वह उसी को पूरा समय देंगी।

- **आप बीसीसीआइ के अध्यक्ष रहे हैं और अब भी आप भारतीय क्रिकेट पर नजदीकी निगाह रखते हैं। आपके बीसीसीआइ से जाने के बाद बोर्ड में आए बदलाव को कैसे देखते हैं?**

-पिछले कुछ सालों में भारत को आइसीसी में अपनी मजबूत स्थिति गंवानी पड़ी जबकि बीसीसीआइ में ऐसे अधिकारी रखे गए हैं जिनको अच्छा-खासा भुगतान किया जाता है। 2015 के बाद से हमें आइसीसी से एक भी पैसा नहीं मिला है। अचानक से नजरिया बदलने लगा है। अब खेलों के विकास के बजाय खिलाड़ियों के विकास पर ध्यान दिया जाने लगा है। मुझे दुख होता है कि हमारा ध्यान भटक चुका है।

- **बीसीसीआइ चुनावों के साथ 23 अक्टूबर के बाद सीओए का सफर भी समाप्त हो जाएगा। क्या आप सीओए के कार्यों से खुश हैं?**

-मैंने पहले भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि सीओए की स्थिति स्पष्ट नहीं थी, लेकिन मुझे बीसीसीआइ के लिए ज्यादा बुरा लगता है। सीओए और शशांक मनोहर के कारण बीसीसीआइ का बहुत नुकसान हुआ है। बोर्ड को इससे उबरना के लिए बहुत कुछ खुद से करना पड़ेगा।

- **हालिया समय में बीसीसीआइ और आइसीसी के संबंधों को आप कैसे देखते हैं?**

-देखिए, बीसीसीआइ ने आइसीसी में अपनी पकड़ गंवा दी है। भारत को आर्थिक नुकसान हुआ है। जो भी नुकसान हुआ है उसके लिए बहुत कुछ करना चाहिए था। आइसीसी ने बीसीसीआइ का पूरा फायदा उठाया। शशांक मनोहर भारत के लिए एक बड़ी भूल साबित हुए। भारत को अब इन चीजों से उबरने के लिए कई कदम उठाने होंगे।

- **एमएस धौनी के साथ आपके बहुत अच्छे संबंध रहे हैं जिनके संन्यास को लेकर इन दिनों बहुत चर्चा हो रही है। इस पर आपकी क्या राय है ?**

-इसके बारे में मीडिया सबसे अच्छे से बता सकता है। 2013 में मैं लगातार मीडिया की खबरों में रहा था, लेकिन मैंने किया क्या था। यहां तक की जवाहर लाल नेहरू और मोहन दास करमचंद गांधी भी इससे अछूते नहीं रहे हैं। मीडिया से कोई नहीं बच पाया है और कुछ ऐसा ही एमएस धौनी के साथ है। एक खास वर्ग धौनी के पीछे पड़ा हुआ है। मुझे यह नहीं समझ में आता कि जब तक एक खिलाड़ी खेल रहा है तब उससे यह पूछने का क्या मतलब है कि आप कब संन्यास ले रहे हैं ? भारतीय क्रिकेट को कई यादगार जीतें उन्होंने दिलाई हैं और क्रिकेट में इतने योगदान के बावजूद एक खास वर्ग उन्हें निशाने पर रखता है, यह जानकर दुख होता है। कोई भी क्रिकेटर उनके खेल के बारे में बात नहीं करता।

- **क्या आपने मीडिया से बचने का कोई सुझाव धौनी को दिया है?**

-नहीं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी से किसी तरह के सुझाव की जरूरत है। लोग पूछते हैं कि क्या धौनी की अभी भी चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान रहेंगे तो मैं उनसे यही कहूंगा कि वह कप्तान थे और और आगे भी वही कप्तान रहेंगे।

- **बीसीसीआइ के सबसे अनुभवी प्रशासकों में से एक होने के नाते आप भारतीय क्रिकेट के भविष्य को कैसे देखते हैं?**

-आज भारतीय क्रिकेट जिस भी मुकाम पर है उसके लिए मैं कई क्रिकेटरों का शुक्रगुजार हूं। साथ ही मैं आइपीएल को भी धन्यवाद देता हूं। अब भारत के हर क्षेत्र से क्रिकेटर आ रहे हैं और अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। अगर सही तरीके से उनकी ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाएगा तो हमारा क्रिकेट यूं ही आगे बढ़ता रहेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत से ही ज्यादातर कमाई होती है लेकिन हमारे साथ गैर नागरिक की तरह बर्ताव किया जाता है। इसे बदलने की जरूरत है। मैंने इसे बदलने की कोशिश की थी, लेकिन शशांक मनोहर और उनकी टीम व सीओए ने फिर से आइसीसी के हाथों में सब सौंप दिया। आज स्थिति यह है कि भारत से कमाया जाने वाला पैसा दूसरों में बांटा जा रहा है। फिलहाल यह मेरा काम नहीं है, लेकिन मुझे जो करना है वह मैं करता हूं। सच्चाई यह है कि आज के समय में मैं अपने कारोबार में बहुत ज्यादा व्यस्त हूं। सबसे पहले तो चुनाव हो जाएं, फिर देखते हैं क्या होता है।

- **तमिलनाडु प्रीमियर लीग काफी विवादों में रही। फिक्सिंग की बातें सामने आईं। क्या अपने उसमें सुधार के लिए कोई कदम उठाए हैं?**

-तमिलनाडु प्रीमियर लीग पर भी सीओए का हमला देखने को मिला। उन्होंने इस लीग को लेकर कई शंकाएं जाहिर कीं और हमने उसकी हर तरह से जांच की। मुझे यकीन है कि इसको लेकर तमिलनाडु क्रिकेट संघ कार्रवाई करेगा। कई देशों में सट्टेबाजी को वैध करार दिया गया है। तमिलनाडु क्रिकेट लीग के दौरान कुछ शिकायतें भी दर्ज कराई गई हैं। अगर इसमें सच्चाई है तो इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। किसी को बचाने और इससे बचने का सवाल नहीं है। अगर जांच में कोई पकड़ा जाता है तो तमिलनाडु क्रिकेट संघ उसके खिलाफ सख्ती बरतेगा।

- **पिछले दो-तीन वर्षों में बहुत कुछ देखने को मिला है। स्पॉट फिक्सिंग के बाद क्या आपने महसूस किया कि आपको निशाना बनाया जा रहा है?**

-बिलकुल। मुझे लगता है कि मैं लोगों के निशाने पर रहा था, लेकिन मैं उनके खिलाफ खड़ा हुआ।

विश्व एथलेटिक्स | भारतीय एथलीट अन्नू भाला फेंक में आठवें स्थान पर रहीं

साब्ले 3000 मी. बाधा दौड़ के फाइनल में

दोहा, प्रेट्र : भारत के अविनाश साब्ले ने नाटकीय हालात में यहां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष 3000 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, जबकि अन्नू रानी क्वालीफाइंग दौर की शानदार फॉर्म को फाइनल में दोहराने में नाकाम रहीं और महिला भाला फेंक स्पर्धा में आठवें स्थान पर रहीं।

महाराष्ट्र के मांडवा के 25 साल के साब्ले विश्व चैंपियनशिप की ट्रैक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी हैं। अविनाश पहले दौर की हीट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के बावजूद शुरुआत में पुरुष 3000 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे, लेकिन इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआइ) ने विरोध किया कि दौड़ के दौरान अन्य धावकों ने उनका रास्ता रोका, जिसके बाद उन्हें फाइनल में जगह दी गई। अविनाश ने हीट में आठ मिनट 25.23 सेकेंड के समय के साथ आठ मिनट 28.94 सेकेंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। वह तीसरी हीट में सातवें और दौड़ में हिस्सा ले रहे कुल 44 धावकों में 20वें स्थान पर रहे। स्पर्धा के दौरान हालांकि दो बार ऐसी घटनाएं हुई जब उनके रास्ते में अवरोध हुआ। एएफआइ ने बाद में अपील दायर करते हुए दावा किया कि अविनाश का रास्ता अन्य धावकों ने रोका और साथ ही आग्रह किया कि उन्हें फाइनल में जगह दी जाए। एक घंटे बाद स्पर्धा के रेफरी वीडियो फुटेज देखने के बाद सहमत हुए कि दो मौकों पर अविनाश के रास्ते में अवरोध हुआ। नियम 163.2 (अवरोध होना) के तहत भारत के विरोध को स्वीकार किया गया और अविनाश को फाइनल में जगह मिली।

बाधा दौड़ में भाग लेते अविनाश • एएफपी

एएफआइ के नीति आयोग के अध्यक्ष ललित भनोट ने कहा, 'हमने अपील दायर की और हमें अनुकूल फैसला मिला, इसलिए अविनाश फाइनल में है, उसे फाइनल में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों में जगह दी गई।' साब्ले के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ, लेकिन शुक्रवार को होने वाले फाइनल में उन्हें 16वें प्रतिस्पर्धी के रूप में जगह दी गई। प्रत्येक हीट में शीर्ष पर रहने वाले तीन धावकों और फिर अगले छह सबसे तेज धावकों ने फाइनल में जगह बनाई। दोनों ही घटनाएं जूनियर विश्व चैंपियन इथोपिया के ताकेले निगाटे से जुड़ी थीं। पहली घटना में साब्ले को एक अन्य प्रतिस्पर्धी के ऊपर से कूदना पड़ा क्योंकि चार-पांच धावक एक-दूसरे के ऊपर गिर गए थे। दौड़ के दौरान ही निगाटे साब्ले के सामने एक अवरोध से टकरा गए, जिसके बाद भारतीय धावक को इस अवरोध पर चढ़कर जाना पड़ा और उन्होंने अहम समय गंवाया।

अन्नू ने किया निराश : दूसरी तरफ सोमवार को क्वालीफाइंग में 62.43 मीटर के प्रयास के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाली अन्नू फाइनल में मंगलवार को 61.12 मीटर का ही सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर सकीं। अन्नू ने 59.25 मीटर के प्रयास के साथ शुरुआत की और फिर यह 27 साल की एथलीट 61.12 मीटर और 60.20 मीटर के प्रयास से शीर्ष आठ में शामिल रही, जिससे उन्हें तीन और थ्रो मिले। अन्नू हालांकि अगले तीन प्रयास में 60.40 मीटर, 58.49 मीटर और 57.93 मीटर की दूरी ही तय कर सकीं और 12 खिलाड़ियों के फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं।

भारतीय मूल के मुथुस्वामी खेले दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट

आगाज

- सेनुरान का टेस्ट पदार्पण करने का सपना हुआ पूरा
- भारत के खिलाफ मौका मिलने से मिली दोहरी खुशी

विशाखापत्तनम, प्रेट्र : बल्लेबाजी ऑलराउंडर सेनुरान मुथुस्वामी का दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का सपना बुधवार को पूरा हो गया और उन्हें इस बात की दोहरी खुशी है कि उन्हें यह मौका अपने मूल देश भारत के खिलाफ मिला। उनका परिवार हालांकि कई पीढ़ी पहले तमिलनाडु से दक्षिण अफ्रीका चला गया था, लेकिन डरबन में रहने वाला 25 साल का यह क्रिकेटर भारत को अच्छी तरह जानता है। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका-ए टीम के साथ भारत का दौरा किया था। उनका जन्म और परवरिश दक्षिण अफ्रीका में हुई, लेकिन मुथुस्वामी का मानना है कि उनका परिवार किसी भी दक्षिण भारतीय परिवार की ही तरह है।

अपने पदार्पण टेस्ट से पहले मुथुस्वामी ने कहा, 'हम मूलतः चेन्नई से हैं। मेरे परिवार के लोग अब भी नागापत्तनम (चेन्नई से लगभग 300 किलोमीटर दूर) में हैं। मेरी कई पीढ़ियां दक्षिण अफ्रीका में हैं, लेकिन भारत से हमारा जुड़ाव है और हमारी संस्कृति भारत की तरह ही है। मेरे माता-पिता को जब मेरे चयन के बारे में पता चला तो वे काफी खुश थे और भारत के खिलाफ मेरे पदार्पण ने इसे और खास बना दिया।'

भारत से जुड़ाव के बारे में पूछे जाने पर मुथुस्वामी ने कहा, 'मैं डरबन में योग करता हूं। दक्षिण अफ्रीका में डरबन में ही सबसे ज्यादा भारतीय आबादी है। हम नियमित तौर पर मंदिर जाते हैं और मेरे परिवार में कई लोग तमिल में बात भी करते हैं। दुर्भाग्य से मैं नहीं बोल पाता हूं, लेकिन मैं भी धीरे-धीरे बोलना सीख रहा हूं।' मुथुस्वामी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 32.72 की औसत से 3403 रन बनाने के साथ 28.65 की औसत से 129 विकेट भी लिए हैं। उन्होंने कहा कि ए टीम के साथ भारत का दौरा और बेंगलुरु स्थित क्रिकेट अकादमी में समय बिताकर उन्होंने खुद को उपमहाद्वीप के हालात के मुताबिक तैयार किया है। उन्होंने कहा, 'आपको यहां गर्मी से सामंजस्य बैठाना होगा। यहां स्पिनरों पर मैच जिताने का काफी दबाव होता है और यह लगातार लय में रहने के बारे में है। घरेलू मैचों में ठीक इसका उलट होता है, जहां हमारी जरूरत चौथी पारी में होती है। बल्लेबाजी में भी मैंने काफी कुछ सीखा है। बल्लेबाजी को यहां के विकेट के मुताबिक बनाने की कोशिश है, जहां गेंद को कम उछाल मिलती है। आपको रिवर्स स्विंग का ज्यादा सामना करना पड़ता है। मुझे लगता है कि मैं यहां काफी कुछ सीख सकता हूं।'

महिला टी-20 का सर्वाधिक निजी स्कोर हिली के नाम

सिडनी, रायटर: ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज एलिसा हिली ने 61 गेंदों पर नाबाद 148 की ताबड़तोड़ पारी खेलकर नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने बुधवार को यहां नॉर्थ सिडनी ओवल में महिला टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक निजी स्कोर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

हिली ने अपना शतक सिर्फ 46 गेंदों पर पूरा किया, जो कि महिला टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों में दूसरा सबसे तेज शतक है। उनके शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के अंतिम मैच में दो विकेट पर 226 रन बनाए।

29 साल की सलामी बल्लेबाज हिली ने 19वें ओवर में छक्का जड़कर टीम की साथी मेग लेनिंग के नाबाद 133 रन के पिछले रिकॉर्ड को पार किया, जो लेनिंग ने जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। हालांकि, इस बार लेनिंग ने सहयोगी की भूमिका निभाई। हिली ने दो दिन पहले ही अपना 100वां टी-20 मैच खेला था। हिली ने अपनी पारी में 19 चौके और सात छक्के भी जड़े।

प्लॉग रन को खेल मंत्री रिजिजू ने दिखाई हरी झंडी

प्लॉग रन के दौरान खेल मंत्री किरन रिजिजू। साथ में हैं पहलवान बजरंग पूनिया • प्रेट्र

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: खेल मंत्री किरन रिजिजू ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर बुधवार को यहां फिट इंडिया प्लॉग रन को हरी झंडी दिखाई। खेल मंत्री व प्लॉगर रिपु दमन के अलावा इसमें दिग्गज खिलाड़ियों, दिल्ली के विभिन्न स्कूली छात्रों, डॉक्टरों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य संस्थानों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी भी उपस्थित थे।

खेल मंत्री ने फिट इंडिया प्लॉग रन का हिस्सा बनने के लिए सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मुहिम समाज के सभी वर्गों को स्वस्थ स्वच्छ, साफ देश की दिशा में आगे ले जाने के लिए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित उस फिट इंडिया की दिशा में प्लॉग रन बस एक शुरुआत है, जहां हर कोई मानसिक और शारीरिक रूप से फिट है। अगर हम सभी फिट हैं, तभी देश फिट होगा। इस तरह के कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किए जा रहे हैं और यहां तक कि विदेशों से भी इस तरह की गतिविधियों के बारे में खबरें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के रन से देश के लोगों में जागरूकता आएगी। फिट इंडिया मुहिम भारत को एक महान राष्ट्र बनाने की दिशा में एक कदम है। आज राष्ट्र के पिता को याद किया जा रहा है और जीवन के सभी क्षेत्रों में स्वच्छता लाने की उनकी सोच को पूरा करने की एक सच्ची श्रद्धांजलि है। नेहरू युवा केंद्र, एनएसएस केंद्र और देश भर के सरकारी और निजी संस्थान भी प्लॉग रन का आयोजन कर रहे हैं।

पीवी सिंधू बोलीं मैं और उपलब्धि हासिल करना चाहती हूं

कोलकाता, आइएएनएस : विश्व चैंपियन भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने बुधवार को कहा कि वह मां देवी दुर्गा का आशीर्वाद लेकर अपने करियर में और ज्यादा उपलब्धि हासिल करना चाहती हैं। सिंधू को यहां दुर्गा पूजा पंडाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। सिंधू ने कहा कि मैं अभी बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं। मुझे दुर्गा पूजा बहुत पसंद है।

मुझे लगता है कि बाबर आजम में वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 रन बनाने की क्षमता है और वह इसे जल्दी कर सकता है।
– शाहिद अफरीदी, पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर

न्यूज गैलरी

पलक और सिद्धार्थ को स्वर्ण

बेंगलुरु : भारतीय गोताखोर पलक शर्मा और सिद्धार्थ परदेसी ने बुधवार को यहां अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत एशियाई आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में 64 पदक जीतकर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा। भारतीय गोताखोरों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया तथा पांच स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित 12 पदक जीतने में सफल रहे। भारत ने इस तरह से इस चैंपियनशिप में 20 स्वर्ण, 24 रजत और 20 कांस्य पदक सहित 64 पदक जीते। पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग ले रही पलक शर्मा ने 5मी/7.5मी प्लेटफॉर्म में 162.70 का अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया। इंडोनेशिया की सुदीरमन नूर नुफिदाह ने रजत और विलाफोर जना मेरी ने कांस्य पदक जीता। (प्रेट्र)

सूरज क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली : दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यन गोवियास और सूरज प्रबोध ने बुधवार को यहां संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय हार्डकोर्ट टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आर्यन ने दूसरे दौर के एक बेहद कड़े मुकाबले में अंवित बेंद्रे को 6-4, 0-6 7-6 से पराजित किया। सूरज को भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त जतिन दहिया को तीन सेट तक चले मैच में 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। नितिन सिन्हा भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। उन्होंने अभिनव एस संजीव को 7-6, 6-3 को हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त निकी पूनाचा और तीसरी वरीयता प्राप्त इशाक इकबाल भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहे। पूनाचा ने धीरज को 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। छठी वरीयता प्राप्त दलविंदर सिंह ने पारस दहिया को इसी अंतर से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रज्ज्वल देव ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करके दक्षिणेश्वर सुरेश को 3-6, 7-6, 6-1 से हराया। (प्रेट्र)

प्रगंनधा, मृदुल की जीत से भारत का विजयी आगाज

मुंबई : ग्रैंडमास्टर आर प्रगंनधा और महिला कैंडिडेट मास्टर मृदुल देनाकर की शानदार जीत के साथ भारत ने बुधवार को यहां शुरू हुई विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप 2019 में जीत के साथ शुरुआत की। अंडर-18 वर्ग में खेल रहे 14 साल के प्रगंनधा ने इटली के बोट्टा मासीमिलियानो को हराया। लड़कियों की अंडर-16 वर्ग में भारत की शीर्ष खिलाड़ी मृदुल ने चेक गणराज्य की क्रिस्टीन ओट्रुबोवा को मात्र 19 चाल में पराजित किया। भारत पहली बार विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। (प्रेट्र)

जोकोविक जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टेनिस डायरी ▶ नोवाक ने सोएदा को 6–3, 7–5 से शिकस्त दी

टोक्यो, एएफपी : सर्बिया के सुपरस्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविक ने जापान के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले गो सोएदा की कड़ी चुनौती से पार पाकर बुधवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविक ने सोएदा को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराने के बाद कहा कि उनके चोटिल कंधे पर अब किसी तरह की परेशानी नहीं है जिसके कारण उन्हें यूएस ओपन के बीच से हटना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'मैं अब लगातार तीन दिन तक खेल चुका हूं। सब कुछ अच्छा चल रहा है।' इस बीच बेल्जियम के तीसरी वरीयता प्राप्त डेविड गोफिन ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा को 1-6, 7-6, 6-0 से पराजित किया। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जॉन मिलमैन ने फ्रांस के एड्रियन मनेरिनो को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया।

मुकाबले के दौरान सोएदा को रिटर्न करते नोवाक जोकोविक। एएफपी

मरे ने नोरी को हराया : ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस प्लेयर एंडी मरे ने कूल्हे की सर्जरी के बाद एटीपी टूर पर पहली बार लगातार दो सिंगल्स मैच में जीत दर्ज करते हुए बुधवार को यहां चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मरे ने ब्रिटेन के अपने साथी खिलाड़ी कैमरन नोरी को लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में 7-6, 6-7, 6-1 से हराया। क्वार्टर फाइनल में मरे का सामना शीर्ष वरीय डोमिनिक थिएम और चीन के वाइल्ड कार्ड धारक झेंग झिझेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। जनवरी में कूल्हे की सर्जरी कराने वाले 32 साल के मरे की सिंगल्स में विश्व रैंकिंग 503 तक गिर गई है और वह वापसी के लिए जूझ रहे हैं।

मेरी कॉम और युवा मुक्केबाजों से पदक की उम्मीद

उलान उदे (रूस), प्रेट्र : छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरी कॉम अपने अनुभव की बदौलत गुरुवार से यहां शुरू हो रही महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में एक बार फिर पदक की दावेदार होंगी, जबकि भारत को युवा खिलाड़ियों से भी पदक की उम्मीद होंगी।

मणिपुर की 36 साल की मेरी कॉम का करियर शानदार रहा है, लेकिन वह 51 किग्रा वर्ग में विश्व खिताब नहीं जीत पाई हैं और रूस के शहर में वह इस खिताब को भी अपनी झोली में डालना चाहेंगी। पूर्व चैंपियन एल सरिता देवी (60 किग्रा) पर भी सभी की नजरें होंगी। उन्होंने ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछली बार की कांस्य पदक विजेता और अपने से कहीं अधिक युवा सिमरनजीत कौर को हराया। इंडिया ओपन की स्वर्ण पदक विजेता नीरज (57 किग्रा) और जमुना बोरो (54 किग्रा) उन पांच मुक्केबाजों में शामिल हैं जो इस चैंपियनशिप में पदार्पण करेंगी और उलटफेर करने में सक्षम हैं। इसके अलावा 75 किग्रा में पूर्व एशियन चैंपियन स्वीटी बूरा पर नजरें रहेंगी।

उन्होंने 2014 में इस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। मेरी कॉम के पसंदीदा रहे 48 किग्रा वर्ग में इस बार मंजू रानी चुनौती पेश करेंगी। भारत ने इस टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 में किया था जब इस चैंपियनशिप की मेजबानी करते हुए उसने मेरी और सरिता के स्वर्ण पदक सहित आठ पदक जीते थे।

अब रीयल के पास रोनाल्डो जैसा कोई नहीं : जॉन

साक्षात्कार

स्पेनिश फुटबॉल क्लब रीयल मैड्रिड से क्रिस्टियानो रोनाल्डो के जाने के बाद से ही इस क्लब की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही। चैंपियंस लीग में टीम को जहां पहले ग्रुप मुकाबले में शिकस्त मिली तो वहीं दूसरे में उसने जैसे-तैसे मुकाबला ड्रॉ कराया। नॉर्वे और इंग्लिश क्लब लिवरपूल के पूर्व फुटबॉलर **जॉन आर्ने रिसे से विकास पांडेय** ने रीयल सहित तमाम मुद्दों पर बात की। पेश है उस बातचीत के प्रमुख अंश :

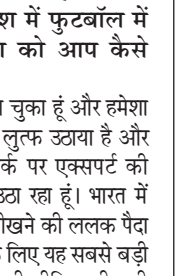

● **चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण के पहले मुकाबले में हमने लिवरपूल, रीयल और चेल्सी को हारते देखा। अब इन टीमों के लिए आगे की राह कितनी आसान और कितनी मुश्किल होगी?**

-देखिए, चैंपियंस लीग में वापसी करना हमेशा मुश्किल होता है क्योंकि इस लीग में दुनिया की शीर्ष टीमें और खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। कम से कम मुझे अपने पूर्व क्लब लिवरपूल से बहुत भरोसा है कि वह अच्छी वापसी करेगा। कोई बड़ी टीम अगर अपना पहला मैच हार जाती है तो वह अगले मैच को जीतने की पूरी कोशिश करती है।

● **आप लंबे समय तक लिवरपूल के लिए खेले हैं जो गत चैंपियन है। क्या आपको लगता है कि मौजूदा सत्र में वह अपने खिताब की रक्षा कर पाएगा?**

-हां, मुझे लगता है कि वे अपने खिताब की रक्षा कर लेंगे। यह एक मुश्किल लीग है जहां आपको अवे और होम मुकाबलों में अच्छी चुनौती मिलती है, लेकिन मेरा मानना है कि लिवरपूल अपनी खिताब की रक्षा करने में सक्षम है। यह मैं इसलिए भी कह रहा हूं क्योंकि इस सत्र का फाइनल इस्तानबुल में खेला जाना है, जहां 15 साल पहले लिवरपूल ने खिताब जीता था। हालांकि, इसके लिए उसे चार-पांच टीमों से कड़ी चुनौती मिलेगी।

● **क्रिस्टियानो रोनाल्डो के जाने के बाद से रीयल मैड्रिड की टीम काफी संघर्ष करती नजर आई है। क्या आपको लगता है कि जिदान की टीम को रोनाल्डो की कमी खल रही है?**

-हां, मुझे लगता है कि रीयल मैड्रिड को रोनाल्डो की कमी खल रही है। रोनाल्डो उच्च स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके नाम रिकॉर्ड गोल दर्ज हैं और वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। वह अपने खेल से विरोधी खेमे में डर पैदा करते हैं। ऐसे में मेरा मानना है कि रीयल ही नहीं, बल्कि किसी भी टीम को रोनाल्डो की कमी खल सकती है। रीयल के पास अब कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसके नाम रोनाल्डो जितने मैच खेलने और गोल करने के रिकॉर्ड हो।

● **फुटबॉल के जानकारों का कहना है कि बार्सिलोना मेसी के बिना कुछ भी नहीं है। क्या आप इससे सहमत हैं?**

-मुझे लगता है कि मेसी के बगैर बार्सिलोना एक अलग टीम नजर आती है। मेसी तब टीम में होते हैं तो वह अग्रिम पंक्ति की कमान संभालते हैं और स्कोर करते हैं। उनकी मौजूदगी मात्र से टीम की स्थिति बदल जाती है। मौजूदा सत्र में यह टीम जिसके लिए जानी जाती है, वैसी नजर नहीं आ रही, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मेसी की वापसी से हालात बदल जाएंगे और बार्सिलोना एक बार फिर अच्छी फुटबॉल खेलता नजर आएगा।

● **हाल ही में मेसी को फीफा का साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आप इस चयन से कितने संतुष्ट हैं?**

-मैं मेसी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। जितने भी खिलाड़ियों के साथ खेला, उनमें मेसी सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस साल फ्रैंकी डि जोंग ने बेहतरीन खेल दिखाया। हालांकि, मेसी को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

● **भारत एक फुटबॉल प्रेमी देश बनने की ओर अग्रसर है। क्रिकेट प्रेमियों के इस देश में फुटबॉल में भारत की क्षमता को आप कैसे आंकते हैं?**

-मैं भारत में खेल चुका हूं और हमेशा मैंने यहां खेलने का लुत्फ उठाया है और अब मैं सोनी नेटवर्क पर एक्सपर्ट की भूमिका का लुत्फ उठा रहा हूं। भारत में बच्चों में फुटबॉल सीखने की ललक पैदा करनी होगी। भारत के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती भी है। भारत की सीनियर टीम भी अच्छा कर रही है। खासतौर से रॉबिन सिंह जैसे खिलाड़ी अच्छा खेल दिखा रहे हैं, जो भारत के लिए अच्छी बात है।

वोहरा के शतक से चंडीगढ़ की शानदार जीत

जागरण संवाददाता, देहरादून

विजय हजारे ट्रॉफी

▶ अरुणाचल प्रदेश की टीम को एकतरफा अंदाज में 90 रन से हराया

▶ चंडीगढ़ के कप्तान मनन ने खेली 108 रनों की नाबाद पारी

मनन वोहरा की शतकीय पारी की मदद से चंडीगढ़ ने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप के लीग मुकाबल में अरुणाचल को 90 रन से हराकर अंक तालिका में बढ़त बनाई।

देहरादून में 24 सितंबर से विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप के लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें बुधवार को चंडीगढ़ व अरुणाचल प्रदेश के बीच मैच खेला गया। मंगलवार रात हुई बारिश के चलते मैदान का आउट फील्ड गीला रहा जिसकी वजह से मैच को 20-20 ओवर के लिए निर्धारित किया गया। चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए शुरुआत से ही तेज खेल दिखाया। कप्तान मनन वोहरा की नाबाद 108 व शिवम भंबरी की 68 रनों की पारी के दम पर टीम ने 20 ओवर में दो विकेट खोकर 207 रन बनाए। मनन ने 64 गेंदों में आठ छक्के व आठ चौके की मदद से 108 रनों की पारी खेली। 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरुणाचल प्रदेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 117 रन ही बना सकी। राहुल दलाल की नाबाद 76 व समर्थ सेठ की 11 रनों की पारी को छोड़ अन्य कोई खिलाड़ी दहाई का अंक पार नहीं कर पाया। चंडीगढ़ के लिए गुरिंदर सिंह ने चार विकेट चटकाए।

असम जीता : प्लेट ग्रुप के एक अन्य मैच में असम और नगालैंड के बीच मुकाबले में नगालैंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। बल्लेबाजी करने उतरी असम की टीम को सरुपम 23 व राहुल 29 ने सधी हुई शुरुआत दिलाई। इसके बाद अबु अहमद 31, रोशन आलम 28 व अमित सिन्हा की 25 रनों की पारी की बदौलत असम ने 47.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 207 रन बनाए। नगालैंड के लिए नागाहो चिशी ने पांच विकेट झटके। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नगालैंड की टीम की शुरुआत खराब रही। सेडीजहेली रुपरो शून्य, तेजोसेल 11 व ओसाशी 05 सस्ते में पवेलियन लौटे। इसके बाद आर जोनाथन की 46 रनों की पारी भी नगालैंड को जीत नहीं दिला सकी। नगालैंड टीम 41.4 ओवर में 137 रनों पर सिमट गई। असम ने नगालैंड पर 70 रनों से जीत दर्ज की। टीम के लिए वाई वी तकवले ने 21 व एसएस मुंधे ने 16 रनों की पारी खेली। **पांडे, राहुल ने कर्नाटक को छत्तीसगढ़ पर जीत दिलाई :** कप्तान मनीष पांडे और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल की शानदार पारियों से कर्नाटक ने विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप-ए मैच में छत्तीसगढ़ को 79 रन से हराया। राहुल के 81 और पांडे के नाबाद 142 रन की मदद से निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 285 रन बनाए और इसके बाद छत्तीसगढ़ को 44 ओवरों में 206 रन पर ढेर कर दिया।

ओडिशा ने हिमाचल को हराया

वडोदरा, प्रेट्र : ऑफ स्पिनर गोविंद पोद्दार ने 27 रन देकर चार विकेट लिए जिससे ओडिशा ने बारिश से प्रभावित विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप–बी मैच में बुधवार को यहां हिमाचल प्रदेश को तीन रन से पराजित किया। आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच 21 ओवरों का कर दिया गया। ओडिशा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 145 रन बनाए। हिमाचल की टीम 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 ओवर के बाद एक विकेट पर 72 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन इसके बाद उसकी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

हरियाणा और पंजाब का मुकाबला रद : हरियाणा और पंजाब के बीच यहां होने वाला एक अन्य मुकाबला रद हो गया। इस मैच में एक भी गेंद फेंकी नहीं गई।

विविध

किडनी रोगियों के प्रोटीन की कमी पूरा करेगा ड्रिंक

चंद्रशेखर वर्मा, ग्रेटर नोएडा

▶ डायलिसिस पर रहने से कई तरह के भोजन पर लग जाता है प्रतिबंध

▶ इससे सही मात्रा में शरीर को नहीं मिल पाता पर्याप्त प्रोटीन

किडनी रोग से ग्रसित मरीजों को डायलिसिस पर रहने से कई तरह के भोजन से दूर रहना पड़ता है। प्रतिबंधित डाइट होने से शरीर पर खासा असर पड़ता है। खासकर प्रोटीन की कमी होने लगती है। मांसपेशियों पर दुष्प्रभाव पड़ना शुरू हो जाते हैं। हालांकि दवाइयों के जरिये इन कमियों को पूरा करने का प्रयास किया जाता है लेकिन भोजन से मिलने वाले प्रोटीन की कमी पूरी नहीं हो सकती। दिल्ली स्थित निजी कंपनी ने इसके लिए कारगर तरीका खोजा है। उन्होंने मेक इन इंडिया के तहत एक उच्च प्रोटीन युक्त पेय बनाया है। इसके इस्तेमाल से मरीजों को रोजाना के प्रोटीन की प्राप्ति हो जाती है। यह पूरी तरह से जैविक है इसलिए हानिकारक भी नहीं है। इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहे सीएएसटी में कंपनी ने इसे लांच किया।

कंपनी के सेल्स मैनेजर मनोज सिंह और मार्केटिंग मैनेजर अरविंद कुमार ने बताया कि एक स्वस्थ इंसान के शरीर को रोजाना करीब 70 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है। किडनी रोग से ग्रसित मरीजों के खानपान पर कई तरह के प्रतिबंध लग जाते हैं। इस वजह से उनको पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल पता। इससे मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। यह ड्रिंक प्रोटीन की कमी को पूरा कर देता है। कॉफी के स्वाद में यह ड्रिंक 150 मिलीलीटर के कैन में उपलब्ध है। रोजाना केवल दो कैन के इस्तेमाल से पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन की प्राप्ति हो जाती है। यह पूरी तरह से जैविक है। इसमें किसी भी तरह के रसायनों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। देश में इस तरह का प्रोटीन ड्रिंक बनाने वाली यह पहली कंपनी है। इससे पहले इस तरह के पेय पदार्थों को विदेशों से आयात करना पड़ता था। इससे इसके एक कैन की लागत करीब साढ़े तीन सौ रुपये तक पड़ जाती थी, जबकि स्वदेशी कैन की कीमत महज 195 रुपये है।

जिम जाने वाले पाउडर की जगह कर सकते हैं इस्तेमाल : उन्होंने बताया कि यह ड्रिंक किसी भी तरह से हानिकारक नहीं है। इसे जिम जाने वाले भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जबकि प्रोटीन के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले पाउडर से शरीर हो नुकसान पहुंचने का अंदेशा रहता है। आने वाले समय में काफी वेंडर मशीन की तरह इसको भी स्थापित करने की योजना बना रहे हैं।

इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहे सीएएसटी में प्रोटीन ड्रिंक दिखाते कंपनी के अधिकारी। जागरण

पाकिस्तानी कहां गए सरकार को नहीं पता

रितेश द्विवेदी, मुरादाबाद : अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही देश में आतंकवादी घटनाओं को लेकर सरकार अलर्ट जारी कर चुकी है। देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही आंतरिक सुरक्षा को मजबूत रखना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। इसी को देखते हुए दैनिक जागरण ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से आरटीआइ के जरिये देश में वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी रह रहे विदेशी नागरिकों के संबंध में जानकारी मांगी थी। खासकर उन लोगों के बारे में पूछा गया था जो 14 साल पहले भारत-पाकिस्तान का मैच देखने के लिए आए थे। इनमें से 56 पाकिस्तानी अपने देश नहीं लौटे। इस पर मंत्रालय ने बताया कि उनके पास ऐसी कोई सूचना नहीं है।

गृह मंत्रालय से पूछा गया था कि देश में ऐसे कितने विदेशी लोग हैं, जो वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अपने देश नहीं लौटे? उनको खोजने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए? इन सवालों के जवाब में गृह मंत्रालय के उप सचिव मनोज कुमार झा ने जानकारी दी है कि मंत्रालय के पास ऐसे लोगों की कोई सूचना नहीं है। ऐसी सूचनाएं केवल राज्य स्तर में विदेशी पंजीयन पुलिस अधिकारी के पास होती हैं।

रेल से शराब की तस्करी ने खोली व्यवस्था की पोल

दीपक बहल, अंबाला

अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से घरेलू सामान की आड़ में ड्राई राज्य गुजरात में शराब तस्करी का पर्दाफाश होने के बाद रेलवे के सिस्टम की पोल खुल गई है। बिना जांचे परखे कैसा भी पार्सल देश के किसी भी कोने में भेजा जाता है और दूसरे स्टेशनों से अंबाला आता है। बिना स्कैन किए सामान को रेलगाड़ियों में लोड करना रेलवे सुरक्षा पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। अंबाला छावनी जैसे अतिसंवेदनशील स्टेशन पर सुरक्षा की दृष्टि से यात्रियों के सामान को स्कैन करने के लिए स्कैनर तो लगा दिया है, लेकिन अभी यह शोपीस ही बना हुआ है। मौजूदा समय किसी भी ट्रेन में कोई भी पार्सल बिना जांच परख के लोड हो रहा है।

शराब तस्करी की जांच में सुरक्षा एजेंसियां लगी हुई हैं, लेकिन शराब माफिया तक कानून के लंबे हाथ भी नहीं पहुंच पाए हैं। हालांकि कामर्शियल विभाग ने चीफ पार्सल सुपरवाइजर और क्लर्क को चार्जशीट थमाकर तबादला कर दिया है, लेकिन सिस्टम में बदलाव के लिए अभी कोई कदम नहीं उठाया गया है। अंबाला पार्सल कार्यालय में स्कैन होने के बाद ही रेलगाड़ी में सामान लोड हो, तभी इस तरह की तस्करी या किसी बड़ी घटना से बचा जा सकता है।

पार्सल में जो भी सामान बुक हो रहा है, रेल संपति के नाते आरपीएफ की जिम्मेदारी है कि वह निगरानी रखे की ट्रेनों में क्या सामान आ-जा रहा है। इसी तरह कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी जीआरपी की है। उनकी निगाह से भी शराब तस्करी का मामला कैसे छिपा रहा। इसको लेकर भी सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठ रहा है। गुजरात के राजकोट में दो दिन लगातार सैकड़ों बोतलें शराब बरामद हुईं, जिससे स्पष्ट होता है कि गैरकानूनी ढंग से यह कार्य लंबे समय से चल रहा होगा। शराब तस्करी ने स्टेशन पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां ही नहीं उनके नेटवर्क पर भी बड़ा सवाल उठा दिया है। यह बिना जानकारी के खेल चल रहा था या फिर कुछ और चल रहा था, यह भी जांच का विषय है।

अंबाला से ड्राई राज्य गुजरात के लिए शराब की पहले खेप में 540 बोतलें और दूसरी बार 704 बोतलें भेजी गई थीं। पहली खेप कटरा से जामनगर जाने वाली गाड़ी संख्या 12478 ट्रेन में तथा दूसरी खेप कटरा से हापा जाने वाली गाड़ी संख्या 12476 ट्रेन में लोड की गई। दोनों बार शराब अंबाला छावनी से ही लोड की गई। 16 सितंबर 2019 को राजकोट पहुंची शराब की डिलीवरी दे दी गई, जिसे एसओजी ने पकड़ लिया।

सुरक्षा प्लान तैयार किया जा रहा : डीआरएम

डीआरएम दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन को लेकर सुरक्षा प्लान तैयार कर रहे हैं। इस पर काम चल रहा है और जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा। स्टेशन को पूरी तरह से सुरक्षित किया जाएगा।

अब जलोटा उर्दू में सुनाएंगे गीता 1500 शेरों को किया शामिल

जासं, मुजफ्फरपुर

प्रसिद्ध गायक अनूप जलोटा अब जल्द ही उर्दू में गीता सुनाएंगे। इंतजार है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उनके संग्रह के लोकार्पण का। गोपालगंज जाने के क्रम में शहर पहुंचे गायक अनूप जलोटा ने यह जानकारी दी। बताया कि उर्दू में जो गीता वह सुनाने जा रहे हैं, उसमें 1500 शेरों को शामिल किया गया है। शायद उसको भी लोग सुनने के बाद लंबे समय तक याद रखेंगे।

बिग बॉस में इंट्री और उसके बाद उन पर सोशल मीडिया पर चली टीका-टिप्पणी के सवाल पर कहा कि वह एक मनोरंजन था। उसको एक सिनेमा मानें। मेरे लिए वह एक माह पेड हॉलीडे की तरह था। काम व गायन से मुक्ति मिली तथा पूरी तरह से आराम व मनोरंजन किया। आज आपके बीच फिर वहीं गायक अनूप जलोटा हाजिर है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक गीत-संगीत अजर-अमर है। उस पर किसी भी पश्चिमी संगीत या फिर रिमिक्स का कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला। वह मेहमान की तरह होता है। जिस तरह से मेहमान ज्यादा दिन तक आपके घर में नहीं रहते, वह भी नहीं टिकता। टिकते हैं तो अपने पुराने शास्त्रीय या पारंपरिक लोकगीत व संगीत। आज भी ऐसी लागी लगन.. वाला भजन सबकी जुबान पर है।

अनूप जलोटा। (फाइल)

जलोटा ने कहा कि बिहार के लोकगीत बेजोड़ हैं। उनका जवाब नहीं है। आज लोक गायिका पदमभूषण शारदा सिन्हा के गीत सिने जगत में छाए रहते हैं।

बदरीनाथ में आस्ट्रेलियाई जोड़े ने लिए सात फेरे

संवाद सहयोगी, गोपेश्वर (चमोली) : सनातन संस्कृति, वैदिक रीति-रिवाज और भगवान बदरी विशाल में अगाध आस्था आस्ट्रेलियाई जोड़े को भारत खींच लाई। आस्ट्रेलियाई जोड़े ने बदरीनाथ धाम में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए।

आस्ट्रेलियाई मूल के वर पाउलो व वधू क्यारा ने बदरीनाथ धाम में विवाह रचाकर एक-दूसरे के साथ सात जन्मों का रिश्ता निभाने की प्रतिज्ञा की। साथ ही नव दंपती ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पाउलो की भगवान बदरी विशाल में अगाध श्रद्धा है। इसके चलते वह अपने जीवन के इस खूबसूरत पल को और भी यादगार बनाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने बदरीनाथ धाम में अपना विवाह करने का निर्णय लिया। पाउलो का कहना है कि हमेशा से भगवान बदरी विशाल को लेकर उनके मन में गहरी आस्था व श्रद्धा रही है। इसके चलते उन्होंने बदरीनाथ धाम में शादी करने का मन बनाया। जब उन्होंने अपनी जीवन संगिनी क्यारा को इसके बारे बारे में बताया तो वह बहुत खुश हुई और बदरीनाथ में विवाह करने के प्रस्ताव को मान गईं। नवदंपति पाउलो व क्यारा का कहना है कि यह पल उनके जीवन का यादगार पल है।

कुल्लू दशहरा उत्सव आठ से राज्यपाल करेंगे शुभारंभ

जागरण संवाददाता, कुल्लू

आठ अक्तूबर से आरंभ होने वाले अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा का उद्घाटन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय करेंगे, जबकि 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। जयराम ठाकुर 13 अक्टूबर को सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

परिवहन मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने बुधवार को कुल्लू में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस बार अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में घाटी के 331 देवी-देवताओं को निमंत्रण पत्र भेजे गए हैं। दशहरा उत्सव में रूस, मलेशिया और श्रीलंका की प्रस्तुतियों की सहमति प्राप्त हो चुकी है। इसके अलावा केरल, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

ये हैं स्टार कलाकार : दशहरा के दौरान आठ अक्टूबर को पहली सांस्कृतिक संध्या में स्वरूप खान, नौ को सुरेश वाडेकर, 10 को निंजा-पंजाबी संध्या, 11 को ज्योतिका टांगरी व कुशल पाल, 12 को सिराज खान, 13 को सोनू निगम-बॉलीवुड नाइट व 14 को हिमाचली नाइट आयोजित की जाएगी। स्थानीय कलाकारों को सभी संध्याओं में प्रस्तुति का मौका दिया जाएगा। दशहरा में 13 अक्टूबर को 2000 बजंतरी एक साथ देवधुन बजाएंगे।

1700 कर्मचारी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था : इस बार 200 से अधिक जवानों को सुरक्षा में तैनात किया है। 500 होमगार्ड सहित कुल 1700 सुरक्षा कर्मियों को विभिन्न स्थलों पर तैनात किया जाएगा। 90 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो उत्सव की प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे।

उत्सव स्थल को 11 विभिन्न सेक्टरों में विभाजित किया गया है जिसमें एक सेक्टर मजिस्ट्रेट, एक सेक्टर ऑफिसर तथा एक सेक्टर पुलिस अधिकारी की तैनाती रहेगी। किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर तुरंत कारवाई की जाएगी। उपायुक्त एवं उत्सव समिति की उपाध्यक्ष डॉ. ऋचा वर्मा ने भी बैठक में उत्सव की तैयारियों पर प्रकाश डाला।

मौसम विशेष

पंजाब, राजस्थान के उत्तरी भाग, पश्चिमी हरियाणा में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। जबकि दिल्ली सहित पूर्वी हरियाणा में मौसम मुख्यतः गर्म होगा तथा एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा संभव है। जम्मू-कश्मीर के अनेक स्थानों पर तथा हिमाचल के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी।

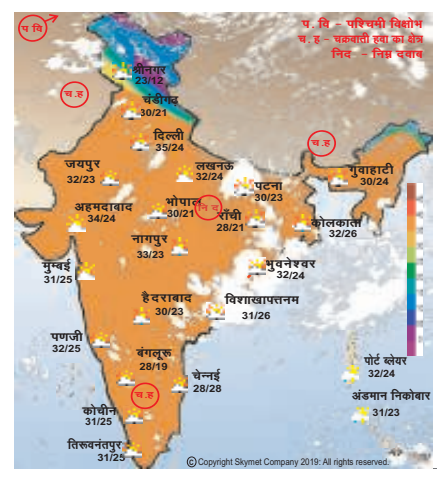

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	32/26/व	अहमदाबाद	34/24/व
कोलकाता	32/26/व	बड़ौदा	34/25/व
चेन्नई	34/25/व	नागपुर	34/22/व
हैदराबाद	30/22/आंबा	इन्दौर	30/21/आंबा
बंगलूरु	27/19/व	रांची	28/23/व
त्रिवेन्द्रम	31/24/सा	पटना	28/23/व
गुवाहाटी	27/23/आंबा	जमशेदपुर	28/24/व
गंगटोक	16/07/व	पुणे	26/22/व

अंतरिक्ष पहुंचा पहला मानवनिर्मित उपकरण

1942 में आज ही दुनिया की पहली लंबी दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल वी-2 का जर्मनी के टेस्ट स्टैंड-2 से पहला परीक्षण किया गया। यह मिसाइल अंतरिक्ष तक पहुंचने वाली पहली मानवनिर्मित उपकरण बनी।

भ्रष्टाचार के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी गिरफ्तार हुईं

1977 में आज ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन पर अपने पद का दुरुपयोग करने और 1971 में चुनाव प्रचार के लिए सरकारी खर्च पर जीपों का प्रबंध करने का आरोप लगा। ये आरोप 1971 लोकसभा चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वी राज नारायण ने लगाए थे। हालांकि, सबूतों के अभाव में उन्हें अगले दिन बरी कर दिया गया।

नर्मदा के संरक्षण के लिए समर्पित रहे अमृतलाल वेगड़

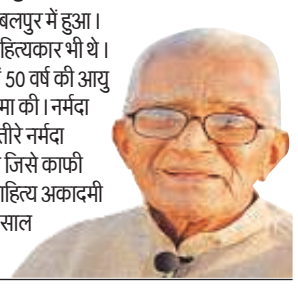

उनका जन्म 1928 में आज ही मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ। वह एक अच्छे चित्रकार और हिंदी, गुजराती साहित्यकार भी थे। नर्मदा संरक्षण में बड़ी भूमिका निभाई। 1977 में 50 वर्ष की आयु में और दूसरी बार 2002 में 75 की उम्र में नर्मदा की परिक्रमा की। नर्मदा के ऊपर चार किताबें भी लिखी हैं। अमृतस्य नर्मदा, तीरे-तीरे नर्मदा और नर्मदा तुम कितनी सुंदर हो और सौंदर्य की नदी नर्मदा जिसे काफी प्रसिद्धि मिली। सौंदर्य की नदी नर्मदा किताब के लिए वह साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किए गए। 6 जुलाई, 2018 को 90 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए।

इधर-उधर की

भ्रष्टाचार की कमाई में मिला कारूं का खजाना

बीजिंग, एजेंसी : 13.5 टन सोना और 30 अरब यूरो के रूप में बैंक में जमा नकदी। ये

घूस में कमाई गई संपत्ति का विवरण है। बात हो रही है चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के एक आला अधिकारी की। इन पर आरोप है कि इन्होंने घूस के रूप में ये संपत्ति अर्जित की है। हैनान प्रांत के इस 58 साल के झैंग क्वी नामक शीर्ष अधिकारी को हटा दिया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते के छापे में इनके घर से सोने की ईंटें, छड़ें और बिस्कुट मिले जिनका अंतरराष्ट्रीय बाजार में 52 करोड़ यूरो कीमत आंकी जा रही है। 130 अरब यूरो विभिन्न बैंकों में नकदी के रूप में जमा होने के आरोप हैं। काली कमाई के तहत इन्होंने कई आलीशान विला भी हासिल किए हैं। अगर इनके ऊपर भ्रष्टाचार का ये आरोप साबित होता है तो ये चीन के सबसे धनी व्यक्ति जैक मा (कुल संपत्ति 30 अरब यूरो) से भी ज्यादा धनवान निकलेंगे। हैकाऊ में झैंग कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव थे। वहां के मेयर के बराबर ही इनकी ताकतें थीं लिहाजा इन्होंने पद का जमकर दुरुपयोग किया।

कैंसर को रोकती है बढ़ती उम्र

पता लगाया ▶ बढ़ती स्लीपिंग कोशिकाएं कैंसर का फैलाव रोकती हैं

ब्रिटेन की लिवरपूल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया अध्ययन

मानव शरीर में प्रत्येक कोशिका किसी विशिष्ट कार्य को करती है। प्रतीकात्मक

'एजिंग सेल' जर्नल में प्रकाशित किया गया है अध्ययन

कोशिकाओं के अनियंत्रित तरीके से बढ़ने से होता है कैंसर

लंदन, प्रेट्र : इंसान की बढ़ती उम्र कैंसर को रोकती है। बढ़ती उम्र में शरीर में पैदा होने वाली विशेष कोशिकाएं कैंसर का विस्तार रोकती हैं। यह दावा एक अध्ययन में वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है।

'एजिंग सेल' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि मानव शरीर में प्रत्येक कोशिका किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए होती है। इन कोशिकाओं को सक्रिय करने के लिए मात्र कुछ ही जीन की जरूरत पड़ती है।

ब्रिटेन की लिवरपूल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं सहित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि जीन एक्सप्रेशन (वह प्रक्रिया जिसमें जीन एक विशेष प्रकार के प्रोटीन के उत्पादन के लिए सक्रिय होते हैं) का उपयोग अक्सर कैंसर और बढ़ती उम्र का अलग-अलग अध्ययन करने के लिए किया जाता है। हालांकि, कुछ ही अध्ययनों में जीन एक्सप्रेशन, बढ़ती उम्र और कैंसर के बीच के संबंधों की जांच की गई है। अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने नौ मनुष्यों के ऊतकों में जीन एक्सप्रेशन की तुलना बढ़ती उम्र और कैंसर के मामलों में की। शोधकर्ताओं ने बताया कि आनुवंशिक उत्परिवर्तन कोशिकाओं को अनियंत्रित तरीके से बढ़ाता है, जिससे कैंसर होता है। शरीर में एक स्वस्थ कोशिका नियंत्रित तरीके से विभाजित होती है, लेकिन जब यह अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती है तो कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में कई कोशिकाएं इस स्थिति को भांप लेती हैं और सो जाती हैं। यह सीनेसेंट या 'स्लीपिंग कोशिकाएं' होती हैं और यह विभाजित होने की अपनी क्षमता खो देती हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ ही इन स्लीपिंग कोशिकाओं की संख्या बढ़ जाती है। जो उम्र संबंधी प्रक्रियाओं और बीमारियों की वजह से होती है। कैंसर के प्रसार के लिए ये कोशिकाएं बड़ी बाधक साबित होती हैं। ये ट्यूमर को जरूरी प्रोटीन नहीं मुहैया करातीं, जिससे उसका प्रसार रुक जाता है।

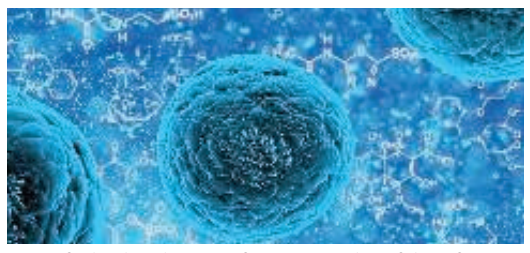

अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है इन स्लीपिंग कोशिकाओं की संख्या भी बढ़ती है। कैंसर को जरूरी प्रोटीन और फैलाव के लिए स्वस्थ कोशिकाओं की जरूरत पड़ती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने अध्ययन में कैंसर और उम्र बढ़ने के बीच के संबंध के बारे में पारंपरिक दृष्टिकोण को चुनौती दी है और यह सुझाव दिया है कि बढ़ती उम्र कैंसर की रोकथाम करती है। उन्होंने बताया कि शरीर में दो बल एक दूसरे के विपरीत काम करते हैं उत्परिवर्तन कैंसर को बढ़ाता है तो वहीं स्लीपिंग कोशिकाएं उसका विस्तार रोकती हैं।

ट्विटर और ट्वीटडेक हुए ठप, दुनिया भर के हजारों यूजर प्रभावित

वाशिंगटन, रायटर : माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर बुधवार को एक बार फिर से ठप हो गई। जिसके चलते पूरी दुनिया के यूजर्स डैशबोर्ड मैनेजमेंट प्लेटफार्म ट्वीटडेक या ट्विटर इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। यूजर्स ट्वीटडेक और ट्विटर के वेब वर्जन से ट्वीट नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि मोबाइल एप के साथ यह समस्या नहीं है। ट्विटर के आइओएस और एंड्रॉयड दोनों वर्जन काम कर रहे हैं। बता दें कि ट्वीटडेक सिंगल स्क्रीन पर ट्विटर फीड्स को मॉनीटर और मैनेज करने के लिए एक वेब और डेस्कटॉप सॉल्यूशन है।

इससे पहले ऐसी खराबियों पर नजर रखने वाली वेबसाइट आउटेजडॉटरिपोर्ट को जापान, भारत और कनाडा सहित पूरे विश्व से चार हजार शिकायतें मिलीं। कंपनी ने वेबसाइट में आई खराबी के संबंध में तो कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन एक ट्वीट में बताया है, 'आप लोगों को ट्वीट करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। हम इसे ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं।' इससे पहले ट्विटर के प्रतिनिधि ने बताया कि कंपनी ट्वीटडेक के साथ आ रही दिक्कतों की जांच कर रही है। इससे पहले 21 अगस्त को सोशल नेटवर्किंग एप एक घंटे के लिए क्रैश कर गया था। जिसके चलते भारत समेत कई देशों के यूजर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ा था।

फिल्म रिव्यू

साधारण कहानी, रोमांचक एक्शन

★★½

वॉर

निर्देशक : सिद्धार्थ आनंद
प्रमुख कलाकार : रितिक रोशन, टाइगर श्रॉफ, आशुतोष राणा, वाणी कपूर, अनुप्रिया गोयनका
अवधि : 2 घंटे 36 मिनट

हिंदी सिनेमा में दो एक्शन हीरो के साथ आने और उनके बीच प्रतिस्पर्धा देखने का रोमांच हमेशा से रहा है। रितिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के एक्शन का अंदाज, डांस और हैरतअंगेज स्टंट का स्तर ऊपर ले जाने को लेकर एक्शन डायरेक्टर की मेहनत फिल्म में साफ झलकती है।

कहानी सैन्य अधिकारी कबीर (रितिक रोशन) के अपने अधिकारी को मारने से होती है, जबकि उसका मिशन आतंकी फरीद हक्कानी को मारने का होता है। कबीर को गद्दार मान लिया जाता है। उसकी खोज में उसका ही शार्गिद खालिद (टाइगर श्रॉफ) लगता है। खालिद का अपना कड़वा अतीत रहा है। कहानी फ्लैशबैक में जाती है। कबीर अपनी टीम में खालिद को ना-नुकुर करने के बाद शामिल कर लेता है। मोस्ट वांटेंट आतंकी रिजवान इलियासी को पकड़ने में दोनों नाकाम रहते हैं। इस मिशन में कई उतार-चढ़ाव होते हैं, जो कहानी को आगे बढ़ाते हैं।

फिल्म की कहानी आदित्य चोपड़ा और सिद्धार्थ आनंद ने लिखी है। अपनी एक्शन फिल्म 'बैंग बैंग' की तरह 'वॉर' में भी सिद्धार्थ ने कई देशों में जाने का सिलसिला कायम रखा। 'बैंग बैंग' में भी हीरो रितिक थे, लिहाजा 'वॉर' में उनके एक्शन स्केल को बढ़ाने पर ध्यान दिया है। उन्होंने रितिक के साथ टाइगर की एंट्री काफी धमाकेदार रखी है। कहानी को माल्टा, पुर्तगाल से लेकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में ले जाने के दौरान वहां के दृश्य नयनाभिरामी है। जल, थल और वायु तीनों जगह के एक्शन सीन रोमांचित करते हैं। रितिक एक्शन दृश्यों में यूं भी विश्वसनीय लगते हैं। उनके किरदार को इस तरह गढ़ा गया है कि वे अपनी खूबियों के साथ फिल्म में दिखें। रितिक के सामने होने पर टाइगर श्रॉफ की मेहनत भी पर्दे पर स्पष्ट रूप से दिखती है। एक्शन में वह रितिक से कमतर नजर नहीं आते हैं। वाणी कपूर की भूमिका संक्षित हैं। पोल डांस जैसे दृश्य में उनकी मेहनत दिखती है।

फिल्म में लेखन स्तर पर कई कमियां हैं। फिल्म की शुरुआत में कर्नल (आशुतोष राणा) रक्षा मंत्री से कहता है कि उसके जांबांज अधिकारी कबीर ने अपना पाला बदल लिया है। लेखक उसकी वजहों में जाने की कोशिश नहीं करते। इसी तरह कबीर की अगली-पिछली जिंदगी का कोई सिरा कहानी से नहीं जोड़ा गया है। कहानी वर्तमान से अतीत में आती-जाती रहती है। वहां से माल्टा, मोरक्को, पुर्तगाल जैसे देशों में गुजरती है। वे कब वहां से दिल्ली आते-जाते हैं, अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। कहानी में कई ट्विस्ट ऐंड टर्न हैं। हालांकि उनका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं होता। उसमें प्लास्टिक सर्जरी से चेहरे बदल देने जैसे पुराने फार्मूले भी इस्तेमाल किए हैं। कोड भाषा का इस्तेमाल पुरानी जासूसी फिल्मों की याद ताजा कराता है। बहरहाल, मध्यांतर से पहले रितिक रोशन और टाइगर श्रॉफ का एकसाथ एक्शन, डांस और रस्साकशी दर्शकों को बांधे रखती हैं। रितिक और टाइगर के बीच डायलॉगबाजी से ज्यादा आंखों से इशारे और हावभाव से मनोभावों को व्यक्त कराने का आइडिया कारगर रहा है। फिल्म के अंत में सीक्वल बनाने का स्पष्ट संकेत दिया गया है। **-स्मिता श्रीवास्तव**

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

शोध अनुसंधान

लिवर पर बुरा असर डालती है फ्रक्टोज की अधिकता

फ्रक्टोज की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ लिवर कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया पर बुरा असर डाल सकते हैं। माइटोकॉन्ड्रिया को कोशिकाओं का पावरहाउस कहा जाता है। फ्रक्टोज की सामान्य रासायनिक संरचना ग्लूकोज जैसी ही होती है। हालांकि यह ग्लूकोज से ज्यादा मीठा होता है। कई पेय पदार्थों में मिठास के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। सामान्य चीनी को सुक्रोज कहा जाता है, जिसमें ग्लूकोज और फ्रक्टोज की बराबर मात्रा रहती है। अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ता सी. रोनाल्ड कान ने कहा, 'फ्रक्टोज का सेवन करने से लिवर में वसा का संचय ज्यादा होने लगता है। यह असर बिलकुल ऐसा ही है जैसे आपने हाई-फैट डाइट लिया हो।' वैज्ञानिकों ने बताया कि फ्रक्टोज में ज्यादा कैलोरी नहीं होती है लेकिन यह वसा को जलाने की लिवर की क्षमता को प्रभावित कर देता है। लिवर में वसा का बढ़ना सेहत के लिए सही नहीं है। - प्रेट्र

पके हुए भोजन से बदल जाते हैं पेट के बैक्टीरिया

खाना कच्चा है या पका हुआ है, इससे पेट के बैक्टीरिया में बदलाव हो जाता है। हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि समय के साथ किस तरह से पेट के बैक्टीरिया बदले और मानव शरीर में बदलाव हुआ। विज्ञान पत्रिका नेचर माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित शोध के मुताबिक, हमारे पेट में पाए जाने वाले बैक्टीरिया से यह तय होता है कि हमारा वजन किस तरह बढ़ेगा और स्वास्थ्य कैसा रहेगा। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैन फ्रांसिस्को के पीटर टर्नबॉफ ने कहा, 'अध्ययनों से यह पता लगाने में भी मदद मिली है कि शाकाहारी व मांसाहारी भोजन से कैसे पेट में पाए जाने वाले बैक्टीरिया में बदलाव होता है।' वैज्ञानिकों का कहना है कि पकाने से भोजन के पोषक तत्वों पर असर पड़ता है और यही बैक्टीरिया में बदलाव का कारण बनता है। - प्रेट्र

तमिलनाडु में 2600 साल पुरानी दीवार मिली

मदुरई, एएनआइ : तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के किलाडी में 2600 साल पुरानी संगम सभ्यता से जुड़ी एक चार ईंटों की एक दीवार मिली है। केंद्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा 2015 से यहां उत्खनन कराया जा रहा है।

वैगई नदी के तट पर स्थित गांव में चल रही खोदाई से अब तक कलाकृतियों समेत 14,500 वस्तुओं का पता लगा है। कार्बन डेटिंग के माध्यम से इनके संगम सभ्यता का होने का पता चला है। इनको सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार ने धन का आवंटन किया है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक 2000 साल पहले की सभ्यता की खोज को देखकर हम तमिलों को गर्व महसूस हो रहा है। देश के बाकी हिस्सों के लोगों को तमिलनाडु आना चाहिए और किलाडी को देखना चाहिए। इस स्थल पर उत्खनन का दूसरा चरण 2016 में और तीसरा चरण 2017 में चला। इसके बाद विभिन्न दलों द्वारा उत्खनन का काम जारी रखने के दबाव के चलते तमिलनाडु सरकार ने खोदाई का चौथा चरण 2018 में शुरू कराया। फिलहाल पांचवां चरण चल रहा है।

तीन माह में दस बार आइएसएस के बाहर चहलकदमी करेंगे अंतरिक्ष यात्री

वाशिंगटन, आइएएनएस : इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) में शोध करने वाले अंतरिक्ष यात्री अगले तीन महीने के भीतर यान के बाहर जाकर 10 बार चहलकदमी करेंगे। यह कार्यक्रम अपने आप में अभूतपूर्व कहा जा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को जानकारी दी कि इसे दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण की शुरुआत छह अक्टूबर को होगी। इसके तहत आइएसएस में मौजूद अंतरिक्ष यात्री चहलकदमी करते हुए यान के बाहर सौर ऊर्जा से जुड़े बैट्री सिस्टम को बदलेंगे। इसमें पुराने निकेल-हाइड्रोजन के बैट्री हटाकर लीथियम-आयन वाली उन्नत किस्म की बैट्री लगाई जाएगी। इससे यान में ऊर्जा की आपूर्ति और बेहतर होगी। दूसरे चरण के तहत आइएसएस के महत्वपूर्ण अल्फा मैग्नेटिक स्पेक्ट्रोमीटर को दुरुस्त किया जाएगा।

बीते 28 सितंबर को जापानी एच-2 ट्रांसफर वेहिकल की मदद से उन्नत किस्म के बैट्री व अन्य उपकरण आइएसएस पर पहुंचाए गए थे। पिछली बार बैट्री 2017 में बदली गई थी। 2011 से लेकर अभी तक अंतरिक्ष यात्रियों का यह सबसे बड़ी चहलकदमी माना जा रहा है।

2017 में बदली गई थी आइएसएस में बैट्री, 2011 के बाद की यह सबसे बड़ी चहलकदमी

प्रतीकात्मक

नासा के इनसाइट लैंडर ने मंगल पर अजीब आवाज सुनी

वाशिंगटन, आइएएनएस : नासा ने मंगल ग्रह पर अपने इनसाइट लैंडर द्वारा रिकॉर्ड की गई अजीबो-गरीब आवाज को रिलीज किया है। नासा ने मंगलवार को कहा कि यह आवाज मनुष्य की सुनने की सीमा के बहुत नीचे है। इन आवाजों को थोड़ा तेज कर हेडफोन से सुनने लायक बनाया गया है। इनसाइट लैंडर में मौजूद अतिसंवेदनशील सिस्मोमीटर, जिसे सीस्मिक एक्सपेरिमेंट फॉर इंटीरियर स्ट्रक्चर (एसईआइएस) कहा जाता है, हवा में मौजूद सूक्ष्म से सूक्ष्म कंपन को रिकार्ड कर सकता है। यह उपकरण फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी और उसके सहयोगियों ने प्रदान किया था। इस उपकरण को मंगल ग्रह के भूकंपो को सुनने के लिए डिजाइन किया गया है। वैज्ञानिक जानना चाहते हैं कि भूकंपीय तरंगे ग्रह में कैसे गुजरती हैं।

गूगल प्ले स्टोर पर 172 एप्स वायरस युक्त मिले

सैनफ्रांसिस्को, आइएएनएस : शोधकर्ताओं ने सितंबर माह में गूगल प्ले स्टोर पर वायरस युक्त 172 एप्स की पहचान की है। इन एप्स को 33.5 करोड़ बार डाउनलोड किया जा चुका है। मंगलवार को थ्रेटपोस्ट की रिपोर्ट में ईएसईटी शोधकर्ता लुकस स्टेफेंको के हवाले से बताया गया कि इन 172 एप्स में से ज्यादातर एप्स एडवेयर (अनचाहे विज्ञापन) हैं। वायरस प्रभावित अधिकतर एप्स को हटा दिया गया है।

टॉयलेट पेपर से तैयार की गई वेडिंग ड्रेस...

न्यूयॉर्क सिटी में टॉयलेट पेपर से तैयार की गई वेडिंग ड्रेस का प्रदर्शन करती मॉडल। 15 वें वार्षिक टॉयलेट पेपर ड्रेस कॉन्टेस्ट में इस ड्रेस को पुरस्कार के लिए चुना गया। इसे अमेरिका की चर्चित डिजाइनर मिमोजा हस्का उर्फ सेलेस्टिल रोज ने डिजाइन किया है। इसे तैयार करने में कई महीने का वक्त लगता है। पहले टॉयलेट पेपर के रेशे (धागे) तैयार किए जाते हैं। उसके बाद उनकी बुनाई और कढ़ाई करके कपड़ा तैयार होता है। प्रतियोगिता में तीन श्रेणियों पारंपरिक, आधुनिक और सांस्कृतिक हैं। प्रथम पुरस्कार के रूप में 10 हजार डॉलर (सात लाख रुपये) दिए जाते हैं। रायटर

गुलाबी रंग की रोशनी में चमकता एफिल टावर

ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित विश्व प्रसिद्ध एफिल टावर पर गुलाबी रंग की रोशनी की गई। पूरे माह यह अभियान चलेगा। अमेरिकी में ह्वाइट हाउस पर भी गुलाबी रोशनी की गई है। गुलाबी रंग ब्रेस्ट कैंसर जागरुकता के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रतीक माना जाता है और यह महिलाओं के प्रति नैतिक समर्थन व्यक्त करने का भी एक ढंग है। एएफपी

स्क्रीन शॉट

गांधी जयंती पर सलमान ने याद दिलाया 'स्वच्छ भारत' और 'फिट इंडिया' अभियान

सलमान खान फिटनेस के मामले में अव्वल हैं। फिल्मों की शूटिंग के दौरान वह सेट पर ही अपना जिम बना लेते हैं। फिटनेस के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ वह सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहते हैं। दो अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर सलमान खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उन्होंने अपने प्रशंसकों को स्वयं को फिट रखने और देश को स्वच्छ रखने की अपील की है। इस वीडियो में सलमान 'दबंग' के चुलबुल पांडे की स्टाइल में कहते नजर आ रहे हैं कि 'दो अक्टूबर को गांधी जयंती है और इसे सब लोग धूमधाम से मनाएं। आखिरकार महात्मा गांधी हमारे देश के राष्ट्रपिता हैं। इसके साथ थोड़ा... थोड़ा क्यों, बहुत ज्यादा फिट इंडिया पर ध्यान दें और भारत को स्वच्छ रखें। इसका मतलब है स्वच्छ भारत, स्वच्छ भारतीय और फिट इंडिया, फिट इंडियंस।' सलमान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दबंग 3' के प्रमोशन के साथ-साथ 'किक 2' की भी तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने 'दबंग 3' को लेकर सोशल मीडिया पर एक और वीडियो साझा किया था। इस वीडियो में सलमान ने बताया था कि 'दबंग 3' का प्रमोशन वह चुलबुल पांडे बनकर ही करेंगे। फिलहाल ये दोनों ही वीडियो सलमान खान के प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहे हैं और सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हो रहे हैं। फिल्म 'दबंग 3' साल के आखिरी महीने में 20 तारीख को रिलीज होगी।

मिताली राज बनेंगी तापसी पन्नू!

अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए यह साल काफी अच्छा रहा है। उनकी फिल्म 'बदला' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही है। उसके बाद 'गेम ओवर' में उन्हें अपनी अभिनय प्रतिभा का नया पहलू दिखाने का मौका मिला। उनकी अगली फिल्म 'सांड की आंख' है। यह फिल्म शूटर दादी के नाम से मशहूर चंद्रो तोमर और प्रकाशी तोमर पर आधारित है। फिल्म में तापसी निशानेबाजी करती दिखेंगी। तापसी इसे महज इत्तेफाक मानती हैं कि उनके पास बैक टू बैक खेल आधारित फिल्में ऑफर हो रही हैं। पिछले साल रिलीज 'सूरमा' में वह हॉकी खिलाड़ी की भूमिका में नजर आई थीं। खबर है कि भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली राज पर बनने वाली बायोपिक में वह शीर्ष भूमिका निभा सकती हैं।

...जब रणवीर सिंह को पहचान नहीं सके नितेश

किरदार की तैयारी को लेकर रणवीर सिंह खुद को पूरी तरह समर्पित कर देते हैं। फिल्म 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी के किरदार की तैयारी के दौरान वह दुनिया से कट गए थे। अब वह कबीर खान निर्देशित फिल्म '83 में कपिल देव की भूमिका में नजर आएंगे। हाल में वह फिल्म का लंदन शेड्यूल खत्म करके आए हैं। यह फिल्म वर्ष 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व कप जीतने पर आधारित है। बीते दिनों रणवीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक साझा किया था, जिसमें वह कपिल देव की तरह ही नजर आ रहे हैं। हालांकि उस लुक में देखकर 'छिछोरे' के निर्देशक नितेश तिवारी उन्हें पहचान नहीं पाए थे। नितेश और निर्माता साजिद नाडियावाला ऑफिस में एक ही मंजिल पर बैठते हैं। नितेश के मुताबिक, वह टेरिस पर चाय पी रहे थे। वहां किसी का लुक टेस्ट चल रहा था। वह कपिल की तरह दिख रहा था। उन्हें लगा कि किसी का विग टेस्ट कर रहे होंगे। उन्हें देखकर किसी ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्हें लगा कि वह उसे पहचानते नहीं है, फिर उसने क्यों हाथ हिलाया। करीब आने पर उन्होंने जाना कि वह रणवीर सिंह हैं।

'बच्चन पांडे' के लिए कृति सैनन को किया फाइनल

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की तरह कृति सैनन भी एक के बाद एक फिल्में साइन करती जा रही हैं। एक्ट्रेस 'लुका छुपी' और 'अर्जुन पटियाला' के बाद 'हाउसफुल 4' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाउसफुल सीक्वल की इस फिल्म में वह अक्षय कुमार के अपोजिट काम करेंगी। फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज होगी। इसके साथ ही अब यह खबर है कि फिल्म 'बच्चन पांडे' के लिए अक्षय कुमार के अपोजिट हीरोइन के रूप में कृति को फाइनल कर दिया गया है। इस तरह अब इस फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश खत्म हो गई है। कुछ समय से इस फिल्म के लिए उनके नाम को लेकर चर्चा चल रही थी, लेकिन कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई थी। अब अक्षय और कृति एक बार फिर अगले क्रिसमस पर आ रही फरहद सामजी की फिल्म 'बच्चन पांडे' में साथ दिखाई देंगे। कृति अभी तक 'हीरोपंती', 'दिलवाले' और 'बरेली की बर्फी' जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं। कृति ने अपने करियर की शुरुआत मॉडल के रूप में की थी। अक्षय की अपकमिंग फिल्मों में 'सूर्यवंशी', 'लक्ष्मी बम' और 'पृथ्वीराज' शामिल हैं।

तलाशी राह

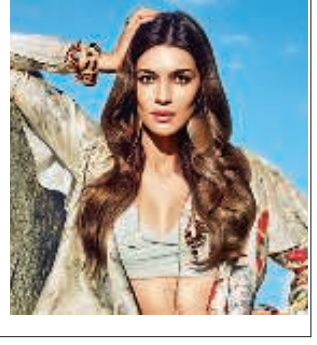

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने विकसित किया खास मॉडल, अभी केवल मृत या जाल में फंसी व्हेल के भार का ही चलता है पता

ड्रोन से मापा जा सकेगा व्हेल का सटीक वजन

लंदन, प्रेट्र : वर्तमान में धरती के सबसे विशालकाय जीव व्हेल के वजन को मापने की कोई भी विधि मौजूद नहीं है। इससे इस जीव के विकास संबंधी कई जरूरी तथ्यों को जानने में वैज्ञानिकों को दिक्कत होती है। अब इसका रास्ता शोधकर्ताओं ने तलाश लिया है। उन्होंने ऐसा मॉडल विकसित करने में कामयाबी हासिल की है, जिससे व्हेल का सटीक वजन मापा जा सकेगा। इसके लिए ड्रोन की मदद ली जाएगी। ड्रोन के जरिये इस विशालकाय स्तनपायी जीव के शरीर की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई की जानकारी हासिल की जा सकेगी और नवीन मॉडल उसके आधार पर व्हेल के वजन की गणना करेगा।

'मेथड्स इन इकोलॉजी एंड एवोलूशन' नामक जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में बताया गया है कि वर्तमान में इस जीव के वजन को मापने के लिए इसका मृत या फिर फंसा होना जरूरी है। किसी स्वतंत्र रूप से समुद्र में तैरती व्हेल के वजन को मापने का कोई भी तरीका फिलहाल नहीं था। इसे देखते हुए शोधकर्ताओं के एक दल ने जिसमें ब्रिटेन की ब्रिटिश इकोलॉजी सोसाइटी के शोधकर्ता भी शामिल थे ने व्हेल के शारीरिक विज्ञान और पारिस्थितिकी को जानने के लिए एक नया तरीका विकसित किया।

डेनमार्क में हारहूस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में इस शोध के प्रमुख लेखक फ्रेड्रिक क्रिश्चियन के मुताबिक, एक आजाद व्हेल के वजन का पता चलने से शोध के नए रास्ते खुल सकेंगे। अब हम समय के साथ इस जीव की वृद्धि से इसके वजन में इजाफे का नियमित पता लगा सकेंगे। इससे यह भी पता चलेगा कि इस जीव को बढ़ने में कितनी ऊर्जा की आवश्यकता होती है। फ्रेड्रिक के मुताबिक, इससे व्हेल को रोजाना कितनी ऊर्जा की जरूरत पड़ती है इसका पता लगाया जा सकेगा, जिससे यह अनुमान लगाने में मदद मिलेगी कि वह रोजाना कितना शिकार करती है।

आकार के माप से निकाला जाएगा वजन। प्रतीकात्मक

अभी यहां हो रहा है इस विधि का प्रयोग : शोधकर्ताओं के मुताबिक, अभी इस विधि का प्रयोग केल्प गुल नामक पक्षी द्वारा व्हेल पर हमले से लगने वाली चोटों और उसके स्वास्थ्य की जानकारी के लिए किया जा रहा है।

यह पक्षी व्हेल को नुकसान पहुंचाता है। इस दिशा में किया गया एक अध्ययन 2015 में प्लस वन नामक जर्नल में प्रकाशित किया गया था। इसके मुताबिक, बीती सदी के सातवें दशक में ली गई तस्वीरों के आधार पर पता चला था कि किसी भी व्हेल को इस पक्षी ने चोट नहीं पहुंचाई। हालांकि, आठवें दशक की तस्वीरें बताती हैं कि एक तिहाई से भी अधिक व्हेल के मां-शिशु के जोड़ों को इस पक्षी ने नुकसान पहुंचाया। वहीं, नौवें दशक की तस्वीरों में 84 फीसद व्हेलों पर इस पक्षी से मिली चोटों के निशान दिखाई दिए। 2000 की बात करें तो इस दशक में 99 फीसद व्हेलों पर चोटें पाई गईं।

इस तरह किया तैयार : इसी विधि में एक कदम आगे बढ़ते हुए शोधकर्ताओं ने ड्रोन का प्रयोग किया। इसके लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युसेट्स के डिजिटल लाइफ प्रोजेक्ट का सहयोग लिया, जो व्हेल के 3डी जाल को रीक्रिएट कर सकता है।